

“संस्कृति, पर्यटन, कृषि र पूर्वाधार
समावेशी सुनकोशी समृद्धिको आधार”



सुनकोशी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
ओखलढुंगा, कोशी प्रदेश, नेपाल

आवधिक योजना



अन्तिम प्रतिवेदन
२०८१

विषयसूची

| | |
|--|----|
| परिच्छेद - १ : भूमिका | १० |
| १.१. पृष्ठभूमि | १० |
| १.२. आवधिक योजनाको औचित्य | ११ |
| १.३. आवधिक योजनाको उद्देश्य | ११ |
| १.४. आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू | ११ |
| १.५. सङ्घीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू | १२ |
| १.६. दिगो विकासका लक्ष्यहरू | १२ |
| १.७. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया | १४ |
| परिच्छेद - २ : गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धीको समिक्षा | १६ |
| २.१ गाउँपालिकाको परिचय | १६ |
| २.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना | १६ |
| २.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा | १८ |
| २.१.३ जनसांख्यिक अवस्था | २० |
| २.२ आर्थिक विकास अवस्था | २१ |
| २.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा | २१ |
| २.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति | २१ |
| २.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति | २१ |
| २.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा | २२ |
| २.२.५ सहकारी | २२ |
| २.३ सामाजिक विकासको अवस्था | २२ |
| २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण | २२ |
| २.३.२ शैक्षिक विकास | २२ |
| २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई | २३ |
| २.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण | २३ |
| २.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला | २३ |
| २.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था | २४ |
| २.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण | २४ |
| २.४.२ सडक, पुल तथा यातायात | २४ |
| २.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा | २५ |
| २.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि | २५ |
| २.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिमन्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था | २५ |
| २.५.१ वन तथा जैविक विविधता | २५ |
| २.५.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन | २६ |
| २.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन | २६ |

| | | |
|---|---|-----------|
| २.५.४ | महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन | २६ |
| २.६ | सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था | २६ |
| २.६.१ | स्थानीयनीति, ऐन तथा सुशासन | २६ |
| २.६.२ | श्रोत परिचालन | २६ |
| २.६.३ | योजना व्यवस्थापन | २७ |
| परिच्छेद-३ : सोच तथा विकासको अवधारणा | | २८ |
| ३.१ | पृष्ठभूमि | २८ |
| ३.२ | प्रमुख समस्या तथा चुनौती | २८ |
| ३.३ | प्रमुख सम्भावना तथा अवसर | २८ |
| ३.४ | निर्देशक सिद्धान्त | २९ |
| ३.५ | सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य | २९ |
| ३.६ | परिमाणात्मक लक्ष्य | ३० |
| ३.७ | रणनीति तथा प्राथमिकता | ३१ |
| ३.८ | लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँड | ३१ |
| ३.८.१ | आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण | ३३ |
| ३.८.२ | सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँड | ३५ |
| ३.९ | गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors) | ३५ |
| ३.९.१ | कृषि क्षेत्र | ३५ |
| ३.९.२ | वनजंगल र जलस्रोत | ३५ |
| ३.९.३ | पर्यटन | ३६ |
| ३.९.४ | स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू | ३६ |
| ३.१० | विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू | ३६ |
| ३.१०.१ | ठूला शहरसँगको सन्निकटता | ३६ |
| ३.१०.२ | प्राकृतिक सम्पदाहरू | ३६ |
| ३.१०.३ | धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता | ३६ |
| ३.१०.४ | जनसांख्यिक लाभांश | ३६ |
| ३.११ | सुनकोशी गाउँपालिकाको गौरबका आयोजना (Signature Projects) | ३७ |
| परिच्छेद - ४ : आर्थिक क्षेत्र | | ३८ |
| ४.१ | कृषि तथा पशुपन्छी | ३८ |
| (अ) | कृषि | ३८ |
| | पृष्ठभूमि | ३८ |
| | सवलपक्ष : सम्भावना तथा अवसरहरू | ३८ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ४० |
| (आ) | पशुपन्छी विकास तथा मत्स्यपालन | ४४ |
| | पृष्ठभूमि | ४४ |
| | सम्भावना तथा अवसर | ४५ |

| | |
|--|-----------|
| उपक्षेत्रगतलक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ४५ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ५५ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | ५९ |
| ४.२ सिंचाई | ६० |
| पृष्ठभूमि | ६० |
| समस्या तथा चुनौती | ६० |
| सम्भावना तथा अवसर | ६० |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ६१ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ६३ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | ६३ |
| ४.३ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा | ६४ |
| (अ) पर्यटन | ६४ |
| पृष्ठभूमि | ६४ |
| समस्या तथा चुनौती | ६४ |
| सम्भावना तथा अवसर | ६४ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ६५ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ७१ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | ७२ |
| (आ) संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य | ७३ |
| पृष्ठभूमि | ७३ |
| समस्या तथा चुनौती | ७३ |
| सम्भावना तथा अवसर | ७४ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ७४ |
| ४.४ उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति | ८० |
| (अ) उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय | ८० |
| पृष्ठभूमि | ८० |
| समस्या तथा चुनौती | ८० |
| सम्भावना तथा अवसर | ८१ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ८१ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजाखाका | ८५ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | ८७ |
| (आ) सहकारी | ८७ |
| पृष्ठभूमि | ८७ |
| सम्भावना तथा अवसर | ८८ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ८८ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ९० |

| | | |
|---------------------|--|------------|
| (इ) | बैंक तथा वित्तीय क्षेत्र | ९१ |
| | पृष्ठभूमि | ९१ |
| | समस्या तथा चुनौती | ९१ |
| | सम्भावना तथा अवसर | ९१ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ९१ |
| | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ९३ |
| ४.५ | श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा | ९५ |
| (अ) | श्रम तथा रोजगारी | ९५ |
| | पृष्ठभूमि | ९५ |
| | समस्या तथा चुनौती | ९५ |
| | सम्भावना तथा अवसर | ९६ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ९६ |
| | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | ९९ |
| | अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १०० |
| (आ) | सामाजिक सुरक्षा | १०१ |
| | पृष्ठभूमि | १०१ |
| | समस्या तथा चुनौती | १०१ |
| | सम्भावना तथा अवसर | १०१ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १०१ |
| | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १०२ |
| परिच्छेद - ५ | सामाजिक क्षेत्र | १०३ |
| ५.१ | स्वास्थ्य तथा पोषण | १०३ |
| | पृष्ठभूमि | १०३ |
| | समस्या तथा चुनौती | १०३ |
| | सम्भावना तथा अवसर | १०४ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १०४ |
| | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १११ |
| | अनुमान तथा जोखिम पक्ष | ११४ |
| ५.२ | शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन | ११५ |
| | पृष्ठभूमि | ११५ |
| | समस्या तथा चुनौती | ११५ |
| | सम्भावना तथा अवसर | ११६ |
| | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | ११६ |
| | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १२६ |
| | अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १२९ |
| ५.३ | खानेपानी तथा सरसफाई | १३० |

| | |
|---|------------|
| पृष्ठभूमि | १३० |
| समस्या तथा चुनौती | १३० |
| सम्भावना तथा अवसर | १३१ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १३१ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १३५ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १३६ |
| ५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग | १३७ |
| (अ) लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण | १३७ |
| पृष्ठभूमि | १३७ |
| समस्या तथा चुनौती | १३७ |
| सम्भावना तथा अवसर | १३८ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १३९ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १४६ |
| (आ) बालबालिका तथा किशोर किशोरी | १५१ |
| पृष्ठभूमि | १५१ |
| समस्या तथा चुनौती | १५१ |
| सम्भावना तथा अवसर | १५१ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १५२ |
| अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजाखाका | १५४ |
| ५.५ युवा तथा खेलकुद | १५६ |
| पृष्ठभूमि | १५६ |
| समस्या तथा चुनौती | १५६ |
| सम्भावना तथा अवसर | १५७ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १५७ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १६१ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १६२ |
| ५.६ शान्ति सुरक्षा | १६३ |
| पृष्ठभूमि | १६३ |
| समस्या तथा चुनौती | १६३ |
| सम्भावना तथा अवसर | १६३ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १६३ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १६५ |
| ५.७ शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन | १६७ |
| पृष्ठभूमि | १६७ |
| समस्या तथा चुनौती | १६७ |
| सम्भावना तथा अवसर | ६७९६७ |

| | |
|---|------------|
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १६८ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १६९ |
| ५.८ गरीबी निवारण | १७० |
| पृष्ठभूमि | १७० |
| समस्या तथा चुनौती | १७० |
| सम्भावना तथा अवसर | १७० |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १७१ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १७४ |
| परिच्छेद- ६ : पूर्वाधार विकास | १७६ |
| ६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण | १७६ |
| पृष्ठभूमि | १७६ |
| समस्या तथा चुनौती | १७६ |
| सम्भावना तथा अवसर | १७६ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १७७ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १८० |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १८१ |
| ६.२ सडक, पुल तथा यातायात | १८१ |
| पृष्ठभूमि | १८१ |
| समस्या तथा चुनौती | १८२ |
| सम्भावना तथा अवसर | १८२ |
| उपक्षेत्र गत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १८३ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १८६ |
| अनुमान तथा जोखिमपक्ष | १८७ |
| ६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा | १८८ |
| पृष्ठभूमि | १८८ |
| समस्या तथा चुनौती | १८८ |
| सम्भावना तथा अवसर | १८८ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १८९ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १९० |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १९१ |
| ६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि | १९२ |
| पृष्ठभूमि | १९२ |
| समस्या तथा चुनौती | १९२ |
| सम्भावना तथा अवसर | १९२ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १९३ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | १९५ |

| | |
|--|------------|
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | १९५ |
| परिच्छेद - ७ : वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र | १९६ |
| ७.१ वन तथा जैविक विविधता | १९६ |
| पृष्ठभूमि | १९६ |
| समस्या तथा चुनौती | १९६ |
| सम्भावना तथा अवसर | १९७ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | १९७ |
| अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका | २०१ |
| अनुमानतथाजोखिमपक्ष | २०३ |
| ७.२ भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन | २०४ |
| (अ) भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग) | २०४ |
| पृष्ठभूमि | २०४ |
| समस्या तथा चुनौती | २०४ |
| सम्भावना तथा अवसर | २०४ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २०४ |
| अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका | २०७ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | २०८ |
| (आ) जलाधार संरक्षण | २०९ |
| पृष्ठभूमि | २०९ |
| समस्या तथा चुनौती | २०९ |
| सम्भावना तथा अवसर | २०९ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २०९ |
| अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका | २११ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | २१२ |
| ७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन | २१३ |
| पृष्ठभूमि | २१३ |
| समस्या तथा चुनौती | २१३ |
| सम्भावना तथा अवसर | २१३ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २१४ |
| अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका | २१७ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | २१७ |
| ७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता | २१८ |
| पृष्ठभूमि | २१८ |
| समस्या तथा चुनौती | २१८ |
| सम्भावना तथा अवसर | २१९ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २१९ |

| | |
|--|--------------|
| अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका | २२२ |
| अनुमान तथा जोखिम पक्ष | २२३ |
| परिच्छेद - ८ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र | २२४ |
| ८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन | २२४ |
| (अ) सुशासन तथा सेवाप्रवाह | २२४ |
| पृष्ठभूमि | २२४ |
| समस्या तथा चुनौती | २२४ |
| सम्भावना तथा अवसर | २२५ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २२५ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | २३० |
| अनुमान तथा जोखिमपक्ष | २३१ |
| (आ) मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय | २३२ |
| पृष्ठभूमि | २३२ |
| समस्या तथा चुनौती | २३२ |
| सम्भावना तथा अवसर | २३२ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २३२ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | २३४ |
| अनुमान तथा जोखिमपक्ष | २३५ |
| (इ) तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन | २३६ |
| पृष्ठभूमि | २३६ |
| उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना | २३६ |
| अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका | २३८ |
| परिच्छेद - ९ : कार्यान्वयन र व्यवस्थापन | २४० |
| ९.१ पृष्ठभूमि | २४० |
| ९.२ विषय क्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट | २४० |
| ९.३ स्रोत परिचालन रणनीति | २४० |
| ९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना | २४३ |
| क) अनुगमन | २४३ |
| ख) मूल्याङ्कन | २४६ |
| सन्दर्भ सामाग्रीहरू | २४७ |
| अनुसूचीहरू | इद्धड |
| अनुसूची १: विश्वका केही विकास मोडेलहरूको तुलनात्मक अध्ययन | २४८ |
| (क) एसियन टाइगर्स (Asian Tigers) | २४८ |
| (ख) दक्षिण कोरिया | २४९ |
| (ग) सिङ्गापुर | २५१ |
| (घ) ताइवान र हङ्कङ | २५३ |

| | | |
|--|--|------------|
| (ड) | मलेसिया | २५४ |
| (च) | स्विजरल्याण्ड | २५५ |
| (छ) | चीनको विकास मोडेल | २५६ |
| (ज) | विकासको भारतिय मोडेल (केरला र गुजरात) | २५८ |
| (झ) | रुवान्डाली मोडेल | २५९ |
| (ञ) | इथियोपियाली मोडेल | २६० |
| अनुसुची २ : वडागतरुपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू | | २६२ |
| (क) | आर्थिक क्षेत्र | २६२ |
| (ख) | सामाजिक क्षेत्र | २७१ |
| (ग) | पूर्वाधार विकास | २८२ |
| (घ) | वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र | २८८ |
| (ङ) | संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र | २९० |
| अनुसुची ३ : वडागतरुपमा बैठकका उपस्थितिहरू | | २९२ |
| अनुसुची ४ : आवाधिक योजनाको प्रारम्भिक छलफलको माइन्सूट | | ३०४ |
| अनुसुची ५ : आवाधिक योजनाको अन्तिम मस्यौदा छलफलको माइन्सूट | | ३०७ |
| अनुसुची ६ : कार्यक्रमका केही फोटाहरू | | ३०९ |
| अनुसुची ७ : अन्तिम मस्यौदा प्रतिवेदनको छलफलका भलकहरू | | ३१२ |

परिच्छेद - १ : भूमिका

१.१. पृष्ठभूमि

विश्वमा सबैभन्दा पहिले योजनाबद्ध विकासको अवधारणाको शुरूवात सन १९२८ मा पूर्व सोभियतसंघबाट शुरूभएको थियो । सन १९०० को दशकमा योजनाबद्ध विकासको अवधारणालाई स्थानीय योजनाको रूपमा तर्जुमा गर्न शहरी योजना अध्ययनको एउटा विधाको रूपमा अवलम्बन गरेको पाइन्छ । सन १९०९ देखि बेलायतमा लिभरपुल विश्वविद्यालयमा शहरीयोजनालाई शैक्षिक पाठ्यक्रममा समावेश गरी अध्ययनको शुरूवात गरिएको थियो । सन १९२४ मा अमेरिकाको हावर्ड विश्वविद्यालयमा यसको पढाई शुरू गरिएको थियो । योजनाबद्ध विकासको अवधारणाले सन १९२० को दशकमा भएको आर्थिक महामन्दीको समयमा पनि संसारभर लोकप्रिय बन्दै गएको र संसारका थुप्रै देशहरूले तीव्ररूपमा आर्थिक गतिविधिहरू सञ्चालन गर्न सक्षम भएका थिए । नेपालको सन्दर्भमा भन्नु पर्दा पहिलो आवधिक योजनाको शुरूवात वि.सं.२०१३ सालदेखि भएको हो । राष्ट्रिय योजना आयोगले दशौं आवधिक योजनासम्म पञ्चवर्षिय योजना तयार पार्ने गरेकोमा एघारौं देखि १४औं योजनासम्म ३ वर्षे बनाएको थियो भने पन्ध्रौं योजना ५ वर्षे थियो । हाल बन्न लागेको सोह्रौं पञ्च वर्षे योजना (आ.व.२०८१/८२ - २०८५/८६) हो ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा २४ को उपदफा १ मा गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विषयमा स्थानीयस्तरको विकासका लागि संविधानको अनुसूची ८ र ९ मा तोकिएका एकल तथा साभा अधिकारको सूचीमा रहेका अधिकारलाई प्रयोग गरी आवधिक, वार्षिक, रणनीतिगत, विषय क्षेत्रगत मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन विकास योजना बनाई लागु गर्नु पर्ने व्यवस्था गरिएको छ । यस ऐनको दफा २४ को उपदफा २ मा योजना तर्जुमा गर्दा सङ्घीय सरकार र प्रदेशसरकारको नीति, लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा र प्रक्रियासँग तालमेल हुने गरी सुशासन, वातावरण, बालमैत्री, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, विपद् व्यवस्थापन लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण, जस्ता अन्तर सम्बन्धित विषयलाई ध्यान दिनु पर्ने उल्लेख गरिएको छ । ऐनको दफा २४ को उपदफा ३ ले गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजना बनाउँदा ऐनमा तोकिए बमोजिमको विषयहरूमा प्राथमिकता दिनुपर्ने विषयहरू समेत तोकेको छ । योजनाहरू प्राथमिकीकरण गर्दा आर्थिक विकास तथा गरीबी निवारणमा प्रत्यक्ष योगदान पुग्ने, उत्पादनमुलक तथा छिटो प्रतिफल प्राप्त गर्न सकिने, जनताको जीवनस्तर, आम्दानी र रोजगार बढ्ने, स्थानीय बासीहरूको सहभागिता जुट्ने तथा लागत कम लाग्ने, स्थानीय स्रोत, साधन र सीपको अधिकतम प्रयोग हुने, महिला बालबालिका तथा पिछडिएका वर्ग, क्षेत्र र समुदायलाई प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने, लैङ्गिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण अभिवृद्धि हुने, दिगोविकास, वातावरणीय संरक्षण तथा सम्बर्द्धनमा सघाउ पुर्याउने, भाषिक तथा सांस्कृतिक पक्षको जगेर्ना र सामाजिक सद्भाव तथा एकता अभिवृद्धिमा सघाउ पुर्याउने सूचकहरूको आधारमा योजनाहरू प्राथमिकीकरण गर्नु पर्ने उल्लेख गरिएको छ । यो ऐनको दफा २४ को उपदफा ४ मा योजना बनाउँदा मध्यम र दीर्घकालीन प्रकृतिका आयोजनाहरूको सूची तयार गर्नु पर्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ ।

सन २००० देखि २०१५ सम्मको लागि सहश्राब्दी विकासका ८ वटा लक्ष्यहरू कार्यान्वयनमा ल्याउँदा नेपालले राम्रो प्रगति गरेको थियो । हाल कार्यान्वयनमा रहेको दिगो विकास लक्ष्यको दस्तावेजले सन २०३० सम्ममा नेपाललाई न्यायपूर्ण तथा समृद्ध मुलुक बनाउने परिकल्पना (भ्लखष्कष्यल) गरेको छ । सन २०३० सम्म दिगोविकास लक्ष्य हासिल गर्न निजी तथा सहकारी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गर्ने र जिम्मेवार बनाउने दायित्व तीनै तहको सरकारको हो । दिगोविकास लक्ष्यहरू अन्तर्गत १७ वटा लक्ष्यहरू र १६९ वटा परिमाणात्मक लक्ष्यहरू निर्धारण गरिएका छन् ।

वि.सं.२०३० साल सम्ममा नेपाललाई उच्च आय भएको मुलुकमा पुर्याई “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली”को साभा राष्ट्रिय लक्ष्य पूरा गर्ने नेपाल सरकारको दीर्घकालीन सोचलाई पूरा गर्न यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनाले

योगदान गर्ने छ । यस पालिकाको आवधिक योजनाले लिएका लक्ष्य, उद्देश्य तथा क्रियाकलापहरू राष्ट्रिय सोचलाई पूरा गर्नका लागि लक्षित छन् ।

राष्ट्रिय योजनाका लक्ष्यहरू पूरा गर्न स्थानीयतहको पनि अग्रणी भूमिका हुने भएकोले योजनाले लिएका राष्ट्रिय लक्ष्य तथा मार्ग चित्रका आधारमा स्थानीय तहले आ-आफ्नो आवधिक योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने भएकोले यो पाँच वर्षे आवधिक विकास योजना (२०८१/८२-२०८५/८६) तर्जुमा गरिएको छ ।

१.२. आवधिक योजनाको औचित्य

गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा यसका समष्टिगत आर्थिक, सामाजिक, भौतिक, वन तथा वातावरण र संस्थागत विकासका लागि निश्चित लक्ष्य तथा उद्देश्यहरू निर्धारण गरी तोकिएको समयसिमा भित्र सो हासिल गर्नका लागि उपयुक्त सिद्धान्त, नीति, रणनीति तथा प्राथमिकताहरू पहिचान एवम परिभाषित गरी मार्ग चित्र तयार पारिएको छ । यस योजनाले गाउँपालिकालाई निश्चित समयसिमा भित्र आफुले चाहेको विकासको लक्ष्य तर्फ डोर्याउन मद्दत गर्नेछ । दिगो विकासका लक्ष्यहरूलाई स्थानीयकरण गर्नका लागि यसको सिद्धान्त र सारलाई आत्मसात गर्दै आफ्नो पालिकाको आवश्यकता अनुसार अगाडि बढ्न आवधिक योजनाको जरुरी भएको हो । नेपाल सरकारको आफ्नो अन्तर राष्ट्रिय प्रतिबद्धता अनुरूप वि.स.२०८७ सम्ममा दिगो विकास लक्ष्य हासिल गरिसक्नुपर्ने छ । विकासका सबै आयामहरूमा “कसैलाई पनि पछि नछोड्ने (भबखलन लय यलभ दभजप्लम)”को प्रतिबद्धता बमोजिम दिगो विकास लक्ष्यहरूलाई गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा समेत आन्तरिकीकरण र स्थानीयकरण गर्नु बाञ्छनीय बनाएकोले समग्र पालिकाको विकास प्रक्रियामा विपन्न र पछाडि परेका वर्गहरूलाई समाहित गर्नका लागि पनि आवधिक योजना जरुरी रहेको छ ।

१.३. आवधिक योजनाको उद्देश्य

आवधिक योजना तर्जुमाको मुख्य उद्देश्य गाउँपालिकाको नेतृत्वमा योजनाबद्ध विकासका लागि सरकारी, गैरसरकारी, सहकारी, समुदायमा आधारित संस्था तथा निजीक्षेत्रको संलग्नतामा एकीकृत तथा समष्टिगत विकास प्रक्रियालाई मार्ग दर्शन गर्नु नै हो । यो योजना तर्जुमाका सहायक तथा निर्दिष्ट उद्देश्यहरू देहाय अनुसार छन्:

- १) गाउँपालिकाको विकास योजनाको प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानीको सुनिश्चितता प्रदान गरी साधन स्रोतको विनियोजन प्रक्रियाको पुनसंरचना गरी प्राथमिकता प्राप्त विषयगत क्षेत्रमा बजेटको बाँडफाँट गर्ने ।
- २) सार्वजनिक खर्च प्रणालीमा वित्त अनुशासन कायम गरी समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व प्राप्त गर्नका लागि स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुने पाँच वर्ष मध्ये बाँकी चारवर्षे अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट तथा कार्यक्रम खाका तर्जुमा गर्ने ।
- ३) सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने ।

१.४. आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू

नेपालको संविधानले स्थानीय सरकारलाई आफ्नो क्षेत्रभित्रको विकासको प्रमुख वाहककारूपमा गाउँपालिकाको आफ्नै अधिकार र दायित्व भित्र पर्ने विकासका विषयहरू, गाउँपालिकालाई प्रभाव पार्ने प्रदेश तथा सङ्घीय नीति, योजना र कार्यक्रम र गाउँपालिकाको योजना बारे मार्गनिर्देश तथा नेपालले अनुमोदन गरेका विकास सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धताहरू रहेका छन् । नेपालले विशेष गरी सन २०३० सम्ममा सबै देश, सबै क्षेत्र तथा समुदायहरूले हासिल गर्ने प्रतिबद्धता जनाएका दिगो विकासका लक्ष्यहरूलाई स्थानीयकरण गर्नु पर्ने जिम्मेवारी रहेको छ ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले नेपालको संविधानको अनुसूची ८ मा उल्लेख भएका स्थानीय तहको अधिकारको थप व्याख्या गरी स्थानीय सरकारलाई स्थानीय स्तरका समग्र विकासका योजनाहरू निर्माण, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने अधिकार प्रदान गरेको छ। यस ऐनको परिच्छेद-३ दफा ११ को उपदफा २ (छ) (१) मा स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन गर्ने अधिकार दिएको छ। बुँदानं.२ मा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वातावरणीय, प्रविधि र पूर्वाधार जन्य विकासका लागि आवश्यक आयोजना तथा परियोजनाहरूको तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने अधिकार समेत स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासको आवधिक योजना तयार पारिएको छ।

१.५. सङ्घीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको दीर्घकालीन, सोच, लक्ष्य र उद्देश्य तय गर्दा सङ्घीय सरकार तथा कोशी प्रदेशले तय गरेको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्यहरू तथा परिमाणात्मक लक्ष्यसँग सामञ्जस्यता कायम हुने गरी तय गरिएको छ। सङ्घीय सरकारले तय गरेको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरूसँग तालमेल गर्न सजिलो होस भन्ने उद्देश्यले सङ्घीय सरकारको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्यहरू यस दस्तावेजमा प्रस्तुत गरिएको छ।

१) दीर्घकालीन सोच वि.सं. २१००

तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धिको लागि आयमा वृद्धि, गुणस्तरीय य मानव पूँजी निर्माण तथा आर्थिक जोखिमहरूलाई न्यूनीकरण गर्दै वि.सं.२०७९ सम्ममा नेपाललाई अति कम विकसित देशबाट विकासशील देशमा स्तरोन्नति गर्दै वि.सं.२०८७ सम्ममा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा रूपान्तरण हुने गरी नेपालको दीर्घकालीन सोच तयार पारिएको छ।

यस दीर्घकालीन सोचको मूल लक्ष्य सामाजिक न्यायमा आधारित समतामूलक समाज निर्माण गर्ने रहेको छ। यसको मूल रणनीति भनेको आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत साधन लगायत अर्थतन्त्रका सहयोगी क्षेत्रको परिचालन मार्फत रूपान्तरणका कार्यक्रममा लगानी केन्द्रित गर्नु रहेकोछ। नेपालले वि.सं.२१०० सम्मलाई “समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली” दीर्घकालीन सोच तय गरेको छ। यस सोचको अपेक्षित उपलब्धिमा “समुन्नत, स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितका समान अवसार प्राप्त, स्वस्थ, शिक्षित मर्यादित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक”मा नेपाललाई रूपान्तरण गर्ने रहेको छ।

१.६. दिगो विकासका लक्ष्यहरू

दिगो विकास लक्ष्य भन्नाले सन् २०१५ मा संयुक्त राष्ट्रसंघमा आवद्ध सम्पूर्ण राष्ट्रहरूद्वारा अनुमोदन गरी समग्र विश्व र मानव जातिको दीर्घकालीन सुरक्षा, सुख र समृद्धिका लागि तय गरिएका साभ्ना लक्ष्यहरूलाई बुझाउँछ। दिगो विकासका लक्ष्यमा आर्थिक, सामाजिक र पर्यावरणीय गरी मुख्य ३ वटा आयाम समावेश गरिएको छ। दिगो विकास लक्ष्यलाई स्थानीय तहको योजना तथा कार्यक्रममा आन्तरिकीकरण(क्षलतभचलबष्िावतप्यल) गरी तदनुरुपतादाम्यता कायम हुने आफ्ना योजना र कार्यक्रम नतिजामूखी तरिकाले कार्यान्वयन गर्न सुशासन प्रवर्द्धन आवश्यक छ। विश्वका सबै देशहरूले सन् २०३० सम्म यी साभ्ना लक्ष्यहरू हासिल गर्नुपर्ने छ। नेपालले समेत यो लक्ष्यहरू हासिल गर्न प्रतिवद्धता जनाइसकेकोले यी लक्ष्यहरूलाई योजना तर्जुमाको आधार बनाइएको छ। दिगो विकासका कुल १७ वटा लक्ष्यहरू मध्ये भू-परिवेष्ठित मुलुक भएकोले लक्ष्य १४ नेपालसँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित छैन। यस योजनामा दिगोविकासका लक्ष्यहरूका १६९ परिमाणात्मक लक्ष्यहरू र २३२ वटा विश्वव्यापी सूचकहरू रहेका छन्। राष्ट्रिय योजना आयोगले २४७ वटा थप गरी कुल ४७९ सूचकहरू निर्धारण गरेकोले गाउँपालिकासँग सम्बन्धित लक्ष्य र सूचकहरूलाई समेत यो योजनाले समेट्ने र दिगोविकास लक्ष्यको स्थानीयकरण गर्ने प्रयास गरेको छ।

दिगो विकासका लक्ष्यहरू

१. सबै ठाउँबाट सबै प्रकारका गरिवीको अन्त्य गर्ने ।
२. भोकमरीको अन्त्यगर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. सबै उमेर समुहका व्यक्तिका लागि स्वस्थजीवन सुनिश्चित गर्दै समृद्ध जीवन प्रवर्द्धन गर्ने ।
४. सबैका लागि समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय य शिक्षा सुनिश्चित गर्ने र जीवनपर्यन्त सिकाईका अवसरहरू प्रवर्द्धन गर्ने ।
५. लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालबालिकालाई सशक्त बनाउने ।
६. सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाईको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।
७. सबैका लागि किरायायती, विश्वासनीय, दिगो र आधुनिक उर्जामा पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
८. भरपर्दो, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि तथा सबैका लागि पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी र मर्यादितकामको प्रवर्द्धन गर्ने ।
९. उत्पादनशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्द्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
१०. मुलुक भित्र तथा मुलुकहरू बीच असमानता घटाउने ।
११. शहर तथा मानव बसोबासलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्पादनशील र दिगो बनाउने ।
१२. दिगो उपभोग र उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।
१३. जलवायु परिवर्तन र यसको प्रभाव नियन्त्रण गर्ने तत्कालपहलथाल्ने ।
१४. दिगो विकासका लागि महासागर, समुद्र र समुद्री साधन स्रोतहरूको दिगो प्रयोग तथा संरक्षण गर्ने ।
१५. स्थानीय पर्यावरणीयको संरक्षण, पुनर्स्थापना र दिगो उपयोगको प्रवर्द्धन गर्ने, वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमीकरण र भूक्षय रोक्ने तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने ।
१६. दिगो विकासको लागि शान्तिपूर्ण र समावेशी समाजको प्रवर्द्धन गर्ने, सबैको न्यायमापहुँच सुनिश्चित गर्ने र सबै तहमा प्रभावकारी, जवाफदेही र समावेशी संस्थाको स्थापना गर्ने ।
१७. दिगो विकासका लागि विश्वव्यापी साभेदारी सशक्त बनाउने र कार्यान्वयनका लागि स्रोत साधन सुदृढ गर्ने ।

योजना तर्जुमा गर्ने क्रममा नेपालसरकारले पक्षराष्ट्र भई अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा हस्ताक्षर तथा अनुमोदन गरेका अन्य सान्दर्भिक घोषणापत्र तथा सन्धि सम्झौताहरूको मर्महरूलाई समेत ध्यानमा राखिएको छ । जस्तै: मानव अधिकार सम्बन्धी विश्वव्यापी घोषणा पत्र सन १९४८, बाल अधिकार सम्बन्धी घोषणापत्र, विश्व संरक्षण नीति (ध्यचमि ऋयलकभचखवतप्यल क्तचवतभनष्भक) आदि । आवधिक योजना निर्माण गर्दा यस गाउँपालिकामा रहेका राजनैतिक दलहरूले विभिन्न तहका चुनाव तथा अन्य समयमा पालिकावासीका माझ गरेका प्रतिबद्धताहरूलाई समेत मध्यनजर गरी सम्बोधन गर्ने प्रयत्न गरिएको छ ।

गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था

गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था स्थानीय आवश्यकता, समस्या र सम्भावनाहरू यस अन्तर्गत वडा भेला, स्थलगत अध्ययन तथा गाउँपालिका केन्द्रमा विभिन्न समयमा सम्पन्न अन्तरक्रिया तथा सरोकारवालारूबाट प्राप्त सुभाबका आधारमा गाउँपालिकाको प्रमुख समस्या चुनौती, सम्भावना र आवश्यकता पहिचान गरी सो को ऋह् विश्लेषण गरे पश्चात् आवश्यक योजनाहरू निर्माण गरिएको हो ।

१.७. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया

आवधिक विकास योजनाको तर्जुमा तयार गर्नका लागि राष्ट्रिय योजना आयोग तथा प्रदेश सरकारले तयार पारेको स्थानीय तहको आवधिक विकास योजना तर्जुमा सम्बन्धी दिग्दर्शनमा आधारित भएर तपशिलमा उल्लेखित विधि/प्रक्रियाहरू अवलम्बन गरी तयार पारिएको छ ।

१) आवश्यक दस्तावेजहरूको पुनरावलोकन

यसमा नेपालको संविधान, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, राष्ट्रिय योजना आयोग द्वारा तयार पारिएको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ र पन्ध्रौँ योजना २०७६/७७-२०८०/०८१ सम्म, दिगोविकास लक्ष्यहरू, कोशी प्रदेशले तयार पारेको आवधिक विकास योजना दस्तावेज लगायत यस अध्ययनसँग सम्बन्धित दस्तावेजहरूको पुनरावलोकन गरिएको छ । यो आवधिक विकास योजना आधारभूत रूपमा राष्ट्रिय योजना आयोगले तयार पारेको स्थानीय तहहरूका लागि आवधिक योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ मा आधारित भएर तयार गरिएको छ । यसै गरी आवधिक योजना तर्जुमा गर्दा सुनकोशी गाउँपालिकाको वार्षिक बजेट, नीति तथा कार्यक्रम, कृषि विकास शाखा तथा पशु सेवा शाखाले तयार पारेको वार्षिक प्रगति तथा तथ्याङ्क पुस्तिका २०८०/८१, राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को प्रतिवेदन, स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन प्रतिवेदन स्थानीय तह वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कनको प्रतिवेदन लगायतका अन्य दस्तावेजहरूको पुनरावलोकन गरिएको थियो ।

२) पूर्व तयारी वा दीर्घकालीन सोच निर्माण कार्यशाला

आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रियालाई अघि बढाउन योजनाको अवधारणा, योजना निर्माणको महत्व, तर्जुमाका प्रक्रियाहरूका बारेमा गाउँसभाका सम्पूर्ण सदस्यहरू, विषयगत शाखाका प्रमुखहरू, गैरसरकारी संघसंस्थाका प्रतिनिधिहरूलाई जानकारी गराउन २०८१ पौष १० गतेका दिन एक दिने अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजना गरियो । उक्त कार्यक्रममा २२ जनाको उपस्थिति थियो । यस कार्यक्रममा दीर्घकालीन सोच तयारीको लागि अभिमुखीकरण गरिएको थियो ।

३) आधारभूत सूचना सङ्कलन तथा स्थिति विश्लेषण

आवधिक योजना तयारीका लागि गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरणमा भएको सूचनाहरू, राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को प्रतिवेदन, विषयगत शाखाहरूको अभिलेख तथा तथ्याङ्क, सङ्घीय तथा कोशी प्रदेशको आवधिक योजनामा भएका सान्दर्भिक तथ्याङ्कका साथै वडास्तरमा गरिएको छलफलबाट प्राप्त सूचना तथा तथ्याङ्कलाई विश्लेषण गरी आधाररेखा सूचना तयारी गरियो ।

४) वडा तहको छलफल कार्यक्रम

योजना तर्जुमा कार्यशाला पश्चात २०८१ पौष १२ गतेदेखि २१ गतेसम्म वडामा छलफल कार्यक्रम सम्पन्न गरियो । यसबाट योजना प्रतिको अपनत्व वृद्धि भएको र त्यहाँबाट पहिचान भएका माग वा चाहना र आवश्यकताहरू सङ्कलन गरिएको थियो । वडातहको छलफलबाट यस गाउँपालिकाको समग्र वस्तुस्थिति बुझेर क्विट विश्लेषण, माग सङ्कलन, आवश्यकताको पहिचान, प्राथमिकताको पहिचान र प्राथमिकता प्राप्त क्रियाकलापहरूको पहिचान गरिएको थियो ।

५) मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी

योजना तर्जुमाको शिलसिलामा २०८१ पौष १२ गतेदेखि २१ गतेसम्म वडा तहको भेलाबाट प्राप्त सूचना तथा तथ्याङ्कको आधारमा तयार पारिएको प्रारम्भिक मस्यौदालाई पालिकास्तरीय वार्षिक योजना तर्जुमाका

लागि आयोजना गरिएको सुभाब सङ्कलन कार्यशालामा प्रस्तुत गरियो । पालिकास्तरीय भेलाका सहभागीहरूबाट प्राप्त सुभाबलाई समावेश गरी मस्यौदा प्रतिवेदन तयार पारियो ।

६) **मस्यौदा प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण**

सुनकोशी गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको ड्राफ्ट रिपोर्टलाई पालिकाको विषयगत समितिमा पेश गरियो । विषयगत समितिले अध्ययन गरी दिएको सो रिपोर्ट उपर आवश्यक सल्लाह र सुभाबहरूलाई पुन रिपोर्टमा प्रवृष्टि गरी अन्तिम रूपको लागि गाउँ परिषदमा पेश गरी कार्यान्वयनको लागि परिषदबाट पास गरियो ।

परिच्छेद - २ : गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धीको समिक्षा

२.१ गाउँपालिकाको परिचय

सुनकोशी गाउँपालिका कोशी प्रदेश अन्तर्गत ओखलढुंगा जिल्लाको उत्तर पश्चिममा अवस्थित छ। वि.स. २०७३ साल फागुन २७ गते नेपाल सरकारले स्थानीय तहहरूलाई नेपाल राजपत्रमा सूचना प्रकाशित भए बमोजिम स्थानीय तह निर्धारण तथा सिफारिस आयोगको २०७३ सालको सिफारिसको आधारमा साविकका बलखु, सिस्नेरी, मुलखर्क, च्यानम र कटुञ्जे गाउँ विकास समितिहरूलाई समायोजन गरी सुनकोशी गाउँपालिका घोषणा गरे अनुसार २०७३ साल फाल्गुन २७ गते विधिवत रूपमा स्थापना भएको हो। प्रशासनिक रूपमा पालिकालाई १० वटा वडाहरूमा विभाजित गरिएको छ।

२.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

क) भौगोलिक अवस्था

गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १४३.७५ वर्ग किलोमिटर रहेको छ। समुन्द्र सतहवाट ३५८ मिटर देखि २८२० मिटर सम्मको उचाईमा रहेको यो क्षेत्र भौगोलिक रूपमा २७ डिग्री २८ मिनेट ३३ सेकेन्ड उत्तरी अक्षांश देखि ८६ डिग्री ३७ मिनेट ३९ सेकेन्ड पूर्वी देशान्तरसम्म फैलिएको छ। पालिकाको उत्तरमा मोलुङ गाउँपालिका, पूर्वमा मोलुङ खोला, दक्षिणमा सुनकोशी नदि र पश्चिममा चम्पादेवी गाउँपालिका सँग सिमाना जोडिएको छ। यहाँको औषत तापक्रम ११ डिग्री सेल्सियस देखि ३२ डिग्री सेल्सियससम्म हुन्छ।

भू-उपयोगको वितरण

यस गाउँपालिकाको उचाई समुन्द्र सतहवाट ३५८ मिटर देखि २८२० मिटरको उचाईमा रहेको हुनाले यहाँको भू-भाग समान किसिमको नभई विभिन्न क्षेत्रहरूमा विभाजित रहेका छन्। विशेष गरी गाउँपालिकाको भू-उपयोग र भू-आवरणको वस्तुगत विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

गाउँपालिकाको भू-उपयोगको विवरण

| भू-उपयोगका क्षेत्र | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल प्रतिशतमा |
|--------------------|-------------------------|---------------------|
| खेतीयोग्य जमिन | ४२.२४ | २९.३८ |
| बाँझो क्षेत्र | ०.८३ | ०.५८ |
| घाँसे भूमी | ३३.०२ | २२.९७ |
| वनजंगलक्षेत्र | ४७.४१ | ३२.९८ |
| भाडी क्षेत्र | १५.५६ | १०.८३ |
| Builtup क्षेत्र | २.१४ | १.४९ |
| खोलानाला/नदी | २.४० | १.६७ |
| अन्य | ०.१५ | ०.११ |
| जम्मा | १४३.७५ | १०० |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

माटोको बनावट (Soil Type)

नेपालको भौगर्भिक बनावट हिमालय पर्वत शृङ्खला निर्माण हुँदाताका भएको हो। हिमालय पर्वत शृङ्खलालाई सवैभन्दा कान्छो भौगर्भिक बनावट (New Fold Mountain) मानिन्छ। प्रकृतिमा लगातार घटिरहने प्रक्रियाहरू जस्तै- हुरीवतास, वर्षा, खडेरी, हावापानी परिवर्तन, पहिरो, वायुमण्डलीय चाप, हिमपात, भुइँचालो आदिका कारण भू-धरातलीय परिवर्तन भइरहेको हुन्छ। यसप्रकार भू-धरातलमा भइरहने निरन्तर परिवर्तनको प्रभाव यस गाउँपालिकाको भौगर्भिक संरचनामा पर्नु स्वभाविकै हो। गाउँपालिकाको वडागत स्थिति अध्ययन गर्दा यहाँको भूधरातलको मोहडा तथा उचाई फरक फरक भएकोले विभिन्न वडाहरूमा विभिन्न किसिमको माटो रहेको छ। विशेष गरी यस गाउँपालिकामा चिम्ट्याइलो, दोमट, रातो, कालो, कमेरे प्रकारका माटोहरु रहेको छ।

जमिनको भिरालोपन (Slope)

पहाडी भूभागमा अवस्थित यो गाउँपालिका को २.५७ प्रतिशत भू-भाग १० डिग्री सम्मको समथर क्षेत्रमा अवस्थित छ भने ६.६२ प्रतिशत भू-भाग जमिन ४५ डिग्री देखि ७५ डिग्रीसम्मको भिरालोपनमा रहेको छ। यहाँको सवैभन्दा धेरै भूभाग ४९.७४ प्रतिशत जमीन ३० देखि ४५ डिग्रीको भिरालोपनमा रहेको छ।

| भिरालोपन (डिग्रीमा) | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|--------------------------|-------------------------|---------------------|
| ० डिग्री देखि १० डिग्री | ३.७० | २.५७ |
| १० डिग्री देखि २० डिग्री | १६.०१ | ११.१४ |
| २० डिग्री देखि ३० डिग्री | ४३.०३ | २९.९३ |
| ३० डिग्री देखि ४५ डिग्री | ७१.५० | ४९.७४ |
| ४५ डिग्री देखि ७५ डिग्री | ९.१५ | ६.६२ |
| जम्मा | १४३.७५ | १०० |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

जमिनको मोहडा (Aspect)

जमिनको भिरालोपन र मोहडा सामान्यतया एक अर्काका परिपूरक हुन्छन्। अर्थात् भिरालोपन विषम हुँदा मोहडामा पनि विषमता हुन्छ। समथर क्षेत्रमा मोहडामा विषमता नभए पनि पालिकाको पहाडी क्षेत्रमा निम्नानुसारको मोहडाको वितरण रहेको छ।

| मोहोडा | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|----------------------|-------------------------|---------------------|
| समथर | ०.००३ | ०.००२ |
| उत्तरी (० देखि २२.५) | ९.०३ | ६.२८ |
| उत्तर-पूर्वी | १८.११ | १२.६० |
| पूर्वी | २१.०९ | १४.६७ |
| दक्षिण-पूर्वी | २२.४८ | १५.६४ |
| दक्षिणी | २५.३१ | १७.६१ |
| दक्षिण-पश्चिम | २४.४८ | १७.०३ |

| मोहोडा | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|------------------------|-------------------------|---------------------|
| पश्चिमी | १०.२० | ७.१० |
| उत्तर-पश्चिम | ७.२४ | ५.०४ |
| उत्तर (३३७.५ देखि ३६०) | ५.८२ | ४.०५ |
| जम्मा | १४३.७५ | १०० |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

ख) राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

हालको सुनकोशी गाउँपालिकामा साविकका बलखु, सिस्नेरी, मुखर्क, कटुञ्जे र च्यानम गा.वि.स.हरुलाई समायोजन गरी १० वटा वडाहरु मार्फत प्रशासनिक सेवा विस्तार भएको छ । जसको विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

| क्र.स. | नयाँ वडा | समावेश गा.वि.स. | जनसंख्या | क्षेत्रफल (वर्ग कि. मी.) |
|--------|----------|---------------------|----------|--------------------------|
| १ | १ | बलखु (१, ७, ९) | २१४५ | १४.२ |
| २ | २ | बलखु (२, ६) | १७७३ | २३.३६ |
| ३ | ३ | सिस्नेरी (१, ५) | १९२२ | १८.३३ |
| ४ | ४ | सिस्नेरी (६, ९) | २२७६ | १४.०४ |
| ५ | ५ | मुखर्क (१, ५) | १७९३ | १२.९६ |
| ६ | ६ | मुखर्क (६, ९) | १७९९ | १७.५६ |
| ७ | ७ | च्यानम (१, ३, ६, ७) | १३३८ | १०.०४ |
| ८ | ८ | च्यानम (४, ५, ८, ९) | ११३५ | ६.८३ |
| ९ | ९ | कटुञ्जे (१, ५) | १८७० | १९.०९ |
| १० | १० | कटुञ्जे (६, ९) | १८९२ | ७.३३ |
| | जम्मा | | १७७८३ | १४३.७५ |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७८ तथा गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय २०८१

२.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा

सुनकोशी गाउँपालिकाको कुल १४७.७५ वर्ग कि.मी.क्षेत्रफल मध्ये ३२.९८ प्रतिशत जमिन वनजंगल तथा १.६७ प्रतिशत जल क्षेत्रले ओगटेको छ । यो गाउँपालिका ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिकरूपमा सम्पन्न गाउँपालिका हो । यहाँ तामाङ, क्षेत्री, विश्वकर्मा, नेवार, मगर, गुरुङ,ब्राह्मण, दलित लगायतका जात जातिहरुको बसोबास रहेको छ । यसका साथै आ-आफ्ना जातिगत धर्म, संस्कृति र परम्परा जीवित रहेका छन् । गाउँपालिका भित्र विभिन्न धार्मिक तथा ऐतिहासिक महत्व बोकेका मठमन्दिर, गुम्बा, प्राकृतिक छहरा, तथा

मनोरम सुन्दरताले भरिपूर्ण पर्यटकीय रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा रहेका धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकिय स्थलहरुको विवरण निम्नानुसार रहेका छन्:

गाउँपालिका रहेका धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकिय स्थलहरुको विवरण

| क्र. सं. | वडा नं. | प्रमुख स्थलहरु | के का लागि प्रसिद्ध |
|----------|---------|------------------------------|------------------------|
| १ | १ | काली गुफा | पर्यटकीय |
| २ | | काउले ककनी मन्दिर | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| ३ | | भगवती मन्दिर | धार्मिक |
| ४ | | भिरगाउँको कृष्ण मन्दिर | धार्मिक |
| ५ | | बलखुवेशी कृष्ण मन्दिर | धार्मिक |
| ६ | | भिरगाउँ थाम डाडाँ | पर्यटकीय |
| ७ | २ | टाकी गुम्वा | धार्मिक तथा सांस्कृतिक |
| ८ | | छ्याड खोला भरना | पर्यटकीय |
| ९ | | दारे गौडा | पर्यटकीय |
| १० | | स्वर्गवास डाडाँ | धार्मिक तथा सांस्कृतिक |
| १२ | ३ | सिस्नेरी पार्क | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| १३ | | कालीका देवी मन्दिर | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| १४ | | टोपा गुफा | पर्यटकीय |
| १५ | | टोङ्के डाडाँ | पर्यटकीय |
| १६ | ४ | भाँक्रीथान | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| १७ | | थाम डाडाँ | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| १८ | | भिमसेन थान | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| १९ | | शिव मन्दिर | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २० | | इमानोयल नाञ्जीको मण्डली | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २१ | | ग्रेटर ग्रेष्ट मण्डली | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २२ | | भूमेथान | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २३ | | चन्चलादेवी मन्दिर | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २४ | | चम्पादेवी मन्दिर | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २५ | | थानी थान | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २६ | ५ | असाङखु छयोलिङ्ग तामाङ गुम्वा | धार्मिक तथा पर्यटकीय |
| २७ | | जुटेडाडाँ बुद्ध प्रतिमा | पर्यटकीय |
| २८ | | कालीका देवी मन्दिर | पर्यटकीय |
| २९ | | भुमेथान देवी मन्दिर | पर्यटकीय |
| ३० | | दम खर्क | पर्यटकीय |
| ३१ | | घलेडाडाँ | पर्यटकीय |
| ३२ | | फलाटे भन्ज्याङ | पर्यटकीय |
| ३३ | | आहाल डाडाँ | पर्यटकीय |
| ३४ | | चित्रेडाडाँ | पर्यटकीय |
| ३५ | ७ | रातमाटे दुर्गा मन्दिर | धार्मिक |
| ३६ | | सातकन्या देवी मन्दिर | धार्मिक |

| | | | | |
|----|---------------------------|---|-------------------|---------|
| ३७ | | सिउडी डाडाँ दुर्गा मन्दिर | धार्मिक | |
| ३८ | ८ | कालि देवी मन्दिर | धार्मिक | |
| ३९ | | मंकला देवी मन्दिर | धार्मिक | |
| ४० | | पञ्चकन्या देवी मन्दिर | धार्मिक | |
| ४१ | | रक्तकाली देवी मन्दिर | धार्मिक | |
| ४२ | | नवदुर्गा मन्दिर | धार्मिक | |
| ४३ | | सन्तमाला मन्दिर | धार्मिक | |
| ४४ | | निलकण्ठेश्वर महादेव | धार्मिक | |
| ४५ | | जलमन्या मन्दिर | धार्मिक | |
| ४६ | | जशुमाता मन्दिर | धार्मिक | |
| ४७ | | वालकन्या मन्दिर | धार्मिक | |
| ४८ | | पेठीश्वारा सिद्धेश्वर महादेव | धार्मिक | |
| ४९ | | पाडारे शिद्धेश्वर महादेव | धार्मिक | |
| ५० | | ९ | शिवमन्दिर | धार्मिक |
| ५१ | | | कालिकादेवी मन्दिर | धार्मिक |
| ५२ | शिद्धेश्वर मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५३ | सुभद्रा माला देवी मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५४ | सेती देवी मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५५ | खप्टेनी देवी मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५६ | तीन कन्या देवी मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५७ | जलकन्या देवी मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५८ | किराँतेश्वर मन्दिर | | धार्मिक | |
| ५९ | महादेव खोला मन्दिर | | धार्मिक | |
| ६० | धोघोन अहिंशा छयोलिङगुम्वा | | धार्मिक | |
| ६१ | सिंहदेवी मन्दिर | धार्मिक | | |
| ६२ | १० | श्रीकृष्ण प्रणामी संरक्षण सेवा समिति अन्तरगत बृद्धाश्रम तथा सत्संग भवन | धार्मिक | |
| ६३ | | चम्पादेवी मन्दिर | धार्मिक | |
| ६४ | | जलजलेश्वर मन्दिर | धार्मिक | |

२.१.३ जनसांख्यिक अवस्था

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार यस गाउँपालिकामा १५देखि ५९ वर्षसम्मका सक्रिय जनसङ्ख्या १०४८६ (५८.९८ प्रतिशत) छ । त्यस्तै १५ वर्षदेखि ३९ वर्षउमेर समूहका युवा जनशक्ति ५९५४ (३३.५ प्रतिशत) रहेको छ । यस प्रकारको मानव पूँजी यस गाउँपालिकाको विकासको लागि ज्यादै ठूलो अवसर हो । युवा र सक्रिय जनसङ्ख्याको बाहुल्यता भएको हालको अवस्था यस गाउँपालिकाको विकासको लागि अति महत्वपूर्ण समय हो । यसलाई विकासको महत्वपूर्ण सहयोगी आयामको रूपमा लिन सकिन्छ । यस गाउँपालिकाको सम्बृद्धिको लागि १५ देखि ५९ वर्षसम्मका सक्रिय जनसङ्ख्याको महत्वपूर्ण भूमिका हुन आउँछ । यस गाउँपालिकाको जनसङ्ख्या वृद्धि दर -०.४२ हुनुमा जन्मदर भन्दा बढी यस गाउँपालिकामा युवा शक्तिहरु रोजगार खोजीको कारणले विदेश पलायन हुनु वा गाउँवासीहरु शहर उन्मुख भएर बसाईसराई गरेर जाने मानिसहरुको कारणले बढी भएको देखिन्छ । यहि परिस्थिति रहि रहेकोमा आगामी दिनमा जेष्ठ नागरिकहरुको जनसङ्ख्या बढ्दो क्रममा देखिन्छ । यसले औसत आयु

बढ्दै जाने देखिन्छ भने अर्को तर्फ काम गरेर खान नसक्ने जनसङ्ख्या बढी हुँदा गाउँपालिकालाई आर्थिक भार पर्ने देखिन्छ ।

सुनकोशी गाउँपालिकाको ५ वर्षको जनसंख्याको प्रवृत्ति विश्लेषण

| विवरण | जनगणना अनुसारको जनसंख्या | | औषत वार्षिक बृद्धि दर | प्रक्षेपित जनसंख्या | | | | |
|----------|--------------------------|-------|-----------------------|---------------------|-------|-------|-------|-------|
| | २०६८ | २०७८ | | २०८१ | २०८२ | २०८३ | २०८४ | २०८५ |
| जनसंख्या | १८५५० | १७७८३ | -०.४२ | १७५५९ | १७४८५ | १७४११ | १७३३७ | १७२६४ |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना

विगतको जनसंख्याको वृद्धिदर विश्लेषण गर्दा आगामी दिनहरूमा यस गाउँपालिकाको जनसंख्यामा निरन्तर ऋणात्मकहुने अवस्था देखिन्छ । वि.सं. २०६८ को राष्ट्रिय जनगणना अनुसार यस गाउँपालिकामा कूल १८५५० जनसंख्या रहेकोमा २०७८ १७७८३ जनसंख्या रहेको छ । यस हिसाबले जनसंख्या वृद्धिदर -०.४२ प्रतिशत हुन आउँछ । यही ऋणात्मक वृद्धि दरको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्दा आगामी पाँचवर्षमा अर्थात् वि.सं. २०८५ सालमा हालको जनसाङ्ख्यिक चलहरूमा ठूलो परिवर्तन नभएमा जनसंख्या घटेर कूल १७२६४ जनसंख्या हुने अनुमान गरिएको छ ।

२.२ आर्थिक विकास अवस्था

२.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

गाउँपालिकाको कुल भू-भाग मध्ये २९.३८ प्रतिशत भूभाग खेतीयोग्य रहेको छ । यहाँ उष्ण, समशितोष्ण र शितोष्ण प्रकारको हावापानी भएको हुनाले वर्षमा एक फसल देखि तीन फसल सम्म बाली उत्पादन हुन्छ । गाउँपालिका भित्र खेतीयोग्य जमिन कम भएको साथै खेतीपाती पनि निर्वाहमुखी, परम्परागत रूपमा मात्र हुने गरेको पाइन्छ । यहाँका प्रमुख खाद्यान्नबालीहरूमा, धान, मकै, कोदो, आलु, गहुँ, फापर रहेका छन् । वडागत रूपमा अध्ययन गर्दा वडा नं. १, २ र ३ मा अरु वडाहरूको तुलनामा खेती योग्य जमीन बढी रहेको देखिन्छ । यसैगरी यस पालिकामा उत्पादन हुने फलफूल तथा नगदेबालीहरूमा आलु, अमिलोजातका फलफूलहरू, आँप, कटहर मेवा, लिची र मूला, साग, काउली, वन्दा, सिमी, स्कूस जस्ता तरकारीजन्य उत्पादन पर्दछन् । यस क्षेत्रमा जडिबुटिहरूको उत्पादनको पनि अधिक सम्भावना रहेको छ ।

२.२.२ पर्यटन तथा साँस्कृति

सुनकोशी गाउँपालिका अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रचुर जैविक विविधता, बहुजातीय, बहुभाषीय बहुधर्म र सामाजिक तथा साँस्कृतिक विविधता एवं ऐतिहासिक महत्वका विभिन्न स्थानहरूले भरिपूर्ण रहेको गाउँपालिका हो । विशेष गरी यो गाउँपालिकालाई साहसिक, धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटन र शैक्षिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ । गाउँपालिका भित्र प्राकृतिक छहरा, गुम्वा, मठ मन्दिरहरू, न्याफ्टिङ्ग संचालन गर्नका लागि सुनकोशी नदी, सगरमाथा हिमाल लगायत विभिन्न हिमालहरूका मनोरम दृष्यहरू अवलोकन गर्नको सकिने स्थानहरू तथा मनोरन्जनका लागि पिकनिक स्थलहरू रहेका छन् ।

२.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति

गाउँपालिकामा मुख्यतया अमिलो जातका फलफूल, आँप लिची, कटहर मेवा लगायतको उत्पादन हुने गर्दछ । यहाँ उत्पादन हुने अमिलो जातका फलफूलहरू, आँप, लिची, ध्यू, मासुजन्य वस्तुहरू, गेडमगुडीहरू, आलु संघीय राजधानी काठमाडौं सम्म निर्यात हुने गर्दछन् । यसका साथै यहाँ साना साना फर्निचर उद्योग, पशुपालन फर्महरू,

किराना तथा खुद्रा पसलहरु र वडा नं. ३ र ५ मा केहि होटल व्यवसाय रहेका छन् । पालिकाबाट छिमेकी पालिकाहरुमा निर्यात गरिने वस्तुहरुमा फलफूल, मासुजन्य उत्पादनहरु पर्दछन भने तराईका जिल्लाहरुमा निर्यात गरिने वस्तुहरुमा गैह्रकाष्ठ उत्पादन, प्लाई बनाउनका लागि उतिस तथा मलेतो जस्ता काठहरु निर्यात हुने गर्दछन सुनकोशी गाउँपालिका र चम्पादेवी गाउँपालिकाको सिमाना पर्ने फलाँतेमा प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक हाटबजार लाग्ने गर्दछ । यस हाटबजारमा याहाँका कृषकहरुले उत्पादन गरेका वस्तुहरु साथै लत्ताकपडा भाँडाकुडाहरु खरिद बिक्री गर्ने गरिन्छ ।

२.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

गुणस्तरीय य जनशक्ति उत्पादन गरी श्रम तथा रोजगार मार्फत देशको उत्पादकत्व वृद्धि गर्न युवाको अहम भूमिका रहेको हुन्छ । श्रम तथा रोजगारीको हकलाई नेपालको संविधानले मौलिकहकको रुपमा स्थापित गरेको छ भने यसको केन्द्रविन्दुमा युवा रहेका छन् । जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभबोकेको यस गाउँपालिकाले युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ । भौगोलिक रुपमा असहजता भएतापनि पर्यटकिय दृष्टिकोण अत्यन्त महत्वपूर्ण मानिने यो गाउँपालिकामा भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधारको अवस्था सुधार गर्न सके आम्दानी र रोजगारीमा वृद्धि भई जनजिवन सहज बन्नेछ । शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिबीनिवारण लगायतका सूचकहरु पनि मजबुत देखिन्छ । गाउँपालिकामा विभिन्न आर्थिक र वित्तीय कारोवारहरु बैकिङ प्रणाली मार्फत हुने गरेको छ । आधुनिक अर्थ व्यवस्थामा आर्थिक कारोवार बैङ्कबाट हुँदा त्यो व्यवस्थित र सहज हुन जान्छ ।

२.२.५ सहकारी

याहाँका सबै वडाहरुमा सहकारी संस्थाहरु रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा २०८०/८१ सम्म दर्ता भएका कृषि सहकारी संस्थाहरु १५ वटा रहेका छन् भने यस बाहेक परिवर्तनशिल महिला सहकारी संस्था, महिला उद्यमशिल वचत तथा ऋण सहकारी संस्था, वाचखाम वचत तथा ऋण सहकारी संस्था, मध्यमोलुङ वचत तथा ऋण सहकारी संस्था, नमूना महिला सहकारी संस्था रहेका छन् ।

२.३ सामाजिक विकासको अवस्था

२.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

यस गाउँपालिकामा हाल सामान्य स्तरको स्वास्थ्य सेवाहरु गाउँपालिकामै रहेका स्वास्थ्य चौकीहरु मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ भने स्वास्थ्य सेवाका लागि आवश्यक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल र विशेषज्ञ सेवाको अभाव रहेको छ । हाल गाउँपालिकामा ५ वटा स्वास्थ्य चौकी, ५ वटा आधाभूत स्वास्थ्य संस्था र ४ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य संस्था रहेका छन् भने १६ वटा खोप केन्द्रहरु रहेका छन् । यी स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट सीमित मात्रामा मात्र स्वास्थ्यका आधारभूत सेवा सञ्चालन भएता पनि धेरै जसो आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको अपर्याप्तता रहेको छ । जटिल रोगको परीक्षण तथा उपचार र आकस्मिक सेवाप्राप्त गर्न स्थानीयवासीलाई ओखलढुंगा, धुलिखेल, भक्तपुर तथा काठमाडौं जानु पर्ने बाध्यता छ ।

२.३.२ शैक्षिक विकास

सभ्य र सुसंस्कृति समाजको निर्माणमा शिक्षाको सर्वोपरी भूमिका रहेको हुन्छ । विश्वभर अति विकसित मुलुकहरुको समग्र विकासको कारण भनेकै ती मुलुकहरुको शिक्षामा गरेको विशाल लगानिको प्रतिफल हो । ग्रामीण परिवेशको क्षेत्र भएकोले यस गाउँपालिकामा शिक्षाका आधारभूत पूर्वाधारहरुको समेत पर्याप्त विकास हुन नसकेको अवस्था छ । तथापि हाल गाउँपालिकामा आधारभूत विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, म्याम्पस तथा निजी

विद्यालय गरि जम्मा ४४ ओटा विद्यालयहरू रहेका छन् । यस गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थालाई हेर्दा साक्षरता प्रतिशत ७१.४ (महिला ६४.३ प्रतिशत र पुरुष ७८.८ प्रतिशत) रहेको छ । नवबुद्ध माध्यमिक विद्यालयमा प्राविधिकधार तर्फ कृषि सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान कार्य भईरहेको छ । यस अवस्थालाई अझ माथि उकास्न वा पूर्णसाक्षर गाउँपालिका बनाउनका लागि आगामी दिनहरूमा शिक्षा सम्बन्धी सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय गरी शिक्षा सम्बन्धी योजना तथा कार्यक्रमहरू गर्नु पर्ने आवश्यकता रहनुको साथै शिक्षाको क्षेत्रमा पर्याप्त लगानी गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

२.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई

सुनकोशी गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भागहरू पहाडी क्षेत्र भएसँगै यहाँ प्रसस्त खोला, झरनाहरू रहेका छन् । दिगो विकासको लक्ष्य, अवस्था र मार्गचित्र (Sustainable Development Goals Status & Roadmap) : २०१६ - २०३० का अनुसार (SDG – 6) आधार वर्ष २०१५ मा सुरक्षित पिउने पानी उपभोग गर्ने जनसंख्या १५% मात्र देखिन्छ । दिगो विकास लक्ष्य अनुगमन ढाँचा समेत उल्लेख भएको उक्त दस्तावेज अनुसार यो जनसंख्या क्रमशः वृद्धि गर्ने अपेक्षा गरिएको छ । जसअनुसार २०१९ मा ३५%, २०२२ मा ५०%, २०५५ मा ६५% हुँदै सन् २०३० सम्म सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग कर्ता कूल जनसंख्याको ९०% हुने महत्वाकांक्षी लक्ष्य राखिएको छ । उक्त राष्ट्रिय लक्ष्य प्राप्तमा टेवा पुऱ्याउन तथा आम जनसाधारणको जनस्वास्थ्यमा सुधार गर्न पानी प्रयोग गर्दा पानीको उपयुक्तताको परीक्षण र सुरक्षाको उपायहरूबारे व्यापक जनजागरण फैलाउनु पर्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्यांक अनुसार आ.व. २०८०/८१ सम्म पाइपवाट वितरण गरिएको ७८ प्रतिशत र आधारभूत खानेपानी सेवामा पहुँच पुगेका ८६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । बाँकी प्रतिशतले पानीको श्रोतलाई कुवा, मूल, जरुवा तथा खोलाको नै प्रयोग गरिएको देखिन्छ । त्यस्तै गरी आधारभूत शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात ९६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी गाउँपालिका बासी सचेत रहे तापनि खोल्सा तथा बाटोको किनारमा फोहोर फाल्ने, जलाउने जस्ता क्रियाकलाप पूर्ण रूपमा बन्द गर्न फोहोरमैलाको उचित व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमुखीकरण तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू संचालन गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

२.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मान पूर्वक जिवन यापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दासम्म सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन । त्यसैले लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ । राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्यांक अनुसार यस गाउँपालिकाको जनसंख्यामा ५१.२ प्रतिशत हिस्सा महिलाले ओगटेको छ भने ६० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकको जनसंख्या १४.२६ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी ४ वर्ष भन्दा मुनीका बालबालिकाहरू ७.४१ प्रतिशत रहेका छन् । समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मान पूर्वक जिवन यापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दासम्म सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन । त्यसैले लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ ।

२.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला

सामान्यत १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ जसलाई राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ ले परिभाषित गरेको छ । राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्यांक अनुसार यस गाउँपालिकामा १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १०४८६ अर्थात् ५८.९८ प्रतिशत रहेको छ । यो जनसंख्यालाई उत्पादन मुलक क्षेत्रमा लगाउन गाउँपालिकाले विभिन्न नीति तथा कार्यक्रमहरू तयगरी कार्यान्वयनमा ल्याउन सकेमा हाल

रोजगारीको लागि गाउँ वा देश छोडेर बाहिर जाने जनसंख्यालाई न्युनिकरण गर्न सकिने थियो । त्यस्तै यस गाउँपालिकामा राष्ट्रियस्तरका कलाकारहरु रहनुका साथै विभिन्न किसिमका खेलका खेलाडीहरु राष्ट्रिय देखि अन्तराष्ट्रिय स्तरसम्मको रहेका छन् । खेलकुद मैदानको हकमा यस गाउँपालिकामा राष्ट्रिय स्तरको व्याडमिन्टन खेल संचालनका लागि खेलमैदान रहेको छ ।

२.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था

२.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

सुनकोशी गाउँपालिकामा छरिएका बस्तीहरु छन् । सेवाप्रवाहका दृष्टिकोणले छरिएको बस्तीहरुमा पूर्वाधार र सेवा पुऱ्याउन राज्यलाई असहज हुने गर्दछ भने लागत समेत बढी पर्दछ । तसर्थ यस्ता क्षेत्रका बस्तीहरुलाई उपयुक्त स्थानमा एकीकृत रूपमा स्थानान्तरण गर्दा कालान्तरमा राज्यलाई फाइदा पुगनुका साथै जनतालाई सहज, सुरक्षित आवास क्षेत्रहरु निर्माण हुन्छन् र सेवाप्रवाह सहजहुन जान्छ ।

गाउँपालिकामा रहेका बस्ती क्षेत्रहरु निम्नानुसार छन् :

गाउँपालिकाका मुख्य बस्तीहरुको विवरण

| वडा नं. | मुख्य बस्तीहरुको विवरण |
|---------|--|
| १ | १.डहुवा, डिमफूल, साँधी, भिरगाँउ, ७.बलखु बेशी, बाह्रविसे, सिमल चउर, गुम्फे, सिकुटोल, बाहुन डाडाँ, ८.पराजुलीटोल, सापकोटा टोल, राई टोल, थापा टोल, ९.अम्बोटे, देउराली, काउले |
| २ | २. दिप्सिड, आरुभन्ज्याड, ३.लुकुवा, ४.भदौरे, टाँकी, देउराली, , ५.साँखे, अम्बोटे, ६.कटुवा |
| ३ | १.डाडाँ टोल, टोडके, देविटार, २.बुचे, माथिल्लो सल्लेरी, तल्लो सल्लेरी, खानी गाउँ, ३.जुके, भन्ज्याड, आस्थानी टोल, ढाँड खोला, ढोड साखीनी, ४.डाडाँ गाउँ, खोपाने, नेवार टोल, भन्ज्याड, ५.फक्सिनटार, पर्णित तोल, गैराली टोल, सिम्पाने, डाडाँदेउ, भुमी डाडाँ, बुधवारे |
| ४ | ६.मोलुड दोभान, गैरा जेरुड, चियरी वोट, जरुड घाट जेरुड ७.भाक्रीथान, डाडाँ गाउँ, बिनासे, ८. जेरुड बस्ती, बुन्ति टार, ९.तल्लो बिनासे, ३याम्पा डाडाँ, नयाँ बस्ती |
| ५ | मुल्मी टोल, साहु टोल, सुन्दर बस्ती, लाकुरे टोल, डाडाँ टोल, चित्रे, दुले, ऐसेलुखर्क, बान्द्रे, फलाँटे, डाडाँखर्क, कोप्चे, सौरेनी, चप्लेटी, चाहाले, कोषहाट, भडारे, पाल्ले, ओखे, रातमाटे, दोभान खोल |
| ६ | ६.आले गाउँ, बरेक डाडाँ, ७.थापा गाउँ, खानी गाउँ, ८.भुल्केटार, अम्बोटे, ९.नौलो गाउँ, कार्की टार |
| ७ | १.नयाँघरे टोल, धानवारी टोल, ओखे डाडाँ, थाम डाडाँ, २.राया टोल, केउरेनी टोल, कोलचौर, ३. कार्की टोल, नारन टोल, ६.गहते टोल, पुरानो गाउँ, ठुली पोखरी, लामा कार्की, ७.मुखिया टोल, काटघर, दलित बस्ती, सार्की टोल, देउराली टोल |
| ८ | ४. कोटघर, दलित बस्ती, जिम्माल टोल, ५.आरुबोट, डहुवा, ज्यामिरवोट बस्ती, ८.अग्राखे, पोखरे, अम्बोटे, ९.मल्दिप, आपँसरा |
| ९ | १.सार्की टोल, भैसी गौडा, ठूला गाउँ, २.त्यासे, चित्रेटार, ३.गोपे, जाँते, ४.दोवान टोल, केर्पे टार, रचने, तीन कटेरी, , बैशाखे, महादेव खोला, बुल डाडाँ, ५.तल्लो गाउँ, डाडाँ टोल, क्षेत्री टोल |
| १० | ६.भुजेल टोल, नेवार टोल, गिरी टोल, ७.प्याकुले टोल, पैयाँ वोट, कटेञ्जे बेशी, ८.साउने पानी, भैसे, भूमेस्थान, ८.वतासफुंगा, कुसादेवि, वाविया |

२.४.२ सडक, पुल तथा यातायात

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ । गाउँपालिकावासीको सडक तथा यातायातको पहुँचको अवस्थालाई हेर्दा यस क्षेत्रमा व्यापक सुधार गर्नु पर्ने अवस्था रहेको छ । गाउँपालिकाको मुख्य सडकको रूपमा शिद्धिचरण राजमार्ग देखि चम्पादेवी गाउँपालिका हुँदै सुनकोशी गाउँपालिकाको वडा नं.५, ७,

८ र १० सम्म जोडिएर रहेको सडक खण्ड नै हो । यस बाहेक जिल्ला सदमुकाम ओखलढुंगा देखि वडा नं. १० र ८ सम्म पनि जोडिएको सडक खण्ड, त्यस्तै गरी शिद्धिचरण राजमार्गले छुने मानेभन्ज्याड गाउँपालिका देखि वडा नं. ३ सम्म जोडिएको सडक खण्ड नै मुख्य हुन । हाल पालिका भित्र निर्मित सडकहरूको लम्वाई ३०१.८ कि.मि रहेको छ । यसका अलावा गाउँपालिका भित्रका विभिन्न स्थानहरूमा जम्मा २० वटा पुलहरूको निर्माण भएको छ जसमध्ये अघेरी मोलुङ खोला, मोलुङ दोभान र मान्द्रेमा मोटरेवल पक्की पुल निर्माण भएका छन् ।

गाउँपालिकाले सडकहरूको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ । तथापि यातायातका साधनहरूको अपर्याप्तता तथा रुटहरू वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ । त्यसकारण बस पार्क निर्माण गर्नु अति आवश्यक रहेको छ । सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरूलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरूमा यात्रु प्रतिकालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ ।

२.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

गाउँपालिकामा विद्युतीकरणको अवस्थालाई हेर्दा वडा नं. ७ लगायत अन्य नगण्य वस्तीहरूमा केन्द्रिय लाइनको विस्तार हुन सकेको छैन । यी बाहेक अन्य स्थानहरूमा विजुली बत्तीको उपलब्धताको अवस्था सन्तोषजनक नै रहेको छ । विद्युत उपलब्ध नभएका घरपरिवारले भने बत्तीबाल्नको लागि अन्य इन्धनको स्रोत जस्तै: सौर्य बत्ती, प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ । त्यसैगरी धेरै घरपरिवारले खाना पकाउनको मुख्य इन्धनको रूपमा दाउरा प्रयोग गर्ने गरेका छन् । काठदाउराको श्रोत निजी तथा संरक्षित वन रहेका छन् । काठदाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरू मध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन् । यहाँको खोला तथा नदिहरूबाट विद्युत उत्पादन गर्न सकिरहेको छैन भने यस गाउँपालिका वडा नं. ९ ककनी भने सौर्य मिनिग्रेटबाट ७० कि.वा. विद्युत उत्पादन गरी विद्युतीकरणको व्यवस्था गरिएको छ ।

२.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

यस गाउँपालिकाको सबै वडाहरूमा मोबाइल फोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा उपलब्ध हुनुका साथै नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइलफोन मार्फत इन्टरनेट सेवा प्रवाह भइरहेको छ । गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानहरूमा NTC तथा Ncell का टावरहरू रहेका छन् । यद्यपि सामान्य हुरी बतास र वर्षा हुँदाको समयमा network coverage कमजोर रहेको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायकहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भएता पनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ ।

२.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिमन्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था

२.५.१ वन तथा जैविक विविधता

सुनकोशी गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १४३.७५ वर्ग कि.मि. मध्ये ४७.४१ वर्ग कि. मि. (३२.९८ प्रतिशत) भू-भाग जमिन वन क्षेत्रले ओगटेको छ । यहाँ सामुदायिक वन तथा कबुलियती वनहरू रहेका छन् । यहाँका जंगलहरूमा साल, सल्ला, सिसौ, खयर, उतिस, चिलाउने, कटुस, बाँफ, मलेतो आदि जातका वनस्पतीहरू पाइन्छन् । यस क्षेत्रमा लौठसल्ला, सुगन्धवाल, चिराइतो, जटामसी, कटुकी, पाखनवेद, पदमचाल आदि जस्ता महत्वपूर्ण जडीबुटीहरू पनि पाइन्छन् । वनजंगलले प्रशस्त क्षेत्र ओगटेको हुनाले विभिन्न जनावरहरू जस्तै- बाँदर, स्याल, बाघ, भालु मृग, चितुवा, सालक, बँदेल, साथै चराचुरुङ्गीहरूमा तित्ता, कालिज, काग, ढुकुर, बन कुखुरा, हुइचिल, बाज, ठेउवा, सुगा, बकुल्ला, चिल, गिद्ध, जस्ता पन्छिहरू पाइन्छन् ।

२.५.२ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

बाढी, पहिरो, भू-क्षय जस्ता प्राकृतिक प्रकोपबाट कुनै क्षेत्रलाई नष्ट हुनबाट रोक्ने वाबचाउने तथा पानीको आयतन र बहावलाई सामान्य स्थितिमा राख्ने वा पानीको बहावलाई धमिलो हुन नदिई स्वच्छता बनाई राख्ने कार्यलाई भू तथा जलाधार संरक्षण भनिन्छ। गाउँपालिकाको समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो। यस गाउँपालिकामा मुख्य जलस्रोतको रूपमा सुनकोशी, मोलुङ खोला, पारा खोला, ढाडखोला, दोभन खोला, बलौटे खोला, सिस्ने खोला, लप्से खोला, काउले खोला लगायतका खोलाहरू रहेका छन्। यस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ।

२.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेसन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामीसामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्ष रूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकास सम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। गाउँपालिकाले जल, वायु, माटो, ध्वनि तथा विद्युतीय लगायत सबै प्रकारको वातावरणीय प्रदूषण रोकथाम र नियन्त्रण गर्न आवश्यक नीति, कानून र प्रभावकारी संरचना निर्माण गर्नुका साथै सोध, अनुसन्धान र क्षमता अभिवृद्धि एवं चेतनामूलक कार्यक्रमहरूको संचालन गर्न आवश्यक छ।

२.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

गाउँपालिका प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, पहिरो, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसके पनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ। यसका लागि गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापन पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार पारी लागू गर्नु पर्ने अवस्था देखिन्छ।

२.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

२.६.१ स्थानीयनीति, ऐन तथा सुशासन

गाउँपालिकाबासीलाई चुस्त, पारदर्शी तथा सुविधा जनक सेवा प्रवाह गर्नु गाउँपालिकाको पहिलो दायित्व हो। सही सूचना तथा जानकारी प्राप्त नहुँदा सेवाग्राहीले पटक पटक दुःख पाउने अवस्था आउँछ भने पालिका प्रति जनविश्वास पनि घट्न जान्छ। तसर्थ चुस्त दुरुस्त तरिकाले सेवाप्रदान गर्नको लागि यस गाउँपालिकाले हालसम्म आवश्यकताका आधारमा कार्यविधि, ऐन, नियमावली लगायतका कानूनी दस्तावेजहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन मा ल्याइरहेको छ।

२.६.२ श्रोत परिचालन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख श्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भएतापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र

वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीन खम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत उक्त क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गरिएको छ ।

२.६.३ योजना व्यवस्थापन

गाउँपालिकाका आफ्नो क्षेत्राधिकारमा कृषि, पर्यटन विकास, घरेलु उद्योग, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमहरू र भौतिक पूर्वाधारको विकास गरी रोजगारिको सिर्जना गर्न आफ्नो बजेट केन्द्रित गर्नुपर्ने देखिन्छ । आय र खर्चको समुचित व्यवस्थापन गरी उत्पादनशील रोजगारी सिर्जना गर्ने, आय आर्जन गर्ने, उपलब्ध साधन र स्रोतको समुचित उपयोग गरी आम नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु जरुरी देखिन्छ ।

परिच्छेद-३ : सोच तथा विकासको अवधारणा

३.१ पृष्ठभूमि

संविधान सभाबाट पारित गरी जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ ले देशको शासन संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारहरूले आपसी समन्वयबाट गर्ने संवैधानिक व्यवस्था गरेको छ। तिनवटै सरकारका आ-आफ्ना अधिकार क्षेत्रहरू तोकिएका छन्। कतिपय साभ्ता अधिकार छन् भने कतिपय एकल अधिकार छन्। संविधानको अनुसूचि-८ अन्तर्गत स्थानीय सरकारका विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्यांकन गर्ने एकल अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएकोले सोही बमोजिम स्थानीय तहमा यो गाउँपालिकाले आवधिक योजना तयार पारेको हो।

३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| प्रशस्त खेतियोग्य जमिन र अधिकांश भू-धरातल भिरालो, पहरा र भूक्षय जाने प्रकृतिको भए पनि अधिकांश परिवारहरू परम्परागत रुपमा कृषि व्यवसायमा नै निर्भर रहनु। |
| स्थायी पानीको मुहानको समस्याले सम्पूर्ण खेतियोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधाको प्रबन्ध गर्न नसकिएको। |
| पर्यटनको राम्रो सम्भावना भए पनि आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास हुन नसकेको। |
| पर्यटनलाई व्यावसायिक बनाउन चुनौती रहेको। |
| लोपहुन लागेका स्थानीय भाषा, संस्कृति, भेषभुषा संरक्षणका लागि साँस्कृतिक संग्रहालय निर्माण सहित संरक्षण गर्न नसकिएको। |
| खोलाको किनारको वस्ती, पहिरो छेउका वस्ती, भिर मुनीको वस्तीलाई सुरक्षित स्थानमा सारेर व्यवस्थापन गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको। |
| विकास र समृद्धि तर्फको यात्रामा व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने अवस्था रहेको। |
| युवा जनशक्तिलाई गाउँपालिकाकै विकासमा केन्द्रित गरी बस्ने वातावरण सृजना गर्नुपर्ने चुनौती रहेको। |
| भौतिक पूर्वाधारहरूको विकास र विस्तार गर्नुपर्ने अवस्था रहेको। |
| परम्परागत चिन्तन शैलीमा व्यापक परिवर्तन नभइसकेकोले लैङ्गिकता, सामाजिक विभेद लगायतका सामाजिक सन्तुलनका विषयहरूमा प्रशस्त जागरण गर्नुपर्ने अवस्था रहेको। |
| स्थानीय तहहरूमा आवश्यक तथ्याङ्कहरू अद्यावधिक नभइसकेको हुनाले दिगो विकास लक्ष्यको सूचाङ्क अनुसार सूचनाहरू अद्यावधिक गर्नुपर्ने भएको। |
| भौगोलिक विकटताको कारण विकासमा पूर्वाधारका योजनाहरू संचालन गर्न बढि खर्चिलो हुने। |

३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|--|
| साहसिक, ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन र कृषि पर्यटनको प्रचुर सम्भावना रहेको। |
| गाउँपालिकाले कृषि, पर्यटन, उद्योग, र व्यापारलाई आधार मानेर सम्पूर्ण नागरिकहरूलाई आर्थिक रुपमा आत्मनिर्भर बनाउन स्थानीय स्तरमा रोजगारी श्रृजना नीति अवलम्बन गरेको। |
| प्रसस्त वन जंगल, पानी, ढुङ्गा, खेतियोग्य जमिन, भएकोले यसलाई सदुपयोग गर्न विभिन्न कृषाकलापहरू गर्न सकिने। |
| यहाँ विभिन्न धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय महत्वका स्थान तथा मठ मन्दिर, भरना, तिर्थस्थलहरूका साथै विभिन्न जातजातिहरूको संस्कृति, भेषभुषा, धर्म, कला र जीवनशैली अवलोकन गर्न पाउने भएकोले पर्यटन |

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

व्यवसायको अत्यन्त राम्रो सम्भावना रहेको ।

जलश्रोतको उच्चतम प्रयोग साथै जलवायु अनुकूलनका लागि एक वडा एक रिचार्ज पोखरी निर्माण गर्ने, निर्मित पोखरीहरूको स्तरोन्नत/नयाँ पोखरी निर्माण गरी आयआर्जन बृद्धि र जलश्रोत संरक्षण गर्ने गर्न सकिने ।

स्थानीय उपजमा आधारित उद्योगको प्याकेजिङ र ब्रान्डिङ गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा निर्यात गर्न सकिने ।

युवा जनशक्तिको जनसांख्यिक लाभाशंको उच्चतम सदुपयोग गरी समृद्धिको यात्रा तय गर्न सकिने ।

स्थानीय आवश्यकता र विशिष्टताको आधारमा आफ्ना योजना आफै निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने गराउने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।

स्थानीय सरकारको नेतृत्व अनुभवी तथा परिपक्व हुँदै गएको तथा विकास निर्माण प्रति जनचासो बढ्दै गएको ।

गाउँपालिकाले किसानको साथी सुनकोशी सरकार कार्यक्रम सञ्चालन गरी पहाडी फलफूल प्रवर्द्धन तथा खाद्यान्नमा उन्नत विउ उपयोगका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति लिएको ।

गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्र भित्रका नागरिकहरूलाई आर्थिक रूपमा सम्पन्न गर्नका लागि कृषि उत्पादनलाई ध्यानमा राखी एक वडा एक उद्यम स्थापना गर्ने नीति लिएको ।

३.४ निर्देशक सिद्धान्त

तीव्र आर्थिक र सामाजिक विकास मार्फत आम नागरिकको जीवनमा सकारात्मक रूपान्तरण गरी सुखी र समृद्ध समाजको निर्माण गर्न आवधिक योजनाका समग्र कार्यक्रमहरू लक्षित रहनेछन् । यसर्थ यी कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गरी अपेक्षित उपलब्धिहरू हासिल गर्न तय गरिएका मूल निर्देशक सिद्धान्तहरू निम्न बमोजिम छन् :

१. विकासका आधारभूत पूर्वाधार निर्माणसँगै आम नागरिकका दैनिक आधारभूत आवश्यकता पूर्ति हुने गरी प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने कार्यक्रम कार्यान्वयन
२. शान्त, सौहाद्र, समतामूलक, समावेशी, आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक विकास
३. समाजवाद उन्मुख आत्मनिर्भर अर्थतन्त्र
४. दिगो, सन्तुलित र हरित अर्थतन्त्रमा आधारित विकास
५. शिक्षा, स्वास्थ्य र मानव संसाधन निर्माण
६. बालमैत्री, महिला मैत्री तथा लैङ्गिक सन्तुलनयुक्त, युवा उद्यमी तथा रोजगारी केन्द्रीत विकास
७. न्यायमा आधारित भेदभाव रहित समाजतथा सामाजिक सुरक्षा
८. रैथाने साँस्कृति, भुगोल, सम्भावना, पहिचान तथा परिवेशमा आधारित विकास
९. सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक सहभागितामा आधारित विकास
१०. असलशासन र उत्तरदायी स्थानीय सरकार
११. संघिय, प्रादेशिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धताहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै दिगो विकास लक्ष्य हासिल तर्फको विकास
१२. सूचना प्रविधिमा आधारित विकास

३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

दीर्घकालीन सोच

“साँस्कृति, पर्यटन, कृषि र पूर्वाधार, समावेशी सुनकोशी, समृद्धको आधार”

लक्ष्य

उपलब्ध स्रोत, साधनहरू तथा प्रविधीको अधिकतम सदुपयोग गरी नागरिक तथा विकास साभेदारहरूसँग सहकार्य गरेर स्वास्थ्य, पूर्वाधार, लघुउद्यम र कृषिमा क्रान्ति:मार्फत समृद्ध र सुशासनयुक्त गाउँपालिकाको निर्माण गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- ✓ दिगो विकास लक्ष्य र निर्धारित सूचकहरू हासिल गर्नु ।
- ✓ शिक्षा, स्वास्थ्य लगायत आधारभूत सेवा तथा संरचनाहरूमा सबैको पहुँचको सुनिश्चितता गर्नु ।
- ✓ समावेशी विकास प्रवर्द्धन सहित असमानता न्यूनीकरण गरी विकासमा सबैको अपनत्व सुनिश्चित गर्नु ।
- ✓ कृषि उत्पाकदत्व वृद्धि तथा उद्यमविकास गरी द्रुत आय आर्जनका अवसरहरू सृजना गरेर उच्च आर्थिक वृद्धिदर प्राप्त गर्नु ।
- ✓ सुशासन तथा गाउँपालिका बासीहरूलाई सामाजिक न्यायको प्रत्याभूति गर्नु ।
- ✓ प्रविधि विकास तथा विस्तार गर्नु ।
- ✓ मानवअधिकार संरक्षण, दण्डहिनताको अन्त्य सहितको सामाजिक सुरक्षालाई सुनिश्चित गर्नु ।

३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य

गाउँपालिकाका समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

| क्र. सं. | लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक | एकाई | आ.व. २०७९/८० | आ.व. २०८५/८६ को लक्ष्य |
|----------|---|-------------|-----------------|------------------------------|
| १ | आर्थिक वृद्धिदर (औसत) | प्रतिशत | ३.५* | ४.५ |
| २ | प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय | अमेरिकी डलर | १४५६* | १५०० |
| ३ | गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी) | प्रतिशत | २०.३* | १५ |
| ४ | श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ३८.५* | ४५ |
| ५ | बेरोजगारी दर | प्रतिशत | | |
| ६ | रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा | प्रतिशत | ३६.५* | ४० |
| ७ | विद्युतमा पहुँचप्राप्त परिवार | प्रतिशत | ९६.७* | ९८ |
| ९ | ३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार | प्रतिशत | ८५* | ९० |
| १० | इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल परिवार | प्रतिशत | | |
| ११ | अपेक्षित आयु (जन्महुँदाको) | वर्ष | ७०.५* | ७१ |
| १२ | मातृ मृत्युदर (प्रतिहजार जीवितजन्ममा) | संख्या | १५०* | १३० |
| १३ | पाँचवर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रतिलाख जीवितजन्ममा) | संख्या | ३३* | २६ |
| १४ | ४ वर्ष मुनिका कम तौल भएका बालबालिका | प्रतिशत | | |
| १५ | साक्षरता दर (५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ७६.३* | ८० |
| १६ | माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर | प्रतिशत | | |
| १७ | उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर | प्रतिशत | | |
| १८ | उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको घरधुरी | प्रतिशत | २५.८* | २७ |
| १९ | आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या | प्रतिशत | ३२* | ४२ |
| २० | लैंगिक विकास सूचकांक | सूचकांक | ०.८८५* | ०.८८७ |
| २१ | मानव विकास सूचकांक | सूचकांक | ०.६०१* | ०.६०७ |

| क्र. सं. | लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक | एकाई | आ.व. २०७९/८० | आ.व. २०८५/८६ को लक्ष्य |
|----------|--|---------|-----------------|------------------------------|
| २२ | आधारभूतखाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका घरपरिवार | प्रतिशत | | |
| २३ | जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यौन हिंसा पिडित महिला | प्रतिशत | | |
| २४ | आफ्नै स्वामित्वको आवासमा बसोवास गर्ने परिवार | प्रतिशत | | |
| २५ | सिंचित क्षेत्रफल | प्रतिशत | | |
| २६ | पक्की सडकमा पहुँच भएको घरपरिवार | प्रतिशत | | |
| २७ | लैङ्गिक असमानता सूचक | सूचकांक | | |

स्रोत : स्रोत योजना

३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता

| प्रमुख रणनीतिहरू |
|--|
| आर्थिक क्षेत्रका मूल स्तम्भहरू जस्तै कृषि, वन, जल, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको समुचित विकास गर्न ती क्षेत्रहरूलाई वैज्ञानिक र व्यावसायिक बनाई यसमा संलग्न मानव स्रोतलाई सक्षम र प्रतिस्पर्धी तुल्याउने । |
| हरेक क्षेत्रको विकासमा अपरिहार्य आधारको रूपमा रहेका आधारभूत भौतिक पूर्वाधार जस्तै- सडक, उर्जा, सिँचाई, खानेपानी आदिको विकासलाई उच्च प्राथमिकता दिने । |
| सम्पूर्ण क्षेत्रको दीर्घकालीन विकासलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने शिक्षा र स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत विकास गरी मानव स्रोत निर्माण, अध्ययन र अनुसन्धान तर्फ केन्द्रित नीति तथा कार्यक्रमलाई महत्वका साथ कार्यान्वयन गर्ने । |
| सामाजिक न्याय स्थापित गरी समावेशीकरण र पछाडि परेका वर्गलाई मूलप्रवाहीकरण गर्न सहभागिता मूलक विकास पद्धति अवलम्बन गरी राज्यको नजरमा कोही पछि नपर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने । |
| विकास निर्माणका हरेक क्रियाकलापमा वातावरण संरक्षण र प्रवर्द्धन हुने क्रियाकलाप समेत गर्न सोको सुनिश्चितता गर्ने । |
| जनमुखी असलशासन स्थापित गर्न सङ्घीय र लोकतान्त्रिक सफल राज्यहरूमा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरूलाई हाम्रो विशिष्टकृत परिस्थिति अनुरूप अनुशरण गर्ने । |

३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँड

नेपालको संविधानको धारा ५९ मा आर्थिक अधिकारको प्रयोग सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ । यसैगरी धारा ६० मा राजश्व स्रोतको बाँडफाँड सम्बन्धी व्यवस्था छ । धारा ६० को उपधारा २ बमोजिम नेपाल सरकारले संकलन गरेको राजश्व संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई न्यायोचित वितरण गर्ने उल्लेख छ । यस व्यवस्थाको कार्यान्वयनका लागि अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ जारी गरिएको छ । त्यसैगरी संविधानको धारा २२९ मा स्थानीय संचित कोषको प्रबन्ध गरिएको छ । यस कोषमा स्थानीय तहलाई प्राप्त हुने सबै प्रकारको राजश्व नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट प्राप्तहुने अनुदान तथा स्थानीय तहले लिएको ऋण र अन्य स्रोतबाट प्राप्तहुने रकम जम्मा हुनेछ ।

स्थानीय संचित कोषमा जम्मा हुने रकमका स्रोतहरू देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

- १) आन्तरिक राजश्व
- २) राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम
- ३) संघीय सरकारबाट प्राप्त रकम तथा अनुदान

- ४) प्रदेश सरकारबाट प्राप्त अनुदान तथा अन्य रकम
- ५) कुनै व्यक्ति, संघ, संस्थाबाट प्राप्त रकम
- ६) संघीय सरकारको पहलमा प्राप्त वैदेशिक सहायता रकम
- ७) अन्य स्थानीय तहहरूबाट प्राप्त सहयोग तथा अनुदान
- ८) आन्तरिक ऋणबाट प्राप्त रकम
- ९) अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त रकम

नेपालको संविधानको मर्म अनुरूप अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम तीन तहका सरकारहरूलाई प्राप्त व्यवस्था अनुरूपका आयका स्रोतहरू देहाय बमोजिम छन् ।

(क) राजश्वको बाँडफाँड

यस अन्तर्गत मूल्य अभिवृद्धि कर र अन्त शुल्कबाट उठेको रकम बाँडफाँड गर्ने व्यवस्था रहेको छ । यी कर तथा शुल्कहरू संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भई कूल रकमको ७० प्रतिशत संघीय सरकारलाई, १५ प्रतिशत प्रदेश सरकारलाई र १५ प्रतिशत स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुन्छ ।

(ख) प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्तहुने रोयल्टीको बाँडफाँड

प्राकृतिक स्रोत अन्तर्गत विशेषगरी पर्वतारोहण, विद्युत, वन, खानी तथा खनिज, पानी तथा अन्य प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्तहुने रकम मध्ये संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भएको कूल रकमको ५० प्रतिशत संघलाई, २५ प्रतिशत सम्बन्धित प्रदेशलाई र २५ प्रतिशत सम्बन्धित स्थानीय तहलाई प्राप्त हुन्छ ।

(ग) अनुदानबाट प्राप्त रकम

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम संघीय सरकार र प्रदेश सरकारले स्थानीय सरकारलाई देहाय बमोजिमका अनुदानहरू प्रदानगर्दछन् ।

- १) वित्तिय समानिकरण अनुदान
- २) सशर्त अनुदान
- ३) समपुरक अनुदान
- ४) विशेष अनुदान

(घ) संघीय सरकारद्वारा लिइएको वैदेशिक सहायताबाट स्थानीय तहलाई प्राप्त रकम

(ङ) नेपाल सरकारको स्वीकृतिमा स्थानीय तहले लिएको आन्तरिक ऋण

(च) नेपाल सरकारले स्थानीय सरकारलाई दिएको ऋण

संविधानले दिएको अधिकार साथै विभिन्न ऐन तथा कानूनले गरेको व्यवस्थाका आधारमा यस योजनामा बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य प्राप्तिको लागि बजेट व्यवस्थापन र संचालनको विषयमा यस परिच्छेदमा चर्चा गरिएको छ ।

३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण

| विवरण | आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ | चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट | मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण | | | |
|---------------------------------|------------------------|------------------------------------|------------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| | | | ०८२/८३ को प्रक्षेपण | ०८३/८४ को प्रक्षेपण | ०८४/८५ को प्रक्षेपण | ०८५/८६ को प्रक्षेपण |
| बजेट अनुमान | ६०७१४५१०० | ५६६१६५००० | ६२२७८१५०० | ६८५०५९६५० | ७५३५६५६१५ | ८२८९२२१७७ |
| चालु खर्च | | | ० | ० | ० | ० |
| पूँजीगत खर्च | | | ० | ० | ० | ० |
| आय अनुमान | ६०७१४५१०० | ५६६१६५००० | ६२२७८१५०० | ६८५०५९६५० | ७५३५६५६१५ | ८२८९२२१७७ |
| आन्तरिक आय | ४०००००० | ३५००००० | ३८५०००० | ४२३५००० | ४६५८५०० | ५१२४३५० |
| राजस्व बाँडफाँट बाट प्राप्त रकम | ८५२०३१०० | ९०२००००० | ९९२२०००० | १०९१४२००० | १२००५६२०० | १३२०६१८२० |
| क. नेपाल सरकार | ८२०३०१०० | ८७१००००० | ९५८१०००० | १०५३९१००० | ११५९३०१०० | १२७५२३११० |
| ख. प्रदेश सरकार | ३१७३००० | ३१००००० | ३४१०००० | ३७५१००० | ४१२६१०० | ४५३८७१० |
| रोयल्टी बाँडफाँट | | | ० | ० | ० | ० |
| क. वन रोयल्टी | | | ० | ० | ० | ० |
| नेपाल सरकार वित्तीय हस्तान्तरण | ३३०६००००० | ३२४०१३००० | ३५६४१४३०० | ३९२०५५७३० | ४३१२६१३०३ | ४७४३८७४३३ |
| क. वित्तीय समानीकरण अनुदान | ८२२००००० | ८२७००००० | ९०९७०००० | १०००६७००० | ११००७३७०० | १२१०८१०७० |
| ख. सशर्त अनुदान | २३५९००००० | २२०३१३००० | २४२३४४३०० | २६६५७८७३० | २९३२३६६०३ | ३२२५६०२६३ |
| घ. विशेष अनुदान | ७५००००० | १३५००००० | १४८५०००० | १६३३५००० | १७९६८५०० | १९७६५३५० |
| ङ. समपुरक अनुदान | ५०००००० | ७५००००० | ८२५०००० | ९०७५००० | ९९८२५०० | १०९८०७५० |
| प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरण | २७३४२२०० | २८५५२००० | ३१४०७२०० | ३४५४७९२० | ३८००२७१२ | ४१८०२९८३.२ |
| क. वित्तीय समानीकरण अनुदान | ४८८२२०० | ४८६९००० | ५३५५९०० | ५८९१४९० | ६४८०६३९ | ७१२८७०२.९ |

| विवरण | आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ | चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट | मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण | | | |
|------------------------------------|---------------------------|---------------------------------------|------------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| | | | ०८२/८३ को प्रक्षेपण | ०८३/८४ को प्रक्षेपण | ०८४/८५ को प्रक्षेपण | ०८५/८६ को प्रक्षेपण |
| ख. सशर्त अनुदान (चालु, पूँजीगत) | १२४६०००० | १३६८३००० | १५०५१३०० | १६५५६४३० | १८२१२०७३ | २००३३२८०.३ |
| ग. विशेष अनुदान | | | ० | ० | ० | ० |
| घ. समपुरक अनुदान | १००००००० | १००००००० | ११०००००० | १२१००००० | १३३१०००० | १४६४१००० |
| आन्तरिक ऋण | | | ० | ० | ० | ० |
| अन्य | १५००००००० | १२००००००० | १३२०००००० | १४५२००००० | १५९७२०००० | १७५६९२००० |
| जनसहभागिता | | | ० | ० | ० | ० |
| अन्तर स्थानीय तह साभेदारी रकम | | | ० | ० | ० | ० |
| मौज्दात रकम | १००००००० | | ० | ० | ० | ० |
| कुल | | | ० | ० | ० | ० |
| बचत (-) न्यून (i) | | | ० | ० | ० | ० |

३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँड

| क्र.सं. | शिर्षक | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को विनियोजन | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण |
|---------|---------------------------------------|-------------------------------|------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| १. | कूल बजेट | ६०७१४५१०० | ५६६१६५००० | ६२२७८१५०० | ६८५०५९६५० | ७५३५६५६१५ |
| | चालु खर्च | | | | | |
| | पूँजीगत खर्च | | | | | |
| २. | कूल खर्चको क्षेत्रगत बाँडफाँड | १८४१९०००० | १९७०००००० | २१६७००००० | २३८३७०००० | २६२२०७००० |
| २.१ | आर्थिक क्षेत्र | ६००००००० | ६५०००००० | ७१५००००० | ७८६५०००० | ८६५१५००० |
| २.२ | सामाजिक क्षेत्र | २२०९०००० | ३२०००००० | ३५२००००० | ३८७२०००० | ४२५९२००० |
| २.३ | पूर्वाधार विकास | ९५१००००० | ८५०००००० | ९३५००००० | १०२८५०००० | ११३१३५००० |
| २.४ | वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन | ५०००००० | ३०००००० | ३३००००० | ३६३०००० | ३९९३००० |
| २.५ | संस्थागत विकास सेवा प्रवाह तथा शुसासन | २०००००० | १२०००००० | १३२००००० | १४५२०००० | १५९७२००० |

नोट: विषय क्षेत्रगत बजेटमा वडागत रुपमा विनियोजन गरिएको बजेट समावेश नगरिएको

३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors)

३.९.१ कृषि क्षेत्र

यस गाउँपालिकाको धरातलिय स्वरुप अनुसार विभिन्न प्रकारका वालीहरु उत्पादन हुने गर्दछ । यहाँ उष्ण, समशितोष्ण र शितोष्ण प्रकारका हावापानीहरु पाइने हुनाले वर्षमा एक फसल देखि तिन फसलसम्म वाली उत्पादन गर्ने गर्दछन । यहाँको कृषकहरुले अधिकांश निर्वाहमुखी, परम्परागत खेती गर्ने गरेको पाइन्छ भने केहि भागहरुमा कृषि आधुनिकिकरण कार्यक्रम मार्फत ब्लक, पकेट क्षेत्रको रुपमा कृषि कार्य गर्न थालनी गरिएको पाइन्छ । तथापी पक्की सडकको निर्माण नभइ सकेको हुनाले यस गाउँपालिकाको कृषि र पर्यटकीय क्षेत्रहरु प्रशस्त रुपमा भएता पनि त्यसको उचित विकास हुन नसकेको छ । कृषि उत्पादनका वस्तुहरु मध्ये पर्यटकको रुचि अनुसारका उपज उत्पादन गर्न सके यो गाउँपालिकालाई कृषि-पर्यटनको रुपमा विकास गर्न सकिन्छ ।

३.९.२ वनजंगल र जलस्रोत

यस गाउँपालिकाको कुल जमिनको ३२.९८ प्रतिशत जमिन वन जंगलले ढाकेको छ । प्राकृतिक अवस्थामा नै रहेको वनको स्याहार संभार गर्नुको साटो वर्षेनी अतिक्रमण, डढेलो, चरिचरण र लुकिछिपी फडाँनीको चपेटामा परेको नेपाली समाज बीच यथार्थ छ । भ्वाडी बुट्यान क्षेत्रलाई पुर्नउत्थान गरी प्रतिफलमुखी फलफूल लगाउन सके तथा कृषि कर्म जस्तै- वनजंगलको स्याहार, संरक्षण र वैज्ञानिक सदुपयोग गर्न सके यसबाट प्रत्यक्ष आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभलिन सकिन्छ । विशेष गरी यस गाउँपालिकाको वनजंगललाई कृषि वन(Agro Forest) को अवधारणा अनुरुप विकास गर्न सके यो समृद्धिको बलियो स्तम्भ हुन सक्छ । अर्को सुनकोशी, मोलुङ खोला, पारा खोला, ढाडखोला, दोभान खोला, बलाटे खोला, सिस्ने खोला, पाखे खोला, सेप्रे खोला, काउले खोला लगायतका खोलाहरुमा रहेका जलस्रोतको समेत उचित र पूर्ण सदुपयोग गर्न सकिएको छैन । जलविद्युत उत्पादन, साहसिक पर्यटन,सिँचाई लगायत जलपर्यटन साथै, जलस्रोत व्यवस्थापन मार्फत दीर्घकालीन समृद्धिमा समेत जलसम्पदा कोशेढुङ्गा सावित हुन सक्ने देखिन्छ ।

३.९.३ पर्यटन

विशेष गरी यस गाउँपालिकालाई साहसिक, ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। गाउँपालिका भित्र रहेका पर्यटकीय क्षेत्रहरू टोपा गुफा, ढ्याङ्गे भिर, टोङ्के डाडाँ, थाम डाडाँ, भाँक्री थान, घोम्पा डाडाँ, काली गुफा, छ्याङ खोला भरना, दारे गौडा, स्वर्गवास डाडाँ, चम्पादेवी मन्दिर, ओख्ले छाँगा, चन्लादी मन्दिर, लवडाडाँ, सोह्र छाँगे, त्वाङ दुलो लगायतका धार्मिक, ऐतिहासिक स्थलहरू रहेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा जातिगत विविधता रहेको कारण होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको उत्तिकै सम्भावना छ। तसर्थ पर्यटन क्षेत्र यो गाउँपालिकाको समृद्धिको अर्को मुख्य संवाहक हो।

३.९.४ स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू

यस गाउँपालिकाको प्रमुख विकास संवाहकको रूपमा रहेको पर्यटन, जलविद्युत क्षेत्रको समुचित विकास सँगै कृषि उपजमा आधारित प्याकेजिङ, प्रशोधन र गुणस्तर कायम गरी त्यस्ता वस्तुहरूको ब्रान्डिङ गर्न, उद्योगहरू खोल्न सकिने ठूलो सम्भावना रहेको छ। अमिलो जातका फलफूलहरूको खेती, ओखर खेती, फर्निचर उद्योग, बंगुर, बाखा पालन व्यवसाय, होटल व्यवसाय, आदिलाई अभि व्यवस्थित बनाउन सके आम्दानीको राम्रो आधार बन्ने छ।

३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू

३.१०.१ ठूला शहरसँगको सन्निकटता

सुनकोशी गाउँपालिकाको केन्द्रवाट जिल्ला सदरमुकाम ओखलढुंगा बजार सम्म करिब २६ कि.मी दुरी मात्र रहनु साथै गाउँपालिकाको केन्द्रवाट काठमाण्डौ सोलुखुम्बु राजमार्ग करिब ७५ कि.मी. दुरीमा रहनुले यहाँको विकासलाई गति थप्ने निश्चित छ। तर यहाँको सडक खण्डहरूको स्तरोन्नती तिब्र गतिमा हुन सकेको छैन।

३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू

विविधता युक्त हावापानी, जमिन, वनजंगल क्षेत्र, सुनकोशी, मोरुङ खोला, ढाङ खोला लगायत विभिन्न स्थानहरूमा रहेका गुफा, भरनाहरू यहाँका मुख्य प्राकृतिक सम्पदाहरू हुन्। यी सम्पदा नै विकासलाई गतिदिने आधारहरू हुन्।

३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता

सबै जात जातिका बीच आपसी सहयोग र सहकार्य गरी सौहार्द्रतापूर्वक रहनु यहाँको विकासको अर्को महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो। यसका साथै यहाँ रहेका आदिवासीहरू जस्तै तामाङ, सुनुवार, भुजेल, नेवार, मगर लगायतका साँस्कृतिक र मानव शास्त्रिय विशेषताको अध्ययन, अनुसन्धान र संरक्षण मार्फत विकासमा टेवा पुऱ्याउन सकिन्छ।

३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्कअनुसार यस गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय पुरुष संख्या ५०३६ अर्थात २८.६ प्रतिशत र महिला संख्या ५४५० अर्थात ३०.६ प्रतिशत रहेको छ। जनसांख्यिक चक्रमा यसप्रकारको जनसांख्यिक लाभ प्राप्त हुने अवसर इतिहासमा दुर्लभ हुन्छ, तसर्थ युवा र सक्रिय जनसंख्याको बाहुल्यता भएको हालको अवस्था गाउँपालिकाको विकासको लागि अति महत्वपूर्ण कालखण्ड हो। यो नै विकासको महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो।

३.११ सुनकोशी गाउँपालिकाको गौरवका आयोजना (Signature Projects)

कुनै पनि योजनाहरूले गाउँपालिकाको विकासको गतिलाई महत्वपूर्ण स्थान दिने गर्दछ । सोही अनुसार यस सुनकोशी गाउँपालिकाको गौरवको योजनाहरू देहाय बमोजिम रहेको छ ।

- १) आँपस्वारा - च्यानम - मुलखर्क - पालिका सदरमुकाम जोड्ने सडक
- २) मानन्द्रे - कटुन्जे-कोष भञ्ज्याङ-फलाँटे भञ्ज्याङ पालिका सदरमुकाम जोड्ने सडक
- ३) पालिका सदरमुकामबाट फलाँटे भञ्ज्याङ-माटे-दिपसिङ- आरुभञ्ज्याङ-लुकुवा पुनाटार चम्पादेवी गा.पा. जोड्ने सडक
- ४) पालिका सदरमुकामबाट सिस्नेरी-बलखु भञ्ज्याङ-थोल्मेघाट-मध्यपहाडी राजमार्ग छुने सडक
- ५) सिस्नेरी भञ्ज्याङ-डाँडागाउँ-वडा नं. ४ हुँदै जेरुङघाट-मध्यपहाडी राजमार्ग छुने सडक
- ६) पालिका सदरमुकामबाट पारा-मोलुङ-एकर जोड्ने सडक
- ७) ओखले भरना संरक्षण तथा व्यवस्थापन
- ८) काली गुफा संरक्षण तथा व्यवस्थापन
- ९) ठाडोवारी, गुन्ठावारी सुनकोशी गाउँपालिका खानेपानी आयोजना निर्माण ।
- १०) चम्पादेवी, ककनी, तीनछाङ्गे भरना र नागी डाडाँ बुद्ध प्रतिमा स्थललाई पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास ।
- ११) चञ्चलादेवी मन्दिरलाई धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा प्रवर्द्धन तथा विस्तार ।

परिच्छेद - ४ : आर्थिक क्षेत्र

४.१ कृषि तथा पशुपन्छी

(अ) कृषि

पृष्ठभूमि

यो गाउँपालिका ३५८ मिटर देखि २५०० मिटरको सच्चाईसम्म फैलिएको हुनाले भौगोलिक बनावट तथा धरातलिय स्वरूप अनुसार विभिन्न माटोमा पनि विविधता पाईन्छ। विशेष गरी यहाँ चिम्ट्याइलो दोमट, रातो, कालो, कमेरे माटो पाइएता पनि चिम्ट्याइलो दोमट माटोको बाहुल्यता रहेको छ। गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १४५.७५ वर्ग कि.मि. मध्ये ५९.४९ वर्ग कि.मि. जमिन कृषि भूमि रहेको छ। यहाँ उष्ण, समशितोष्ण र शितोष्ण प्रकारको हावापानी पाईने हुनाले एक वर्षमा एक फसल देखि तीन फसलसम्म वालीहरु उत्पादन हुने गर्दछन्। यहाँको हावापानी र माटोको प्रकार अनुसार उत्पादन हुने खाद्यान वालीहरुमा धान, मकै, कोदो, गहुँ, फापर, आलु मुख्य हुने भने दलहन वालीमा गहत, मस्याङ, मास, रहर, राजमा, सिमी, भटमास, फलफूल वालीमा सुन्तला, कागती, आँप, कटहरु, लिची लगायत पर्दछन्। यसैगरी तेलहन वालीमा तोरी, तिल र मसलाजन्य वालीहरु लसुन, प्याज, खुर्सानी, अदुवा बेसार उत्पादन गर्ने गरेको पाईन्छ।

यस गाउँपालिकाको अधिकांश कृषकहरु निर्वाहामुखी कृषि प्रणालीमा आधारित रहेका छन्। कृषिको लागि केहि हाते ट्याक्टर, थ्रेसर बाहेक अन्य कृषि यान्त्रिककरणको विस्तार हुन नसकेको साथै युवाहरु रोजगारीको लागि विदेश पलायन हुने अवस्थाले गर्दा कृषिभूमी बाँफो रहने र व्यवसायिक खेती गरी आयआर्जन बृद्धि गर्न चुनौतीको रुपमा रहेको छ।

सवलपक्ष : सम्भावना तथा अवसरहरु

| सवल पक्ष : सम्भावना तथा अवसरहरु |
|---|
| ✓ धरातलिय उचाईमा विविधता रहेकोले आलु, अमिलो जातको फलफूलहरु, आँप, केरा, मेवा, लप्सी जस्ता फलफूल, दलहन, तेलहन, मसलाजन्य वालीहरु व्यवसायिक रुपमा गर्न सकिने। |
| ✓ गाउँपालिकाले ककनी लाई आलु पकेट क्षेत्र, वडा नं. १ लाई आँपको लागि ब्लकको रुपमा विकास गरेको। |
| ✓ प्रशस्तमात्रामा घाँसे भूमी भएकोले भेडा, वाखापालनलाई सुदृढ गर्न सकिने। |
| ✓ कृषि सम्बन्धी राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरु अनुकूल हुनु |
| ✓ विभिन्न प्रकारको रमणिय पर्यटकीय स्थलहरु भएकोले विभिन्न स्थानहरुमा पर्यटकीय होटल, होमस्टे स्थापना गरी स्थानिय स्तरमा उत्पादन हुने फसलहरु बिक्री गरी रोजगारी तथा आर्थिक स्तर बृद्धि गर्न सकिने। |
| ✓ कृषि ज्ञान केन्द्रवाट सञ्चालित काष्ठपल तथा फलफूल खेतीको लागि यस गाउँपालिका पनि छनौटमा परेको। |
| ✓ यहाँ पाइने जडिबुटिहरुको उत्पादन तथा संकलन गरी यसलाई प्रवर्द्धन गर्न सकिने सम्भावना रहेको। |
| ✓ स्थानीय सरकारले स्थानीय विशिष्टता र आवश्यकता अनुसार कृषि क्षेत्रलाई प्राथमिकता प्रदान गर्न सक्ने अधिकार हुनु। |
| ✓ भौगोलिक तथा जैविक विविधताका कारण विविध प्रकारका बालिनाली तथा पशुपंक्षीपालनको संभाव्यता हुनु। |
| ✓ व्यावसायिक मौरीपालन, माछा पालन गरी ठुला बजारमा मह तथा माछाको निर्यात गर्न सकिने। |

| |
|--|
| ✓ युवा वर्गलाई कृषिमा आकर्षित गर्न युवा लक्षित कृषि कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने । |
| ✓ कृषक समूह, सहकारी, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्था र स्थानीय संघसंस्थाको साभेदारीमा कृषि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न सकिने । |
| ✓ पशुपालन व्यवसायलाई प्रोत्साहन गर्न नश्ल सुधार, पशु बीमा, गोठ सुधार जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने । |
| ✓ कृषक समूहहरूले जग्गालाई व्यावसायिक खेतीमा जान चक्लाबन्दी गर्न सकिने । |
| ✓ अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा विभिन्न प्रजातिका नगदे बाली, फलफूल, जडिबुटी व्यावसायिक रूपमा उत्पादन गर्न सकिने । |
| ✓ कृषक पाठशाला कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने । |
| ✓ गाउँपालिकाले गाईभैँसीको भकारो सुधार कार्यक्रमका लागि अनुदान उपलब्ध गराउन सक्ने । |
| ✓ व्यावसायिक रूपमा बाख्रापालन, कुखुरापालन, बुङ्गुरपालन, हाँसपालन, माछापालन तथा मौरीपालन गर्न सकिने । |
| ✓ सम्भाव्य खेतीयोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी कृषिपकेट क्षेत्र, सुपरजोन तथा जोनको रूपमा घोषणा गरी कृषिउत्पादन वृद्धि गर्न सकिने । |
| ✓ कृषि सडकहरूको विकास गरी कृषकको उत्पादनलाई सहज रूपले बजारीकरण गर्न सकिने । |
| ✓ गाउँपालिकाले यहाँ उत्पादित कृषि उपजहरूको विक्री तिरणको लागि गाउँपालिका आसपास हाटबजारको व्यवस्था गर्नुको साथै प्रत्येक वडामा एक हाट बजारको पहल गरिने नीति लिएको । |

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्या र चुनौतीहरू |
|---|
| ✓ वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना लागू नहुनु । |
| ✓ प्रयाप्त मात्रामा उत्पादशील कृषि भूमीको अभाव |
| ✓ कृषि सामग्री, मल, वीउ, किटनाशक औषधि, औजार, प्राविधिक ज्ञान र सीपमा पर्याप्त पहुँच नहुनु । |
| ✓ भू-वनौट तथा माटोको विशेषताले गर्दा जलश्रोत प्रसस्त भएता पनि ठूलो सिंचाईको लागि उपयुक्त जलश्रोत तथा भूमी नभएको । |
| ✓ कृषिको समग्र बैज्ञानिककरण, यान्त्रिककरण र व्यवसायिकरण हुन नसक्नु । |
| ✓ परम्परागत खेती प्रणाली हुनाले निर्वाहमूर्खी हुनु । |
| ✓ उच्च प्रतिफल प्राप्त हुने उत्पादन तर्फ किसानहरूलाई आर्कषण गर्ने ठोस योजना नहुनु । |
| ✓ पक्की सडक तथा कृषि सडकको उपयुक्त पहुँच र भण्डारणको समस्या हुनु । |
| ✓ माटो, विउ परिक्षणको लागि दक्ष जनशक्ति र कृषि कामदारको अभावहुनु । |
| ✓ माटो परीक्षण गरी सो अनुसारको बाली लगायता पनि गुणस्तरीय य उत्पादन हुन नसक्नु । |
| ✓ युवा शक्ति रोजगारीको लागि विदेश पलायन हुनुले कृषि जनशक्तिको अभाव |
| ✓ शहर उन्मुख भएको कारणले खेती गरिरहेको जमीनहरू बाँझिने संभावना बढी हुनु । |
| ✓ वन्य जन्तुको प्रभावले खेती बालीहरू नोक्सान बढी गर्ने । |

दीर्घकालीन सोच

वैज्ञानिक, व्यावसायिक, उच्च प्रतिफल युक्त निर्यातमुखी कृषि ।

लक्ष्य

गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिको मूल संवाहकको रूपमा कृषिको विकास गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- १) व्यवसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।
- २) नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु ।
- ३) वातावरण मैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु ।

उद्देश्य १ : व्यावसायिक र उच्च प्रतिफल मुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ व्यावसायिक सोचको अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था गर्ने | गाउँपालिका भर कृषकहरूको वर्गीकरण गरी कृषक परिचय पत्र वितरण गर्ने नीति निर्माण गरिनेछ । |
| | वर्षमा कम्तीमा एक पटक कृषिको व्यावसायीकरण सन्दर्भमा अगुवा कृषकहरूलाई अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | वडास्तरीय कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय कृषक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ । |
| | कृषि उपज विशेष कृषक समूहलाई कृषि सहकारीसँग आवद्ध गरिनेछ । |
| | किसानहरूले उत्पादन गरेको उपजको उचित मूल्य दिई कृषकहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| १.२ उच्च, प्रतिफल मुखी सघन खेती प्रणालीको अवलम्बन गर्ने | असिँचित क्षेत्रलाई क्रमशः सिँचित तुल्याउन सिँचाई योजनाहरूको प्राथमिककरण गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडामा उर्वर र कृषि योग्य क्षेत्रको पहिचान गरी सघन खेतीका लागि मिश्रित बाली पहिचान गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडामा उच्च मूल्यका कृषि उपज पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | जग्गाको वर्गीकरण गरि कृषि योग्य जग्गाको चक्काबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मीङका लागि समन्वय गरिनेछ । |
| १.३ कृषिपकेट क्षेत्रको विकास गर्ने | प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र, सुपरजोन, जोन निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | फलफुल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना गरिनेछ । |
| | बाली विशेष पकेट क्षेत्रलाई केन्द्रित गरी गुणस्तरीय य र उन्नत बिउ विजनका लागि स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ । |
| १.४ अत्यावश्यक कृषि | आवश्यक रासायनिक मलको आयत आंकलन गरी समयमै आपूर्ति गर्न |

उद्देश्य १ : व्यावसायिक र उच्च प्रतिफल मुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| सामाग्रीको पहुँच र उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने | गाउँपालिका स्तरीय संयन्त्रनिर्माण गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडामा प्राङ्गारिक तथा हरित मल उत्पादन सम्बन्धी तालिमको आयोजना गरिनेछ । |
| | व्यावसायिक प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषकलाई विशेष अनुदानको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | वडा स्तरमा उत्पादन हुने बाली विशेषका धारमा उन्नत बिउ वितरण गर्न बिज बैंक तथा सामाग्री केन्द्रको विकास गरिनेछ । |
| | कृषि यान्त्रिकीकरण अन्तर्गत किसानले खरिद गर्ने औजार (जस्तै: च्यापकटर, ब्रसकटर, मिल्कएनलाइजर, स्प्रे आदि)मा मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइने छ । |
| | साना किसान तथा समग्र कृषि क्षेत्रलाई क्रमशःयान्त्रिकीकरण गर्न एक गाउँपालिका स्तरीय ऋगकतक जञ्चप्लन ऋभलतभचको निर्माण गर्न प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय गरिनेछ । |
| | बजारको पहुँच नभएको क्षेत्रहरुको कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन दुवानीको व्यवस्था गरिनेछ। |
| | कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन गर्नका लागि प्रदेश तथा केन्द्रसम्म पहल गरिनेछ । |
| एक वडा एक हाट बजार स्थापनाका लागि पूर्वाधारमा आवश्यक लगानी गरिनेछ। | |
| १.५ खाद्यान्न तथा मल भण्डारण तथा विषादीको प्रयोग सम्बन्धी कृषक ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने | मलको प्रयोग र अनुपात समय आदिका विषयमा प्रत्येक कृषकलाई सुसूचित गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यमको प्रयोग गरिनेछ । |
| | मल, बिउ विजन तथा विषादिको प्रयोग सम्बन्धी जानकारी प्रदान गर्न गाउँपालिका स्तरीय ऋर्वी अभलतभच को स्थापना गरिनेछ । |
| | वडास्तरीय कृषक पाठशालामा मल, बिउ विजन र विषादी प्रयोग सम्बन्धी सामाग्रीको विकास र सम्प्रेषण गरिनेछ । |
| | वडास्तरमा घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिनेछ । |
| | जैविक विषादीको उत्पादन र प्रयोग सम्बन्धी वडास्तरीय तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | कृषकहरुलाई प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण गर्न कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन गरिनेछ । |
| | बाली भित्र्याइसके पछि हुने क्षती न्यूनीकरण गर्न कृषिउपज भण्डारण सम्बन्धी विशेष तालिम तथा परम्परागत सीप हस्तान्तरण गरिनेछ । |
| | खाद्य भण्डारण डिपोहरुको स्थापना गरिनेछ । |
| | अर्गानिक खेती गर्ने किसानलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन गरिनेछ । | |
| १.६ सहूलियतपूर्ण कृषिकर्जाको | संघीय र प्रदेश सरकार तथा गाउँपालिकाको सहजीकरण तथा समन्वयमा |

उद्देश्य १ : व्यावसायिक र उच्च प्रतिफल मुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|------------------------------------|---|
| व्यवस्था गर्ने | व्यावसायिक योजना अनुरूप खेती गर्न चाहने कृषकलाई सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | सहकारी क्षेत्रलाई कृषि क्षेत्रमा लगानी गर्न कृषि सहकारी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | वैदेशिक रोजगारीमा कृषि पेसामा संलग्न भई स्वदेश फर्केका युवाहरूलाई कृषिमा लगानी गर्न इच्छुक भए मापदण्डका आधारमा कृषि कर्जाको व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ । |
| १.७ कृषि विमालाई प्रभावकारी बनाउने | गाउँपालिकाको समन्वय र सहजिकरणमा कृषिविमालाई अनिवार्य बनाई विमा प्रदायक कम्पनीहरूसँगको सहकार्यमा कृषक मैत्री बनाइनेछ । |
| | कृषकहरूलाई कृषि विमाको आवश्यकता र महत्वका विषयमा सुसूचित गर्न विमा कम्पनीहरूको सहयोगमा नियमित अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | न्यून आय भएका साना किसानहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा कृषिविमा सहूलियत तथा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : नमूना कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| २.१ असल अभ्यासहरूको अध्ययन र अवलोकन गर्ने | कृषि शाखाको समन्वयमा गाउँपालिकाका अगुवा र आकांक्षी कृषकहरूलाई सघन कृषि क्षेत्र वा कृषि ग्रामको रुपमा विकास भैरहेका क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन भ्रमण गराइने छ । |
| | अवलोकनबाट प्राप्त अनुभवहरूलाई गाउँपालिकाका अन्य कृषकहरूलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा कम्तीमा १ पटक गाउँपालिका स्तरीय कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना गरी बजारको प्रवर्द्धन गरिनेछ । |
| २.२ सघन कृषि उत्पादन क्षेत्रको वर्गीकरण र घोषणा गर्ने | उर्वर र खेती योग्य क्षेत्रलाई वर्गीकरण गरी क्रमशः सघन खेती क्षेत्र घोषणा गरिनेछ । |
| | सघन खेती क्षेत्रहरूलाई निश्चित मापदण्ड तथा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय भू-उपयोग नीति अनुरूप खेतीपाती बाहेक अन्य कृषाकलापमा प्रयोग गर्न निरुत्साहन गर्ने नीति कार्यान्वयन गरिनेछ । |
| २.३ कृषिको विकासका लागि आवश्यक भौतिक कृषि पूर्वाधारको क्रमशः विकास गर्दै नमूना कृषि क्षेत्र बनाउने | गाउँपालिका भित्रका प्रमुख कृषि सडकहरूको पहिचान गरिनेछ । |
| | प्राथमिकताका आधारमा सघन क्षेत्रका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडामा सघन खेती क्षेत्रलाई उपयुक्त हुने स्थानमा कृषि उपज संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका भित्र आवश्यकताका आधारमा चिस्यान केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा उच्च उत्पादन सम्भावना रहेका बालीहरूको विज बैंक स्थापना गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|--|
| | कृषि सम्बन्धी अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने हेतुले गाउँपालिकामै कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना गर्न प्रदेश तथा संघमा पहल गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना गरिनेछ । |
| | २.३.८ आवश्यकताका आधारमा दुधचिस्यान केन्द्रहरु स्थापना गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | २.३.९ माटोमा राख्ने चुना अनुदानमा वितरण गरिनेछ । |

उद्देश्य ३: वातावरण मैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| ३.१ वातावरण मैत्री दिगो कृषि सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने | दिगो कृषिको सैद्धान्तिक र व्यावहारिक पक्षका विषयमा विज्ञहरू द्वारा सम्प्रेषित ज्ञान अगुवा कृषकको अगुवाइमा अन्य कृषकलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा १ पटक अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ । |
| | रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षणमा विशेष अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | जलवायु अनुकूलन विशेष बालीनाली प्रवर्द्धन गरिनेछ । |
| | सामुदायिक विज बैंक स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| ३.२ गाउँपालिकामा निरन्तर उत्पादन हुन सक्ने कृषि जन्य कच्चा पदार्थको पहिचान गर्ने | वडास्तरमा जलवायु र माटो अनुकूल उत्पादन हुने प्रमुख बालीका धारमा पकेट क्षेत्र, ब्लक, जोन र सुपरजोनको पहिचान र घोषणा गरिनेछ । |
| | पकेट क्षेत्र, जोन र सुपरजोन उत्पादित प्रमुख उत्पादनको वार्षिक तथ्याङ्क प्राप्त गर्न स्वचालित तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ । |
| | कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | कृषि उपजहरूलाई सन्तुलित मूल्य श्रृंखलामा समेटिने छ । |
| ३.३ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा "एक वडा एक कृषि"मा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने | बाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | पहिलो चरणमा "एक वडा एक कृषि" उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ । |
| | उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमुखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिका द्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ । |
| ३.४ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने | कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ । |
| | संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिका स्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुन सक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ । |
| | स्थानीय उपज उपभोग हुने उपभोक्ता बजारको मागको अध्ययन गरी वस्तुगत सूचना संकलन गरिनेछ । |

उद्देश्य ३: वातावरण मैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| | उत्पादनमा स्थानीय पहिचान राख्न सक्ने वाली तथा उत्पादनको पहिचान गरिनेछ । |
| | गुणस्तर र ब्रान्ड कायम गर्न सक्ने वाली तथा उत्पादनको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्न जैविक प्रविधिको अवलम्बन गरिनेछ । |
| | जैविक प्रविधिको अधिकतम प्रयोग गर्न गुणस्तरीय य उत्पादन गर्न र कृषकहरूलाई नियमित तालिम तथा अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | कृषि उपजहरूमा मेड इन सुनकोशीको ९:बमभ प्ल कालपयक७० ब्राण्डीङ्गका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| ३.५ कृषि र पर्यावरण मैत्री मौरी पालन व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने | मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ । |
| | मौरी पालक कृषकलाई प्राविधिक तालिम प्रदान गरिनेछ । |
| | व्यावसायिक मौरीपालक कृषकलाई मौरीघारको विस्तार र उपकरण खरिदमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | उत्पादित महलाई प्रशोधन र लेवलिङ् तथा प्याकेजिङ् गरिनेछ । |
| | मह उपभोक्ता बजार तथा मागको अध्ययन गरिनेछ । |

(आ) पशुपन्छी विकास तथा मत्स्यपालन

पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकाको मुख्य पेशाहरूमा कृषिको साथसाथै पशुपालन पनि हो । व्यवसायिक रूपमा पशुपालन व्यापक नभएता पनि कृषिको लागि मल तथा दूध जन्य वस्तु र मासुको रूपमा प्रयोग गर्दै आइरहेको छ । यहाँ विशेष गरी गाई, भैसी, बाखा, सुगुर, बंगुर, कुखुरा, हाँस पाल्ने गरिएको छ । आर्थिक आम्दानीको तथा यहाँको हावापानी र भूगोलको हिसावले विशेष गरी बाखापालन गर्ने गरेको देखिन्छ । यहाँ उत्पादन भएको खसीबोकाहरू स्थानिय बजार, तराई तथा काठमाण्डौसम्म विक्री हुने गर्दछ । कुखुरा मासु खानको लागि बजार माग बढीरहेको हुनाले कृषकहरू कुखुरा पालन प्रति उत्साहित भएका छन् ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| ✓ पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन व्यवसायको आधुनिकीकरण हुन नसकेको । |
| ✓ कृषि पूर्वाधार विकासमा चुनौती रहेको । |
| ✓ युवा तथा व्यावसायिक सोचका कृषि उद्यमीहरूलाई यस क्षेत्रमा आर्कषण गर्ने चुनौती रहेको । |
| ✓ पशुपन्छी, मत्स्य पालन सेवा केन्द्र तथा दक्ष प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था र तालिम नभएको । |
| ✓ पशुपन्छी उपचार पर्याप्तता नभएको । |
| ✓ कृषि उपज भण्डारण तथा उचित बजारको सुनिश्चितता हुन नसकेको । |
| ✓ प्रसस्त चरन क्षेत्र तथा पौष्टिक घाँसहरूको प्रयाप्ततामा कमी रहेको । |
| ✓ पशु चौपायाँहरूलाई विभिन्न रोगहरू लाग्ने गरेको त्यसको आकस्मिक उपचारका लागि दक्ष जनशक्ति तथा औषधिहरूको कमी रहेको । |

सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|---|
| ✓ कृषकहरूले पालिकामा फर्महरू दर्ता गरी बाखा, कुखुरा, सुगुर, बंगुर लगायतका पशुपन्छीहरूको व्यावसायिक उत्पादन गर्दै आएको । |
| ✓ यस गाउँपालिकाको भूगोलले व्यवसायिक रूपमा बाखा,गाई पालनको लागि बढी संभावना रहेको । |
| ✓ दुध, माछा, मासु र अण्डाको खपत बढिरहेकोले राम्रो आमदानी गर्न सकिने । |
| ✓ गाउँपालिकाको व्यापारिक पहुँच ओखलढुंगा, घुर्मी, धुलीखेल, काठमाडौँ जस्ता उपभोक्ता बजारहरूसम्म रहेको । |
| ✓ पशुपन्छी जन्य उत्पादनमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने । |
| ✓ व्यावसायिक उत्पादन बढाउन सके माछाको बजारको समेत राम्रो सम्भावना रहेको । |
| ✓ दुध तथा मासु उत्पादनमा आत्मा निर्भर बनाउन गाउँपालिका क्षेत्रमा दूध डेरी तथा दूध संकलन गर्न चिस्यान केन्द्र स्थापना गर्ने नीति लिएको । |
| ✓ कृषि क्षेत्रमा बाली विमा, पशु विमा लगायतका कार्यक्रमहरू संचालन गरी दिगो कृषिको माध्यमबाट कृषकको जीविकोपार्जन सुधार गर्ने नीति लिएको । |

उपक्षेत्रगतलक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

व्यावसायिक पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन मार्फत आर्थिक समृद्धि

लक्ष्य

आधुनिक, वैज्ञानिक र व्यावसायिक पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन मार्फत निर्यातमुखी उत्पादनलाई बढावा दिने

उद्देश्यहरू

- १) पशुपन्छी पालनलाई व्यावसायिक बनाउनु ।
- २) पशुपन्छी जन्य उत्पादनमा निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।
- ३) माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।

उद्देश्य १: पशुपन्छी पालनलाई व्यावसायिक बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १.१ पशुपन्छी पालनमा व्यावसायिकता अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमुखीकरण गर्ने | वडास्तरमा उच्चमशिल सोच भएका इच्छुक युवा तथा अग्रणी कृषकहरूको पहिचान गरिनेछ । |
| | कृषि उद्यमीहरूको उत्प्रेरणाका लागि वडास्तरमा उनीहरूको सोच र योजनाबारे सूचना संकलन गरी शुरुवात (Start-up) का लागि अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | इच्छुक युवा तथा अन्य अगुवा कृषकहरूको लगत संकलन पश्चात पशुपन्छी तथा मत्स्यपालन सम्बन्धी असल अभ्यास तथा प्राविधिक पक्षहरूबारे वर्षमा एक पटक अभिमुखीकरण तथा तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | अति विपन्न घरपरिवार निर्वाहमुखी पशुपन्छीपालन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइनेछ । |
| १.२ युवा उद्यमीहरूलाई | निश्चित मापदण्डका आधारमा एकल तथा सामूहिक रूपमा पशुपन्छी पालनमा |

| | |
|---|--|
| यसतर्फ आर्कषण गर्न विशेष सहूलियत प्रदान गर्ने | व्यावसायिक रुपमा जानखोज्ने कृषक, कृषक समूह तथा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवाहरूलाई ब्याजमा अनुदान दिइने छ । |
| | उच्चमूल्य पर्ने पशुपन्छीजन्य उत्पादनका लागि आवश्यक उन्नत जातका नश्लको प्रवर्द्धन गर्न बोका तथा माउ आदिमा निश्चित मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | स्थानीय सहकारी तथा समूहमा पशुपालन व्यवसाय गर्न चाहनेहरूलाई निश्चित प्रतिशत ब्याज, सहूलियत तथा लगानीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | स्थानिय जातका लोकल कुखुरा, कालिज, बड्गुरलगायत पशुपन्छी पाल्न चाहने बेरोजगार युवाहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा सुविधाको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका भित्रका दुध उत्पादक किसानलाई दुध जन्य पदार्थको उत्पादन र बिक्री वितरणमा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । |
| १.३ पशुपन्छी उत्पादनलाई आवश्यक कृषि सामग्री तथा प्रविधिको उपलब्धता वृद्धि गर्ने | पशुपालनलाई आवश्यक घाँसको उत्पादन, विउ तथा बेर्ना वितरण गरिनेछ । |
| | घाँसेवाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | खेर गैरहेको जमिनमा घाँस रोप्न कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडामा पशुसेवा केन्द्रद्वारा प्रदान सेवालाई घुम्ती सेवा मार्फत विस्तार गरिनेछ । |
| | पशु विमा कार्यक्रमलाई कृषक मैत्री र प्रभावकारी बनाउन विमाकम्पनीको समन्वयमा अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| | पशु रोग नियन्त्रणका लागि भ्याक्सिनेसन तथा ऋबर्षी ऋभलतभच को व्यवस्था गरिनेछ । |
| | सघन पशुपन्छी पालन क्षेत्र लक्षित भेटेरीनरीको स्थापना गरिनेछ । |
| | उन्नत र उच्च प्रतिफल दिने पशुनश्ल सुधार तथा कृत्रिम गर्भाधान सेवालाई विस्तार गरिनेछ । |
| | उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ । |
| | स्थानीय उपजमा आधारित दाना उद्योग खोल्ने उद्यमीलाई मापदण्डका आधारमा सहूलियत प्रदान गरिनेछ । |
| | पशुशिक्षा प्रवर्द्धन गर्न वडास्तरमा कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ । |
| | पशुपालन पकेट क्षेत्र स्तरिय घाँस बिज बैंक तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा सम्भाव्यता हेरी दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापना तथा विस्तार गरिनेछ । |

उद्देश्य २: पशुपन्छी जन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| २.१ कृषि तथा पशुपन्छी तथाङ्क प्रणालीको विकास | गाउँपालिकालाई दुध तथा दुधजन्य पदार्थ, माछा, मासु उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ । |

| उद्देश्य २: पशुपन्ध्री जन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु | |
|--|---|
| रणनीति | कार्यनीति |
| गर्ने | गाउँपालिकाभर पालिने पशुपन्ध्रीको विवरण अद्यावधिक गर्ने तथा प्रणालीको निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा हरेक वर्ष पशुपन्ध्रीजन्य उत्पादनको माग आपूर्तिको वस्तुपरक सूचना प्राप्त गरी उत्पादनलाई निर्यातमुखी बनाइनेछ । |
| | हरेक वर्ष गाउँपालिकाबाट निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक गरिनेछ । |
| २.२ पशुपन्ध्रीजन्य उत्पादनको निर्यात गर्ने | गाउँपालिकामा उत्पादन हुने पशुपन्ध्री संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| | पशुपन्ध्रीजन्य उत्पादन निर्यात हुनसक्ने सम्भाव्य निकटवर्ती बजार तथा हाटबजारको मागको अध्ययन गरिनेछ । |
| | उत्पादित वस्तुहरूको ब्रान्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ । |
| | उत्पादन र मागको सन्तुलन कायम गर्न ठूला बजारका कृषि उपज संकलन तथा व्यापारीहरूसँग सम्पर्क तथा माग संकलन गर्ने संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ । |

| उद्देश्य ३ : माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु | |
|---|--|
| रणनीति | कार्यनीति |
| ३.१ माछापालनमा कृषक पहिचान गर्ने | सम्भाव्यताका आधारमा माछापालन गर्न चाहने र गरिरहेका कृषक पहिचान गरिनेछ । |
| | माछापालन गर्न चाहने कृषकलाई प्राविधिक ज्ञान र सिपका लागि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । |
| ३.२ माछाका भूरासा अनुदानदिने | निश्चित मापदण्डका आधारमा माछापालक कृषकलाई पहिलो पटक भूरासा अनुदान दिइने छ । |
| | स्थानीय जलवायु अनुकूल उत्पादन हुन सक्ने माछाका बारेमा कृषकलाई जानकारी प्रदान गरिनेछ । |
| | माछाको लागि दाना उत्पादन गर्ने प्रविधि सहित मेशिनहरू उपलब्ध गर्ने |
| | माछा उत्पादन सम्बन्धी सल्लाह दिन प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ । |
| ३.३ माछाको स्थानीय माग पूरा गरी निर्यात गर्ने | स्थानीय स्तरमा उत्पादित माछाको खपत हुन सक्ने प्रमुख बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ । |
| | माछाको निर्यातका लागि संकलन भण्डारण तथा प्याकेजिङ केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| ३.४ पोखरी निर्माणमा अनुदान तथा सहूलियतदिने | स्थानीय जल पर्यावरणीय प्रणालीको विकास गर्न वडा स्तरमा नमूना माछा पोखरी निर्माण गर्ने कृषकहरूलाई लागत सहभागिता तथा ब्याजमा अनुदान दिईने छ । |
| | त्यस्ता पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा पानीको उपलब्धता हुने सार्वजनिक जग्गाहरूमा पोखरीहरू निर्माण गरि माछा पालन गरिनेछ । |

कृषि तथा पशुपन्छीको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष | |
| १. | कृषक वर्गीकरण तथा परिचयपत्र वितरण | १० | | | | | |
| | अगुवा कृषकको विवरण संकलन | १० | | ० | ० | ० | |
| | व्यवसायीकरण सम्बन्धी अगुवा कृषक अभिमुखीकरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक व्यवस्था | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | उत्पादित कृषि उपजको मूल्यश्रृंखला निर्धारण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | गाउँपालिकाका प्रमुख सिँचाई योजनाहरूको प्राथमिकीकरण | १०००० | ११००० | १२१०० | १३३१० | १४६४१ | |
| | वडास्तरीय सघन कृषि क्षेत्र तथा खेती मिश्रित बाली/अन्तरबाली वर्गीकरण तथा पहिचान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वडास्तरीय उच्च मूल्यका बाली तथा उत्पादन सम्भाव्यता अध्ययन | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | बाँझो क्षेत्र पहिचान र विवरण संकलन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | दुध जन्य उत्पादनमा अनुदान | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | जग्गाको वर्गीकरण गरि कृषियोग्य जग्गाको चक्काबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मीडका लागि समन्वय | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | ८०० | ८८० | ९६८ | १०६५ | ११७१ | |
| | फलफुल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | पकेट क्षेत्र स्तरीय स्रोतकेन्द्र निर्माण | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | रासायनिक मल माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | वडास्तरीय प्राङ्गारीक तथा हरित मल उत्पादन तालिम | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | व्यावसायिक प्राङ्गारिक मल उत्पादन अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वडास्तरीय बिज बैंक (Seed Bank) निर्माण | ० | ० | २५० | २७५ | ३०३ | |
| | कृषि यन्त्र खरिदमा अनुदान | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय Custom Hiring Center निर्माण | ० | ० | ० | २०० | २२० | |
| | कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन ढुवानी अनुदान | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन | ० | ० | ० | ० | ३०० | |
| | एक वडा एक कृषि उपज संकलन केन्द्र स्थापना | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | मल, विउ, विषादी आदिको प्रयोग सम्बन्धी कृषि शिक्षा प्रसारण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय कृषि Call Center को स्थापना | ४० | | ० | ० | ० | |
| | कृषक पाठशालाका लागि पाठ्यक्रम निर्माण | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | जैविक विषादी उत्पादन तालिम | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | व्यावसायिक तरकारी खेतीमा प्लास्टिक टनेल अनुदान | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | कृषि उपज भण्डारण तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खाद्य भण्डारण डिपो स्थापना | ७०० | ७७० | ८४७ | ९३२ | १०२५ | |
| | विषादी परिक्षण प्रयोगशाला निर्माण | ० | ० | ० | ० | २५० | |
| | अर्गानिक खेती गर्ने किसानलाई प्रोत्साहन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | व्यावसायिक कृषि योजना अनुदान तथा सहूलियत | २५० | २७५ | ३०३ | ३३३ | ३६६ | |
| | कृषक तथा सहकारी विशेष अन्तरक्रिया | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवालाई विशेष कृषक अभिमुखीकरण | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | युवा कृषक विशेष अनुदान तथा सहूलियत | २५० | २७५ | ३०३ | ३३३ | ३६६ | |
| | कृषक तथा बिमा कम्पनी बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विपन्न कृषक बिमा अनुदान | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | साना किसानहरूलाई कृषि बिमामा सहूलियत तथा अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| २. | अगुवा कृषक अध्ययन तथा अवलोकन भ्रमण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष | |
| | अगुवा तथा साना किसान बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | सघन कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड निर्माण | ५० | | ० | ० | ० | |
| | सघन कृषि क्षेत्र विस्तार अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड कार्यान्वयन तथा अनुगमन संयन्त्र निर्माण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | कृषि सडक (घोषणाका लागि) पहिचान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | वडास्तरीय कृषि उपज संकलन केन्द्र निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक शीत भण्डार निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | ५० | | ० | ० | ० | |
| | आलु, मकै, गहुँ को बिज बैंक स्थापना | ० | ० | २०० | २२० | | |
| | कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना | ० | ० | ० | ० | ५०० | |
| | गाउँपालिका स्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | दुध चिस्यान केन्द्र स्थापना अनुदान | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | माटोमा राख्ने चुना अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| ३. | वातावरण र दिगो कृषि विषयक अगुवा कृषक अभिमुखीकरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षण अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जलवायू अनुकूलन विशेष बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | सामुदायिक बिज बैंक सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | | ५० | ५५ | |
| | कृषि ब्लक, पकेट क्षेत्र, जोन र सूपर जोन पहिचान | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | जोन र सूपर जोन स्तरीय स्वचालित कृषि तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण | ० | ० | २५ | | ० | |
| | कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | कृषि उपज सन्तुलित मूल्य श्रृंखला विकास कार्यक्रम | ६० | | ० | ० | ० | |
| | पकेट क्षेत्रवा जोन/ सूपर जोन स्तरीय कृषिउद्योगको सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | “एक वडा एक कृषि” उद्योग स्थापना गर्न कृषक समूह पहिचान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अगुवा कृषि उद्यमी विशेष अभिमुखीकरण तथा अन्तरक्रिया | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | कृषि उपज प्याकेजिङ्ग, लेबलिङ्ग गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डिङ्ग सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खाद्य तथा कृषिउपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना | ० | ० | ० | ० | २०० | |
| | कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ६० | | ० | ० | |
| | कृषि सम्बन्धी उपभोग्य वस्तुको वस्तुगत माग सम्बन्धी तथ्याङ्क संकलन | ६० | ६६ | ७३ | ८० | ८८ | |
| | जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी नियमित तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन | २५ | | ० | ० | ० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष | |
| | मौरी पालन तालिम सञ्चालन | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | लागत सहभागितामा मौरीको घारमा अनुदान | ० | ० | ५० | ५५ | ६१ | |
| | मह ब्रान्डिङ सम्बन्धी तालिम सञ्चालन | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | अगुवा तथा युवा पशुपन्छी पालक कृषक पहिचान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | व्यावसायिक पशुपन्छी पालनलाई Venture Capital को प्रबन्ध | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | अगुवा तथा युवा कृषक विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम | ७० | ७७ | ८५ | ९३ | १०२ | |
| | निर्वाहमुखी पशुपन्छी पालन कार्यक्रम सञ्चालन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | व्यावसायिक पशुपन्छी पालक कृषकलाई ब्याज अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | उन्नतजातका बोका, राँगा, बहर तथा माउमा अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सामुहिक व्यवसाय गर्ने समूहलाई ब्याजमा सहलियत | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बेरोजगार युवाहरूलाई रैथाने जातका पशुपन्छी पालन विशेष Venture Capital | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | घाँसको बिउ तथा बेर्ना वितरण | ६० | ६६ | ७३ | ८० | ८८ | |
| | घाँसे बाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी कृषक तालिम | ७० | ७७ | ८५ | ९३ | १०२ | |
| | पशुपन्छी स्वास्थ्य घुम्ती सेवा सञ्चालन | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष | |
| | पशु विमा अनुदान तथा अन्तरक्रिया | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | पशुखोप घुम्ती सेवा | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | भेटेरेनरी स्थापनार्थ निजी क्षेत्र समन्वय | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | कृत्रिम गर्भाधान सेवा सञ्चालन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना | ० | १०० | ११० | १२१ | १३३ | |
| | कृषि दाना उद्योग सहूलियत अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | घाँस विज बैंक तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन | ० | १०० | ११० | १२१ | १३३ | |
| | दुध पकेट क्षेत्र स्तरिय चिस्यान केन्द्र स्थापना | ० | ० | १०० | ११० | १२१ | |
| | पशुपन्छी जन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | वार्षिक पशुजन्य उत्पादन माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक प्रणाली निर्माण | ० | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | |
| | पशुपन्छी संकलन केन्द्रको स्थापना | ० | १०० | ११० | १२१ | १३३ | |
| | पशुपन्छीजन्य उत्पादन निर्यात बजारको माग अध्ययन | ० | ० | ५० | ५५ | ६१ | |
| | प्रशोधन, लेबलिङ्ग, गुणस्तर मापन तथा ब्रान्डिङ्ग सम्बन्धी तालिम | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | मुख्य उपभोक्ता बजार स्थित व्यापारीहरूसँग माग संकलन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | माछापालक कृषक विवरण संकलन | ० | २५ | २८ | ३० | ३३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | माछापालन तालिम सञ्चालन | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | भुरा वितरण अनुदान | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | माछापालक कृषक प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण | ० | ० | २५ | २८ | ३० | |
| | दाना उत्पादन गर्ने प्रविधि सहित मेसिनहरु उपलब्ध | ० | ० | ० | ० | ० | |
| | स्थानीय तथा ठूला उपभोक्ता बजारमा मागको अध्ययन | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | माछा संकलन, भण्डारण तथा प्याकेजिङ्ग केन्द्रको स्थापना | ० | ० | ० | ० | १०० | |
| | माछा पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई लागत सहभागितामा अनुदान | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | पोखरी निर्माणमा प्राविधिक सहयोग | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | जम्मा | १७७४० | १९९२० | २२५४५ | २५३७२ | २९०१८ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेती योग्य जमिनको पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।
- कृषि क्षेत्र व्यावसायिक र वैज्ञानिक भएको हुनेछ ।
- खाद्यान्न, मासु, अण्डा, दुधमा निर्यात प्रवर्द्धन हुनेछ ।
- कृषिमा युवा कृषकहरूको आकर्षण बढेको हुनेछ ।
- कृषि ग्रामका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको विकास भएको हुनेछ ।
- व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनका सुरुवात भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|--------------|--------------|------------|
| १. | कृषि | | | | |
| | प्रभाव | कृषिमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (२.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | कृषि क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि दर | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ उत्पादनका योगदान | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | पूर्ण खाद्य सुरक्षा भएका घरधुरी | प्रतिशतमा | | |
| | असर | खेतीयोग्य जमिन मध्ये पूर्णरूपमा खेती भइरहेको जमिनको | प्रतिशत | २९।३८ | |
| | असर | माटोमाऔसत जैविकपदार्थको मात्रा | प्रतिशत | | |
| | असर | भाडी बुट्यान र बाँभो जमिनको | प्रतिशत | १०।८३ | |
| | असर | पूर्ण रूपमा व्यावसायिक कृषिमा प्रयोग भैरहेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१) | प्रतिशत | | |
| | असर | वर्षेभरि सिँचाई सुविधा पुगेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१) | प्रतिशत | | |
| | असर | जैविक प्रणालीबाट मात्र खेती भैरहेको जमिन | हेक्टर | | |
| | असर | व्यवसायिक कृषिमा लागेका ४० वर्ष मूनि कायुवा कृषक | संख्यामा | | |
| | असर | प्रतिव्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन | के.जी. | | |
| | असर | मकै उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | ८५००।५० मे.ट | |
| | | धन उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | १५९९।११ मे.ट | |
| | असर | गहुँ उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | १४९०।३५ मे.ट | |
| | | कोदो उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | ३४८७ मे.ट | |
| | असर | अन्य फलफुल | मे.टन/हेक्टर | ७७।०० मे.ट | |
| | असर | अन्य तरकारी उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | ५७१४।०६ मे.ट | |
| | असर | दुध उत्पादन | लिट्र | २००१ | |
| | असर | तेलहन बाली उत्पादन | मे.टन/हेक्टर | २७।०० मे.ट | |
| | प्रतिफल | कृषि सूचना तथा स्रोत केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | एग्रोभेट | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|----------------|-----------|------------|
| | प्रतिफल | पशु उपचार केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषिऔजार बिक्री केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | ऋगकतफ ज्चप्लन ऋभलतभच | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषि तथा पशु उपजबिक्री केन्द्र/संकलन केन्द्र | संख्या | २ | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक कृषिफर्म/पशुपन्छी फर्म | संख्या | ३५ | |
| | प्रतिफल | कृषि घुम्ती सेवा | वार्षिक संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषक पाठशाला | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक कृषि नर्सरी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | ब्रान्डेड कृषिउपज | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक फलफुल खेतीगरिएको क्षेत्रफल | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | आधुनिक कृषिऔजार तथा यन्त्रप्रयोग कर्ता | कृषक संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषि सहकारी संस्था | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सामुहिक खेतीमा संलग्न समूह | संख्या | | |
| | प्रतिफल | रैथाने तर नासिने अवस्थामा पुगेका स्थानीय बाली नश्ल | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जलवायू अनुकूलनविशेषबालीनाली | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सामुदायिकबिज बैंकको संख्या (२.५.२.४) (प.दि.वि.ल.) | | | |
| | असर | स्थानीयस्तरमाउत्पादनभई निकासीहुने बिज | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जैविक किटनासक प्रयोगकर्ता | कृषक संख्या | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकाबाट कृषिउपजनिर्घात तथाबजारीकरणका लागिदिइएको अनुदान सहायता रकम (२.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | रू लाखमा | | |
| | प्रतिफल | कृषि क्षेत्रलाई छुट्याइएको बजेटको प्रतिशत (कूल बजेटको) (२.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | बाली भित्र्याइसके पछि हुने क्षती | प्रतिशतमा | | |
| | प्रतिफल | सन्तुलित मूल्य शृङ्खलामा समेटिएका कृषिउपज | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषि तथा पशु प्राविधिकजन शक्ति | संख्या | १३ | |
| | प्रतिफल | कृषिमा आधारित उद्योग | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|---------------|-----------|------------|
| | प्रतिफल | पशुधन निर्यातबाट प्राप्त रकम | लाखमा | | |
| | प्रतिफल | पन्छीजन्य निर्यातबाट प्राप्त रकम | लाखमा | | |
| | प्रतिफल | माछा निर्यातबाट प्राप्त रकम | लाखमा | | |
| | प्रतिफल | मह निर्यातबाट प्राप्त रकम | लाखमा | | |
| | प्रतिफल | कृषक समूह | संख्या | | |
| | प्रतिफल | दुधचिस्यानतथा डेरी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषिपकेट जोन/सुपर जोन | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक जडिबुटी खेतीगरिएको क्षेत्रफल जडीबुटी नर्सरी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | औषधीय गुण भएकातथा सुगन्धित जडिबुटी संख्या (१५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक तरकारी उत्पादनगरिएको क्षेत्रफल | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | कृषि सडकको पहुँचले जोडिएको कृषि क्षेत्रको | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | रासायनिकमल समयमाप्राप्तहुननसकिप्रभावित कृषक | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक रुपमाप्राङ्गारिक मलउत्पादन गर्ने कृषक | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सघन खेतीपातीले ओगटेको क्षेत्रफल | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | खाद्य सञ्चयतथा भण्डार गोदाम (२.ग.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषि क्षेत्रले ओगटेको पूर्ण रोजगारी | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | कृत्रिमगर्भादान सेवा संख्या | वार्षिक | | |
| | प्रतिफल | उन्नतनश्लका पशुपन्छी स्रोत केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | रैथाने पन्छी तथापशुपालक फार्म | संख्या | | |
| | प्रतिफल | घाँसेवालीले ओगटेको कृषि क्षेत्र | हेक्टरमा | | |
| | प्रतिफल | भेटिरिनरी प्रयोगशाला | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कृषिप्रदर्शनीतथा मेला | संख्यावार्षिक | | |
| | प्रतिफल | माछा पोखरीले ओगटेको क्षेत्रफल | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | मौरी घर | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|-----------|-----------|------------|
| | प्रतिफल | कृषि प्राविधिक तालिम तथा अभिमुखीकरणबाट पूर्ण लाभान्वित छु भन्ने कृषक | संख्या | | |
| | प्रतिफल | माछाका भूरा वितरण संख्या | प्रतिवर्ष | | |

स्रोत: कृषि तथा पशु विकास शाखा

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

४.२ सिँचाई

पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा मोलुङ खोला, पारा खोला, ढाड खोला, दोभान खोला, बलौटे खोला, पाखे खोला, सेप्रे खोला, काउले खोला, सुनकोशी नदी जस्ता जलश्रोतका भण्डार रहेका छन् । पालिकाको कुल भू-भाग मध्ये ४२.२४ वर्ग कि.मि. (२९.३८ प्रतिशत) कृषियोग्य जमिन रहेको छ । यहाँ साना सिँचाई योजना (Small Irrigation Programme) वाट ३.३९ वर्ग कि.मी (०.०८ प्रतिशत) कृषि भूमीलाई सिँचाईको सुविधा पुगेको छ । यहाँ धान, गहुँ, मकै कोदो, फापर जस्ता खाद्यान्नबाली, तथा तरकारी बालीहरुमा आलु, हरियो सागपात, काउली बन्दा आदि मसला बालीमा अदुवा, बेसार, खुर्सानी, लसुन, प्याज आदि तथा फलफूल बाली उत्पादनमा सुन्तला लगायत अमिलो जातका फलफूलहरु, आँप, केरा, लिची आदि लगायतका बालीहरु लगायका छन् । हिउदको समयमा पानीको तह घट्दै जाने हुनाले निर्मित कुलोहरुमा बाह्रै महिना समान रूपले सिँचाई गर्न कठिन भएको छ । सिँचाई कृषि उत्पादनका लागि अत्यावश्यक पूर्वाधार भएको हुँदा उच्च प्राथमिकताका साथ तरकारी खेती गर्नाको लागि पाइप, थोपा सिँचाई तथा पानी भकारी (Water Harvest Tank) निर्माण गरी सिँचाई कार्य गर्नु नितान्त जरुरी छ ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- उपलब्ध जलस्रोतको पूर्णरूपमा सही सदुपयोग हुन नसकेको ।
- परम्परागत प्रविधिमा आधारित कुलो तथा पाइपहरूको मर्मत संभार नियमित हुन नसकेको ।
- नदीजन्य प्रकोपका कारण कुलो तथा सिँचाईका आयोजनाहरूमा प्रत्येक वर्ष क्षति पुग्ने गरेको ।
- खोलानालाहरूमा मानवीय क्रियाकलापका कारण अतिक्रमण बढ्दो रहेको ।
- आधुनिक सिँचाई परियोजनाहरू खर्चिलो भएका कारण ठुलो आकारको बजेट आवश्यकता पर्ने ।
- जलवायु परिवर्तनका कारण पानीको सतह घट्दै गएको ।
- स्थायी रूपमा पानीको श्रोतको कमी ।

सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको खोला नालाहरू प्रशस्त रहेकोले सिँचाई कुलो, पाइप तथा स्प्रीडकल मार्फत गाउँपालिकाका सबै वडाहरूलाई सिँचित गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा रहेका पानीका मुहानहरूलाई संरक्षण गरी उक्त क्षेत्रहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी सिँचाई योजना निर्माण गरी कृषि उत्पादनमा वृद्धि गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वडामा रहेका परम्परागत सिँचाई कुलाहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधा युक्त बनाउन सकिने ।
- कृषि विद्युतीकरण मार्फत सिँचाई सहजीकरण गर्न सकिने ।
- एकीकृत सिँचाई कार्यक्रमको सम्भाव्यता अध्ययन गरी स्रोतको बहु उपयोग गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले मोलुङ तथा सुनकोशी किनारमा रहेका खेतीयोग्य तर सिँचाईको अभाव रहेका जमीनको लागि साना सिँचाई कार्यक्रम मार्फत सिँचाईको व्यवस्था गरिने साथै सौर्य सिँचाईको लागि बैकल्पीक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र मार्फतका कार्यक्रम सञ्चालनको लागि पहल गरिने नीति लिएको ।

दीर्घकालीन सोच

बाह्रै महिना पूर्ण सिँचाई युक्त गाउँपालिका

लक्ष्य

सम्पूर्ण खेती योग्य तथा बाँझो जमिनमा दिगो सिँचाईको व्यवस्थापन गरी उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनमा योगदान पुर्याउने

उद्देश्यहरू

- १) सम्पूर्ण खेती योग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुर्याउनु
- २) सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

उद्देश्य १. सम्पूर्ण खेती योग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुर्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१. परम्परागत तथा वैकल्पिक प्रविधिको प्रयोग गरी खेती योग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा पुर्याउने | गाउँपालिका भएर बग्ने नदी, खोलानाला, पोखरीहरू, लगायत पानीको मुख्य स्रोतहरू र तिनका जलाधार क्षेत्रको नक्सांकन गरी विस्तृत विवरण (inventory profile) तयार गरिनेछ । |
| | परम्परागत सिँचाई, कुला र नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधा युक्त बनाइने छ । |
| | सम्भाव्यता अध्ययन गरी सिँचाई संरचनाहरू क्रमशःनिर्माण गर्दै सिँचाई सुविधा बढाउँदै लगिने छ । |
| | सतह सिँचाईको सम्भावना नभएका स्थानमा वैकल्पिक तथा नयाँप्रविधिमा आधारित सिँचाई जस्तै थोपा सिँचाई, फोहरा सिँचाई, वर्षातको पानी संकलन, प्लास्टिक पोखरीको सम्भाव्यता अध्ययन गरी उपयुक्त स्थान र वडाहरूमा कार्यान्वयन माल्याइने छ । |
| | जल पर्यावरण र जलश्रोत संरक्षणका हिसावले अत्यन्त उपयुक्त पोखरीहरूको निर्माण र व्यवस्थापन अभियानका रूपमा सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण गरिनेछ । यस अभियान अन्तर्गत पोखरीहरूको पुर्नउत्थानलाई प्राथमिकता दिइनेछ । |

उद्देश्य २. सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| २.१. उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनको सम्भावना बोकेका क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखेर सिँचाई प्रणालीको विकास गर्ने । | कृषिपकेट क्षेत्र तथा निजी ठूला कृषि फर्ममा आवश्यकताको आधारमा सिँचाईको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | कृषि विद्युतीकरण मार्फत सिँचाई प्रणाली सुदृढीकरण गरिनेछ । |
| २.२. कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी वैकल्पिक सिँचाई प्रवर्द्धन गर्ने | प्रत्येक वडामा कृत्रिम पोखरी निर्माण गरी माछापालन, सिँचाई तथा पर्यटकलाई आकर्षित गर्नका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| २.३. संस्थागत संरचना | मर्मत संभार कोष स्थापना गरी नियमित मर्मत संभार गर्ने व्यवस्था |

उद्देश्य २. सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

| रणनीति | कार्यनीति |
|-------------------|--|
| सुदृढीकरण गर्ने । | गरिनेछ । |
| | पोखरी, खोला तथा मुहान संरक्षणका लागि स्थानीय वासीहरूको सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ साथै सिँचाई उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास गरिनेछ । |
| | मुहानहरू संरक्षण कार्य योजना जस्तै बायो इन्जिनियरिङ्ग, पोखरी तथा हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रत्येक वडामा सम्भाव्य क्षेत्रमा संचालन गरिनेछ । |
| | मानवीय हस्तक्षेप तथा जलवायु परिवर्तनका कारण जलस्रोत क्षेत्रमा परेको असर न्यूनीकरण गर्ने कार्ययोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ । |
| | सिँचाई आयोजना सञ्चालन र व्यवस्थापन प्रणालीलाई स्वचालित र आत्मनिर्भर बनाउनका लागि न्यूनतम उपभोगको मात्रा अनुसार सेवा शुल्क निर्धारण गरी संकलन गरिनेछ । |
| | मुहान तथा जलाधार संरक्षणका लागि प्रत्येक घरपरिवारको सहभागिता सुनिश्चित गर्न “हामी जोगाउँछौं हाम्रो मुहान” कार्यक्रमलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा व्यापक जागरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |

सिँचाईको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १ | जलाधार क्षेत्रको विवरण संकलन तथा नक्सांकन | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | प्राथमिकता प्राप्त कुलो तथा नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति | १०००० | ११००० | १२१०० | १३३१० | १४६४१ | |
| | सिँचाई सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण | २५ | ० | ० | ० | ० | |
| | वैकल्पिक सिँचाईको व्यवस्था | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | ठूला कृषि उत्पादन क्षेत्रमा सिँचाईको विशेष व्यवस्था | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| २ | कृतिम जलाशय निर्माणको सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | २५ | ० | ० | |
| | मर्मत संभार कोष स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|-------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | सिँचाई उपभोक्ता समितिलाई मुहान संरक्षण तथा दिगो सिँचाई सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | Climate adaptation and mitigation कार्यक्रम संचालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | मुहान तथा जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम संचालन | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | जम्मा | १३५७५ | १४८५० | १६३६० | १७९६९ | १९७६५ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेती योग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुगेको हुनेछ ।
- उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादन भएको हुनेछ ।
- जलश्रोतहरूको मुहान संरक्षण भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------|---------|-----------|------------|
| १. | सिँचाइ | | | | |
| | असर | पूर्ण रुपमा सिँचाइ भएको क्षेत्रफल | प्रतिशत | | |
| | असर | वैकल्पिक सिँचाइ प्रयोग कर्ता कृषक | प्रतिशत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहजउ पलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

४.३ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

(अ) पर्यटन

पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा पर्यटनका आधारभूत पूर्वाधारको विकास हुन नसके पनि पर्यटनको सम्भावना अत्यधिक रहेको छ । विशेष गरी यो गाउँपालिकालाई साहसिक, धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटनको हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ । गाउँपालिका क्षेत्र भित्र काली गुफा, सिस्नेरी पार्क, चम्पादेवी मन्दिर, कालिकादेवी मन्दिर, टोपा गुफा, छ्याङ खोला भरना, स्वर्गवास डाँडा, तीनछाङ्गे भरना, ऋसाङखु छ्योलिङ तामाङ गुम्वा, पात्ले डाँडा, ओख्ले भरना, ढवाङ गुफा, श्रीकृष्ण प्रणामी संरक्षण सेवा समिति द्वारा संचालित बृद्धाश्रम जलजेश्वर महादेव, छ्याङ खोला भरना, स्वर्गवास डाडाँ, सुनकोशी नदी आदि जस्ता पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन् । यी स्थलहरूलाई पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास गर्न पर्यटकहरूका लागि पक्की सडक, यातायातको व्यवस्था, होटल तथा होमस्टेहरूका साथै अन्य आवश्यक सेवा सुविधा विस्तार गर्न आवश्यक रहेको छ ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| ▪ पर्यटकीय हिसाबले पक्की सडक यातायात पर्याप्त र भरपर्दो नभएको । |
| ▪ पर्यटक बस्न उपयुक्त पर्याप्त होटल तथा रेष्टुरेन्ट आदिको सुविधा न्यून भएको । |
| ▪ पर्यटन सूचना केन्द्र लगायतका सञ्चारका साधनहरूको पर्याप्त विकास नभएको । |
| ▪ आपतकालीन उद्धारको उचित व्यवस्था नभएको । |
| ▪ पर्यटकको सुरक्षाको उचित प्रबन्ध नभएको । |
| ▪ एकीकृत पर्यटन विकासको योजना नबनेको । |
| ▪ पर्यटन मैत्री कतिपय धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको जिर्णोद्धार नभएको । |
| ▪ पर्यटक पथ प्रदर्शक तथा व्यावसायिक ट्राभल एजेन्सीहरू पर्याप्त नभएको । |
| ▪ गाउँपालिकाका प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरूका बारेमा पर्याप्त प्रचारप्रसार नभएको । |
| ▪ गाउँपालिकाको सीमित आयस्रोतका कारण पर्यटकीय पूर्वाधार विकास गर्न चुनौतीपूर्ण भएको । |
| ▪ सुविधा सम्पन्न होटल, रेष्टुरेन्ट तथा लजहरू खोल्न खर्चिलो भएको । |
| ▪ बाह्य पर्यटकहरूको प्रभावले मौलिक संस्कृति लोप हुन सक्ने तर्फ सजग हुनुपर्ने । |
| ▪ पर्यटकहरूका कारण सामाजिक विकृतिहरू बढ्न सक्ने जोखिम रहेको । |

सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|--|
| ▪ केही संख्यामा भए पनि आधारभूत पूर्वाधार युक्त होटल, तथा लज सञ्चालनमा रहेका । |
| ▪ पर्यटन सम्बन्धी Documentry तयार गरेको । |
| ▪ गाउँपालिकाका उपयुक्त स्थलमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गरी सुविधा सम्पन्न होमस्टे, होटल तथा लजहरू खोल्न सकिने । |
| ▪ स्थानीय मौलिक कला र संस्कृति विकास र संरक्षण गरी अध्ययन केन्द्रको रूपमा विकास गर्न सकिने । |

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा रहेका, आदिवासी, जनजाति तथा अन्य जातजातिको साँस्कृतिक र धर्मको संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
- पर्यटनका विभिन्न आयामहरू जस्तै धार्मिक पर्यटन, साँस्कृतिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, साहसिक पर्यटन, जल पर्यटन, कृषि पर्यटनको विकास र विस्तार गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वर्ष विविध जातजाति महोत्सव आयोजना गरी साँस्कृतिक भाँकी, भेषभूषा प्रदर्शनी, खानपान तथा परम्परागत सिपहरूको प्रदर्शनी गर्न सकिने ।
- खोलानालामा माछा पालन, पशुपन्छी पालन, कृषि, तरकारी र फलफूलफर्महरू र उद्योगहरू स्थापना गरी कृषि पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिने साथै पुरै गाउँपालिकालाई नै नमूना कृषि पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिका क्षेत्र भित्र रहेका सम्भावित धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रहरूको पहिचान गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नका लागि पर्यटन पूर्वाधार गुरु योजना निर्माण गरी धार्मिक तथा पर्यटकीय महत्वका मठमन्दिर गुम्बा आदिलाई संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्ने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले वडा नं. ५ मा रहेको अन्तराष्ट्रिय रूपमा चर्चित कलात्मक बुद्धको मूर्तिलाई गौरवशाली धार्मिक स्थलको रूपमा बनाउने नीतिलाई अगाडी सारेको ।
- पालिकाले नागि डाडाँ बेद्ध प्रतिमा र ककनी तीनछाँगे भरनालाई संघ, प्रदेश र अन्य विकास साभेदार निकायहरूसँग समन्वय गरी राष्ट्रिय स्तरको पर्यटकीय स्थल निर्माण गर्न आवश्यक पहल गर्ने नीति लिएको ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- पर्यटन पूर्वाधार विकास : आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्बृद्धिको आधार

लक्ष्य

- आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्पन्नताका लागि आगामी ५ वर्षमा पर्यटन क्षेत्रलाई एक आधारशिलाको रूपमा विकास गर्ने

उद्देश्यहरू

- आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु ।
- कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु ।
- ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।
- पर्या-पर्यटनको विकास गर्नु ।
- साहसिक तथा पदयात्रा पर्यटनको विकास गर्नु ।

उद्देश्य १ : आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १.१ प्रमुख पर्यटकीय स्थल सम्मपुग्ने सडकहरूको स्तरोन्नति गर्ने | प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रको विस्तृत विवरण र त्यहाँ पुग्ने प्रमुख मार्गहरूको वस्तुगत विवरण संकलन गरी प्रकाशन गरिनेछ । संघीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ । |

| | |
|---|---|
| | पर्यटकीय सम्भावना बोकेका क्षेत्रहरूलाई टुरिजम सर्किटको रूपमा निर्माण गरिनेछ । |
| १.२ पर्यटन सूचना व्यवस्थापन तथा सूचना केन्द्रलाई पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने | गाउँपालिका स्तरीय एक पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| | पर्यटकीय क्षेत्र वरपर इन्टरनेट हटस्पटको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | पर्यटन वेबसाइट निर्माण गरिनेछ । |
| | पर्यटन क्यालेन्डरको विकास गरिनेछ । |
| | पर्यटन सम्बद्ध पत्रकारहरूसँग पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ । |
| | पर्यटन सम्बद्ध Vloggers जस्तै “घुमन्ते” हरूसँग अन्तरक्रिया गरी प्रवर्द्धन सहयोग लिइनेछ । |
| | पर्यटन सूचना नक्सा तयार गरिनेछ । |
| १.३ बसोबासको र सुरक्षाको आवश्यक प्रबन्ध गर्ने | गाउँपालिकामा आउने पर्यटकलाई बसोबासको बन्दोवस्ती गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी होटल, रिसोर्ट खोल्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | ठूला होटल तथा रिसोर्टको तत्काल व्यवस्था गर्न नसक्ने स्थितिमा घरबास (होमस्टे) पर्यटन प्रवर्द्धन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक गेस्ट हाउसको निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | अन्तराष्ट्रिय पर्यटक आर्कषण गर्न विशेष सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| १.४ पर्यटन क्षेत्र स्तरीय योजना र पर्यटन विकास समिति निर्माण गर्ने | पर्यटन क्षेत्र स्तरीय समितिका सदस्यहरूलाई पर्यटक व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिनेछ । |
| | समितिमार्फत स्थानीय उत्पादन जस्तै रैथाने परिकार, चिनो कोशेली, साँस्कृतिक गतिविधि, मेला सञ्चालन गर्न तालिम तथा अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | पर्यटन व्यवसायमा लाग्न इच्छुक युवा तथा लगानी कर्ताको पहिचान गरी अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| | घरबास पर्यटन तथा अन्य पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न पर्यटन व्यवसायिलाई लागत सहभागितामा आतिथ्य सत्कार (Hospitality) तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | समग्र क्षेत्रलाई समेटेर एक पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ । |
| | दिगो पर्यटन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | पर्यटनलाई रोजगार कार्यक्रमहरूसँग समाहित गरी रोजगारी अभिवृद्धि गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|------------------------------------|---|
| २.१ सघन कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने | फलफूल, जडिबुटी, पशुपन्छी पालन तथा नगदेवाली नमुना सघन क्षेत्रहरूको राष्ट्रिय र क्षेत्रिय स्तरमा प्रचारप्रसार गर्न पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ । कृषि विषय अध्ययनरत विद्यार्थीहरूलाई परियोजना कार्य तथा अध्ययनका लागि कृषि क्याम्पसहरूसँग समन्वय गरी गाउँपालिकामा आकर्षण गरिनेछ । |

उद्देश्य ३ : ऐतिहासिकतथाधार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| ३.१ धार्मिक स्थलको निर्माण र जिर्णोद्धार गर्ने | सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरूको विस्तृत विवरण सहित ब्रोसर तयार पारिनेछ । सम्पूर्ण मुख्य धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरूको डि.पि.आर तथा गुरुयोजना तयार पारिनेछ । प्राथमिकता प्राप्त धार्मिक स्थलको जिर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य थालनी गर्नको साथै निर्माणाधिन अवस्थामा रहेकाहरूलाई कार्य सम्पन्न गरिनेछ । |
| ३.२ गाउँपालिकाका पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचार प्रसार गर्ने | पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना गरिनेछ । सबै धार्मिक र पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर वृत्तचित्र निर्माण गरी सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार गरिनेछ । नविन पर्यटकिय गन्तव्य र गतिविधिको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा साँस्कृती, संरक्षण गरिनेछ । |

उद्देश्य ४ : पर्यापर्यटनको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| ४.१ गाउँपालिका भर सञ्चालन गर्न सकिने सम्पूर्ण पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने | गाउँपालिका भर सञ्चालन हुनसक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी विवरण प्रकाशन गरिनेछ । गाउँपालिकाको वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान गरी वन्यजन्तु तथा चरा साथै वनस्पति अवलोकन गर्न पर्यटक आकर्षण गरिनेछ । |
| ४.२ सुनकोशी क्षेत्रबारे प्रचार गर्न शैक्षिक संघ संस्था, शिक्षण संस्थासँग सहकार्य गर्ने | यस गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ । गाउँपालिकाबाट निकट रहेका कृषि क्याम्पस, इन्जिनियरिङ्ग कलेज र अन्य कलेजसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ । मानवशास्त्री, साँस्कृति जस्ता विषयमा शोध अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनेछ । |

उद्देश्य ४ : पर्यापर्यटनको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|--|
| | गाउँपालिकाबाट उच्च शिक्षाका लागि बाहिरिने विद्यार्थीहरूलाई पर्यटन स्वयंसेवा अन्तर्गत पर्यटन Ambassador घोषणा गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| | शैक्षिक भ्रमणमा आउने विद्यार्थी तथा अनुसन्धान कर्ताको बसोबासको व्यवस्था मिलाउन पर्यटन क्षेत्र स्तरीय समितिलाई व्यवस्थापन तालिम दिइने छ । |
| | शैक्षिक पर्यटन अन्तर्गत गर्न सकिने गतिविधिहरूको अध्ययन गरी विस्तृत विवरण तयार पारिने छ । |

उद्देश्य ५ : साहसिक तथा पदयात्रा पर्यटनको विकास गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| ५.१ गाउँपालिका भर सञ्चालन गर्न सकिने साहसिक पर्यटन क्रियाकलापहरूको पहिचान तथा प्रचार प्रसार गर्ने । | गाउँपालिका क्षेत्रमा सञ्चालन गर्न सकिने साहसिक पर्यटन क्रियाकलापको सम्भाव्यता अध्ययन गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ । |
| | गाउँपालिकामा सञ्चालन गर्न सकिने Mountain Bike Cycling Route को अध्ययन गरिने छ । |
| | अध्ययन पश्चात प्राप्त साहसिक पर्यटनका विवरणहरूलाई विभिन्न माध्यमबाट प्रचार प्रसार गरिने छ । |
| ५.२ पद यात्राका लागि मार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने | गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानहरूबाट प्रस्थान गर्न सकिने अन्तर स्थानीय तह तथा अन्तर जिल्लासम्मका पदमार्गहरू पहिचान गरिने छ । |
| | पदमार्ग पहिचान पश्चात ती मार्गहरूको सम्पूर्ण सूचनाहरू पूर्व सावधानी तथा तयारी समेटेर एक विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ । |
| | पुराना पदमार्गहरूको स्तरोन्नतमा प्राथमिकता दिइनेछ । |

पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यनीति | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|-----------|---|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | १.१. | पर्यटकीय मार्गको वस्तुगत विवरण संकलन तथा प्रकाशन | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | १.२ | मुख्य पर्यटकीय केन्द्र जोड्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | १.३ | टुरिजम सर्किटको निर्माण | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | १.४ | पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना | ० | ५० | ५५ | ० | ० | |
| | १.५ | प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रमा Hotspot सेवाको प्रबन्ध | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | १.६ | वार्षिक पर्यटन पात्रोको निर्माण | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | १.७ | पर्यटन सम्बन्धी पत्रकार सम्मेलन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | १.८ | पर्यटन सूचना नक्सा तयार | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | १.९ | सम्भाव्य स्थानमा होटल तथा रिसोर्ट खोल्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | १.१० | आदिवासी जनजाति सघन क्षेत्रमा होमस्टे सञ्चालन तालिम प्रदान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | १.११ | पालिकामा वडास्तरीय गेष्ट हाउस निर्माण | ० | ० | ० | ५०० | ५५० | |
| | १.१२ | आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | १.१३ | पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रबन्ध | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | १.१४ | पर्यटन क्षेत्र व्यवस्थापन समितिका सदस्यहरूलाई व्यवस्थापन तालिम तथा अभिमुखीकरण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | १.१५ | स्थानीय मौलिक उत्पादन, चिनो, परिकार आदि निर्माण तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | १.१६ | पर्यटन व्यवसायमा व्यावसायिक रूपमा लाग्न चाहने उद्यमीहरूसँग अन्तरक्रिया | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |

| उद्देश्य | कार्यनीति | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|-----------|---|-------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | १.१६ | घरबास तथा अन्य पर्यटन सम्बन्धी आतिथ्य सत्कार तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | १.१७ | पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण | ० | ० | ० | ० | ५०० | |
| | १.१८ | दिगो पर्यटन विकास कार्यक्रम निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | १.१९ | पर्यटन रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम निर्माण | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| २. | २.१. | कृषिपकेट क्षेत्रको प्रचार प्रसार | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | २.२ | कृषि क्याम्पस तथा विद्यार्थीहरूसँग अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| ३. | ३.१. | धार्मिक र अन्य पर्यटकीय क्षेत्र विशेष ब्रोसर निर्माण | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | ३.२ | मुख्य धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको डि.पि.आर. साथै विकास गुरुयोजना निर्माण | ० | ० | ० | ५०० | ५५० | |
| | ३.३ | प्रमुख धार्मिक क्षेत्रहरूको जिर्णोद्धार तथा निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | ३.४ | पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | ३.५ | धार्मिक तथा अन्य पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर एक वृत्तचित्र निर्माण | ० | ० | ३० | ३३ | ३६ | |
| | ३.६ | नविन पर्यटकिय गन्तव्य र गति विधिहरूको सम्भाव्यता अध्ययन | ० | १० | ११ | १२ | १३ | |
| | ३.७ | सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा साँस्कृती, संरक्षण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | ३.८ | पर्यटन सर्किट निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| ४ | ४.१ | गाउँपालिका भर सञ्चालन हुन सक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन | ० | २० | ० | ० | ० | |
| | ४.२ | वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |

| उद्देश्य | कार्यनीति | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|-----------|--|-------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | ४.३ | गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | ४.४ | गाउँपालिकाको नजिकको दुरीमा रहेका शैक्षिक संस्थाहरूसँग अन्तरक्रिया | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | ४.५ | गाउँपालिकाको संस्कृती, जातजाति आदिका बारे शोध अध्ययन गर्ने विद्यार्थीलाई विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | ४.५ | विद्यार्थी पर्यटक बसोबास व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | ४.६ | शैक्षिक पर्यटन गतिविधि अन्तर्गत गर्ने गतिविधिको अध्ययन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| ५ | ५.१ | साहसिक पर्यटन क्रियाकलाप सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | ० | ३० | ३३ | |
| | ५.२ | Mountain Bike Cycling Route सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | ३० | ० | ० | |
| | ५.३ | साहसिक पर्यटन क्रियाकलाप प्रचार प्रसार | ० | ० | ० | १० | ११ | |
| | ५.४ | पर्यटकीय पदमार्ग पहिचान तथा व्यवस्थापन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | ५.५ | पदमार्ग प्याकेज निर्माण तथा सूचना संकलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | | जम्मा | ३९१५ | ४२६६ | ४७३० | ६१५० | ७२६५ | |

आपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ पर्यटन प्रवर्द्धनबाट युवा रोजगारको र्सजना हुनेछ ।
- ✓ कृषक पर्यटकहरूको आवागमन हुनेछ ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास हुनेछ ।
- ✓ साहसिक पर्यटकहरूको आवागमन बढ्नेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--|-------------|-----------|-------------|
| १. | पर्यटन | | | | |
| | प्रतिफल | पर्यटक आगमन (८.९.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | पर्यटनबाट श्रृजित रोजगारी (८.९.१.३) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा योगदान (८.९.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | दिगो पर्यटन निती तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन (१२.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | पर्यटक बसाइ अवधि | दिन | | |
| | असर | प्रतिपर्यटक प्रतिदिनखर्च | अमेरिकी डलर | | |
| | प्रतिफल | आधारभूत पूर्वाधार पूर्ण भएका पर्यटकीय गन्तव्य | संख्या | | |
| | प्रतिफल | तालिमप्राप्तपर्यटन सम्बद्ध जनशक्ति | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन सम्बद्ध ब्रोसर तथाप्रोफाइल | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटकीय क्षेत्र ज्यतकउयत | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन पत्रकार तथा Vlogger अन्तरक्रिया | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटक उद्धार तथा सहायता वार्षिक | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन प्याकेज तथा गतिविधि | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन सम्बन्धी तालिम | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटकीय क्षेत्र संरक्षण निर्माण | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन मेला तथा महोत्सव | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन वृत्तचित्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक | संख्या | | |
| | प्रतिफल | आधारभूत सुविधायुक्त होटल, रिसोर्ट, लज | संख्या | | |
| | प्रतिफल | होमस्टे | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पर्यटन सूचना केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वार्षिक पर्यटन पात्रो अन्तर्गत समेटिएका पर्यटन गतिविधि | संख्या | | |
| | प्रतिफल | चिनो, कोशेली तथा पर्यटन सामग्री बिक्री केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | नविनतम पर्यटन गन्तव्य | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पक्की सडकको पहुँच पुगेका पर्यटन गन्तव्य | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पूर्णरूपमा पर्यटनमा संलग्न रोजगारको | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्ध ताहुनेछ ।
- व्यापकज नसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- युवाहरु पश्चिमी संस्कृति प्रभाव पर्ने छ ।

(आ) संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य

पृष्ठभूमि

कुनै पनि समुदायको आफ्नै विशिष्ट पहिचान, जीवनशैली, भेषभूषा र रहनसहन हुन्छ । सदियौं देखि अभ्यास गर्दै आइरहेका रीतिरिवाजले मानिसको दैनिक जीवनलाई नियमित र व्यवस्थित गर्न सहयोग पुऱ्याइरहेको हुन्छ । अर्कोतर्फ समुदायपिच्छे आ-आफ्ना धर्म, संस्कृति, रीतिरिवाज र परम्पराहरू हुन्छन् । ती फरक रीतिरिवाज, रहनसहन परम्पराहरू समुदाय र समाजका विशिष्ट पहिचान साथै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) भएकोले तिनीहरूको संरक्षण गर्नु जरुरी छ । सुनकोशी गाउँपालिका यस्ता मौलिक तथा साँस्कृतिक विविधतामा धनी गाउँपालिका हो । गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण, २०७९ को तथ्याङ्कअनुसार गाउँपालिकाको कुल जनसंख्यामध्ये ६९.५ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्ने गरेका छन् भने १९.६ प्रतिशतले बौद्ध धर्म, १०.५ प्रतिशतले जनसंख्याले किराँत धर्म, ०.१ प्रतिशत क्रिश्चियन धर्म मान्ने गरेका छन् । यहाँ तामाङ, सुनुवार, नेवार, क्षेत्री, ब्राह्मण, मगर समुदायहरूको आ-आफ्नै किसिमको धर्म, संस्कृति र चालचलनहरु रहेका छन् । यहाँ दशैं, तिहार, उधौलीपर्व, उभौलीपर्व, माघेसक्रान्ती, होली, छठ, शिवरात्री, कृष्णजन्माष्टमी, तिज जस्ता विभिन्न चाडपर्व एवं साँस्कृतिक उत्सवहरु मनाउने गरिन्छ । जातजाती अनुसारका पर्व तथा मेलाहरूमा लाखे नाच (नेवार), सिंगीनाच, वालन (क्षेत्री, ब्राह्मण) नाच आदिनाचहरू प्रदर्शनी गर्ने गरिन्छ । यहाँ लक्ष्मण पाखीन, रमेश सुनुवार, रमेश गिरी, देवी खनाल, सल्मान दर्जी, सागर घिसिङ, दिलु पाखीन तामाङ, सरिता तामाङ, दिलिप तामाङ, लालु कटुवाल, सुस्मिता कार्की, सन्तोष वस्नेत, मनिका कटुवाल जस्ता विभिन्न विधाका कलाकारहरु समेत रहेका छन् । आफ्नो धर्म संस्कृति जगेर्ना गर्नका लागि विभिन्न समुदायहरूमा साँस्कृति समितिहरु पनि रहेका छन् । गाउँपालिकामा मगर समुदायले मारुनीभाका, पूर्वेलीभाका जस्ता स्थानीय लोक गीत, लोक गाथा, लोकसाहित्य प्रचलनमा रहेका छन् भने यहाँ ढोलक, मादल, तबला, हार्मोनियम, टुमुना, डम्फु जस्ता साँस्कृतिक बाजाहरू लोकप्रिय रहेका छन् ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| पश्चिमा संस्कृति तथा विदेशी सञ्चार माध्यमको प्रभावका कारण मौलिक संस्कृति लोप हुने जोखिम रहेको । |
| साँस्कृतिक धरोहरहरूको संरक्षणका लागि ठोस कार्ययोजना नबनेको । |
| विभिन्न धार्मिक स्थलहरू मर्मत सम्भार नहुँदा जीर्ण अवस्थामा पुगेको । |
| कतिपय आदिवासी जनजातिहरू विपन्न अवस्थामा रहेकोले उनीहरूको सबलीकरणका लागि ठोस कार्यक्रमहरू नभएको । |
| कतिपय प्राचीन धरोहरहरू उचित प्रचार प्रसार, संरक्षण तथा जिर्णोद्धारको पर्खाइमा रहेको । |
| समुदाय र राज्य दुवैका उदासिनताका कारण स्थानीय र मौलिक संस्कृतिहरू लोप भई पहिचान नै संकटमा |

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

पर्न सक्ने ।

विभिन्न जातिको भेषभुषा तथा भाषाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।

सम्बन्धित समुदाय र राज्यले मिलेर साँस्कृतिक संरक्षण प्रवर्द्धनमा ठोस र दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू तत्काल सञ्चालन गर्नुपर्ने ।

विभिन्न लोक भाषाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

गाउँपालिकामा तामाङ, नेवार, क्षेत्री, विश्वकर्मा, मगर, राई, सुनुवार, दमाइ, ब्राह्मण लगायतका जातिहरूको बसोवास रहेको ।

विविध जात, धर्म, सम्प्रदाय र साँस्कृतिक समुदायहरू सौहार्दपूर्ण वातावरणमा बसेको ।

धार्मिक हिसाबले विभिन्न धर्मावलम्बीहरूले आफ्ना धर्म, साँस्कृतिक र परम्परा कायम राखि रहेको ।

विविध समुदायहरूको मानव शास्त्रीय अध्ययनका लागि शैक्षिक पर्यटनको गन्तव्यस्थल बनाउन सकिने ।

कला, साँस्कृतिलाई अर्थोपार्जनमा जोड्न सकिने ।

गाउँपालिका भित्र धार्मिक स्थल लगायत विभिन्न जाति तथा समुदायका आ-आफ्ना मठ, मन्दिर, गुम्वा तथा धार्मिक स्थलहरू रहेका ।

आदिवासी जनजातिका विविध साँस्कृतिक सम्पदाहरू रहेकोले साँस्कृतिक सङ्ग्रहालय तथा साँस्कृतिक केन्द्रहरूको रूपमा विकास सकिने ।

चाडपर्वको अवसरमा नाचगान गर्दा भेषभुषाबाट साँस्कृतिको जर्गेना गर्ने प्रयास भइरहेको ।

गाउँपालिकालाई मौलिक साँस्कृतिक र सभ्यताको केन्द्रको रूपमा विकास गरी साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने ।

गाउँपालिका क्षेत्रका सर्जक तथा कलाकारको उत्थान र वृत्ति विकास गर्न सकिने ।

गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका विभिन्न धार्मिक तथा साँस्कृतिक स्थलहरूको विकास गर्न सकिने ।

लोपोन्मुख लोक भाषा तथा परम्परागत बाजागाजाको संरक्षण गरी लोक साँस्कृतिको उत्थान गर्न सकिने ।

विभिन्न विधाका कलाकारहरू भएकोले आ-आफ्नो कला साँस्कृतिकलाई जर्गेना गर्न सहज हुने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- सभ्य र सुसाँस्कृतिक समाजको निर्माण

लक्ष्य

- साँस्कृतिक, भाषा, कला र साहित्यको जर्गेना र विकास मार्फत सभ्य र सौहार्द समाजको स्थापना गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, साँस्कृतिक, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु
- ✓ साँस्कृतिक, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।

उद्देश्य १ : स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको वस्तुगत अभिलेखिकरण गर्ने | गाउँपालिकामा प्रचलनमा रहेका सबै प्रकारका अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritage) को वस्तुगत तथा विस्तृत पार्श्व चित्रतयार पारिने छ । |
| | सबै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) को विवरण प्रकाशन गरिनेछ । |
| | यस प्रकारका साँस्कृतिक तथा बौद्धिक सम्पदाहरूलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाको मौलिकता दर्साउने सम्पदा समेटेर वृत्तचित्रहरू निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाबाट प्रादेशिक तथा राष्ट्रिय कला, संस्कृति र साहित्यमा योगदान पुऱ्याउने लेखक, गायक, अभिनेता, संगीतकार, रंगकर्मी, नृत्याङ्गना, साहित्यकार साँस्कृतिविद लगायतका कलाकारको विस्तृत विवरण तयार पारिने छ । |
| | लोपोन्मुख अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई संस्थागत स्मरणमा (Institutional Memory) राख्न कला संस्कृति तथा साहित्य प्रेमी कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड गरिनेछ । जस्तै लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा आदि । |
| १.२ भाषा, संस्कृति, कला साहित्यलाई जीवन्त तुल्याउने | वर्ष भरी निरन्तर साँस्कृतिक र साहित्यिक गतिविधि सञ्चालन र त्यसको निरन्तरताका लागि एक वार्षिक भाषा, कला, साहित्य तथा संस्कृति पात्रो निर्माण गरी लागू गरिनेछ । |
| | विद्यालय स्तरमा कला, साहित्य र संस्कृतिमा विशेष भुकाव भएका विद्यार्थीहरूको पहिचान गरी अभिलेख तयार पारिनेछ । |
| | त्यस्ता प्रतिभाहरूको प्रतिभा उजागर गर्न हरेक महिना विद्यालय स्तरीय र निश्चित समयको अन्तरालमा अन्तर विद्यालय साँस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजना गरिनेछ । |
| | राष्ट्रिय र प्रादेशिक तहका प्रतियोगितामा भाग लिने कलाकार साहित्यकार आदिको प्रशिक्षण तथा तयारीका लागि एक प्रोत्साहन कोषको निर्माण गरिनेछ । |
| | वडा स्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू गठन गरी वार्षिक साँस्कृतिक पात्रो कार्यान्वयन माल्याउन साँस्कृतिक अभ्यासहरू सञ्चालन गरिनेछ । |
| | हरेक विशेष चाडपर्व मेला र साँस्कृतिक उत्सवलाई भव्य बनाउन साँस्कृतिक समितिहरूलाई जिम्मेवारी प्रदान गरी सो सञ्चालनका लागि रकमहरूको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | साँस्कृतिक गतिविधिहरू पर्यटनसँग आबद्ध गर्न व्यापक प्रचार प्रसार गरिनेछ । |
| | मातृ भाषामा आधारभूत शिक्षा दिन सकिने समुदायका बारेमा सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथाहरू संरक्षण गर्न विशेष समारोह आयोजना गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| २.१ कला, साहित्य, भाषा र सँस्कृतिका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन गर्ने । | कला, साहित्य, भाषा तथा सँस्कृतिका सर्जकहरूलाई यी क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक मागहरूको सम्बोधन गर्न विशेष अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ । |
| | यसप्रकारका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन तथा पुरस्कृत गर्न एक गाउँपालिका स्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण गरिनेछ । |
| | विभिन्न राष्ट्रिय तथा गाउँपालिका स्तरीय विशेष अवसरमा यस्ता सर्जक तथा कलाकारहरूलाई सम्मान र पुरस्कृत गरिनेछ । |
| | हरेक विद्यालयमा अतिरिक्त कृयाकलापहरूमा यी विषय समावेश गरी नियमित अभ्यास र पठनपाठन गर्न आंशिक शिक्षकको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | वडास्तरीय भाँकीहरू प्रस्तुत गर्न साँस्कृतिक समिति मार्फत अभ्यास सञ्चालन गरिनेछ । |
| २.२ साँस्कृतिक, साहित्यिक, भाषिक तथा कला सम्बन्धी पूर्वाधार निर्माण गर्ने । | गाउँपालिकास्तरीय एक साँस्कृतिक केन्द्रको स्थापना गरिनेछ । |
| | साँस्कृतिक केन्द्रलाई चलायमान बनाउन नाटक, नृत्य, सांगितिक कार्यक्रम, साहित्यिक कार्यक्रम, चित्रकला प्रदर्शनीहरूको साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम आयोजना गरिनेछ । |
| | हरेक वर्षमा एक पटक साँस्कृतिकपर्व (Cultural Festival) को आयोजना गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक कला संग्रहालयको निर्माण गरिनेछ । |
| | भाषा, कला तथा साहित्यमा अभिरुची हुनेहरूको संलग्नतामा एक गाउँपालिका स्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय बौद्धिक समाजको मुखपत्र मार्फत बौद्धिक तथा साहित्यिक लेख रचनाहरू नियमित प्रकाशन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |

सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १. | अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाको Inventory तयारी | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritage - ICH) तथा बौद्धिक सम्पदाको विवरण प्रकाशन | ० | २० | ० | ० | ० | |
| | साँस्कृतिक सम्पदा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्माण | ० | ० | २० | ० | ० | |
| | साँस्कृतिक वृत्तचित्र निर्माण | ० | ० | ० | २० | ० | |
| | लेखक, कलाकार, साहित्यकारहरूको विवरण संकलन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | लोपन्मुख साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | साँस्कृतिक पात्रो निर्माण | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | विशेषकला भएका विद्यार्थी पहिचान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | विद्यालय तथा अन्तर विद्यालय साँस्कृतिक प्रतियोगिता | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक स्तरको साँस्कृतिक प्रतियोगिता तयारी कोष | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू मार्फत अभ्यासका लागि प्रोत्साहन अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विशेष पर्व तथा उत्सव तयारी अनुदान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | साँस्कृतिक गतिविधि प्रचार प्रसार गरी पर्यटन प्रवर्द्धन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | मातृ भाषामा धारभूत शिक्षाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | ० | १० | ११ | १२ | १३ | |
| | लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथा संरक्षण कार्यक्रम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| २. | कला, साहित्य र सँस्कृतिका सर्जक तथा कलाकारहरूसँग अन्तरक्रिया | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु. हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|-------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | गाउँपालिका स्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | कलाकार, सर्जक तथाकला-पत्रकार सम्मान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | साँस्कृतिक गतिविधि तथा पठनपाठनका लागि आंशिक शिक्षक व्यवस्थापन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | साँस्कृतिक भाँकी तयारी | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | साँस्कृतिक केन्द्र निर्माण | ० | ० | ० | २०० | २२० | |
| | साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम साँस्कृतिक क्रियाकलापको आयोजना | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | नियमित साँस्कृतिक गतिविधि, उत्सव (Cultural Festival) आयोजना | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | साँस्कृतिक केन्द्रमा रहने एक कला संग्रहालयको निर्माण | ० | ० | ० | ० | २०० | |
| | गाउँपालिका स्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय बौद्धिक समाज मुखपत्र सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन | ० | २० | २२ | २४ | २७ | |
| | जम्मा | ५४० | ६४४ | ७०६ | ९७५ | १२५१ | |

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|---------------------------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य | | | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणको निम्ती विनियोजन गरेको बजेट (१४.४.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदामा सूचिकृत सम्पदा | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक सम्पदामध्ये स्थानीय पाठ्यक्रमका समावेश (सम्पदा) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक वृत्त चित्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कलाकार विवरणमा समावेश कलाकार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक पात्रोमा समावेश गतिविधि (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक प्रतियोगिता तथा कार्यक्रम (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | स्थानीय मातृभाषा पाठ्यक्रम | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साहित्यिक गतिविधि (कार्यक्रम) (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कला तथा भाँकी प्रदर्शनी (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कलातथा संगीत प्रशिक्षण केन्द्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | स्थानीय साहित्यकार तथा लेखक | संख्या | | |
| | प्रतिफल | संरक्षित लोपोन्मुख स्थानीयकला, गाथा सँस्कृति बौद्धिक समाज तथा क्लब | संख्या | | |
| | प्रतिफल | बौद्धिक सम्पदाको रूपमा सूचिकृत सम्पदा | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक समिति तथा क्लब संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साँस्कृतिक उत्सव (Art and Literature Festival) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कला संग्रहालय | संख्या | | |

४.४ उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

(अ) उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

पृष्ठभूमि

यहाँका स्थानीयहरूको मुख्य पेशा कृषि रहेको छ। कृषकहरूले खाद्य बाली, नगदेवाली, तेलहन बालीहरूका साथै फलफूल बालीहरू पनि उत्पादनका साथै पशुपालन व्यवसाय पनि गर्ने गरेका छन्। यसका साथसाथै यहाँ विभिन्न किसिमको वन पैदावरका साथै जडीबुटीहरू पनि पाईन्छ। पालिका भएर बहने सुनकोशी नदी, मोलुङ खोला लगायतका खोलाको किनारमा प्रसस्त मात्रामा ढुंगा गिटी, बालुवाहरूको खानी पनि रहेका छन्। यति धेरै प्राकृतिक श्रोतहरू हुदाँ हुदै पनि यहाँ कुटानी पिसानी मिलहरू, केहि फर्निचर उद्योग बाहेक अन्य उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिरहेको छैन। स्थानीय स्तरमा उपलब्ध हुने कच्चा पदार्थहरूलाई स्थानीय स्तरमा नै प्रयोग गर्ने गरी कृषिमा आधारित साना तथा मझौला उद्योग र अन्य घरेलु उद्योगहरूमा आवद्ध गर्न सके कृषि सँगै उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय विकासको सम्भावना रहेको छ। तर यहाँ पाईने उतिस तराईको प्लाई उद्योगमा पुग्दछ भने बाँस तराई तथा काठमाण्डौसम्म पुग्दछ। विशेष गरी यहाँ उत्पादन हुने रैथानै वाली जस्तै गहत, मास, मस्याङ, सिमी, बोडी, मासुजन्य वस्तुहरू आदि छिमेकी पालिकाहरू लगायत तराई र काठमाण्डौसम्म निर्यात हुने गरेको छ।

यहाँ व्यावसायिक रूपमा बाखा, बंगुर, कुखुरा, आदि पालन भइरहेको छ। यहाँको श्रोत साधनहरूको उपलब्धता अनुसार यस गाउँपालिकामा कृषि उद्योगहरूको राम्रो सम्भावना भएकोले उद्योग वाणिज्य क्षेत्रको विकासका लागि ठोस कदम चाल्नुपर्ने देखिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष:प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|---|
| युवा जनशक्ति विदेश पलायन भइरहेको। |
| औद्योगिक उत्पादनको सिप सिकाउने शिक्षा प्रणाली नभएको। |
| गाउँपालिकाका बजार केन्द्रहरूमा ठूलो स्तरको आर्थिक गतिविधि नभएको। |
| पहिले सञ्चालन भएको तर वर्तमान अवस्थामा सञ्चालनमा नरहेको कोषहाट बजारलाई पुन संचालनमा ल्याउन। |
| सवै वडाहरूमा हाट बजार सञ्चालन गर्न। |
| निजीक्षेत्रको लगानी आर्कषण गर्न नसकिएको। |
| वित्तीय सुरक्षाको पर्याप्त प्रत्याभूति नभएको। |
| स्थानीय पूँजी बजारको विकास आशातित रूपमा नभएको। |
| उद्योगमा संलग्न मजदुर तथा औद्योगिक क्रियाकलापका दौरान सामाजिक जटिलता, अपराध आदिको वृद्धि हुन सक्ने। |
| लगानीमा सुरक्षित वातावरण आवश्यक पर्ने। |
| औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा यथेष्ट बजेट व्यवस्था गरी योजना बद्ध ढङ्गले लाग्नु पर्ने। |
| उद्योग विकासको लागि सडक, यातायात, विद्युत् तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्नुपर्ने। |
| विभिन्न प्रकारका उद्योगहरू स्थापना गर्दा औद्योगिक प्रदूषण वृद्धि हुन सक्ने। |
| ठूलो आकारको लगानीको व्यवस्था गर्नुपर्ने। |

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

कृषिमा आधारित औद्योगिक कच्चा पदार्थको उपलब्धता रहेको ।

व्यावसायिक रूपमा कुखुरा, बंगुर बाखा आदिपालन भइरहेको ।

सुनकोशी गाउँपालिका र चम्पादेवी गाउँपालिकाको सिमानामा रहेको फलाँते भन्ज्याङमा साप्ताहिक हाट बजार लाग्ने गरेको ।

स्थानीय जनशक्तिको सदुपयोग हुने कम खर्चिलो श्रम शक्ति प्राप्त गर्न सकिने ।

स्थानीय सम्भाव्यताका आधारमा आलु खेती, कुखुरापालन, पशुपालन र तरकारी खेती, जडिबुटी उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गरी कृषिमा आधारित उद्योगको विस्तार गर्न सकिने ।

कृषि पर्यटन विकास गर्न सकिने ।

स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित कृषिउद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने ।

औद्योगिक पूर्वाधारहरूको यथोचित विकास गर्न सके गाउँपालिकामा रोजगारीको सम्भावना र अवसरहरूको प्रचुरता रहेको ।

गाउँपालिका भित्र सञ्चालित व्यवसायलाई दर्ता, नविकरण तथा अन्य कानुनी प्रक्रियामा सरलता ल्याई प्रवर्द्धन र संरक्षण गर्न सकिने ।

डेरी उद्योग र हस्तकलामा आधारित घरेलु उद्योगहरूको विकास गर्न सकिने ।

सिलाइ/कटाइ/बुनाइ, दुग्धजन्य उत्पादनबाट परिकारहरू बनाउने, अमला, लप्सी, अकबरे खुर्सानीको अचार बनाउने, मैनबत्ती बनाउने तालिम, अगरबत्ती बनाउने तालिम, मोटरसाईकल तथा साइकल मर्मत तालिम, कृषि जन्य तालिम प्रदान गरी साना तथा घरेलु उद्योगको लागि दक्ष जनशक्ति तयार गर्न सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- गाउँपालिकाको आर्थिक वृद्धिदर, कृषिमा आधारित उद्योगको भर ।

लक्ष्य

- आगामी पाँच वर्षमा गाउँपालिकाको कुल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदानमा वृद्धि गरी रोजगारी श्रृजना गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- १) उद्योगका लागि आवश्यक आधारभूत पूर्वाधारको क्रमिक विकास गर्नु ।
- २) गाउँपालिकामा उत्पादन हुने स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु ।
- ३) स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्नु ।

उद्देश्य १ : उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| १.१ नीतिगत सुधार गरी लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गर्ने । | उद्योगमा लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गर्न उद्योगका लागि जग्गा, रजिष्ट्रेशन, करारमा लिन विशेष सहूलियत र छुट दिने नीति तथा मापदण्ड निर्माण गरिनेछ । |
| | उद्योगमा लगानी गर्न असहज र प्रतिकूल रहेका विद्यमान स्थानीय कानूनहरूमा उद्योग लगानी मैत्री हुनेगरी संशोधन गरिनेछ र श्रमिकहरूको सुरक्षा हक र हितका लागि कानूनको अधिनमा रही स्थानीय नीति र मापदण्ड श्रमिक उद्योग र उद्यमी मैत्री बनाइने छ । |
| | महिला र युवा उद्यमीहरूलाई प्रोत्साहन गर्न विशेष अनुदान र सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | ठूलो स्तरको बाह्य लगानी भित्र्याउन सरकारी जमिनको सम्भाव्यता अध्ययन गरी निजी क्षेत्रका उद्यमीहरूसँग विशेष छुट र सहूलियत बारे अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| | गैह्र कृषि क्षेत्रको रोजगारी बृद्धि गर्न गैह्रकृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको व्यापक अध्ययन गरिनेछ । |
| | उद्योग संचालन कार्य विधि तयार गरिनेछ । |
| | व्यवसायिक कृषक र कृषक समुहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ । |
| १.२ प्रमुख औद्योगिक पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्ने । | मुख्य औद्योगिक क्षेत्रसम्मका पहुँच सडकलाई कृषि र पर्यटन सडकसँग एकीकृत गरी स्तरोन्नति गरिनेछ । |
| | स्थानीय कृषि उपजमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिइ कच्चा पदार्थ उत्पादन सुनिश्चित गर्न सम्भाव्य उद्योगी र कृषक बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
| | उद्योग क्षेत्रहरूमा आवश्यक विद्युतिकरण विस्तार गरिनेछ । |
| | औद्योगिक सुरक्षाका लागि सुरक्षा निकायसँगको सहकार्यमा शान्ति सुरक्षाको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | औद्योगिक श्रमिकहरूको उपलब्धताका लागि स्थानीय रोजगार केन्द्रमा श्रम सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| २.१ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा एक वडा एक कृषिमा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने । | बाली विपेश पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | पहिलो चरणमा एक वडा एक कृषि उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| | उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमुखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिका द्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ । |
| २.२ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने । | कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमुखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ । |
| | संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिका स्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुनसक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ । |

उद्देश्य ३ : स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य, बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्ने ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| ३.१ बजार, व्यापार तथा वाणिज्य व्यवस्थापन सूचना प्रणाली निर्माण गर्ने । | स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका भर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखिकरण प्रणाली निर्माण गरिनेछ । |
| | समग्र व्यापार र वाणिज्यलाई समेटेर वार्षिक रुपमाहुने कारोबारका आधारमा माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाबाट हुने निकासी तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्क प्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ । |
| | रोजगार बैंक पोर्टल संचालन गरिनेछ । |
| ३.२ स्थानीयबजार प्रवर्द्धन कार्ययोजनानिर्माण कार्यान्वयन गर्ने । | स्थानीय व्यापारिक फर्म तथा व्यवसायको दर्ता अनुमति नवीकरण, खारेजी, बजार तथा गुणस्तर अनुगमन र नियमन गर्न संयन्त्र र नियमित कार्यतालिका बनाइनेछ । |
| | मूख्य बजार केन्द्रलाई लक्षित गरी निजी क्षेत्रसंगको समन्वयमा व्यापारिक स्टल निर्माण गरी बहालमा दिइनेछ । |
| | वार्षिक रुपमा मूख्य चाडपर्व तथा अवसर हेरी व्यापारिक मेला/औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना गर्न वार्षिक पात्रो निर्माण गरिनेछ । |
| | परम्परागत रुपमा चलिआएका स्थानीय हाटबजारलाई व्यवस्थित र वैज्ञानिक बनाउन अध्ययन गरी पूर्वाधार विकास गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वर्ष नियमित आम उपभोक्ता हित र अधिकार साथै खाद्य गुणस्तर सम्बन्धी जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |

उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्तिको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|--|---|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा पहिचान गर्न अध्ययन | ० | ० | २० | ० | ० | |
| | महिला तथा युवा उद्यमी पहिचान, सहूलियत तथा अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | ठूला लगानी भित्र्याउन बाह्य लगानी कर्ताहरूसँग लगानी सम्मेलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | दश लाखसम्मको उद्योग लगानी प्रस्तावका लागि व्याज अनुदान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | गैह्र कृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन | | ० | ० | २० | २२ | |
| | स्थानीय वासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुटको व्यवस्था | ० | ० | ० | ० | ० | |
| | उद्योग संचालन कार्यविधि तयार | २० | ० | ० | ० | ० | |
| | नियमित कर तिर्ने र धेरै भन्दा धेरैलाई रोजगारी दिने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | व्यवसायिक कृषक र कृषक समुहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था | | १० | ० | ० | ० | |
| | औद्योगिक सडक पहिचान तथा स्तरोन्नति | ३००० | ३३०० | ३६३० | ३९९३ | ४३९२ | |
| | कच्चा पदार्थ उत्पादन केन्द्रित उद्योगी कृषक अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | औद्योगिक क्षेत्र केन्द्रित प्रहरी बिट स्थापना तथा निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | औद्योगिक श्रमिक तथा श्रम सूचना तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | २ बाली विशेष पकेट क्षेत्र स्तरिय उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| एक वडा एक कृषि उद्योग अन्तर्गत उद्योगी पहिचान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | | |
| कृषिउद्योगी विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | | |
| कृषिउपज प्याकेजिङ, लेबलिङ गुणस्तर जाँचतथा ब्रान्डीङ सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | | |
| खाद्य तथा कृषिउपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना | ० | ० | ० | २५० | २७५ | | |
| कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन | १० | ० | ० | ० | ० | | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| ३. | स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण | ० | १० | ० | ० | ० | |
| | गाउँपालिका भर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखिकरण प्रणाली निर्माण | ० | ० | १० | ११ | १२ | |
| | माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | निर्यात तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्कप्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास | ० | ० | १० | ० | ० | |
| | रोजगार बैंक पोर्टल संचालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बजार अनुगमन तथा निरीक्षण आन्तरिक पात्रो निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बहाल विटैरी कर लागू गर्नेगरी व्यापारिक स्टल निर्माण | ० | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | |
| | वार्षिक पात्रो अनुसार व्यापारिक मेला मेला/ औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना | | ० | ० | ० | ० | |
| | हाटबजार पूर्वाधार निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | उपभोक्ता हित सम्बन्धी जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | ३४०५ | ३७६१ | ४१५५ | ४६०७ | ५२६६ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजाकाका

- उद्योगका लागि न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार जस्तै सडक, उर्जा, जमिन, श्रमशक्ति, सुरक्षा तथा लगानी आदिको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थ विशेषगरी कृषिमा आधारित उद्योगहरूको संख्या वृद्धि भएको हुनेछ ।
- उद्योग क्षेत्रको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा २० प्रतिशत भन्दा माथि योगदान हुनेछ ।
- स्थानीय बजार तथा आपूर्ति प्रणाली सुदृढ भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|-------------|
| १. | | खानी, खनिज, उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति | | | |
| | असर | गैर कृषि क्षेत्रमा (उद्योगमा) संलग्न रोजगारहरू | प्रतिशत | | |
| | असर | कूल रोजगारीमा ठूला उद्योगको योगदान (९.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कूलगार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान (८.३.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | थोकव्यापार क्षेत्रमा संलग्न जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | खुद्राव्यापारमा संलग्न जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | आयातमूल्य | रकममा | | |
| | प्रतिफल | निर्यात मूल्य | रकममा | | |
| | प्रतिफल | थोक तथा खुद्रा व्यापारमा कुल लगानी | रकममा | | |
| | प्रतिफल | खानीमा आधारित उद्योग संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | साना उद्योग संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कूल रोजगारीमा साना उद्योगहरूको हिस्सा | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | मभौला उद्योग संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | ठूला उद्योग संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यावसायिक अभिमुखीकरण तालिम (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | महिला उद्यमीहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | युवा उद्यमीहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | समग्र उद्यमीहरूको संख्या (व्यक्तिगत नाममा दर्ता) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | औद्योगिक लगानी सम्मेलन | संख्या | | |
| | प्रतिफल | औद्योगिक लगानी तथा अनुदान | रकम | | |
| | प्रतिफल | गैह्र कृषि उद्योग संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनमा संलग्न कृषक संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | औद्योगिक सुरक्षाकर्मी संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | खानीमा आधारित अन्वेषण संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वार्षिक बजार अनुगमन | संख्या | | |
| | प्रतिफल | बहाल विटोरी कर लागू गरिएका सार्वजनिक सम्पत्ति | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वार्षिक औद्योगिक तथा व्यापार मेला संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यवस्थित हाट बजार संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | उपभोक्ता हित सम्बन्धी कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जन सहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।
- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

(आ) सहकारी

पृष्ठभूमि

ग्रामीण पूँजीको संकलन र उचित सदुपयोग मार्फत आयआर्जन गर्न सहकारीको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको ३ प्रमुख खम्बामध्ये एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा रहेको सहकारी क्षेत्रको ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढीकरणमा मुख्य सहयोगी भूमिका हुन्छ । गाउँपालिका भित्र बचत तथा ऋण सहकारी संस्था र कृषि सहकारी संस्था गरी १९ वटा सहकारी संस्थाहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । वर्तमान अवस्थामा देशमा सञ्चालित सहकारी संस्थाहरूको आर्थिक अनुशासन कायम हुन नसकेको गतिविधिले गर्दा जनताहरू सहकारी संस्था प्रति विश्वासनियता कम रहेको छ । हाल गाउँपालिकामा एकवटा मात्र बैंक रहेको हुनाले सहकारी संस्थालाई सुदृढ तथा प्रवर्द्धन गर्न सके ग्रामीण स्तरमा आर्थिक कारोवार गर्न सहज हुनुका साथै कृषकहरूलाई आर्थिक कारोवार गर्न सहज हुने देखिन्छ ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

| |
|--|
| सहकारीको संख्यात्मक वृद्धि भएता पनि गुणात्मक विकास हुन नसकेको । |
| सहकारी क्रियाकलाप उत्पादन मुखी तथा रोजगारी सिर्जना भन्दा पनि बचत तथा ऋण कारोवारमा बढी लगाव रहेको । |
| सहकारीमा आर्थिक अनुशासन कायम हुन नसक्दा आम नागरिकको बचत जोखिममा पर्ने गरेको । |
| सहकारीहरू अपेक्षित मूल्य, मान्यता तथा आदर्शका मर्म अनुसार विकास हुन नसकेको । |
| नियामक निकायको प्रभावकारीतामा कमी रहेको । |
| सहकारी सम्बन्धी जनचेतनाको व्यापक विकास गर्नुपर्ने । |
| कृषि, उद्योग तथा व्यावसायिकता विकासमा यसको योगदान वृद्धि गर्नुपर्ने । |
| आर्थिक मन्दिका कारण सहकारी संस्थाहरूमा चुस्त दुरुस्त तरीकाले ऋण परिचालनमा कठिनाई आएको । |

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष:मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

सहकारी क्षेत्रतर्फ क्रमशःजनताको आकर्षण बढ्दै गइरहेका कारण विविध बचत समूहहरू पनि सञ्चालनमा रहेका ।

सानो रकम भएपनि बचत गर्नुपर्छ भन्ने चेतनाको क्रमशःविकास भएको ।

कृषि उत्पादन र उपभोक्ता बिचमा पुलको काम गर्ने संस्थाको रूपमा सहकारीको विकास गर्न सकिने ।

सामुहिकता र सहकार्य मार्फत आर्थिक विकासको सम्भावना रहेको ।

सहकारीको परिचालन, नियमन, अनुगमन र खारेजी सम्बन्धी अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।

गाउँपालिकाले गरीबी न्यूनिकरणका कार्यक्रम संचालन गर्न सहकारी संस्था दर्ता, नविकरण तथा अनुगमन गर्ने कार्यलाई व्यवस्थित गर्ने र सहकारी संस्थाहरूको सबलीकरण गर्नु गर्ने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- सामुहिकता र सहकार्य मार्फत सबल अर्थतन्त्र निर्माण ।

लक्ष्य

- सहकारीको संस्थागत विकास मार्फत आम बचतकर्ताको जीवनस्तर उकास्ने ।

उद्देश्यहरू

- १) सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि र कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु ।
- २) सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशिल क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।

उद्देश्य १: सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि, कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| १.१ सहकारी शिक्षाको माध्यमबाट जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने | स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सहकारीको महत्व सम्बन्धमा नियमित जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ, र सहकारी सञ्चालकहरूलाई संस्थागत क्षमता विकास गर्न संघीय तथा प्रदेश सरकारहरूको सहयोगमा क्षमता विकास अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | महिलाहरूलाई सहकारीतर्फ आकर्षण गर्न महिला सहकारी विस्तार उत्प्रेरणा तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | सहकारीले स्थानीय अर्थतन्त्रमा पार्ने र पारेको प्रभावहरूको वस्तुगत अध्ययन गरिनेछ । |

उद्देश्य २: सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| २.१ सहकारी नीति परिमार्जन तथा निर्माण गरी ग्रामिण अर्थतन्त्र मैत्री बनाउने | सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्र जस्तै कृषि, उद्योग तथा पर्यटनमा लगानी अभिवृद्धि गर्न स्थानीय सहकारी नीति र ऐनमा आवश्यक सुधार संशोधन र परिमार्जन गरिनेछ । |
| | अतिविपन्न नागरिक तथा मजदुरहरूलाई सामुहिक बचत गर्ने बानी बसाल्न उत्प्रेरणा अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | निश्चित मापदण्डका आधारमा बचत, लगानी तथा ऋण परिचालनमा अब्बल एक सहकारीलाई वार्षिक उचित पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | सहकारीलाई उत्पादन तथा रोजगारीसँग जोडी नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याइनेछ । |
| | एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान सघन रूपमा अगी बढाइनेछ । |
| | कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुऱ्यउनका लागि सहजीकरण गरिनेछ । |
| २.२ सहकारीलाई व्यावसायिकरणका अभ्याससँग एकीकृत गर्ने | सहकारी खेतीलाई प्रोत्साहन गर्न कृषि सहकारी संस्थाको सहयोगमा व्यावसायिकता प्रबर्द्धन तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | सहकारीसँग उद्योग र सेवा क्षेत्र विस्तार गर्ने नीति अनुरूप सहकारीमा आधारित स्थानीय उद्योग र सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | सम्भाव्यता र लागत लाभका आधारमा सहकारी खेती वा उद्योग वा सेवा क्षेत्रमा लाग्न चाहने सहकारीका सरोकारवाला सदस्यहरूलाई व्यवसाय विशेष क्षमता अभिवृद्धि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । |
| | सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| | सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |

सहकारीको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|---|--|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत सहकारी शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम सञ्चालन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | महिला सहकारी विकास तथा विस्तार उत्प्रेरणा तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सहकारीको स्थानीय अर्थतन्त्रमा पारेको प्रभाव अध्ययन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| २. | उत्पादनशील क्षेत्रमा सहकारी लगानी अभिवृद्धिका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | अति विपन्न नागरिक घरधुरीलाई सहकारीमा प्रवेश गराउन बीउ पूँजी वितरण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | उत्कृष्ट सहकारी पुरस्कार प्रदान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सहकारी मार्फत सुपथ मूल्यको पसल स्थापना गर्न प्रोत्साहन गर्ने | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुर्याउनका लागि सहजीकरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सहकारी खेती प्रवर्द्धन तालिम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सहकारीमा आधारित उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सहकारी उद्योग तथा सेवा क्षेत्रमा जान चाहने उद्यमीलाई विशेष तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | | |
| सहकारी मार्फत उद्भमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | | |
| | जम्मा | ३२० | ३५२ | ३८७ | ४२६ | ४६९ | |

अपेक्षितउ पलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सहकारी संस्थाहरूको संस्थागत र गुणात्मक विकास हुनेछ ।
- ✓ सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकास र सेवा विस्तार हुनेछ ।
- ✓ कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा सेवा क्षेत्रको विकासमा सहकारीको भूमिका वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ महिला वर्गको सहकारी क्षेत्रमा सदस्यता संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ विपन्न वर्गलाई सहकारीमा आबद्ध गर्न सहयोग पुग्नेछ ।

(इ) बैंक तथा वित्तीय क्षेत्र

पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा एक मात्र माछापुच्छ्रे बैङ्कले बैङ्किङ सेवा प्रवाह गरिरहेको छ । गाउँपालिकाको भौगोलिक बनावटको कारण वस्तीहरू छरिएर रहेको कारण सबै वडाका सबै समुदाय बीच बैङ्किङ कारोवारको पहुँच सहज रूपले पुग्न सकिरहेको छैन । कुनै पनि स्थानको अर्थतन्त्र सबल हुन कृषि, पर्यटन र उद्योग क्षेत्र चलायमान हुनुपर्ने भएकोले ती क्षेत्रको क्रमिक विकाससँगै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको स्थापना तथा विकास हुन अति आवश्यक छ ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|---|
| गाउँपालिकामा एक मात्र बैंक रहेको । |
| बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको स्थापना र पूँजी वृद्धि हुन नसकेको । |
| वित्तीय संस्थाहरूमा सहज पहुँच नहुँदा तथा अर्थतन्त्र चलायमान नहुँदा स्थानीय पूँजीको विकास कमजोर रहेको । |
| सहकारीको सङ्गठनात्मक विकास नभएका कारण लगानीको क्षेत्र र दायरा ठूलो हुन नसकेको । |
| औद्योगिक पूर्वाधार, उद्योग, व्यापारिक केन्द्र र स्थानीय पूँजीको विकास गर्नुपर्ने । |
| बैंङ्क तथा वित्तीय संस्थाको स्थापना हुन नसक्दा स्थानीय लगानी कर्ता तथा पूँजीपतिको पूँजी पलायन भई ग्रामीण अर्थतन्त्र थप कमजोर बन्न सक्ने । |

सम्भावना तथा अवसर

| सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|--|
| अति विपन्न वर्गमा नियमित बचत गर्ने बानीको विकास गर्न प्रोत्साहन गर्न सकिने । |
| गाउँपालिकामा महिला बचत समुह तथा महिला सहकारीहरूको विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्न सकिने । |
| गाउँपालिकामा ऋण तथा कर्जा सेवाप्रदान गर्न विभिन्न कृषि तथा महिला समुहहरू सक्रिय रहेका । |
| उद्योग, कलकारखाना, बजार केन्द्र, व्यापारिक कारोवारको विस्तार गर्दै बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको विकास गर्न सकिने । |
| अन्य बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई आर्कषण गर्न सकिने । |
| स्थानीय जनताको अग्रसरतामा माइक्रो फाइनेन्स तथा सहकारीहरूको विकास र विस्तार गर्न सकिने । |

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- वित्तीय पहुँच वृद्धि मार्फत आर्थिक क्षेत्रको गतिशिलता ।

लक्ष्य

- प्रत्येक घरधुरीमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको सहजपहुँच स्थापित गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- १) बैंक तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आर्कषण गर्नु ।
- २) सहजकर्जा प्रवाह र बचत परिचालन मार्फत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु ।

उद्देश्य १ : बैंक तथा वित्तीय संस्थातर्फ आम सर्व साधारणलाई आर्कषण गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ वित्तीय पहुँच नपुगेका घरपरिवारमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको पहुँच पुऱ्याउने | आफ्नो नाममा बैंक खाता नभएका घरधुरीको पूर्ण विवरण संकलन गरिनेछ । |
| | निजी क्षेत्रमा बैंकहरूसँग सहकार्य गरी इच्छुक घरधनीको घरमा घुम्ती बैंक खाता खोल्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| | बैंक खाता खोल्दाहुने फाइदाका विषयमा तथा महिलालाई बैंक खाता खोल्न प्रोत्साहन गर्न बैंकसँगको सहकार्यमा स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट जन चेतनामूलक कार्यक्रम प्रसारण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाका सबै वडामा बैंकिङ सुविधा (बैंकबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएकाहरूको लागि Virtual Banking सुविधा) पुऱ्याइनेछ । |

उद्देश्य २: सहजकर्जा प्रवाह र वचत परिचालन मार्फत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| २.१ व्यावसायिक, उत्पादन मूलक साना तथा मझौला उद्योगमा ऋण प्रवाह अभिवृद्धि गर्ने | स्थानीय उद्यमी तथा बैंकहरू बीच ऋण प्रवाहमा सहजीकरण गर्न गाउँपालिका द्वारा अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| | स्थानीय रोजगारी श्रृजना गर्न युवा उद्यमी र महिलाले तयार गरेको व्यावसायिक योजना, मझौला उद्योग क्षेत्र, पर्यटन वा कृषिमा लगानीका लागि ऋण प्रवाह गर्न गाउँपालिका जमानत बसी ब्याजमा निश्चित प्रतिशत अनुदान प्रदान गरिनेछ । |

बैंक तथा वित्तीय क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | बैंक खाता नभएका घरधुरीको लगत संकलन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | घुम्ती बैङ्किङ सेवा अभियान सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | महिलाको बैङ्किङ जन चेतना मूलक कार्यक्रम प्रशारण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बैंकबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएकाहरूकालागि Virtual Banking सुविधा | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | उद्यमी तथा बैंकहरू बीच अन्तरक्रिया सहजिकरण | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | युवा र महिला उद्यमीलाई मभौला उद्योग तर्फ विशेष व्याज अनुदान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | जम्मा | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- आगामी ५ वर्षमा गाउँपालिकाका ९० प्रतिशत भन्दा बढी घरपरिवारका सदस्यहरूको आफ्नो नाममा बैंक खाता हुनेछ ।
- व्यक्तिगत ऋण लिने प्रवृत्तिमा उल्लेख्य कमीआएको हुनेछ ।
- उत्पादनशील क्षेत्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको ऋण प्रवाह वृद्धि भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------------------------|---|---------|-----------|------------|
| १ | बैंक, वित्तीय क्षेत्र तथा सहकारी | | | | |
| | प्रतिफल | आफ्नै नाममा बैंक खाता भएका घरपरिवार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकामा विस्तार भएका वाणिज्य बैंकको | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकामा विस्तार भएका विकास बैंकको | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकामा विस्तार भएका लघुवित्त | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकामा रहेका सहकारी | संख्या | १९ | |
| | प्रतिफल | महिला सहकारी सदस्य | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सहकारीबाट उत्पादनशील क्षेत्रमा भएको लगानी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सहकारी सम्बन्धी तालिम | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सहकारी सदस्यताका लागि विपन्न बीउं पूँजीबाट लाभान्वित सदस्य | संख्या | | |
| | असर | औपचारिक वित्तीय सेवाको पहुँचमा रहेका घर परिवार (१.४.१.२) र (८.३.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | सहकारी सेवामा पहुँच भएका घरपरिवार (८.३.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | प्रति १लाखवयस्कहरूमा वाणिज्य बैंकहरूमाशाखा (८.१०.१ क) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | प्रति १लाखवयस्कहरूमा ए.टि.एम (८.१०.१ ख) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | बैंकबाट ऋण लिएर व्यवसायकाउद्योग सञ्चालन गर्ने व्यवसायीको (९.३.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | ऋण वालाइनअफ क्रेडिट भएका साना स्तरका उद्योग (९.३.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | लघुवित्तद्वारा समेटिएको खेती गर्ने परिवार प्रतिशत (१०.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | ३० मिनेटको पैदल दुरीमा बैङ्किङ सेवामापहुँचभएका परिवार | प्रतिशत | २० | |

४.५ श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

(अ) श्रम तथा रोजगारी

पृष्ठभूमि

श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय द्वारा सञ्चालित प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमको केन्द्र विन्दुमा युवा रहेका छन्। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। कामगर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांस हो। सुनकोशी गाउँपालिकाले यस आ.व. २०८१/८२ मा बेरोजगारहरूलाई रोजगार सृजना गर्नको लागि ७३ जनालाई (३४ जना प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रम, ३९ जना विश्व बैंकको ऋण सहयोग) १०० दिनको काममा समावेश गर्ने लक्ष्य लिएको छ। यस कार्यक्रमबाट यस भन्दा अगाडिका वर्षहरूमा सीप मुलक तालिमको साथ साथै जीविकोपार्जन सम्बन्धी कार्यक्रमहरू संचालन गर्दै आईरहेको थियो। यस गाउँपालिकामा भण्डै ५८.९८ प्रतिशत १५ देखि ५९ वर्षका युवाहरू छन्। जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभ बोकेको युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

| |
|--|
| गाउँपालिकामा युवा लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको। |
| गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा यूवा जनशक्ति शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको। |
| प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवा मैत्री हुन नसकेको। |
| युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको। |
| गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निरास, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको। |
| कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागू पदार्थ सेवन, भैँभगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको। |
| गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको। |
| गाउँपालिकामा सम्पूर्ण बेरोजगार युवाहरूलाई थग्न सक्ने गरी रोजगारीको सिर्जन गर्न चुनौती रहेको। |
| पूर्वाधारको समुचित विकास गर्न नसकिएको कारण तोकिएका खेलकुद मैदानहरू, क्लब तथा मनोरञ्जनात्मक स्थलहरू स्तरोन्नती गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको। |
| कुलतमा फसेका वा फस्ने खतरामा रहेका युवाहरूलाई रोक्ने कार्यक्रम तत्काल संचालन गर्नु पर्ने चुनौती रहेको। |
| प्रधामन्त्री रोजगारवाट सञ्चालित कार्यक्रमहरूमा अदक्ष कामदारहरूको कार्य मात्र रहेकोले दक्ष तथा सामग्रीहरू खरिद गरी कार्य गुणस्तर बनाउनको लागि कठिनाई। |
| प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमको लागि आवेदन दिएका सबै युवाहरूलाई कार्यक्रममा समेटन नसकिएको। |

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

| |
|---|
| गाउँपालिकाले पालिका भित्र संचालन नहुने सबै सार्वजनिक निर्माणका कार्यहरूमा सम्भव भए सम्म श्रममूलक प्रविधिको प्रयोग गर्न सकिने । |
| गाउँपालिकाले कामलाई सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास गर्न जनप्रतिनिधी, कर्मचारी तथा समाजका प्रतिष्ठित व्यक्तित्वको अगुवाइमा जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने । |
| गाउँपालिकाले गाउँपालिका भित्रका सबै बेरोजगारहरू एवं सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र मार्फत संचालन हुने आयोजनाहरूलाई रोजगार सेवा केन्द्रको दायरामा ल्याई त्यस्ता आयोजनामा सृजनाहुने रोजगारीको आपूर्ती सूचिकृत बेरोजगारहरू मध्येबाट गर्ने आवश्यक व्यवस्था मिलाउन सकिने । |
| युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको । |
| गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको । |
| गाउँपालिकामा युवासँग सम्बन्धित क्लब, खेलकुद मैदान तथा साँस्कृतिक टोलीहरू रहेको । |
| युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने । |
| गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने । |
| गैरसरकारी तथा निजीक्षेत्रसँग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आवद्ध गराउन सकिने । |
| गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने । |
| उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने । |

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष युवा मानव संसाधन निर्माण

लक्ष्य

- गाउँपालिकाको युवा जनसंख्यालाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमुखि बनाउने

उद्देश्यहरू

- १) श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|------------------------------------|---|
| १.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने | गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमि बारे स्थिति पत्र तयार पारिनेछ । गाउँपालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिनेछ । |

उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.२ दक्ष र सीप युक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने | युवा स्थिति पत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुचि र भुकाव अनुसार नियमित सिप विकास रोजगारी मूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | गायन, वाद्य वाधन, नृत्य, कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिमा आबद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवा क्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिका स्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ । |
| | यस प्रकारका युवाक्लबका कृयाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार गरी युवा क्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ । |
| | कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवाक्लबको नेतृत्वमा सहि मार्गमा डोऱ्याउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाइ भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | विदेशबाट फर्किएका युवाहरूलाई प्राथमिकतामा राखी रोजगारमूलक प्राविधिक तालिम, प्रशिक्षण प्रदानगरि प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| | मापदण्डका आधारमा यूवा Start up तथा उद्यमशिलता विकासका लागि ब्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” अगाडि बढाइनेछ । |
| | रोजगार सेवा केन्द्रलाई रोजगार बैंकको रूपमा विकास गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका तथा वडागत आयोजनाहरु प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमसँग साभेदारी गरि आवश्यक श्रमिकहरु रोजगार सेवा केन्द्रबाट व्यवस्थापन हुने गरि सञ्चालन गरिनेछ । |

श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १. | युवा स्थिति पत्र तयार | १० | ० | ० | ० | ० | |
| २. | रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| ३. | रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमुखीकरण तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| ४. | युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| ५. | युवा कलाकारीता तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| ६. | गाउँपालिका स्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| ७. | केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| ८. | कुलतमा फसेका युवाहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| ९. | युवा उद्यमीहरूको लागि उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| १०. | बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूको उत्थान तथा सवलिकरण कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| ११. | प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| १२. | युवा उद्यमशिलता विशेष ब्याज अनुदान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| १३. | उद्यमशील युवाहरूलाई प्रोत्साहन गर्न रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| १४. | “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” संचालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| १५. | पालिकाका आयोजनामा रोजगार सेवा केन्द्रमा सुचिकृत बेरोजगारलाई प्राथमिकता | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| १६. | गाउँपालिका तथा वडागत आयोजनाहरु प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमसँग साभेदारीमा सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | ३९० | ४१८ | ४६० | ५०६ | ५५६ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

सिपयुक्त अर्धदक्ष र दक्ष मानव संसाधनको विकास हुनेछ ।
 बेरोजगार युवाको जनसंख्यामा उल्लेख्य कमीआएको हुनेछ ।
 निर्माण कार्यको गुणस्तर कायम हुनेछ ।
 सहभागितात्मक कार्यको विकास हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------------|---|---------|-----------|------------|
| १. | युवा श्रम तथा रोजगार | | | | |
| | असर | अर्ध बेरोजगार यूवा (८.६.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | बेरोजगार युवा (प्रतिशत) | प्रतिशत | | |
| | असर | पुरुष बेरोजगार युवा (८.५.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | महिला बेरोजगार युवा | प्रतिशत | | |
| | असर | महिला कामदार को प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | पुरुष कामदारको प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत दर्ता भएका बेरोजगारको संख्या (८.५.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | यूवा रोजगारीका लागि विशेष रुपमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या (८.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | यूवा लक्षित विशेष Career Counselling Entrepreneurship तालिम | संख्या | | |
| | असर | १५-२४ वर्षका कुनै प्रकारको शिक्षा, तालिम वा रोजगारीमा संलग्न नभएका यूवा संख्या (८.६.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | रोजगार युवा (प्रतिशत) | प्रतिशत | | |
| | असर | पुरुष रोजगार युवा | प्रतिशत | | |
| | असर | महिला रोजगार युवा | प्रतिशत | | |
| | असर | न्यूनतम रोजगारीका लागि विदेशिने युवाहरू | प्रतिशत | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|---------|-----------|------------|
| | प्रतिफल | आफ्नै स्वामित्वमा उद्योग भएका युवा उद्यमीहरूको | संख्या | | |
| | प्रतिफल | महिला युवा उद्यमीहरूको | संख्या | | |
| | प्रतिफल | स्नातकतह उत्तीर्ण गर्न नसकि अध्ययन छाडेका युवाको | संख्या | | |
| | असर | काम अनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट बञ्चीत युवाको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| | असर | काम अनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानी बाट सन्तुष्ट युवाको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| | असर | दुर्व्यसनमा फसेका युवाको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | दुर्व्यसन सुधार गृह | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जटिल प्रकारका रोगबाट ग्रसित युवाको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | अपराधिक कार्यमा संलग्न युवाको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | राष्ट्रिय रूपमा ख्याती प्राप्त युवाको संख्या (कलाकारिता, नेतृत्व, उद्यमी, खेलकुद, अध्ययन अनुसन्धान, आदि) | संख्या | | |

अनुमान तथा जेखिम पक्ष

- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्षजनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्तिआ इलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

(आ) सामाजिक सुरक्षा

पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ४३ मामौलिक हक अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षाको हकको व्यवस्था गरिएको छ। जस अनुसार आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, एकल महिला, अपाङ्गता भएका, बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई कानून बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुनेछ भनी स्पष्ट पारिएको छ। अर्को तर्फ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले संघ र प्रदेश कानूनको अधिनमा रही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको कार्यान्वयन, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेकोले स्थानीय विकास योजना तर्जुमा गर्दा सामाजिक सुरक्षालाई सम्बोधन गर्नु आवश्यक रहेको छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरू लक्षित समुदायमा केन्द्रित भई पूर्ण प्रभावकारी र संस्थागत हुन नसकेको।

सामाजिक सुरक्षाले समेट्नु पर्ने वर्गलाई समेट्न एकीकृत सूचना प्रणालीको व्यवस्था नहुनु साथै त्यस्ता वर्ग छुट्न गएको।

हाल प्राप्त भैरहेको सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रकम जीवन निर्वाहका लागि आवश्यक न्यूनतम सहयोग समेत नपुग्ने रकम भएकोले नाम मात्रको सामाजिक सुरक्षा भएको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

स्थानीय तहलाई सामाजिक सुरक्षाको अधिकार प्राप्त भएको।

नेपाल सरकारले सामाजिक सुरक्षाको विषयलाई प्राथमिकता प्रदान गरेको।

योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको सुरुवात भएको।

सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतनामा समेत वृद्धि भएको।

सामाजिक सुरक्षा मौलिकहकको रूपमा स्थापित भएको।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- असक्त अवस्थामा निश्चिन्तता, सामाजिक सुरक्षा

लक्ष्य

- असक्षम र असक्तभई जीवन निर्वाह गर्न नसक्ने अवस्थाका सबैलाई राज्यद्वारा अभिभाकत्व दिने

उद्देश्यहरू

- सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र असक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र असक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| १.१ सामाजिक सुरक्षाको आवश्यकता पर्ने सम्पूर्ण नागरिकको पहिचान गर्ने संयन्त्रनिर्माण गर्ने | सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रममा समेटिने वर्गको परिभाषा र मापदण्ड संघीय र प्रादेशिक सरकारको नीति र कानूनको अधिनमा रही निर्माण गर्ने र सो को आधारमा त्यस्ता व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत विवरण तयार पारी सूचना प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ। |
| | सामाजिक सुरक्षाका प्रकारहरू निश्चित गरी आवश्यकता र संवेदनशीलताका आधारमा तहहरू छुट्याइने छ। यसरी संवेदनशीलताको तह बमोजिम सुरक्षाको |

उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र असक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|---|
| | प्रकार, निश्चय गरिनुका साथै मापदण्ड र विद्यमान ऐन कानूनको परिधिमा रही सामाजिक सुरक्षाको दायरा वृद्धि गर्न स्रोतका आधारमा अध्ययन गरिनेछ । |
| | योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू गर्न आवश्यक तयारी अध्ययन गरिनेछ । |
| | निजी र अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| | सामाजिक सुरक्षाका विषयमा जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |

सामाजिक सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | सामाजिक सुरक्षा तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण । | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सामाजिक सुरक्षाका प्रकृति र तहहरूको निक्क्यौल गर्ने र दायरा वृद्धि गर्न अध्ययन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थित गर्न तयारी | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | निजी र अनौपचारिक क्षेत्रका श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ नागरिकहरूमा सामाजिक सुरक्षा पाउनु मौलिक हक हो र यसमा सक्रिय जीवनमा सहयोग गर्नुपर्छ भन्ने जनचेतनाको विकास हुनेछ ।
- ✓ असक्षम, असक्त र असहाय अवस्थाका सबै नागरिकलाई राज्यले सामाजिक सुरक्षाको सहारा सुनिश्चित गरेको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|-----------------|---|--------|-----------|------------|
| १. | सामाजिक सुरक्षा | | | | |
| | असर | सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति | संख्या | | |
| | असर | योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा समेटिएको जनसंख्या | संख्या | | |

परिच्छेद - ५ सामाजिक क्षेत्र

५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ३५ मा स्वास्थ्य सम्बन्धी हकलाई मौलिकहकको रूपमा स्थापित गरिएको छ। उप धारा १मा “प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवानिःशुल्क प्राप्त गर्ने हक हुनेछ र कसैलाई पनि आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाबाट वञ्चित गरिने छैन” भनिउल्लेख गरिएको छ। यसै हकको कार्यान्वयन गराउने दायित्व स्थानीय सरकारको भएकोले गाउँपालिकामा आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार र सेवाहरूको प्रबन्ध हुन अपरिहार्य छ।

यस गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू गाउँपालिकामा रहेका स्वास्थ्य चौकीहरू मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ, भने स्वास्थ्य सेवाका लागि आवश्यक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल र विशेषज्ञ सेवाको अभाव रहेको छ। हाल यस गाउँपालिकामा स्वास्थ्य चौकी संख्या ५, आधारभूत स्वास्थ्य संस्था ५, सामुदायिक स्वास्थ्य संस्था ४ गरी जम्मा १४ वटा स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट स्वास्थ्यका आधारभूत सेवाहरू प्रदान गर्दै आईरहेको छ। यी स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट परिवार नियोजन, खोप सेवा, उपचार सेवा, क्षयरोग नियन्त्रण कार्यक्रम, महामारी नियन्त्रण कार्यक्रम, चौमासिक रूपमा गर्भवती महिलाको निःशुल्क भिडियो एक्सरे, शिविर, क्षयरोग परिक्षण, गर्भवती साथै सुत्केरी महिलाहरूलाई पोषण वितरण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आईरहेका छन्। सीमित मात्रामा स्वास्थ्यका आधारभूत सेवाहरू सञ्चालन भएता पनि धेरै जसो आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको अपर्याप्तता रहेको छ। यहाँ हाल अहेव, अनमी, स्वास्थ्य स्वयंसेवीकाहरू जस्ता स्वास्थ्यकर्मीहरू मार्फत स्वास्थ्य सेवाहरू प्रदान गर्दै आएका छन्। नेपाल सरकारको “एक स्थानीयतह एक अस्पताल निर्माण” अभियानलाई निरन्तरता दिनको लागि गाउँपालिका स्तरीय बहु आयामिक सेवा प्रदान गर्ने किसिमको अस्पताल निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको छ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| ■ आपतकालीन उपचार सेवाको अभाव |
| ■ सर्जिकल सामग्री तथा अन्य आवश्यक उपकरणको अभाव |
| ■ २४ सै घण्टा आकस्मिक सेवाको अभाव |
| ■ सुविधा सम्पन्न अस्पताल तथा विज्ञ डाक्टरहरूको अभाव |
| ■ स्वास्थ्य सेवाको उचित व्यवस्था र प्रबन्ध नहुँदा विरामीको अकालमै मृत्यु हुन सक्ने |
| ■ स्वास्थ्य चेतना अभावका कारण बालबालिका, महिला तथा प्रजनन स्वास्थ्य, जेष्ठ नागरिकहरूको स्वास्थ्य र समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य जोखिममा पर्न सक्ने। |
| ■ समग्र स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधारका लागि ठूलो आकारको बजेट तथा कर्मचारी र विशेषज्ञहरूको प्रबन्ध गर्न सकिने। |
| ■ स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्वास्थ्य चौकीको स्तर वृद्धि गरी सुविधा सम्पन्न बनाउनु पर्ने। |
| ■ आधारभूत तहबाट नै पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो बजेटको व्यवस्थापन गर्ने चुनौती रहेको। |
| ■ खेतबारीमा प्रयोग गरिने किटनाशक विषादी, फार नाशक विषादी लगायतले मानविय स्वास्थ्यमा समेत असर पार्ने भएकोले यस न्यूनीकरण चुनौतीपूर्ण रहेको। |
| ■ पक्की सडक तथा यातायतको असुविधाको कारण समयमा उपलब्ध गराउनु पर्ने किसिमका औषधीहरू उपलब्ध गराउन नसकिने। |
| ■ कच्ची सडकको कारण सवै वडाहरूको स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आपत कालिन अवस्थामा एम्बुलेन्स जस्ता महत्वपूर्ण साधन सहज रूपमा सञ्चालन गर्न कठिनाई। |

सम्भावना तथा अवसर

| सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू | |
|------------------------------------|---|
| ■ | गाउँपालिकाका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा लगायत स्वास्थ्यका विभिन्न आधारभूत सेवा उपलब्ध हुँदै आएको । |
| ■ | प्रत्येक वडामा स्वास्थ्य स्वयमसेविका मार्फत परिवार नियोजन सेवा, प्रजनन तथा प्रसूती सेवा तथा पोषण सेवा सञ्चालनमा रहेका । |
| ■ | गाउँपालिकाले नागरीकको लागि सुनकोशी सरकार कार्यक्रम संचालन गरी गम्भीर प्रकृतिको रोग पहिचान गरी उपचारमा सहयोग पुर्याउने उद्देश्यले रोग पहिचान गर्ने शिविर संचालन गरी उपचारको लागि गाउँपालिको आर्थिक सहायता दिने नीति अगाडी सारेको । |
| ■ | पालिकाले नागरिकको पिडामा सुनकोशी सरकार कार्यक्रम संचालनमा ल्याई सुनकोशी गाउँपालिका अन्तरगतका सम्पूर्ण वडाहरूमा मृत्यु हुने मृतकका आफन्तहरूलाई समवेदना प्रकट गर्दै मृत्यु संस्कारको लागि आर्थिक सहयोग प्रदान गर्ने नीतिलाई निरन्तरता दिएको । |
| ■ | एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गरी जेष्ठ नागरिक तथा गर्भवती महिलालाई सुत्केरी हुने बेलामा गाउँपालिकाबाट निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गर्न सकिने । |
| ■ | निःशुल्क वितरण गरिने औषधीको आपूर्तिलाई सहज गराउन सकिने । |
| ■ | वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जस्तै जडीबुटी, होमियोप्याथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग तथा ध्यान केन्द्रको व्यवस्था गर्न सकिने । |
| ■ | विद्यमान स्वास्थ्यपूर्वाधारहरूलाई स्तरोन्नति गरी तिनीहरूको सेवाप्रभावकारी बनाउन सकिने । |
| ■ | खोप केन्द्रलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन सकिने । |
| ■ | प्रत्येक वडामा बर्थिङ् सेन्टरहरू निर्माण गरी सेवाप्रदान गर्न सकिने । |
| ■ | प्रत्येक वडामा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र निर्माण गरी गाउँपालिका बासीमा स्वास्थ्य सेवाको पहुँच विकास गर्न सकिने । |
| ■ | महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवीकालाई थप सबलीकरण गरी स्वास्थ्य सेवामा परिचालन गर्न सकिने । |

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- घरदैलो मै आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सुनिश्चितता

लक्ष्य

- आगामी पाँच वर्ष भित्र आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने

उद्देश्यहरू

- १) आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु
- २) स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १.१ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण गर्ने | प्रत्येक वडा स्वास्थ्य चौकीहरूको क्रमश स्तरोन्नति गरिने छ । |
| | गाउँपालिका भर समेट्ने गरी एक २४ सै घण्टा सेवा उपलब्ध हुने एम्बुलेन्स सेवाको प्रवन्ध गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक मनोपरामर्श सेवा इकाई स्थापना गरिने छ । |

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| | गाउँपालिका स्तरीय सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवाइकाई निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक इ.सि.जी. सेवाइकाई निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक प्राथमिक ट्रमा सेवाइकाई निर्माण गरिने छ । |
| १.२ स्वास्थ्य कर्मीको दरवन्दी व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्ने | गाउँपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी आवश्यक दक्ष स्वास्थ्य कर्मीको दरवन्द व्यवस्थापन गरिनेछ । |
| | महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविकाको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | सम्पूर्ण स्वास्थ्य कर्मीहरूलाई क्षमता विकास सम्बन्धी नियमित तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | एक विद्यालय एक स्वास्थ्य सहायकको व्यवस्थापन गर्न थालनी गरिनेछ । |
| | हरेक विद्यालयमा वर्षमा १ पटक साधारण स्वास्थ्य जाँच घुम्ती शिविर संचालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा नियमन गरि गुणस्तरीय य स्वास्थ्य सेवाको अधिकार सुनिश्चित गरिनेछ । |
| १.३ आधारभूत स्वास्थ्य सेवाबाट अतिविपन्न र आमनागरिकलाई बञ्चितहुनदिने | अति विपन्न तथा आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित गर्न स्वास्थ्य विमामा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | बडास्तरमा नियमित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालनलाई नियमित गरिनेछ । |
| | निःशुल्क वितरण गरिने औषधिको आपूर्ति र भण्डारण प्रणाली चुस्त र दुरुस्त पारिनेछ । |
| | अशक्त, असहाय, बेवारिसे, अनाथ तथा जेष्ठ नागरिकहरूको आधारभूत स्वास्थ्यको सुनिश्चितता गर्न यस्ता व्यक्तिहरूको यथार्थ तथ्याङ्क संकलन गरी अभिलेख तयार पारिनेछ । |
| | गम्भिर प्रकृतिका रोगहरूको उपचारमा नेपाल सरकारबाट प्राप्तहुने निःशुल्क सेवाहरूलाई सहजिकरण सिफारिस र प्रभावकारी बनाउन एक च्यापिड रेस्पन्स इकाई ९चवउष्म च्भकउयलकभ ग्लप्त०को व्यवस्थागरिनेछ । |

उद्देश्य १ : आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|--|
| | बेला बेलामा आइपर्ने ऋइच्छमज्जठ जस्ता तथा अन्य माहामारीका लागि आधारभूत पूर्वाधारको बन्दोबस्ती गर्न एक महामारी विपद व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिने छ । |
| | अतिविपन्न परिवारमा सुनौलो हजार दिनमा शिशु र आमाको पोषण पूरा गर्न पोषण प्याकेजको निर्माण गरिनेछ । |
| | दक्ष प्रसुती कर्मीद्वारा स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | प्रोटोकल अनुसार कम्तीमा चार पटक स्वास्थ्यजाँच गराउन गर्भवती महिला लक्षित विशेष प्याकेज निर्माण गरिनेछ । |
| | कोभिड-१९ लगायत सम्पूर्ण खोप सेवाबाट आम नागरिक बञ्चित हुन नदिन यसलाई नियमित अभियानका रुपमा सञ्चालन गरिनेछ । |
| | बालबालिका विशेष पुङ्कोपना, कमतौल, रक्त अल्पता र कुपोषण जाँच निशुल्क शिविर सञ्चालन |
| | महिलाको आड खस्ने र पाठेघरको क्यान्सर सम्बन्धी स्वास्थ्य जाँच शिविर नियमित रुपमा सञ्चालन गरिनेछ । |
| | जर्कृ व्क्ष्म रोगीलाई बलतष्वचर्वा औषधिको उपलब्धता सुनिश्चित गरिनेछ । |
| | दलित, असहाय र अपाङ्गका लागि गाउँपालिकाले स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम अगाडि बनाउनेछ । |
| | स्वास्थ्यमा गाउँपालिकाबासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जनस्वास्थ्य प्रवर्धन कार्यक्रममा विशेष जोड दिनुका साथै यसमा संलग्न जनशक्तिलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ । |

उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| २.१ स्वास्थ्य प्रति सचेत नागरिक निर्माण गर्न व्यापक जनचेतना जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने | स्थानीय सञ्चार माध्यम तथा सामाजिक सञ्जाल मार्फत गाउँपालिकाको सक्रियतामा व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा स्वस्थ व्यवहार सम्बन्धी सामाग्रीहरू नियमित प्रसारण गरिने छ । |
| | प्रत्येक सघन बस्ती भएका टोलहरूमा योग साधना तथा प्रवचन केन्द्र स्थापना गरिने छ । |
| | विद्यालय पाठ्यक्रममा व्यक्तिगत तथा सामुदायिक स्वास्थ्यका क्षेत्रलाई अनिवार्य समेट्ने व्यवस्था गरिने छ । |
| | विद्यालयमा जङ्गफुड निषेध गर्न विद्यालय व्यवस्थापन तथा अभिभावकसंग नियमित |

उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| | अन्तरक्रिया गरिने छ । |
| | शारीरिक व्यायाम वा श्रमको स्वास्थ्यमा पर्ने सकारात्मक असर बारे नियमित जनचेतना फैलाउन सञ्चार माध्यमसँग सहकार्य गरिने छ । |
| | धुम्रपान र मद्यपानलाई नियन्त्रण र कम गर्न निश्चित अवधि वा स्थानबाट विक्रीवितरण हुने व्यवस्था मिलाई जनचेतना अभिवृद्धि गरिने छ । |
| | आफ्नै घरआँगन र करेसावारीमा उपलब्ध हुने सागसब्जी, फलफुल र खाद्यान्नहरूको पोषणको स्तर तथा सन्तुलित भोजनका बारेमा विद्यालयस्तरमा नियमित रूपमा चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | आम नागरिकलाई नियमित सम्पूर्ण स्वास्थ्य जाँचका फाइदाबारे व्यापक प्रचार प्रसार गरिने छ । |
| | मनोसामाजिक परामर्श सेवाका कार्यक्रमहरूलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा सञ्चालन गरिनेछ । |
| | सडक दुर्घटना न्यूनिकरण गर्न ट्राफिक तथा स्थानीय संघ संस्थासँग अन्तर्क्रिया गरी व्यापक जन चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | परिवार नियोजना सम्बन्धी सम्पूर्ण सेवाका किशोरी र आममहिलाको पहुँच सुनिश्चित गर्न सेवाविस्तार गरिनेछ । |
| | वडास्तरीय पोषण केन्द्र स्थापना गरी बालबालिकामा पोषणयुक्त आहाराको सुनिश्चितता गरिनेछ । |
| | सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधितगाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ |
| | सरुवा तथा भेक्टर जन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायतका एकीकृत कार्यक्रम संचालन गरिनेछ |
| २.२ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतिको विकास र त्यसको अवलम्बन गरी जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्ने | गाउँपालिका स्तरीय एक आयुर्वेद उपचार केन्द्रको विकास गर्न पूर्वाधार तयार पारिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिने छ । |
| | स्थानीय स्तरमा रहेका लामा भाँक्री तथा वैद्यहरूलाई विज्ञान सिद्ध स्वास्थ्य चेतना फैलाउन विशेष तालिम प्याकेज निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिने छ । |

स्वास्थ्य तथा पोषणको विस्तृत कार्यक्रम

| क्र.सं. | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|---------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | वडास्तरीय स्वास्थ्य चौकीहरूको स्तरोन्नति | ३००० | ३३०० | ३६३० | ३९९३ | ४३९२ | |
| | वडा स्तरमा प्रस्तुति सेवाकक्ष निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | एम्बुलेन्स खरिद | ० | ० | ० | ० | २५०० | |
| | प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाई स्थापना | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | मनोपरामर्श सेवा केन्द्र स्थापना | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | गाउँपालिकास्तरीय सामान्य शल्य चिकित्सा इकाई निर्माण | ० | ० | ० | २०० | २२० | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक रेडियोलोजी सेवाइकाई निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवाइकाई निर्माण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक इ.सि.जी. सेवाइकाई निर्माण | ० | ० | ४० | ४४ | ४८ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण | ० | ० | ० | ५०० | ५५० | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक प्राथमिक ट्रमा सेवाइकाई निर्माण | ० | ० | २०० | २२० | ० | |
| | स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्था | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | अन्य स्वास्थ्यकर्मी तालिम तथा अनुसन्धान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | एक विद्यालय एक स्वास्थ्य सहायक व्यवस्थापन | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | विद्यालयमा वर्षमा एक पटक घुम्ती स्वास्थ्य शिविर संचालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गाउँपालिकामा संचालित स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा नियमन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | गुणस्तरीय य स्वास्थ्य सेवा अधिकारको सुनिश्चिता | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम अभियान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | वडास्तरीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | निःशुल्क वितरण हुने औषधि नियमित आपूर्ति | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अशक्त, अपाङ्ग, असहाय बेवारिसे तथा जेष्ठ नागरिक अभिलेख संकलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | गम्भिर प्रकृतिका रोग उपचार Rapid Response इकाई गठन | २० | २२ | ० | ० | ० | |
| | महामारी विपद व्यवस्थापन योजना निर्माण | ० | ० | २०० | ० | ० | |
| | विपन्न नागरिक सुनौला हजार दिन पोषण व्यवस्था | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वडास्तरीय महिला प्रजनन स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन प्रोत्साहन प्याकेज निर्माण | १०० | ११० | ० | ० | ० | |
| | प्रोटोकल अनुसार चार पटक स्वास्थ्यजाँच गराउन गर्भवतीप्याकेज कार्यक्रम निर्माण | ० | ० | १०० | ० | ० | |
| | जन्म पश्चात प्रोटोकल अनुसार तीन पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन प्याकेज निर्माण | ० | ० | ० | १०० | ० | |
| | नियमित खोप अभियान तथा सचेतना कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बलबालिका लक्षित कुपोषण र रक्तअल्पता निशुल्क जाँच शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | आडु खस्ने र पाठेघर जाँच सम्बन्धी नियमित स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | HIV AIDS Antiviral औषधी व्यवस्थापन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | “अतिविपन्नको लागि बिमा, हाम्रो जिम्मा”कार्यक्रम संचालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | स्वास्थ्यमा गाउँपालिका वासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जन स्वास्थ्य प्रवर्धन कार्यक्रम माविशेष जोड, साथै यसमा संलग्न जन शक्तिलाई प्रोत्साहन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| २. | स्वास्थ्य शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | योग साधना प्रवचन केन्द्र स्थापना (वडास्तरीय) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | व्यक्तिगत सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बन्धी विद्यालय पाठ्यक्रम निर्माण | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | जङ्ग फुड उन्मूलन विद्यालय अभियान अन्तर्गत अभिभावक अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | शारीरिक व्यायाम तथा श्रमको महत्व विषयक सूचना सञ्चार | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | धुम्रपान र मध्यपान नियन्त्रण सचेतना अभियान | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | “सन्तुलित र पोषिलो भोजन रोजौं, घर आँगन नै खोजौं” कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | नियमित स्वास्थ्य जाँचको महत्वबारे विशेष जनचेतना मूलक कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | हात्तिपाइले, कुष्ठरोग लगायतका सर्ने र नसर्ने रोगबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | मनोसामाजिक परामर्श कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सडक दुर्घटना सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | परिवार नियोजन सेवा विस्तार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | वडास्तरीय पोषण केन्द्रको स्थापना | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|--------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | सुतीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम संचालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायत काएकीकृत कार्यक्रम संचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक आर्युवेद स्वास्थ्य केन्द्र स्थापना/मर्मत | ० | ५०० | ० | ० | ० | |
| | गाउँपालिका स्तरीय प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना | ० | ० | २०० | ० | ० | |
| | लामा, भ्रौंकि, वैद्य तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | जम्मा | ५२०० | ६१६५ | ६८२६ | ७७५९ | १०६८३ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकास भएको हुने छ ।
- ✓ आवश्यक मात्रामा दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको प्रबन्ध हुने छ ।
- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा अतिविपन्न नागरिकको पहुँच स्थापित हुने छ ।
- ✓ स्वास्थ्य चेतनामा व्यापक सुधार आउने छ ।
- ✓ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति तर्फ आम सर्वसाधारणको आर्कषण बढेको हुने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|------------------|------------|---|---------|-----------|------------|
| स्वास्थ्य | | | | | |
| १ | असर | दक्ष प्रसुतीकर्मीहरूको सहयोगमा भएको जन्मको (३.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २ | असर | पाँचवर्षमूनिको बालमृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ३ | असर | नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ४ | प्रतिफल | कुष्ठरोगी विरामी वार्षिक (३.३.५.क) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ५ | प्रतिफल | कालाजार विरामीवार्षिक (३.३.५.ख) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | ३ | |
| ६ | प्रतिफल | हात्तिपाइले विरामीवार्षिक (३.३.५.ग) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ७ | प्रतिफल | डेङ्गु विरामीवार्षिक (३.३.५.घ) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | १० | |
| ८ | प्रतिफल | सक्रिय ट्रकोमा विरामीवार्षिक (३.३.५.ड) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | १० | |
| ९ | प्रतिफल | मुटुसम्बन्धी विरामीवार्षिक (३.४.१.क) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | १०० | |
| १० | प्रतिफल | क्यान्सर विरामीवार्षिक (३.४.१.ख) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | ५२ | |
| ११ | प्रतिफल | मधुमेह विरामीवार्षिक (३.४.१.ग) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ११५ | |
| १२ | प्रतिफल | स्वास प्रणालीसम्बन्धी दीर्घ रोग दम आदिका विरामी (३.४.१.घ) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | ३०० | |
| १३ | प्रतिफल | आत्महत्याबाट हुने मृत्युदर प्रतिलाख जनसंख्यामा (३.४.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| १४ | प्रतिफल | सडक दुर्घटनाबाट मृत्युदर प्रतिलाख जनसंख्यामा (३.६.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | २ | |
| १५ | प्रतिफल | परिवार नियोजनका आधुनिक साधन प्रयोगकर्ता दर (३.७.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| १६ | असर | प्रोटोकलअनुसार चार पटक पूर्व प्रसुति सेवा प्राप्त गर्ने महिलाको प्रतिशत जीवित जन्ममा (३.८.१ क) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ७५ | |
| १७ | असर | अस्पताल/स्वास्थ्य संस्थामा बच्चा जन्माउने महिला (३.८.१ ख) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ८० | |
| १८ | असर | प्रोटोकलअनुसार बच्चाको जन्मपछि तीनपटक सेवा प्राप्त गर्ने महिला (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------------------|-----------|------------|
| १९ | असर | हेपाटाइटिस बी भ्याक्सिन पुरा (३ डोज) गर्ने शिशु (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ८५ | |
| २० | असर | रगतमा ग्लुकोजको मात्रा वृद्धि भई औषधि प्रयोग गरिरहेका १५ वर्ष वा सो भन्दा माथिको जनसंख्या (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २१ | असर | घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवार (३.८.१ भ) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ९५ | |
| २२ | असर | स्वास्थ्य विमामा आवद्ध विपन्न परिवार (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २३ | असर | राष्ट्रिय खोप कार्यक्रममा समावेश भएका सबै खोपद्वारा समेटिएको लक्षित जनसंख्या (३.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ८१.९ | |
| २४ | असर | पाँचवर्ष मूनीका रक्त अल्पता भएका बालबालिका (२.२.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २५ | असर | स्वास्थ्यकर्मीको घनत्व र वितरण | प्रतिलाखजनसंख्यामा) | | |
| २६ | असर | पाँचवर्ष मूनीका पुङ्कोपना भएका बालबालिका (२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २७ | असर | स्वास्थ्य क्षेत्रमा कुलखर्च कुल (बजेटको) दिगो विकास लक्ष्य ३ (३.ग.१.क) र (१.क.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ५ | |
| २८ | प्रतिफल | सम्पूर्ण आधारभूत सुविधायुक्त स्वास्थ्य चौकी | संख्या | | |
| २९ | असर | पाँचवर्ष मूनीका कुपोषण भएका बालबालिका दर (२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ३० | असर | पाँचवर्ष मूनीका कम तौल भएका बालबालिका (२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ३१ | असर | कुपोषण भएका बालबालिका दर | प्रतिशत | २ | |
| ३२ | प्रतिफल | चौबिसै घण्टा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था | संख्या | ५ | |
| ३३ | प्रतिफल | चौबिसै घण्टा आकस्मिक प्रसुति सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था | संख्या | ५ | |
| ३४ | प्रतिफल | चौबिसै घण्टा एम्बुलेन्स सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था | संख्या | | |
| ३५ | प्रतिफल | वैकल्पिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र | संख्या | १ | |
| ३६ | प्रतिफल | योग केन्द्र | संख्या | १ | |
| ३७ | असर | पूर्ण सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ५० | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|------------|-----------|------------|
| ३८ | प्रतिफल | आधारभूत स्वास्थ्य चेतना प्राप्त गर्ने वैद्य धामी भाँक्री | संख्या | १५० | |
| ३९ | प्रतिफल | परिवार नियोजन सेवा केन्द्र | संख्या | १४ | |
| ४० | प्रतिफल | रक्तसंचार सेवा | संख्या | | |
| ४१ | प्रतिफल | अपेक्षितआयू (जन्मदाको बखत) | वर्ष | | |
| ४२ | असर | प्रजनन उमेरमा रक्त अल्पता भएका महिला प्रतिशत (२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ४३ | प्रतिफल | मातृ मृत्युदर (प्रतिलाखमा) | प्रतिलाखमा | | |
| ४४ | असर | पाठेघरको क्यान्सरका निमित्त स्क्रिनीङ गरिएका ३० देखि ४९ वर्षका महिला | प्रतिशत | ३० | |
| ४५ | प्रतिफल | HIV AIDS Antiviral औषधि प्राप्त गर्ने | संख्या | | |
| ४६ | प्रतिफल | उच्च रक्तचापको औषधि सेवन गरिरहेका १५ वर्ष भन्दा माथिको जनसंख्या | प्रतिशत | १०० | |
| ४७ | प्रतिफल | सुविधा सम्पन्न अस्पताल | संख्या | | |
| ४८ | प्रतिफल | घुम्ती स्वास्थ्य शिविर वार्षिक | संख्या | १० | |
| ४९ | प्रतिफल | स्वास्थ्य प्रयोगशाला | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन

पृष्ठभूमि

सभ्य र सुसंस्कृत समाजको निर्माणमा शिक्षाको सर्वोपरी भूमिका रहेको हुन्छ। विज्ञान तथा प्रविधि मैत्रि शिक्षा प्रदान गर्न सकेमात्र सक्षम मानव संशाधन तयार हुन्छ। आधुनिक समाज निर्माण गर्न शिक्षामा बृहतर लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ। विश्वभर विकसित मुलुकहरूको समग्र विकासको कारण भनेकै ती मुलुकहरूको शिक्षामा गरेको विशाल लगानीको प्रतिफल हो। नेपालको संविधान २०७२ ले शिक्षालाई नागरिकको मौलिकहकको रूपमा स्थापित गरेको छ। विशेषगरी आधारभूत तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क र अनिवार्य साथै माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ। उक्त परिप्रेक्ष्यमा राज्यविशेष गरी स्थानीय सरकारको भूमिका र जिम्मेवारी महत्वपूर्ण हुन गएको छ।

ग्रामीण परिवेशको क्षेत्र भएकोले यस गाउँपालिकामा शिक्षाका आधारभूत पूर्वाधारहरूको समेत पर्याप्त विकास हुन नसकेको अवस्था छ। तथापि हाल गाउँपालिकामा आधारभूत विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, क्याम्पस र सामुदायिक विद्यालय तथा निजी विद्यालय गरि जम्मा ४४ ओटा विद्यालयहरू रहेका छन्। यी विद्यालयहरू मध्ये माध्यमिक तहसम्म अध्यापन गराउने विद्यालयहरू ९ वटा, आधारभूत तहसम्म सञ्चालन भएका २८ वटा र बाल विकास केन्द्र सञ्चालन भएका ४ वटा विद्यालयहरू रहेका छन् भने कालीका मा वि मा स्नाकोत्तर सम्म सञ्चालन भएको छ। यसै गरी संस्थागत विद्यालयहरू ३ वटा रहेका छन्। सामुदायिक विद्यालयहरूमा शैक्षिक गुणस्तर सुधार गर्नका लागि अभिभावकहरू सचेत हुन पर्ने अवस्था देखिएको छ।

समस्यातथाचुनौती

दुर्बल पक्ष:प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- विद्यालय क्षेत्रका शैक्षिक समस्याहरूको समयमै सम्बोधन नगर्ने हो भने राष्ट्रलाई आवश्यक सक्षम, दक्ष र कर्मठ नागरिक उत्पादन हुन नसक्ने।
- विद्यालयहरूमा विद्यार्थीको अनुपातमा शिक्षक दरबन्दी मिलान नगरिएको
- विद्यालय तथा विद्यार्थीहरू माझ स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना कमी भएको
- विपन्न समुदायका बालबालिकाको शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मापहुँच नभएको।
- समग्र शैक्षिक समस्याहरू सम्बोधन गरी शैक्षिक संस्थाहरूलाई सुविधा सम्पन्न बनाउन बजेटको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- चुस्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई नियमित तालिम प्रदान गर्नुपर्ने।
- बालमैत्री तथा विद्यार्थी मैत्री शिक्षण सिकाइ तथा अन्य नवीनतम शिक्षण पद्धतिको विकास गर्नुपर्ने।
- अन्तराष्ट्रस्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने शैक्षिक गुणस्तर कायम गर्नुपर्ने।
- हरेक विद्यालयलाई सूचना प्रविधि युक्त तथा गुणस्तरीय बनाउनु पर्ने।
- प्राविधिक तथा सिपमूलक शिक्षाको बढोत्तरी गरिनुपर्ने।
- शैक्षिक ऋण तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनुपर्ने।
- विद्यार्थी संख्याको आधारमा शिक्षक दरबन्दी व्यवस्थापन गर्नुपर्ने।
- अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमको व्यवस्था गर्नुपर्ने।

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सुविधा तथा पूर्वाधार युक्त विद्यालय भवनको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
- प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालन गर्न लगानीको वातावरण बनाउनुपर्ने ।
- दक्ष शिक्षकहरूको आवश्यकता अनुरूप आपूर्ति गर्नुपर्ने ।
- जीर्ण भवनहरूलाई स्तरोन्नति गरी सुरक्षित वातावरणमा पठनपाठन गराउनुपर्ने ।
- सामुदायिक विद्यालयमा अंग्रेजीभाषाको माध्यमबाट पनि पठनपाठन गर्न प्रोत्साहन गर्नुपर्ने ।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले सामुदायिक विद्यालयबाट अध्ययन गरी MBBS अध्ययन गर्न चाहने सर्वोत्कृष्ट अंक ल्याएमा एक छात्र तथा छात्राको लागि मापण्ड बनाई सहयोग छात्रवृद्धि स्वरूप केहि रकम प्रदान गरिने नीति लिएको ।
- प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षामा जोड दिदै गाउँपालिका भित्र संचालनमा रहेका तथा संचालनको प्रक्यामा रहेका प्राविधिक धार तर्फका सामुदायिक विद्यालयहरूलाई विद्यालयको तत्कालिन आवश्यकताको पहिचान गरी आवश्यक सहयोग प्रान गरिने नीति अवलम्बन गरेको ।
- गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्र भित्रका विद्यालयहरूबाट माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण गर्ने उत्कृष्ट दलित छात्र छात्रालाई प्राथमिकता दिदै SEE मा उत्कृष्ट अंक ल्याउने विद्यालयहरूलाई सम्मान गरिने नीति अगाडि सारेको ।
- गाउँपालिकामा बहु प्राविधिक धारका शिक्षालयहरू स्थापना गर्न सकिने
- निजीक्षेत्रको सहयोग लिई शिक्षामा लगानी तथा स्तर वृद्धि गर्न सकिने
- माध्यमिक तहमा कम्प्युटर शिक्षा तथा गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति उत्पादन गर्न तद्अनुरूपका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न विद्यालयहरूलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।
- सम्पूर्ण विद्यालयहरूमा आवश्यक मात्रामा शैक्षिक सामग्रीहरूको थप व्यवस्था, पुस्तकालय तथा विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था गरी व्यवहारिक शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- शिक्षकहरूलाई तालिम दिई गुणस्तरीय य शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- दक्ष शिक्षक, गुणस्तरीय य शिक्षादिन सक्ने, कृषि, विज्ञान तथा अन्य प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालनमा ल्याउन सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धी मानव स्रोतको निर्माण

लक्ष्य

- निरक्षरता शून्यमा भारी आधारभूत देखि उच्च तह सम्मको गुणस्तरीय य शिक्षा गाउँपालिकाभित्र उपलब्ध गराउने

उद्देश्यहरू

- ✓ न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास गरी आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित
- ✓ निरक्षरता शुन्यमा झार्नु
- ✓ व्यावहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु
- ✓ राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय य शिक्षा प्रदान गर्नु
- ✓ विज्ञान तथा प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।

उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास माफत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ न्यूनतम भौतिक पूर्वाधारहरूलाई प्राथमिकताको आधारमा निर्माण गर्दै लैजाने | गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका सामुदायिक विद्यालयहरूको निरिक्षण गरी त्यहाँ रहेका भौतिक पूर्वाधारहरू जस्तै भवन, कक्षा कोठा, शौचालय, पुस्तकालय, पिउने पानी, डेस्क, बेन्च, शिक्षक दरवन्दी, विज्ञान प्रयोगशाला लगायतको अवस्थाबारे वस्तुगत विवरण संकलन गरिने छ । |
| | विद्यालय भवन, कक्षाकोठा र शौचालयको भौतिक निर्माण तथा जीर्णोद्धार गर्न रकम विनियोजन गरिने छ । |
| | विद्यालयहरूलाई तहगत स्तरोन्नति गर्ने । |
| | विद्यालयलाई आवश्यक खेलमैदानको उचित प्रबन्ध गरिने छ । |
| | विद्युत तथा सौर्य उर्जाको प्रबन्ध गरिने छ । |
| | भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिकालाई विद्यालयको पहुँचसम्म पुऱ्याउन छात्रावासको निर्माण तथा व्यवस्थापन गरिनेछ । |
| | पढ्दै कमाउदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.वि.मा परिक्षणका रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ |
| | सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई डिजिटल पूर्वाधारयुक्त बनाइनेछ |
| | कृषि, ९कअष्भलअभ, त्भअजलययिनथ, भ्लनप्लभभचप्लन ब्लम :वतजभभवतष्अक भमगअवतप्यल लागि स्टेम प्रयोगशाला विस्तार गर्नुका साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापना कार्य अगाडी बढाइनेछ |
| प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण गर्न आवश्यक श्रोत साधन र पारविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ । | |
| १.२ अत्यावश्यक शैक्षिक जन शक्तिको व्यवस्थापन गर्ने | विद्यार्थी संख्या तथा शिक्षक संख्याको आधारमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात हेरी सोको विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार पारिने छ । |
| | विद्यार्थी अनुपातमा शिक्षक दरवन्दी कम भएका विद्यालयमा दरवन्दी व्यवस्था गरिने छ । |
| | विद्यार्थी संख्या अति न्यून भएका विद्यालयहरूको गाभ्ने प्रक्रियाकालागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ । |
| | कक्षाको आवश्यकता र पाठ्यक्रमको माग अनुरूप शिक्षकहरूलाई आफ्नो विषयमा दक्ष तुल्याउन नियमित विषयगत तालिमको प्रबन्ध गरिने छ । |
| | शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा अन्तर्राष्ट्रिय अध्ययन भ्रमण उपलब्ध गराइनेछ |

उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| | शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाइथलोका रुपमा विकास गरिनेछ। |
| | युवा स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ। |
| १.३ सबैका लागि आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गर्न स्थानीय नीति तथा कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने | पूर्व प्राथमिक अथवा बाल विकास, आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, खुल्ला तथा वैकल्पिक शिक्षा, निरन्तर शिक्षा साथै विशेष शिक्षा सम्बन्धी कानून र मापदण्ड निर्माण गरी लागू गरिने छ । |
| | गुणस्तरीय य शिक्षा विकासको लागि गुरुयोजना निर्माण गरी लागू गरिने छ । |
| | अति विपन्न समुदायका विद्यालय जाने बालबालिकाको तथ्याङ्क तयार पारिने छ । |
| | विद्यालय जाने उमेरका विद्यालय जानबाट वञ्चित बालबालिकालाई विद्यालय पुऱ्याउन नसक्नुका कारणहरूको अध्ययन गरी तीनको निराकरण गरिने छ । |
| | विद्यार्थीहरूलाई विद्यालय अनिवार्य पठाउन अभिप्रेरित गर्ने विशेष अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमलाई अभियानको रुपमा सञ्चालन गरिने छ । |
| १.४ पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्था | विद्यार्थी भर्ना दर बढाउन दिवा खाजाको प्रबन्ध गरिने छ । बालबालिकालाई आवश्यक सन्तुलित भोजनका बारेमा अभिभावक र स्वयं बालबालिकाहरूलाई सूचित गर्न विद्यालय स्तरीय पोषण शिक्षा अभियान सञ्चालन गरिने छ । |
| | स्यानिटरी प्याड तथा किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्रीको प्रबन्ध गरिने छ । |
| | एक विद्यालय एक नर्सको व्यवस्थालाई विस्तार गरिने छ । |

उद्देश्य २ : निरक्षरता शून्यमा भार्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| २.१ अति विपन्न, आदिवासि,सिमान्तकृत, दलित तथा अपाङ्ग र जानबाट वञ्चित विद्यार्थी तथा बयस्क केन्द्रित शैक्षिक अभियान सञ्चालन गर्ने | अति विपन्न र विद्यालय जानबाट वञ्चित सम्पूर्ण बालबालिकालाई अनिवार्य रुपमा विद्यालय पुऱ्याउन विशेष छात्रवृत्ति कोषको व्यवस्था गरिने छ । |
| | हरेक वडामा निरक्षरहरूको विवरण तयार पारिने छ । |
| | प्रत्येक वडामा निरक्षर केन्द्रित अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा कक्षलाई अभियानको रुपमा सञ्चालन गरिने छ । |
| | अनौपचारिक प्रौढ शिक्षाको उपलब्धि मापन गर्न कक्षा समापन पश्चात वार्षिक सर्वेक्षण गरिने छ । |
| | फरक शारिरिक अवस्था रहेकालाई विशेष कक्षा संचालन गरिने छ । |
| | स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत तथा वडास्तरमा शिक्षाको महत्वका विषयमा निरक्षर केन्द्रित जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभियानको रुपमा सञ्चालन गरिने छ । |
| | वडा स्तरीय एक सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको स्थापना गरिने छ । |

उद्देश्य ३ : व्यवहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| ३.१ प्राविधिक र व्यवहारिक शिक्षा केन्द्रित शिक्षालय तथा पाठ्यक्रमको निर्माण गरी लागू गर्ने | मा.वि. सञ्चालनमा रहेका विद्यालयमा एक वडा एक प्राविधिक विषय सञ्चालन गर्न आवश्यक शैक्षिक पूर्वाधारका लागि सङ्घीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा रकम विनियोजन गरिने छ । |
| | ऋत्भू को सम्बन्धनमा गाउँपालिका स्तरीय एक बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ । |
| | हरेक विद्यालयमा क्षत्र ल्यावको व्यवस्था गरी विद्यार्थीलाई प्राविधिक शिक्षाको पहुँचसम्म पुऱ्याइने छ । |
| ३.२ नैतिक मूल्यमा आधारित जीवनोपयोगी शिक्षाका लागि हरेक तहमा पाठ्यक्रम अनिवार्य गरी लागू गर्ने | हरेक तह साथै अनौपचारिक क्षेत्रको शिक्षामा नैतिकता, अनुशासन र जीवन सीप (ीषभ कर्षीक) विकास गर्न पाठ्यक्रम तयार गरी लागू गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइने छ । |
| | हरेक तहको शिक्षामा, आध्यात्मिक तथा आत्मिक विकास, सेवाभाव, मानवता, ध्यान, योग र स्वयंसेवा प्रवर्द्धन गर्ने पाठ्यक्रम तयार गरी अनिवार्य लागू गर्न त्यस्ता विषय शिक्षकहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |

उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय य शिक्षा प्रदान गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| ४.१ नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिहरूको व्यवहारिक प्रयोग गर्ने | हरेक विद्यालयमा नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिको प्रयोगका बारेमा नियमित शिक्षक अभिमुखीकरण तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | निर्धारित पाठ्यक्रमको उद्देश्य अनुरूप सिकाइ उपलब्धि मापन गर्न प्रत्येक विद्यार्थीको एक्क (व्यक्तिगत सूचना प्रणाली) निर्माण गरिने छ । |
| | शिक्षण सिकाई मापन गर्न प्रमाणिक तथा वैज्ञानिक ग्रेडिड प्रणालीको प्रयोग गरिने छ । |
| ४.२ स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण गरी लागू गर्ने | राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक शिक्षा नीति, ऐन र नियमको परिधिमा रही स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइने छ । |
| | विज्ञान प्रविधि, गणित, अंग्रेजी जस्ता विषयमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने विद्यार्थी तयार पार्न सूचना प्रविधिको प्रयोग मार्फत विद्यार्थीहरूलाई तहगत हिसाबले सू-सूचित बनाउन विद्यालयमा इन्टरनेटको अनिवार्य व्यवस्था मिलाइने छ । |
| | हरेक विद्यालयमा अध्यापनरत शिक्षकहरूका लागि आफूले पढाउने विषयमा अधिकतम ज्ञान हासिल गरी व्यक्तिगत क्षमता विकास गर्नका लागि विषय सम्बन्धित पुस्तक तथा सामग्रीहरू भएको त्भवअजभचक च्भाभचभलअभ िपुदचवचथस्थापना गरिनेछ । |
| | विद्यार्थीको व्यक्तिगत रुचि र भुकावको पहिचान गरी हरेक विद्यालयमा नियमित |

उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय य शिक्षा प्रदान गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| | अतिरिक्त कृयाकलाप अन्तर्गत गायन, वाद्यवादन, नृत्य, अभिनय, खेलकुद, चित्रकला, वतृत्वकला जस्ता कृयाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षकको प्रबन्ध गरिने छ । |
| ४.३ विद्यार्थीहरूको ज्ञानको क्षितिज वृद्धिहुने कृयाकलाप नियमित गर्ने | <p>विद्यार्थीहरूलाई वार्षिक पात्रोको विकास गरी नियमित रूपमा शैक्षिक भ्रमण गराइने छ ।</p> <p>विद्यार्थीहरूलाई सामाजिक, जीवनोपयोगी र व्यवहारिक ज्ञान दिलाउन नियमित स्थलगत अध्ययन र परियोजना कार्यमा संलग्न गराइने छ ।</p> <p>विद्यालय शैक्षिक पात्रोमा प्रबन्ध गरी नियमित रूपमा विज्ञान, प्रविधि, कला, खेलकुद, पेशा व्यवसाय आदिमा सफल व्यक्तित्वहरूसँग विद्यार्थीहरूलाई साक्षात्कार गराइने छ ।</p> <p>विद्यालयमै ज्ञान, विज्ञान, सफलता, साहस र जितका कथाहरू समेट्ने वृत्तचित्र तथा चलचित्रहरूको नियमित प्रदर्शन गराउने व्यवस्था मिलाइने छ ।</p> <p>विद्यार्थीहरूलाई ज्ञान सिप सम्बन्धी क्षेत्रीय, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा भागलिन पूर्व तयारी गरिने छ ।</p> <p>गाउँपालिका स्तरीय एक बहुक्षेत्रिय सिप विकास तथा व्यवसायीक तालिम केन्द्रको स्थापना गरिने छ ।</p> |
| ४.४ पाठ्य सामाग्रीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने | <p>नियमित पठनपाठनका लागि आवश्यक पुस्तकालय र पाठ्य पुस्तकहरूको समयमै प्रबन्ध गर्न गाउँपालिका स्तरीय एक संयन्त्रको निर्माण गरिने छ ।</p> <p>हरेक विद्यालयमा पुस्तकालय व्यवस्थापन गर्न पुस्तकालय निर्माण गरिने छ ।</p> <p>हरेक विद्यालयमा एक कम्प्युटर प्रयोगशाला निर्माण गरिने छ ।</p> <p>हरेक माध्यमिक विद्यालयमा भएका विज्ञान प्रयोगशालाको स्तरोन्ती गर्दै नभएकामा एक विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण गरिने छ ।</p> |
| ४.५ नियमित अनुगमन तथा निरिक्षण गरी शैक्षिक कृयाकलापहरूलाई समय सापेक्ष सुधार गर्ने | <p>विद्यालयमा शिक्षकहरू नियमित उपस्थित भएको हाजिरी साथै सुनिश्चित गर्न वडा अध्यक्ष र प्रधानाध्यापकहरूसँग हरेक महिनामा अन्तरक्रिया गरी सूचना लिइने छ ।</p> <p>विद्यार्थीको नियमित उपस्थितिका लागि कक्षा शिक्षकलाई जिम्मेवार बनाई हरेक चौमासिक परीक्षाको परीषाफल प्रकाशन पश्चात अभिभावक अन्तरक्रियालाई अनिवार्य गरिने छ ।</p> <p>शिक्षण सिकाइमा उत्कृष्ट विद्यालयलाई हरेक वर्ष पुरस्कृत गर्न एक कोषको निर्माण गरिने छ ।</p> <p>उत्कृष्ट निजी विद्यालय व्यवस्थापनका अनुभव साट्न वर्षमा एक पटक सामाजिक दायित्व अन्तर्गत निजी तथा सामुदायिक विद्यालयहरू बीच अन्तरक्रिया आयोजना गरिने छ ।</p> <p>हरेक कक्षामा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने छात्र/छात्रा विद्यार्थीलाई पुरस्कृत गरिने छ ।</p> <p>हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षकलाई पुरस्कार कोषको व्यवस्था गरिने छ ।</p> |

उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय य शिक्षा प्रदान गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|---|
| | उच्च शिक्षामा जान चाहने विशेष जेहेन्दार विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा शैक्षिक ऋण प्रदान गर्न “जेहेन्दार विद्यार्थी उच्चशिक्षा कोष”निर्माण गरिने छ । |
| | हरेक विद्यालयमा शिक्षकहरूलाई क्रमशः (E) हाजिरीको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | विभिन्न किसिमका महामारी जस्तै कोरोना जस्ता माहामारीका समयमा वैकल्पिक विधिबाट अध्यापन गराउन आवश्यक भौतिक पुर्वाधारको प्रबन्ध, विद्यार्थीको सर्वेक्षण सहित कार्ययोजना निर्माण गरी लागु गरिनेछ । |
| | Early Childhood Development तथा शिशु कक्षामा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई आवश्यक विषेश तालिम प्याकेज सञ्चालन गरिनेछ । |
| | प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समिती अध्यक्ष लक्षित शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरिय एक वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक शैक्षिक पात्रोको निर्माण गरी लागु गरिनेछ । |
| | अनुसन्धानात्मक क्रियाकलापमा विद्यार्थीहरूलाई संलग्न गराउन परियोजना कार्यलाई पाठ्यक्रममा समावेश गरी पूरक क्रियाकलापका रूपमा अनिवार्य गरिनेछ । |

उद्देश्य ५: विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| ५.१ विज्ञान र प्रविधिमा रुचि भएका विद्यार्थी बालबालिका तथा युवाहरूको पहिचान तथा प्रोत्साहन गर्ने । | हरेक माध्यमिक विद्यालयमा अध्यापनरत विज्ञान शिक्षकको सहयोग र समन्वयमा विज्ञानमा विशेष रुची भएका विद्यार्थीहरू पहिचान गरी विवरण संकलन गरिने छ । |
| | त्यस्ता विद्यार्थीहरू सम्मिलित गरी वर्षमा एक पटक एक गाउँपालिका स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना गरिने छ । |
| | विज्ञान प्रदर्शनीमा संलग्न विद्यार्थीहरूलाई वर्षमा एक पटक राष्ट्रिय स्तरका वैज्ञानिक वा विज्ञानका उच्च शिक्षा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूबाट प्रशिक्षण सञ्चालन गरिने छ । |
| | कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिमा गाउँपालिकामा भित्रिएको कुनै पनि नविन प्रविधिबारे विद्यार्थीहरूलाई जानकारी गराउन स्थलगत भ्रमण गराइने छ । |
| | यस गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय वा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा विज्ञान र प्रविधिका क्षेत्रमा काम गर्ने व्यक्तित्वहरूसँग विभिन्न उपयुक्त अवसर पारेर साक्षात्कार गराइने छ । |
| | औपचारिक शिक्षाको परिधि भन्दा बाहिर रहेका तर विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| | विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धी विषयहरूमा विद्यार्थी भर्नादर बृद्धि गर्न विशेष अभिमुखिकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ । |

शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|--------------|------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | सम्पूर्ण सामुदायिक विद्यालयहरूको वस्तुगत विवरण तयारी | २५ | ० | ० | ० | ० | |
| | विद्यालय भवन निर्माण तथा स्तरोन्नत | ५०००० | ५५००० | ६०५०० | ६६५५० | ७३२०५ | |
| | विद्यालयमा अपाङ्गमैत्रि, छात्रा अनुकूल सफा शौचालय निर्माण | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | विद्यालयहरूलाई तहगत स्तरोन्नति | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | एक विद्यालय एक खेलमैदान निर्माण तथा व्यवस्थापन | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | विद्युत जडान वा सौर्य उर्जाको प्रबन्ध | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिका लागि छात्रावासको निर्माण | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | पढ्दै कमाउँदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.वि. मा परिक्षण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई डिजिटल पूर्वाधार | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | स्टेम प्रयोगशाला विस्तार साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापना | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | शिक्षक विद्यार्थी अनुपात अध्ययन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | नपुग शिक्षक दरबन्दी पूर्ति | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | विद्यालय गाभन सम्भाव्यता अध्ययन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | विषय शिक्षक तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा अन्तराष्ट्रिय अध्ययन भ्रमण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाइ थलोका रूपमा विकास | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | युवा स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | शिक्षा नीति, मापदण्ड तथा कानून निर्माण | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | शिक्षा गुरुयोजना निर्माण | ० | २०० | ० | ० | ० | |
| | अतिविपन्न, सीमान्तकृत, तथा विद्यालय जानबाट वञ्चित बालबालिकाको विवरण संकलन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विद्यालय जाने बालबालिका नजानुका वस्तुगत कारणको अध्ययन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | अभिभावक अभिमुखीकरण तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | पोषणयुक्त दिवा खाजा सञ्चालन | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्री | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | “एक विद्यालय एक नर्स” कार्यक्रमलाई विस्तार | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| २. | अतिविपन्न र सीमान्तकृत बालबालिका छात्रवृत्ति कोष स्थापना | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | निरक्षरको विस्तृत विवरण संकलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा सञ्चालन (प्रत्येक वडामा) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा उपलब्धि मापन सर्वेक्षण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | फरक शारिरिक अवस्था भएका बालबालिकाहरूलाई विशेष कक्षा संचालन | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | निरक्षर केन्द्रित शिक्षा सञ्चार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम (स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट) | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | एक वडा एक सामुदायिक सिकाइ केन्द्र स्थापना | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| ३. | “एक वडा एक प्राविधिक विषय”पूर्वाधार विकास कोष | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बहु प्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | हरेक विद्यालयमा ICT ल्यावको व्यवस्था | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | हरेक तहको पाठ्यक्रममा नैतिक, जीवनोपयोगी सामाग्री तय गर्न परामर्श सेवा | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | नैतिकता, जीवनोपयोगी शीप, आत्मिक विकास, योग साधना अध्यापन गर्ने शिक्षक व्यवस्थापन | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| ४. | नविनतम शिक्षण सिकाई तालिम सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विद्यार्थी व्यक्तिगत सूचना प्रणाली निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | शिक्षण सिकाई उपलब्धि मापन ग्रेडीङ्ग प्रणाली निर्माण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | स्थानीय माग अनुसारको पाठ्यक्रम निर्माणका लागि परामर्श सेवा | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | इन्टरनेटको व्यवस्था मिलाउने | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | Teachers Reference Library स्थापना | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | अतिरिक्त कृयाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षक दरबन्दी | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण व्यवस्थापन खर्च | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सफल व्यक्तित्व साक्षात्कार कार्यक्रम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वृत्तचित्र तथा चलचित्र प्रदर्शनी व्यवस्थापन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विभिन्न राष्ट्रिय, क्षेत्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिता पूर्व तयारी | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बहु क्षेत्रिय सिप विकास तथा व्यावसायिक तालिम केन्द्र संचालन | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | पाठ्यपुस्तक तथा शैक्षिक सामग्री आपूर्ति संयन्त्र निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सामुदायिक विद्यालयको पुस्तकालयमा पुस्तकहरूको संकलन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | एक विद्यालय एक कम्प्युटर प्रयोगशाला | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | माध्यमिक स्तरको विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | इ. हाजिरी व्यवस्थापन तथा विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष र प्रधानाध्यापक अन्तरक्रियालाई निरन्तरता | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | शिक्षक अभिभावक अन्तरक्रिया कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार कोष | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | निजी सामुदायिक विद्यालय अन्तरक्रिया कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | जेहेन्दार छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति कोष निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार कोष स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जेहेन्दार विद्यार्थी उच्च अध्ययन कोष निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | शिक्षकहरूलाई विद्युतीय हाजिरी प्रबन्ध | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | महामारी विशेष वैकल्पिक शिक्षा पुर्वाधार निर्माण | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | ECD विशेष शिक्षक शिक्षिका तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | प्रधानाध्यापक शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गाउँपालिका स्तरिय शैक्षिकपात्रो निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | अनुसन्धानात्मक परियोजना कार्य विशेष पाठ्यक्रम निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| ५. | हरेक विद्यालयबाट विज्ञानमा विशेष रुची र क्षमता भएका विद्यार्थी पहिचान | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | |
| | गाउँपालिका स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विशेष विज्ञानमा अभिरुची र क्षमता भएका विद्यार्थीलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गाउँपालिकामा भित्रिएका नविनतम प्रविधिहरूको स्थलगत अवलोकन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | विज्ञान र प्रविधि सम्बन्ध वैज्ञानिकहरूसँग साक्षात्कार कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | औपचारिक शिक्षा भन्दाबाहिर रहि विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | विज्ञान तथा प्रविधिको विषयहरूमा विद्यार्थी भर्ना बृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | | ६३०५० | ६९४६२ | ७६१८८ | ८३८०६ | ९२१८७ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ निरक्षरता शून्यमा भनेछ ।
- ✓ आधारभूत शैक्षिक पूर्वाधारको प्रबन्धहुने छ ।
- ✓ आधारभूत शिक्षा सबैका लागि अनिवार्य हुने छ ।
- ✓ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चितहुने छ ।
- ✓ राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय य शिक्षा उपलब्ध हुने छ ।
- ✓ नैतिकता, राष्ट्रप्रेम र मानवमूल्यमा आधारित शिक्षाको विकास हुने छ ।
- ✓ विज्ञान र प्रविधिमा युवाहरूको आकर्षण बढ्ने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|---------------------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | शिक्षा विज्ञान तथाप्रविधि | | | | |
| | असर | शिक्षाको क्षेत्रमा छुट्याइएको कूल बजेटको (१.क.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | प्राथमिक तहमा खुद भर्नादर (४.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | प्राथमिक तह पुरा गर्ने दर (४.१.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कक्षा १ मा भर्ना भएका विद्यार्थीमध्ये कक्षा ८ सम्म पुग्ने विद्यार्थी (४.१.१.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा ८ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.४) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा १२ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.५) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | माध्यमिक शिक्षाको कुल भर्नादर (९ देखि १२) (४.१.१.७) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | पूर्व प्राथमिक शिक्षाको लागि बाल अनुदान पाएको (संख्या) (४.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | पूर्व वाल्यकाल शिक्षामा उपस्थिति (प्रतिशत) हाजिरी (४.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी प्रतिशत (कुल विद्यार्थीमा) (४.३.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (प्राथमिक) (४.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (माध्यामिक) (४.५.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको साक्षरता दर (४.६.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको महिला साक्षरता दर (४.६.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | प्रति विद्यार्थी हुने सार्वजनिक खर्च (हजारमा) (४.६.१.५) (प.दि.वि.ल.) | हजारमा | | |
| | असर | विद्युतमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | I.C.T. ल्याब तथा इन्टरनेटमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | WASH सुविधा भएका आधारभूत विद्यालयहरू (४.क.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | अपाङ्गमैत्री विद्यालयहरू (४.क.४) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| | असर | न्यूनतम रुपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका आधारभूत शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | न्यूनतम रुपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिमप्राप्त गरेका माध्यामिक शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कूल भर्नामा विज्ञान र प्रविधि विषय भर्ना (९.५.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | पूर्ण कालिन अनुसन्धानकर्ता (९.५.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | कूल बजेटमा अनुसन्धानात्मक क्रियाकलाप खर्च भएको रकम (९.५.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | समग्र साक्षरता प्रतिशत | प्रतिशत | ७१.४ | |
| | असर | साक्षरता प्रतिशत (पुरुष) | प्रतिशत | ७८.८ | |
| | असर | साक्षरता प्रतिशत (महिला) | प्रतिशत | ६४.३ | |
| | असर | स्थानीय पाठ्यक्रम लागू भएका विद्यालय | संख्या | | |
| | असर | फरक शारिरीक क्षमता भएका विद्यार्थी शैक्षिक सहायता | संख्या | | |
| | असर | दिवा खाजा कार्यक्रमबाट लाभान्वित बालबालिका | प्रतिशत | | |
| | असर | न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार सम्पन्न विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | उच्च शिक्षा अध्यापन हुने कलेज | संख्या | १ | |
| | प्रतिफल | प्राविधिक शिक्षा सञ्चालन हुने विद्यालय | संख्या | १ | |
| | असर | आधारभूत शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | स्नातक तह उत्तीर्ण जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | स्नातकोत्तर उत्तीर्ण जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | विद्यावारिधि उत्तीर्ण जनसंख्या | संख्या | | |
| | असर | प्राविधिक वा व्यावसायिक तालिम प्राप्त युवा संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | विज्ञान प्रयोगशाला सुविधा भएका विद्यालय | प्रतिशत | ९० | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| | असर | सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय भएका विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | असर | बुक कर्नर सुविधा भएका विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | असर | सुविधायुक्त खेलमैदान भएका विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | असर | छात्राको लागि व्यवस्थित शौचालय भएका विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | असर | स्वास्थ्यकर्मीको सुविधा भएका विद्यालय | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | अनौपचारिक प्रौढ कक्षा संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | प्रौढ कक्षाबाट लाभान्वित विद्यार्थी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यवस्थित रूपमा संचालन भएका बालक्लव | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सामुदायिक सिकाई केन्द्र तथा पुस्तकालय | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको प्राविधिक शाखाबाट प्राप्त तथ्याङ्कको अनुसार ७८ प्रतिशत घरपरिवारले पाईपवाट वितरण गरिएका पानीको सुविधा पाएका छन् भने ८६ प्रतिशतले आधारभूत खानेपानी सेवाको पहुँच पुगेका छन् । बाँकीले कुवा तथा मूलवाट पानी उपभोग गरिरहेको देखिन्छ । स्वच्छ पिउने पानीको पहुँच पुगेकाहरुमा पनि हालसम्म पानीको शुद्धता परिक्षण भने हुन नसकेको अवस्था रहेको छ । पानीको शुद्धता परिक्षण कमजोर रहनुले पानीजन्य रोगहरु जस्तै टाइफाइड, भाडापखाला, आउँ जस्ता रोगहरुको संक्रमण हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ ।

सफा, सुन्दर र स्वच्छ गाउँ समाज सभ्यताको प्रमुख परिचायक हो । त्यसैगरी स्वस्थ जीवन जिउन हाम्रो वरपरको जनजीवन र सेरोफेरो सफाहुनु जरुरी छ । शहरीकरणको सघनतामा वृद्धि नभएकोले र हालसम्म ग्रामीण परिवेशमा रहेकाले यो गाउँपालिकामा बजार क्षेत्र बाहेका अन्य क्षेत्रमा फोहोरमैला उत्सर्जन कम भएको पाइन्छ । ग्रामीण भेगमा उत्सर्जन भएका कुहिने किसिमको फोहोरमैलाहरु मलको रुपमा प्रयोग गर्दै आइरहेको देखिन्छ । समग्र रुपमा फोहोर व्यवस्थापन भने मुख्य चुनौतीका रुपमा रहेको छ । तथापी गाउँपालिकामा हालसम्म ल्याण्डफिल्ड साईटको निर्माण नभएका कारण गाउँपालिकाले फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापनका लागि ल्याण्डफिल्ड साईटको खोजीकार्यलाई तिव्रतादिई फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापनकार्यलाई प्राथमिकतामा अत्यन्त जरुरी देखिन्छ । स्वच्छ पानी तथा सरसफाई मानवीय स्वास्थ्यलाई प्रभावपार्ने प्रमुख तत्वहरु भएको र दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं ६ ले खानेपानी तथा सरसफाईलाई सुनिश्चितता गर्नुका साथै नेपालको संविधानले पनि खानेपानी तथा सरसफाई सुविधालाई नागरिकको मौलिकहकको रुपमा व्याख्या गरेको हुनाले स्वस्थ नागरिक उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउन गुणस्तरीय य खानेपानी र सरसफाईको क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी भएका खानेपानी आयोजनाहरुको स्तरोन्नति गर्नुपर्ने, थप खानेपानी आयोजनाहरु निर्माण गर्नुपर्ने साथै वैज्ञानिक विधिहरुको प्रयोग गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष:प्रमुख समस्याहरु र चुनौतीहरु |
|---|
| ■ सम्पूर्ण घरपरिवारलाई सुरक्षित र स्वच्छ पिउने पानीवितरण प्रणालीमा जोड्न नसकिएको । |
| ■ पानीको उपलब्ध प्रमुख स्रोतहरुको वैज्ञानिक हिसाबले संरक्षण र व्यवस्थापन गर्न नसकिएको । |
| ■ हालसम्म पनि व्यवस्थित डम्पीड साईटको निर्माण नभएको । |
| ■ वैज्ञानिक रुपमा फोहोरमैला व्यवस्थापन हुन नसकेको । |
| ■ कच्ची सडकका कारण धुलोले गर्दा वायु प्रदूषण हुने गरेको । |
| ■ फोहोर व्यवस्थापनको ठोस योजना नबन्दा विशेषगरी बजार क्षेत्रमा दीर्घकालीन हिसाबले जटिलता सिर्जना हुन सक्ने । |
| ■ पिउने पानी तथा सरसफाईको उचित व्यवस्थापन नहुँदा विभिन्न सरुवा रोगको संक्रमण हुन सक्ने । |
| ■ पहिरोको कारणले खानेपानीकापाईपहरु समय-समयमा ठाँउ-ठाँउमा क्षति पुऱ्याउने गरेको |
| ■ विभिन्न समुदायमा सरसफाई सम्बन्धी ज्ञानको कमी |

सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष:मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|---|
| गाउँपालिकाले वडा नं. २ मा ५७ घरधुरीलाई एक घर एक धाराको लागि श्रोतहरूको खोजी गरी खानेपानीको व्यवस्था मिलाउने नीति अगाडी सारेको । |
| गाउँपालिका भित्र प्रशस्त मात्रामा पिउने पानीको स्रोतहरू भएको |
| गाउँपालिकामा पानी संरक्षण गरी दीगो रूपमा पानीको सदुपयोग गर्ने योजना कार्यान्वयन गर्न सकिने । |
| पालिका भित्र ठाडोवारी, गुन्ठावारी जस्ता बृहत खानेपानी आयोजना संचालन गर्नको लागि डि पी आर तयार भईसकेको । |
| घरघरमा पानी संकलन ट्यांकी राख्न प्रोत्साहन गरेमा दीर्घकालीन हिसाबले पिउने पानीको समस्या समाधान गर्न सकिने । |
| फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि कुहिने र नकुहिने फोहोरको वर्गीकरण गरी फोहोरमैला संकलन गर्न सकिने । |
| बजार क्षेत्रमा फोहोर व्यवस्थापन गर्न आवश्यक स्थानमा डस्टबिनहरूको व्यवस्था गर्न सकिने । |
| पानी शुद्धीकरण प्रक्रियाको चेतना मूलक कार्यक्रम र तालिम संचालन गर्न सकिने । |

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- स्वच्छ, स्वस्थ र सुन्दर गाउँपालिका निर्माणका लागि गुणस्तरीय य खानेपानी तथा सरसफाई

लक्ष्य

- गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा/बस्तीहरूमा स्वच्छ खानेपानी पुऱ्याउने तथा सरसफाइको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिका बासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु
- ✓ गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाइको सुविधा पुऱ्याउनु

उद्देश्य १: गाउँपालिका बासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१. आधारभूत खानेपानी सुविधा नपुगेका घरपरिवारमा खानेपानी सुविधा विस्तारका लागि प्राथमिकता दिने । | “एक घर एक धारा” को अवधारणा अनुसार खानेपानी सुविधान पुगेका घरहरूमा समुदायको सहभागितामा आधारभूत खानेपानी व्यवस्था गरिने छ । |
| | सम्भाव्य खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ । |
| | खानेपानी आयोजनाहरू समयमै निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समिति मार्फत सेवा सञ्चालनमा ल्याइने छ । |
| १.२. मूहान संरक्षण तथा खानेपानी | खानेपानीका मुहान, स्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिने छ । |

उद्देश्य १: गाउँपालिका बासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| सेवाको स्तरवृद्धि गर्ने । | खानेपानीका संरचनाहरूको स्तरोन्नति तथा मुहान सुधार गरी पानी प्रशोधन गरेर मात्र वितरण गरिने छ । |
| | हरेक घरपरिवारमा पाइप मार्फत खानेपानी आपूर्ती प्रणाली निर्माण गरिने छ । |
| | खानेपानीको उपभोगको मात्रा अनुसार महशुल उठाई निर्माण, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था गरिने छ । |
| १.३. खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण गर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना तयार गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका भित्रका सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहर मैला व्यवस्थापनको कार्य योजना पेश गर्न लगाई प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण गरिनेछ |
| | वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाई सरसफाइका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास गरिनेछ |

उद्देश्य २: गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाइको सुविधा पुऱ्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| २.१. हरेक घर परिवारमा आधारभूत शौचालय तथा सरसफाई सुविधाको व्यवस्था गर्ने । | प्रत्येक घरमा अनिवार्य शौचालयको प्रावधान लागू गरी शौचालय नभएका विपन्न घरपरिवारमा शौचालय निर्माणका लागि प्रोत्साहन गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ । |
| | घर घरबाट निस्कने फोहरलाई वर्गीकरण गरी कुहिने फोहरलाई कम्पोस्ट मलमा परिणत गर्न समुदायलाई विषेश तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
| २.२. सार्वजनिक स्थल तथा बजार क्षेत्रमा सरसफाइ सेवाको व्यवस्थापन गर्ने । | प्रत्येक सार्वजनिक स्थल, विद्यालय, सामुदायिक भवन, अस्पताल, बजार केन्द्र जस्ता क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था गरी समुदायलाई सञ्चालनको जिम्मेवारी दिइने छ । |
| | उल्लेखित स्थानहरूमा फोहरलाई वर्गीकरण गरी फ्याकनका लागि बास्केट तथा कण्टेनरको व्यवस्था गरिने छ । |
| | फोहर व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी ल्याण्डफिल साईटमा फोहरमैला व्यवस्थापन गरिने छ । |
| | फोहर पानीको उत्सर्जन कम गर्ने र उत्पादित फोहर पानीको |

उद्देश्य २: गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाइको सुविधा पुऱ्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| | <p>व्यवस्थापन गरी वातावरण स्वच्छ राखिने छ ।</p> <p>आँगन, गाउँघर, मुख्यबजार क्षेत्रका चोक र सडक वरपर नियमित सफाई गरिने छ ।</p> <p>बजार केन्द्रहरूमा घरबाट निस्कने फोहोर व्यवस्थापनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी व्यवस्था मिलाइने छ । सो वापत बजार क्षेत्रका घरधुरीहरूबाट सरसफाई शुल्क उठाइने छ ।</p> <p>पानीको मुहान वरपर फोहोर गर्नेलाई जरिवाना गरिने छ साथै नदीनालाको पर्यावरणीय स्वच्छता कायमगरिने छ ।</p> <p>कुहिने र नकुहिने फोहोर व्यवस्थापनका लागि एएए मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना गरिनेछ ।</p> |
| २.३. सरसफाइ सम्बन्धी जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | <p>घरघरमा निस्कने फोहोरलाई कम गर्न, फोहोरलाई वर्गिकरण गर्न, कम्पोस्ट मलबनाउन र पुर्नप्रयोग गर्न प्रेरित गर्नका लागि जनस्तरमा नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>घर, आँगन र टोल सफा राख्न प्रत्येक वडामा सरकारी, निजी, गैसस तथा सामुदायिक संस्थाहरूसँग सहकार्य गरी स्थानीय बासीको संलग्नतामा नियमित रुपमा सरसफाई अभियान सञ्चालन गरी जन चेतना फैलाईनेछ ।</p> <p>स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सरसफाई सम्बन्धी नियमित जन चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> |

खानेपानी तथा सरसफाईको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | एक घर एक धारा कार्यक्रम | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | आयोजना निर्माण ठेकेदारलाई दण्ड तथा पुरस्कारको प्रबन्ध | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समितिमार्फत सेवा सञ्चालनमा ल्याउने | ० | ० | ० | ० | ० | |
| | खानेपानी मुहान क्षेत्र पहिचान तथा विवरण संकलन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | खानेपानी आपूर्ति पाइपलाईन विस्तार | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | खानेपानी आपूर्ति व्यवस्थापन कोष तथा अनुगमन संयन्त्र निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण | ० | ० | ० | ५०० | ० | |
| | सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहर मैला व्यवस्थापनको प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | सरसफाइका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| २ | शौचालय निर्माण गर्न अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वडास्तरीय कम्पोस्ट मल उत्पादन तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम संचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी शौचालय निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी फोहर फ्याक्ने कन्टेनरको व्यवस्था | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी डम्पीड साईट निर्माण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | फोहोर संकलन र व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्न अन्तरक्रिया | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | पानीको मुहान संरक्षण तथा संरचना मर्मत | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | कुहिने र नकुहिने फोहर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | फोहोर पुनर्प्रयोग गर्न तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विभिन्न संघ संस्थासंग समन्वय गरी सामुदायिक स्तरमा प्रत्येक हप्ताको शनिबार सरसफाई कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | स्थानीय सञ्चार माध्यममा सरसफाई सम्बन्धी जन चेतनामुलक कार्यक्रम प्रसारण | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | जम्मा | २१८० | २३९८ | २६३८ | ३४०२ | ३९९२ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- गाउँपालिकाका सम्पूर्ण घरधुरीमा आधारभूत खानेपानी सुविधा भएको हुने,
- सम्पूर्ण घरधुरीमा शौचालयको व्यवस्था भएको हुने,
- सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था भएको हुने र
- सरसफाईको अवस्थामा उल्लेख्य सुधार भएको हुने छ ।

नतिजा खाका

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------------------|---|-----------|-----------|------------|
| १. | खानेपानी तथा सरसफाई | | | | |
| | असर | पाइपबाट वितरण गरिएको पानीमा पहुँचभएका परिवार (प्रतिशत) (६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ७८ | |
| | असर | आधारभूत खानेपानी सेवामा पहुँचपुगेका जनसंख्या (६.१.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ८६ | |
| | असर | प्रशोधित/सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच पुगेको जनसंख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | उन्नत सुधारिएका सरसफाई सम्बन्धी सुविधाहरू प्रयोग गर्ने परिवार जसले यस्ता सुविधाहरू अरुसँग साभेदारी गर्नुपर्दैन (६.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | आधारभूत शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात (६.२.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ९६ | |
| | असर | ढल प्रणालीहरू/उपयुक्त (Faecal Sludge Management) मा चर्पी जोडिएका परिवार (६.२.१.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | उपभोक्ता समिति मार्फत सञ्चालन गरिएका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना (६.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | संरक्षणमा समेटिएका खानेपानी मुहान | संख्या | | |
| | असर | आधुनिक र सुविधा सम्पन्न शौचालय प्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | १ | |
| | असर | प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति फोहर उत्पादन(१२.४.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिकेजी | | |
| | प्रतिफल | डस्टबिन प्रयोग गर्ने र फोहरलाई वर्गीकरण गर्ने घरपरिवार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सामुदायिक हिसाबले संगठित रूपमा नियमित गाँउघर तथा टोल सरसफाई कार्यक्रम संख्या (वार्षिक) | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जन सहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवीविपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

(अ) लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण

पृष्ठभूमि

संविधानको धारा ३८ मा महिलाहकको व्यवस्थामा प्रत्येक महिलालाई बिना भेदभाव समान लैङ्गिक वंशीयहक, सुरक्षित मातृत्व र प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धीहक र समानुपातिक समावेशी सिद्धान्तको आधारमा सहभागी हुन पाउने अधिकार सुनिश्चित गरेको छ। संविधानको धारा ३९ मा बालबालिकाको हक, धारा ४१ मा जेष्ठ नागरिकलाई राज्यबाट विशेष संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षाको हक र संविधानको धारा ४३ मा सामाजिक सुरक्षाको हक अन्तरगत आर्थिक रुपले विपन्न, अशक्त र असहाय एकल महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, बालबालिका, लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई समेटेको अवस्था छ।

नेपाली समाजको विकासक्रमलाई प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा प्रभाव पार्ने तत्वहरू मध्ये एक महत्वपूर्ण तत्वमा धर्म, संस्कार, परम्परा र सामाजिक मुल्य मान्यता आदि पर्दछन्। गाउँपालिकामा रहेको उमेर तथा लिङ्ग अनुसार जनसङ्ख्याको बोटलाई विश्लेषण गर्दा समग्रमा पुरुषको तुलनामा महिला जनसङ्ख्या ४३७ जना बढी रहेको देखिएता पनि १४ वर्ष भन्दा मुनिको जनसङ्ख्यामा महिला को तुलनामा पुरुषको सङ्ख्या ७८ जनाले कम देखिन्छ। १५ देखि ५९ वर्ष सम्मको जनसङ्ख्या मध्ये पुरुषको तुलनामा महिलाको सङ्ख्या ४१४ जनाले बढी रहेको र ६० वर्ष भन्दा माथिको जनसङ्ख्यामा महिलाहरू सङ्ख्या ७८ ले बढी रहेको छ। अपाङ्गताको आधारमा विश्लेषण गर्दा यस गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये ३ प्रतिशत अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू रहेका छन्। यसै गरी यहाँ कुल जनसङ्ख्याको ४७०४ जना जनसङ्ख्या १५ वर्षमुनिका बालबालिकाको रहेको देखिन्छ।

नेपाल सरकारले उपलब्ध गराएको सामाजिक सुरक्षा भत्ता बैकिङ्ग प्रणालीबाट वितरण गरिएको पद्धति उपयुक्त हुँदा हुँदै पनि यस गाउँपालिकाको संरचना पहाडी भूगोल भएको कारणले जेष्ठ नागरीक, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू सम्बन्धित बैकहरूमा पुग्ने पहुँच हुन नसकेको कारण स्थानीय तह, बैङ्क, सुरक्षा निकायहरूको समन्वयमा सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण कार्यक्रम सुरक्षाको हिसावले सम्बन्धित वडाहरूको सम्बन्धित स्थानहरूमा गएर वितरण गर्नु पर्ने आवश्यकता रहेको छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा सामुदायिक भेटघाट केन्द्र, दलित सञ्जाल, महिला सञ्जाल, वृद्धा आश्रम, बाल सुरक्षा तथा सुधार गृह जस्ता भवनहरूको अभाव रहेको
- गाउँपालिकामा परम्परागत रूपमा रहेको जातिय तथा लैङ्गिक विभेद पूर्ण रूपमा अन्त्यहुन नसकेको
- समाजमा महिलाको समग्र सामाजिक स्तर कमजोर रहेको।
- जातीय भेदभाव पूर्ण रूपले अन्त्य हुन नसकेको।
- सीमान्तकृत समुदाय, आदिवासी जनजातिहरूको आर्थिक र सामाजिक सबलीकरण हुन नसकेको।
- जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू अपेक्षाकृत रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेको।
- लुकिछिपी बाल विवाह गर्ने प्रचलन हालसम्म कायम रहेको।
- लैङ्गिकविभेद तथा हिंसाले समाजमा सामाजिक विग्रह ल्याउनुका साथै विकासको गतिमा नकारात्मक असर

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

पर्न सक्ने ।

- महिला पछाडि पर्दा समग्र पारिवारिक संगठन र समाज नै विकृत बन्न सक्ने ।
- सामाजिक सौहार्दता, मेलमिलाप, शान्ति र समृद्धिका लागि सामाजिक विवेकको प्रयोग गरी सामाजिक अन्तरघुलनका साथै महिला शसक्तिकरण र सीमान्तकृत वर्गको मूल प्रवाहिकरण गर्नुपर्ने ।
- व्यापक रूपमा महिला शिक्षा तथा अन्य जात जाति, अल्पसङ्ख्यक र सिमान्तकृतहरूलाई विशेष रूपमा लक्षित गरी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
- प्रसूती सेवाको व्यवस्था गर्नुको साथै प्रजनन स्वास्थ्यबारे जनचेतना फैलाउनु पर्ने ।
- घरेलु हिंसा र महिला हिंसा निर्मूल गर्नुपर्ने ।
- बाल विवाह तथा बहुविवाहलाई दण्डित गर्नुपर्ने ।
- बालमैत्री, अपाङ्ग मैत्री तथा महिला मैत्री संरचनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने ।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा सांस्कृतिक तथा धार्मिक सहिष्णुता कायम रहेको ।
- सञ्चार माध्यम र शिक्षाको सकारात्मक प्रभाव परेको ।
- कतिपय महिलाहरू राजनीति, सामाजिक कार्य लगायत विभिन्न विकासका गतिविधिहरूमा सरिक हुन थालेका ।
- प्रत्येक वडामा १ महिला सदस्य र १ दलित महिला सदस्य अनिवार्य रूपमा निर्वाचित हुने व्यवस्था गरेको हुँदा उनीहरूले सम्पूर्ण महिला, दलित, जनजातिहरूको हकहित तथा अधिकारको पक्षमा आवाज उठाएका कारण सामाजिक न्याय, समानता लगायत समाज सुधारका पक्षमा केही प्रगति भएको ।
- महिलाहरूले घरको मात्र काम नभई घर बाहिरको काम पनि गर्न सक्छन् भन्ने सन्देश दिएका ।
- अपाङ्ग पुनर्स्थापना केन्द्र, विपन्न सहायता केन्द्र, अनाथालय तथा जेष्ठ नागरिक स्याहार केन्द्र स्थापना गरी न्यायपूर्ण समाजको स्थापनामा सहयोग पुऱ्याउन सकिने ।
- शिक्षा र जनचेतनामा आएको क्रमिक सकारात्मक सुधारका कारण महिला तथा सीमान्तकृत वर्गको उत्थानमा उपयुक्त वातावरण बन्दै जाने ।
- सबै तह र तप्काका समुदायलाई सामाजिक मूल प्रवाहिकरणमा ल्याउँदा गाउँपालिकाको समग्र विकास प्रक्रियाले गति लिन सक्ने ।
- महिलाहरू राजनीतिक गतिविधिमा संलग्न हुन थालेकाले उनीहरूका आवाजहरू सम्बन्धित निकायमा पुऱ्याउन सहज भएको ।
- गाउँपालिकाले गाउँपालिका भित्रका महिला यौन दुर्व्यभार रोकथामको लागि Community Police Partnership Program संचालन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

दीर्घकालीन सोच

- सुनकोशीको सभ्यता, न्यायपूर्ण समाज र सामाजिक सौहार्दता

लक्ष्य

- सामाजिक न्यायमा आधारित सभ्य समाजको निर्माण गर्ने

उद्देश्यहरू

लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

| रणनीति | कार्य नीति |
|---|--|
| १.१ महिला जागरण केन्द्रित नीति निर्माण तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | अनिवार्य नारी शिक्षा सम्बन्धी विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण गरिने छ । |
| | छात्रामैत्री वातावरण निर्माण गर्न हरेक विद्यालयका प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समितिसँग नियमित अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिने छ । |
| | महिला अधिकार, महिला हिंसा, यौन शोषण, यौन हिंसा जस्ता विषयहरूको समुचित सम्बोधन हुनेगरी महिलालाई सचेत बनाउन हरेक वडामा रहेका महिला अधिकार कर्मी, महिला नेतृ, शिक्षिका लगायत सचेत र सक्षम महिलाको संयोजकत्वमा महिला सेल गठन गरिने छ । |
| | प्रत्येक वडामा रहेका महिला सेलहरू मार्फत हरेक महिना पुरुषहरूको समेत संलग्नतामा महिला जागरण सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | विद्यालय पाठ्यक्रम निर्धारण गर्दा छात्र तथा छात्रा दुवैलाई प्रजनन, स्वास्थ्य, यौन स्वास्थ्य लगायतका लैङ्गिक सवालहरू समेट्ने गरी निर्धारण गरिने छ र सो माध्यमिक शिक्षामा अनिवार्य लागू गरिने छ । |
| | स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूबाट लैङ्गिकता तथा महिला जागरण सम्बन्धी सामाग्री नियमित प्रसारण गरिने छ । |
| | विद्यालयमा सामाजिक शिक्षा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकालाई समेटेर लैङ्गिक हिंसा र महिला जागरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | दुई छोरीको जन्म पश्चात स्थायी बन्ध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्म निःशुल्क शिक्षा अनुदान दिईनेछ । |
| | उपाध्यक्षसंग समन्यायिक विकास कार्यक्रममार्फत समुदायमा कानुनी सचेतना कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ |
| १.२ महिला सुरक्षा र लैङ्गिक न्यायका निमित्त महिला शसक्तिकरणका कार्यक्रमहरू अभियानको रूपमा | गाउँपालिकामा स्थापना भई कार्य गरिरहेका सबै प्रकारका महिला समूह, आमा समूह, किशोरी समूह लगायतका समूहलाई लक्षित गरी वार्षिक पात्रोका आधारमा नियमित आयआर्जन तालिम, सिप तथा |

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

| रणनीति | कार्य नीति |
|--|--|
| सञ्चालन गर्ने | उद्यमशीलता विकास तथा नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गाउँपालिकाभर रहेका महिला उद्यमीहरूको अभिलेख तयार गरिने छ । |
| | महिला उद्यमीहरूलाई गाउँपालिका बाहिरका सफल महिला उद्यमीहरूसँग वर्षमा एक पटक साक्षात्कार गराइने छ । |
| | मापदण्डका आधारमा महिला उद्यमीहरूलाई उनीहरूको नाममा दर्ता भई सञ्चालन हुने साना तथा घरेलु उद्योगका लागि व्याजमा अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने महिलाहरूको अभिलेख तयार पारी निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन गरिने छ । |
| | स्थानीय न्यायिक समितिलाई नियमित तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | महिलाका नाममा रहेको अचल सम्पत्ति सम्बन्धी वस्तुगत विवरण संकलन गरिने छ र त्यसमा वृद्धि गर्न ऐन कानूनमा सहूलियतको प्रबन्ध गरिने छ । |
| | “एकल महिला आत्मनिर्भर कार्यक्रम” सञ्चालन गर्न व्याज अनुदान कोष निर्माण गरिने छ । |
| | महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी तथा कानुनी सेवाका लागि वडास्तरीय महिला सेल गठन गरी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक महिला सूरक्षा गृहको निर्माण गरिने छ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय एक महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना गरिने छ । |
| | गाउँपालिकामा उच्च शिक्षामा छात्राको उपस्थिति वृद्धि गर्न बालिका विमा कार्यक्रम लागु गरिने छ । |
| | सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरूको अध्ययन गरी न्यायिक समितिको पहलमा न्यूनिकरण गर्न परामर्श सेवा सञ्चालन गरिनेछ । |
| जेष्ठ नागरिक, हिंसापिडित महिलालाई उद्धार र संरक्षण गर्न लैङ्गिक हिंसा राहत कोष स्थापना गरिनेछ । | |
| १.३ जेष्ठ नागरिकको सामाजिक सूरक्षा र आत्म सम्मान कायम हुने कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइ सञ्चालन गर्ने | संविधान र नेपाल सरकारले घोषणा गरेका जेष्ठ नागरिक सामाजिक सूरक्षा अन्तर्गतका सबै कार्यक्रम चुस्त दुरुस्त रुपमा प्रभावकारी बनाउन गाउँपालिका भित्र जेष्ठ नागरिक प्रतिकार्य इकाइ सञ्चालन गरिने छ । |
| | वडास्तरीय जेष्ठ नागरिक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिने छ । |
| | एक वडा एक जेष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण गरिने छ । |
| | प्रत्येक वडामा जेष्ठ नागरिक लक्षित योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन गरिने छ । |

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

| रणनीति | कार्य नीति |
|---|--|
| | स्थानीय सञ्चार माध्यमसँगको सहकार्यमा जेष्ठ नागरिकहरूका जीवन अनुभव साट्न र सुन्न “जेष्ठ नागरिक आवाज” कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | वर्षमा १ पटक आन्तरिक पर्यटन प्रवर्द्धन तथा जेष्ठ नागरिक सम्मान स्वरूप निश्चित मापदण्डका आधारमा जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन कार्यक्रम सञ्चालन गर्न परिवहन अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | वडास्तरमा आफ्ना रिती थिति, संस्कार, धर्म सम्प्रदाय अनुरूपका भजन किर्तन, गायन, बाद्यवाधन कार्यक्रम संचालन गर्न जेष्ठ नागरिक किर्तन मण्डली गठन गरी बाद्यवाधन यन्त्रमा मापदण्ड बनाई अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | ८० वर्ष नाघेका जेष्ठ नागरिकहरूलाई सु-आहारा कार्यक्रम सञ्चालन गरी पोषिलो आहारा वितरण गर्ने प्रवन्ध गरिने छ । |
| | जेष्ठ नागरिकको सम्पूर्ण स्वास्थ्य उपचार सुनिश्चित गर्न अतिविपन्न परिवारको स्वास्थ्य विमामा अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | असहाय बुबाआमा र टुहुरा बालबालिका संरक्षणका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.४ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको कठिनाई न्यूनिकरण गर्ने कार्यक्रमहरू संचालन गरी उनीहरूको आत्मबल बढाउने र आत्मसम्मान जगाउने । | गाउँपालिकाभर रहेका सम्पूर्ण अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन गरिने छ । |
| | अपाङ्गता परिचयपत्र लिन बाँकिभएमा अपाङ्गताको प्रकार अनुसार परिचयपत्र वितरण गरिने छ । |
| | अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाको विवरण तयार पारी उनीहरूको शिक्षा आर्जनमा भएका कठिनाई सम्बोधन गर्न विशेष अध्ययन पश्चात कार्य योजना निर्माण गरिने छ । |
| | ट्वीलचियर आवश्यक अपाङ्गहरूको लगत संकलन गरी त्यसमा अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | विशेष क्षमता भएका अपाङ्गहरूको वृत्ति विकास कार्यक्रम अन्तर्गत कलाकारिता सिप विकास तथा आयआर्जन तालिम नियमित सञ्चालन गरिने छ । |
| | पूर्ण अपाङ्गताभई जीवन निर्वाह गर्न पूर्ण असक्तहरूको विवरण संकलन गरी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम संचालन गरिने छ । |
| | जटिल प्रकारको अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूले जीवन निर्वाह व्यवसाय गर्न चाहेमा रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा अब बन्ने सबैखाले सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरू अपाङ्गमैत्री बनाउन निर्माण मापदण्ड र कार्यविधि परिमार्जन गरिने छ । |
| | अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको समस्या कठिनाई र आवाजहरू उजागर गर्न अपाङ्गता भएका नागरिकको नेतृत्वमा एक गाउँपालिका स्तरीय अपाङ्गता नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन गर्न |

उद्देश्य १ : लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

| रणनीति | कार्य नीति |
|--------|--|
| | गाउँपालिकाले सहजिकरण गर्नेछ । |
| | जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई निजले पढ्न चाहेसम्मको शिक्षाको लागि विशेष छात्रवृत्ति प्रदान गरिनेछ । |
| | अपाङ्गता भएका तर विशेष कलाको क्षमता भएकालाई लक्षित गरी प्रोत्साहन अनुदान दिइने छ । |
| | अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी, तथा जनजातीका मौलिकता र पहिचान, रहनसहन, रितिथिति, परम्परा, भेषभूषा खानपान, कला, चाडवाड आदिका बारेमा विस्तृत विवरण सहितको अभिलेख तयार पारिनेछ । |
| | आदिवासी लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ । |
| | सकारात्मक विभेदको सिद्धान्त अनुरूप राज्यको आरक्षण कोटामा सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने यो वर्गका आकांक्षीहरूलाई लक्षित गरी विशेष तयारी कक्षाहरू निःशुल्क सञ्चालन गरिने छ । |
| | यी वर्गका विद्यालयजाने बालबालिकाको शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्न अभिभावक शिक्षा र शैक्षिक सामाग्रीमा अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | छुवाछुत र सबै प्रकारका सामाजिक भेदभाव अन्त्य गर्न राज्यको मूलकानुनको अधिनमा रही त्यस्ता कार्यलाई दण्डित गर्न स्थानीय कानुन निर्माण गर्दै न्यायिक समितिलाई सक्रिय तुल्याइने छ । |
| | लक्षितवर्गलाई समेट्ने सिप विकास र व्यावसायिक आय आर्जनका लागि तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | लोपोन्मुख भाषा तथा लिपिको संरक्षण गर्न परामर्श अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिने छ । |
| | विपन्न र सीमान्तकृत समुदायले सञ्चालन गर्ने लघु उद्यम तथा व्यवसायमा मापदण्डका आधारमा शुन्य प्रतिशत व्याजका लागि अनुदान प्रदान गरिने छ । |
| | दलित महिला सहकारी स्थापना गरिनेछ । |
| | दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण गरिनेछ । |

लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १. | अनिवार्य नारी शिक्षा विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | छात्रा मैत्री शौचालय निर्माण | ० | २०० | २२० | २४२ | २६६ | |
| | छात्राहरूलाई Sanitary Pad वितरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वडास्तरीय महिला हिंसा तथा लैङ्गिक भेदभाव निगरानी सेल गठन | २० | ० | ० | ० | ० | |
| | महिला सेलमार्फत हरेक महिना जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ० | ३० | ३३ | ३६ | ४० | |
| | माध्यमिक शिक्षामा यौन, लैङ्गिकता तथा प्रजनन शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्धारण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | लैङ्गिकता र महिला जागरण सञ्चार कार्यक्रम संचालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सामाजिक शिक्षामा यौन हिंसा, अपहरण, बलात्कार जस्ता विषयमा शिक्षक-शिक्षिका अभिमुखीकरण कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | दुई छोरीको जन्म पश्चात स्थायी बन्ध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्मनिःशुल्क शिक्षा अनुदान | ० | ० | ० | ० | ० | |
| | उपाध्यक्षसंग समन्वयायिक विकास कार्यक्रम मार्फत समुदायमा कानुनी सचेतना कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | महिला सिप विकास तथा आयआर्जन साथै नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन | ७० | ७७ | ८५ | ९३ | १०२ | |
| | महिला उद्यमी अभिलेख निर्माण | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | सफल महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | महिला लघु उद्यमी तथा व्यवसायीलाई व्याजमा अनुदान | ० | ० | ० | ० | ० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | सरकारी सेवा प्रवेश निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | न्यायिक समिति लैङ्गिक भेदभाव विरुद्ध न्याय सम्पादन तालिम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | महिलाको स्वामित्वमा अचल सम्पत्ति वृद्धि गर्न स्थानीय ऐन कानुन निर्माण/ संशोधन | ० | ५० | ० | ० | ० | |
| | एकल महिला आत्मनिर्भर कार्यक्रम व्याज अनुदान | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी वडास्तरीय महिला सेल अभिमुखीकरण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरुको अध्ययन तथा परामर्श सेवा | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | लैङ्गिक हिंसा राहत कोषको स्थापना | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गाउँपालिकामा “जेष्ठ नागरिक सहयोग कक्ष” गठन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जेष्ठ नागरिक वडास्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जेष्ठ नागरिक योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | जेष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन परिवहन अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जेष्ठ नागरिक किर्तन तथा मनोरञ्जन मण्डली गठन तथा वाद्ययन्त्र अनुदान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | ८० वर्ष नाघेका जेष्ठ नागरिकलाई सु-आहारा कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्य विमा कार्यक्रममा अति विपन्न अनुदान | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | “हाम्रा अभिभावक र हाम्रा सन्तानसँग हामी कार्यक्रम”संचालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| | सम्पूर्ण अपाङ्गता भएकाहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | अपाङ्गता परिचयपत्र वितरण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाका समस्या बुझ्न अध्ययन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | टिब्लचेयर आवश्यक तर नपाएका अपाङ्गको लागि टिब्लचेयर खरिद | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | विशेष क्षमता भएका अपाङ्ग लक्षित कलाकारिता, आयआर्जन तथा सिप विकास तालिम | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | पूर्ण अपाङ्गहरूलाई जीवन निर्वाह भत्ता | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अपाङ्गता विशेष रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सार्वजनिक भौतिक निर्माणमा अपाङ्ग मैत्री बनाउन मापदण्ड परिमार्जन | ७० | ० | ० | ० | ० | |
| | अपाङ्ग नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन | ० | ३० | ० | ० | ० | |
| | जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई विशेष छात्रवृत्ति अनुदान | ६० | ६६ | ७३ | ८० | ८८ | |
| | अपाङ्गता भएका कलाकारलाई विशेष प्रोत्साहन अनुदान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सीमान्तकृत तथा मूल प्रवाहिकरणमा छुटेका वर्गको स्थितिपत्र प्रकाशन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | आदिवासी, जनजाती लगायतका वर्गको सांस्कृतिक पहिचान सम्बन्धी अध्ययन गरी पार्श्वचित्र प्रकाशन | ० | ० | ० | ५० | ० | |
| | आदिवासी लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन | १५ | ० | ० | ० | ० | |
| | सरकारी सेवामा मूल प्रवाहिकरण लक्षित विशेष तयारी कक्षा सञ्चालन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | लक्षित वर्ग अभिभावक शिक्षा तथा शैक्षिक सामग्री वितरण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | छुवाछुत र सामाजिक भेदभाव न्यूनिकरण विशेष न्यायिक समिति तालिम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | लक्षितवर्ग विशेष आयआर्जन तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | लोपोन्मुख भाषा तथा लिपि अध्ययन परामर्श | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | लक्षित वर्ग अतिविपन्न उद्यमी व्याज अनुदान | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | दलित महिला सहकारी स्थापना अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जम्मा | १८५० | २२३० | २३६४ | २६५१ | २८६१ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ महिला सचेतनामा वृद्धि भएको हुने छ ।
- ✓ सरकारी सेवा तथा उद्यम व्यवसायमा महिला विपन्न र सीमान्तकृतको उपस्थिति बढ्ने छ ।
- ✓ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूका कठिनाइहरू न्यूनिकरण हुने छ ।
- ✓ सामाजिक, भेदभाव तथा थिचोमिचोमा कमी आउने छ ।
- ✓ जेष्ठ नागरिकको उचित सुरक्षा र सम्मानको प्रबन्ध हुने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|--|------------|--|---------|-----------|------------|
| लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता सामाजिक समावेशीकरण | | | | | |
| १ | प्रतिफल | गाउँपालिकामा महिला उद्यमीहरूको | संख्या | ८० | |
| २ | प्रतिफल | पूर्णरूपमा आत्मनिर्भर एकल महिलाको संख्या (प्रतिशतमा बढाउँदै लैजाने) | प्रतिशत | २५ | |
| ३ | प्रतिफल | अन्तरजातीय विवाह (बढाउँदै लैजाने) | संख्या | | |
| ४ | प्रतिफल | जेष्ठ नागरिक सत्सङ्ग केन्द्र | संख्या | | |
| ५ | असर | लैङ्गिक समानतालाई प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने बजेटको (१.ख.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६ | असर | सामाजिक सुरक्षामा योजनामा समावेश भएका नागरिक | प्रतिशत | ९.०३ | |
| ७ | असर | सामाजिक सुरक्षा खर्चमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (१.क.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ८ | असर | आधार वर्षको तुलनामा न्यायिक समितिमा उजुरीको (प्रतिशतले घटाउँदै लैजाने) | प्रतिशत | | |
| ९ | असर | विगत १२ महिनामा शारीरिक, मनोवैज्ञानिक लैङ्गिक तथा यौनजन्य हिंसामा परेका जनसंख्या (संख्यामा) घटनाको आधारमा (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| १० | असर | दर्ता गरिएका सम्बन्ध विच्छेद संख्या (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ११ | असर | उमेरअनुसार १८ वर्षको उमेरसम्म यौनहिंसाको अनुभव गरेका १८ देखि २९ वर्ष उमेरका युवती र युवकहरूको अनुपात (१६.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| १२ | असर | निर्णय-निर्माण समावेशी र जवाफदेही भएको विश्वास गर्ने जनसंख्याको अनुपात (लिङ्ग, उमेर, अपाङ्गता र जनसाङ्ख्यिक समूह अनुसार) (१६.७.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ९१ | |
| १३ | असर | सार्वजनिक निकायहरूको नीतिनिर्माण पदहरूमा रहेका महिलाहरूको अनुपात (१६.७.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| १४ | असर | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका जनजातिको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| १५ | असर | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति | प्रतिशत | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| | | तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका आदिवासीको प्रतिशत | | | |
| १६ | असर | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका मुस्लिमको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| १७ | असर | सार्वजनिक निकायहरूका नीतिनिर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका पिछडा वर्गको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| १८ | असर | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका अल्पसंख्यकको प्रतिशत | प्रतिशत | | |
| १९ | असर | आफ्नो जीवनकालमा शारीरिक/यौनहिंसा अनुभव गरेका र दर्ता गरिएका घटना १५ देखि ४९ वर्षसम्मका महिलाहरूको (प्रतिशत) (५.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २० | प्रतिफल | महिला, किशोरी तथा बालबालिकाहरूको बेचबिखन (सङ्ख्या) (५.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| २१ | असर | विवाहित वा वैवाहिक मिलनमा रहेका १५ देखि १९ वर्ष उमेरका महिलाहरू (प्रतिशत) (५.३.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २२ | असर | श्रम शक्तिमा महिला र पुरुषको सहभागिताको अनुपात (५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| २३ | असर | महिलाले घरायसी काममा खर्चेको औसत समय/घण्टामा (५.४.१.२) (प.दि.वि.ल.) | घण्टामा | | |
| २४ | असर | महिला सीपविकास तालिम संख्या | संख्या | | |
| २५ | असर | छात्रामैत्री शौचालय प्रयोगकर्ता छात्रा | प्रतिशत | | |
| २६ | असर | महिला सेल संख्या | संख्या | | |
| २७ | असर | महिला जागरण र अभिमुखिकरण कार्यक्रम | संख्या | | |
| २८ | असर | अनिवार्य बुहारी शिक्षा अन्तर्गत समेटिएका छात्रा | संख्या | | |
| २९ | असर | महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम | संख्या | | |
| ३० | असर | लघु उद्यमब्याज अनुदानबाट लाभान्वित महिला संख्या | संख्या | | |
| ३१ | असर | सरकारी सेवाप्रवेश निशुल्क तयारी कक्षाबाट लाभान्वित महिला | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|-----------|-----------|------------|
| ३२ | असर | महिला भेदभाव विरुद्धमा उजुरी फछ्यौट संख्या (न्यायिक समिति) | संख्या | | |
| ३३ | असर | महिला सुरक्षा गृह | संख्या | | |
| ३४ | असर | महिला उद्यमी वस्तु विक्रीकेन्द्र | संख्या | | |
| ३५ | असर | उच्च शिक्षा बालिका बीमा कार्यक्रम | संख्या | | |
| ३६ | असर | बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध अभिमुखिकरण कार्यक्रम संख्या | संख्या | | |
| ३७ | असर | जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्यशिविर | संख्या | | |
| ३८ | असर | जेष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र | संख्या | | |
| ३९ | असर | जेष्ठ नागरिक आवाजकार्यक्रम | संख्या | | |
| ४० | असर | जेष्ठ नागरिक तिर्थाटन | संख्या | | |
| ४१ | असर | जेष्ठ नागरिक मनोरञ्जन तथाकिर्तन मण्डली | संख्या | | |
| ४२ | असर | जेष्ठ नागरिक (८० वर्ष माथि) सूआहारा कार्यक्रम | संख्या | | |
| ४३ | असर | अपाङ्गता परिचयपत्र प्राप्त अपाङ्ग | संख्या | | |
| ४४ | असर | जटिल अपाङ्गता भएका आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गरिएका विद्यार्थी संख्या | संख्या | | |
| ४५ | असर | व्हिलचेयर प्राप्त अपाङ्ग | प्रतिशत | | |
| ४६ | असर | अपाङ्ग लक्षित आयआर्जन कार्यक्रम | | | |
| ४७ | असर | जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त गर्ने पूर्ण अपाङ्ग | (प्रतिशत) | | |
| ४८ | असर | अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक संरचना संख्या | | | |
| ४९ | असर | अपाङ्ग नागरिक सरोकार मञ्च | संख्या | | |
| ५० | असर | आदिवासी जनजाती विशेष पार्श्वचित्र अध्ययन तथा अनुसन्धान | संख्या | | |
| ५१ | असर | अल्पसंख्यक अनुदान | संख्या | | |
| ५२ | असर | सिमान्तकृत वर्ग विशेष सरकारी प्रवेश निशुल्क कक्षाबाट लाभान्वित संख्या | संख्या | | |
| ५३ | असर | भेदभाव न्यूनिकरण जनचेतनामूलक कार्यक्रम संख्या | संख्या | | |
| ५४ | असर | लक्षितवर्ग विशेष आयआर्जन तालिम | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| ५५ | असर | लोपोन्मुख जाती तथा भाषा संस्कृति विशेष कार्यक्रम | संख्या | | |
| ५६ | असर | दलित विपन्न छात्रवृत्तिबाट लाभान्वित संख्या | संख्या | | |
| ५७ | असर | दलित विशेष परम्परागत सीप विकास तालिम | संख्या | | |
| ५८ | असर | गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ५९ | असर | गाउँपालिका प्रादेशिक संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६० | असर | स्थानीय सरकारका तहहरूमा प्रतिनिधित्व (Bodies) (प्रतिशत) (५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६१ | असर | निजीक्षेत्रको निर्णायक तहमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६२ | असर | सहकारी क्षेत्रमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६३ | असर | सार्वजनिक सेवाका नीति निर्माणका पदहरूमा रहेका महिला (कुल कर्मचारीहरू मध्ये महिलाको प्रतिशत) (५.५.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६४ | असर | व्यावसायिक र प्राविधिक कामदारहरूमा महिला-पुरुषको अनुपात (Ratio of women to men) (प्रतिशत) (५.५.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६५ | असर | यौन सम्बन्ध, परिवार नियोजनका साधनहरूको प्रयोग र प्रजनन स्वास्थ्य हेरचाह सम्बन्धमा सुसूचित भएर आफैले निर्णय गर्ने १५ देखि ४९ वर्ष उमेरका महिलाहरूको अनुपात (५.६.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६६ | प्रतिफल | महिलाहरूको अचल स्वामित्व भएका उद्यमहरूको सङ्ख्या (५.क.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ६७ | प्रतिफल | महिलाहरूको सम्पत्ति माथिको स्वामित्व (जमिन र घर) (५.क.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ६८ | असर | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहका इन्टरनेट प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ६९ | असर | मोबाइल प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |

(आ) बालबालिका तथा किशोर किशोरी

पृष्ठभूमि

बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई भविष्यका कर्णधारको रूपमा लिइन्छ। किनकि हालको बालबालिकाको समग्र अवस्थाले भोलि राष्ट्र निर्माण तथा समाज निर्माणमा जिम्मेवार हुने मानव संशाधन कस्तो हुनेछ भन्ने निर्धारण गर्दछ। त्यसकारण नेपालको संविधानले बालबालिकाको हकलाई मौलिकहकको रूपमा स्थापित गरी बालअधिकार संरक्षण राज्यको अनिवार्य दायित्व भित्र राखेको छ भने स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५ तथा दिगो विकास लक्ष्य समेत बालबालिका तथा किशोरकिशोरी माथि हुने सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्नेतर्फ लक्षित रहेको छ। तसर्थ बालबालिकाको उचित हेरचाह, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य जस्ता विषयहरू बालअधिकारका अर्थात् नागरिक दायित्व र जिम्मेवारीका मात्र विषय होइनन्, यी विषय आज हामीले भोलिको समाज र राष्ट्र निर्माणमा गरिने वृहत लगानीसँग गाँसिएका विषयहरू हुन्। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्यांक अनुसार पाँचवर्ष मुनिकाबालबालिकाको जनसंख्या १३१८ जना (७.४९ प्रतिशत) रहेको छ। यो जनसांख्यिक हिसाबले जनसंख्याको ठूलो हिस्सा मानिन्छ। गाउँपालिकामा बालबालिकाको संख्या धेरै हुनुले राज्यले ठूलो रकम यी बालबालिकाको हेरचाह, स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषणमा खर्च गर्नुपर्ने हुन्छ। बालबालिकाहरू स्वास्थ्य तथा पोषणका हिसाबले समेत पूर्ण सुरक्षित राख्नु गाउँपालिकाको दायित्वभित्र पर्दछ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा बाल उद्यान निर्माण तथा बालमैत्री कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन हुन नसकेको।
- बालबालिका तथा किशोर किशोरी परम्परागत हिंसा तथा सामाजिक सञ्जाल मार्फत हुने हिंसाका कारण संवेदनशील अवस्थामा रहेका।
- सरकारले बालबालिकाको क्षेत्रमा गरेको लगानि पर्याप्त र प्रभावकारी नभएको।
- विपन्नताका कारण धेरै बालबालिकाहरू आधारभूत आवश्यकता र अधिकारबाट बञ्चित हुनु परेको।
- बालबालिकालाई उचित शिक्षा, पोषण र स्वास्थ्यको पूर्ण ग्यारेन्टी गर्न नसकिएको।
- बालबालिकाको उचित स्याहार र अधिकारको प्रत्याभूति गर्न चुनौती र जिम्मेवारी रहेको।
- समयमै बालबालिका सवालहरूको सम्बोधन गर्न नसके भोलिको भविष्य अनिश्चित र अन्धकार हुने जोखिम रहेको।

सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- संविधान प्रदत्त बालबालिकाको मौलिक हक अधिकार संरक्षणको दायित्व स्थानीय सरकार सामु आएको।
- राष्ट्रिय, प्रादेशिक र दिगो विकास लक्ष्यका नीति, कानून, संस्थागत संयन्त्र, योजना तथा कार्यक्रमहरूमा बालबालिकालाई प्राथमिकतामा राखिएको।
- बालअधिकार संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि बालअधिकार तथा बालमैत्री स्थानीय शासनको अवधारणा आएको।
- गाउँपालिकाको ठूलो हिस्सा बालबालिका भएकोले उनीहरूको राम्रो हेरचाह गर्न सबै भविष्यका लागि असल समाज र नागरिक निर्माण गर्न सकिने।
- स्थानीय सरकारले बाल सरोकारका विषयलाई आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा महत्व दिने गरेका।

दीर्घकालीन सोच

- नैसर्गिक अधिकार पूर्ण बालमैत्री समाज

लक्ष्य

- बालबालिकाको, अधिकार अन्तर्गत स्वास्थ्य, पोषण, उचित स्याहार र शिक्षाका आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्ने

उद्देश्यहरू

- बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु

| उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिकहकको सुनिश्चितता गर्नु | |
|---|--|
| रणनीति | कार्यनीति |
| १.१ बाल अधिकार सम्बन्धी जनचेतना जागरण गर्ने । | बालअधिकार र बालबालिकामा गरिने लगानीका सम्बन्धमा अभिभावकहरूलाई सचेत बनाउने कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिने छ । |
| | बालबालिकाहरू स्वयंलाई बालबालिकाका आवश्यकता र अधिकारका विषयमा सचेत तुल्याउन विद्यालय पाठ्यक्रम बाहेक स्थानीय अधिकार कर्मिको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | बालमैत्री स्थानीय शासन (CFLG) कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने हेतुले गाउँपालिकाका समग्र बालबालिकाको वस्तुगत अवस्थाबारे अध्ययन गरी बालबालिका स्थितिपत्र तयार पारिने छ । |
| | विशेष अवसर (बालदिवस) मा सप्ताह व्यापिबाल अधिकार जागरण अभियान सञ्चालन गरिने छ । |
| १.२ अति विपन्न तथा विशेष संरक्षण आवश्यक असहाय बालबालिका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | गाउँपालिकामा वर्षभरी खान लगाउन नपुग्ने अतिविपन्न परिवारका तथा असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयार पारिने छ । |
| | जोखिम युक्त काम, बालश्रम, बेचबिखन तथा ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थिति पत्र प्रकाशन गरिनेछ । |
| | जोखिम युक्त काम, बालश्रम, बालबालिका बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध वडास्तरीय नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.३ बालअधिकार सम्बन्धी नीतिगत सुधार तथा व्यवस्था | गाउँपालिकालाई सडक बालबालिका र बालश्रम मूक्त घोषणा गर्न गृहकार्य गरिने छ । |
| | सबै प्रकारका बाल हिंसा विरुद्ध आवाज उठाउन सञ्चार माध्यम सामाजिक सञ्चालन तथा सरकारी र गैर सरकारी संस्थाको सहयोग लिइने छ । |

उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिकहकको सुनिश्चितता गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---------|--|
| गर्ने । | बालक्लब स्थापना र तीनको प्रभावकारीता वृद्धि गर्न बालबालिकालाई Motivational तथा नेतृत्व विकास तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | बालबालिका विरुद्ध हुने हिंसा तथा शोषणका कृयाकलाप नियन्त्रण गर्न एक बाल हेल्पलाइन सेवा सञ्चालन गरिने छ । |
| | वडा स्तरीय एक बालउद्यान निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिने छ । |
| | बालप्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | उपप्रमुखको सिफारिस वा तोके बमोजिम कार्यपालिकाको सदस्यको अध्यक्षतामा गाउँस्तरीय बाल अधिकार संञ्जाल समिति गठन गरिने छ । |
| | बालअधिकार संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न एक जना बालकल्याण अधिकारी नियुक्त गरिने छ । |
| | स्थानीय स्तरमा बाल मनोविज्ञानको रुपमा काम गर्न चाहने व्यक्तिले तोकिए बमोजिमको योग्यता पुरा गरी स्थानीय बालअधिकार समितिमा सूचीकृत हुने प्रावधान लागू गरिने छ । |
| | बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७५ को दफा ६३ बमोजिम बाल बालिकालाई तत्काल संरक्षण, उद्धार, राहत र पुनर्स्थापना गर्न तथा क्षतिपूर्ति प्रदान गर्न एक बालकोष निर्माण गरिने छ । |

बालबालिकाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | बाल अधिकार सम्बन्धी अभिभावक सचेतना कार्यक्रम | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | स्थानीय अधिकार कर्मीको सहयोगमा विद्यालय स्तरीय सचेतना कार्यक्रम | १२ | १३ | १५ | १६ | १८ | |
| | बालबालिकाको वस्तुगत स्थितिपत्र तयारी | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | विशेष अवसर (बालदिवस) मा सप्ताहव्यापि बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | अतिविपन्न, असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयारी | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | अति विपन्न तथा असहाय बालबालिकाको, शिक्षा स्वास्थ्य र पोषणको प्रबन्ध | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बालशोषण र बाल हिंसा विरुद्ध जनचेतना अभियान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बालकलबमा आबद्ध बालबालिकाको नेतृत्व विकास तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बालहेल्पलाइन सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बाल उद्यान सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | २० | ० | ० | |
| | बालप्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | स्थानीय बालअधिकार समिति गठन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | बाल कल्याण अधिकारी नियुक्ति | ४०० | ४४० | ४८४ | ५३२ | ५८६ | |
| | स्थानीय बालअधिकार समितिमा सूचिकृत हुने प्रावधान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | बालकोष निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जम्मा | ६७७ | ७४५ | ८३९ | ९०१ | ९९१ | |

अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजाकाका

- ✓ बालमैत्री समाजको निर्माण हुने छ ।
- ✓ आधारभूत बालअधिकारको सुनिश्चितता हुने छ ।
- ✓ अतिविपन्न र असहाय बालबालिकाहरू सुरक्षित हुने छन् ।
- ✓ बालमैत्री स्थानीय शासनको अभ्यास सफल हुने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|------------------|------------|---|---------|-----------|------------|
| बालबालिका | | | | | |
| १ | प्रतिफल | बितेको १२ महिनामा आफ्नो हेरचाह गर्ने व्यक्तिबाट कुनै प्रकारको मनोवैज्ञानिक वा शारिरीक आक्रमण वा त्राश भोगेको १ देखि १७ वर्ष सम्मको बालबालिका संख्या (१६.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| २ | प्रतिफल | स्थानीय पञ्जिकरण इकाइ मा दर्ता भएका ५ वर्ष मूनिका बालबालिका (१६.९.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| ३ | प्रतिफल | (५ देखि १७वर्ष) बालश्रमिकको (संख्या) (८.७.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ४ | प्रतिफल | बालश्रमिकहरू (घटाउँदै लैजाने) | संख्या | | |
| ५ | प्रतिफल | असहाय बालबालिका (संख्या) | संख्या | | |
| ६ | प्रतिफल | पुनर्स्थापित बालबालिका संख्या | संख्या | | |
| ७ | प्रतिफल | विद्यालय जान नपाएका बालबालिकाको संख्या | संख्या | | |
| ८ | असर | भारत लगायतका मुलुकमा तथा घरेलु कामदारको रुपमा प्रतिवर्ष हुने बालबालिका बेचबिखन सूचना संख्या (१६.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| ९ | प्रतिफल | बालगृह संख्या | संख्या | | |
| १० | प्रतिफल | बाल सुरक्षा/संरक्षण गृह | संख्या | | |
| ११ | प्रतिफल | बालविवाह संख्या | संख्या | | |
| १२ | प्रतिफल | बालउद्यान संख्या | संख्या | | |
| १३ | प्रतिफल | पोषण सुनिश्चित गरिएका असहाय अतिविपन्न बालबालिका | संख्या | | |
| १४ | असर | जोखिमपूर्ण काममा संलग्न बालबालिका (८.७.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| १५ | प्रतिफल | बालबालिका केन्द्रित वार्षिक बाल कार्यक्रम | संख्या | | |

५.५ युवा तथा खेलकुद

पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय युवानीति, २०७२ अनुसार १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार सुनकोशी गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १०,४८६ अर्थात ५८.९६ प्रतिशत रहेको छ। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। कामगर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांस हो। यस गाउँपालिका भित्र विभिन्न वडाहरूमा युवा क्लवहरू गठन गरी विभिन्न किसिमका कार्यक्रमहरू गरिरहेका छन्।

व्यक्तिको सर्वाङ्गिक विकासमा खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ। अनुशासन, राष्ट्रिय भाइचारा प्रदर्शन गरी शारीरिक तन्दुरुस्ती कायम गर्न खेलकुद विकासको अहम् महत्व रहेको हुन्छ। सोही अनुसार गाउँपालिकामा राष्ट्रिय स्तरको व्याडमेन्टिन कवडहल, मूल खर्क खेल मैदान, प्रबुद्ध मा. वि. खेलमैदान, तौतारा मा.वि. खेलमैदान, सिस्नेरी खेलमैदान, बलखु खेलमैदान लगायतका खेल मैदानहरू रहेका छन्। यस गाउँपालिकाले राष्ट्रपति रनिङ्गशिल्ड आयोजना गरी विभिन्न किसिमको खेलहरूको प्रदेश, राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय स्तरका खेलाडीहरू उत्पादन गर्ने गरिरहेका छन्। यहाँ खेलाडीहरूमा शुनिता खड्का, गुवराज रुचाल, आईर भट्टराई, अभिषेक थापा, दिलिप तामाङ, पुरण सुनुवार, रमेश तामाङ, शैलेश राय, किरण राई, सुर्वण वस्नेत, मनिषा तामाङ, दिनेश आलेमगर, रुपा मगर जस्ता प्रदेश, राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरका खेलाडीहरू रहेका छन्। यति हुदाहुँदै पनि अझ वढी खेल क्षेत्रलाई विस्तार तथा स्तरोन्नती गर्नका लागि सुविधा सम्पन्न खेलमैदान निर्माणको साथसाथै विभिन्न किसिमको खेलहरूको दक्ष प्रशिक्षक मार्फत खेलको प्रशिक्षण गराई खेलाडीहरू उत्पादन गर्नु पर्ने देखिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष:प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा युवालक्षित कार्यक्रमले युवावर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको
- गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको
- प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवा मैत्री हुन नसकेको
- युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमुखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको
- गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निराश, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको
- कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भ्रैभ्रगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको
- गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको
- गाउँपालिकामा भएका खेल मैदान, पार्क तथा पिकनिक स्थल व्यवस्थित एवं पूर्वाधार युक्त हुन नसकेको।
- गाउँपालिकामा खेलकुदको विकास गर्न स्थानीय स्तरमा खेलकुद प्रशिक्षकको अभाव भएको।
- सीमित बजेटका कारण गाउँपालिकाले खेलकुद तथा मनोरञ्जनमा यथोचित लगानी गर्न नसकेको।
- व्यवस्थित खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो आकारको बजेटको व्यवस्थापनको चुनौती रहेको।
- भौगोलिक अवस्थिति असहज भएका कारण खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्न चाहेजति सहज र चुस्त रूपमा

दुर्बल पक्ष:प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

विकास गर्न कठिन रहेको ।

- यथेष्ट मात्रामा खेलकुदलाई व्यवसायीकरण गर्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा खेलाडीहरू समावेश गराउन कठिन परिस्थिति रहेको ।

सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष:मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले युवाक्लब मार्फत विभिन्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरि युवाक्लबलाई अधिकतम परिचालन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले युवामा अनुशासन संस्कृतिको विकास, शारीरिक तन्दुरुस्ती तथा मानसिक विकास एवम् खेलकुद मार्फत गाउँपालिकाको पहिचान र प्रतिष्ठानको लागि खेलकुद क्षेत्रको समग्र विकास अधि बढाउन पूर्वाधारको निर्माण, प्रतियोगिताको आयोजना र प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले युवालाई व्यवसायिक तथा उद्यमशिलता तालिम नवप्रवर्तन पुँजी र प्रविधिमा पहुँच तथा सहज व्यवसायिक वातावरण उपलब्ध गराई उद्यमी बनाउन सकिने ।
- युवाशक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको ।
- गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको ।
- युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने ।
- नियमित रूपमा खेलकुद तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधिका लागि खेलकुद मैदान तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधीहरूलाई प्राथमिकतामा राखेर निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्न सकिने
- गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने
- गैरसरकारी तथा निजीक्षेत्रसंग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम,गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आयआर्जनका गतिविधिमा आवद्ध गराउन सकिने
- गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने
- उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने
- राष्ट्रपति रनिङ्गशिल्ड मार्फत प्रदेश स्तरीय खेलाडीहरूको छनौट गर्ने अभ्यास रहेको ।
- गाउँपालिका भित्र विभिन्न किसिमका प्रदेश, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका खेलाडीहरू रहेको ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- शारीरिक र मानसिक रूपमा स्वस्थ, श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष मानव संसाधन निर्माण

लक्ष्य

- गाउँपालिकाको युवा जनसंख्याको शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्यका लागि आधारभूत खेलकुद र मनोरञ्जनका पूर्वाधार विकास गरी उनीहरूलाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमुखि बनाउने

उद्देश्यहरू

- ✓ श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु
- ✓ खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

उद्देश्य १. श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्षबनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने | गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमिबारे स्थितिपत्र तयार पारिने छ । |
| | गाउँपालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिने छ । |
| १.२ दक्ष र सिप युक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने | युवा स्थितिपत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुचि र भुकाव अनुसार नियमित सिप विकास रोजगारीमूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गायन, वाद्यवादन, नृत्य , कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय सांस्कृतिक समितिमा आवद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | कुनै पनि युवालाई बेरोजगार नराख्न प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत उनीहरूलाई समेटि गाउँघरमा आवश्यक अर्ध दक्षकामहरू जस्तै इलेक्ट्रिसियन, प्लम्बिङ, कृषिश्रम, निर्माण आदिका लागि विशेष तालिम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवाक्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिका स्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ । |
| | यस प्रकारका युवाक्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसंग साक्षात्कार गरी युवाक्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ । |
| | कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवाक्लबको नेतृत्वमा सहि मार्गमा डोऱ्याउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनिहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाइ भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |

उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसि र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|------------------------|---|
| २.१ खेलकुद पूर्वाधारको | विद्यालयहरूको स्तर अनुसार खेल मैदानको प्रबन्ध गरिने छ । |

उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसि र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| प्रवन्ध गर्ने | <p>विद्यालयहरूमा न्यूनतम खेल सामाग्रीको प्रवन्धगरिने छ ।</p> <p>एक वडा एक खेल मैदानको व्यवस्था गरिने छ ।</p> <p>वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति गठन गरिने छ ।</p> <p>समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने मर्मलाई आत्मसाथ गराउन युवा क्लबहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन अगाडी बढाइनेछ ।</p> <p>विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माणमा जोड दिइनेछ ।</p> |
| २.२ खेलाडी पहिचान तथा प्रशिक्षण | <p>गाउँपालिका स्तरीय सम्पूर्ण खेलाडीहरूको विवरण तयार पारिने छ ।</p> <p>खेल अनुसार खेलाडी समूह छुट्याई वडास्तरीय खेलकुद समिति मार्फत प्रशिक्षण/तालिम प्रदान गरिने छ ।</p> <p>प्रदेश, राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरमा खेलमा भाग लिने खेलाडीहरूलाई विशेष तयारी प्रशिक्षण सञ्चालन गर्न कोषको व्यवस्था गरिने छ ।</p> |
| २.३ खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने | <p>स्थानीय तह, प्रदेश, राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरमा आयोजना हुने खेलहरूमा सहभागी हुन खेलाडी प्रशिक्षण सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालनलाई निरन्तरता दिइने छ ।</p> <p>वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिने छ ।</p> <p>कुनै पनि खेलकुदसँग सम्बन्धित संघसंस्थाले गाउँपालिका भित्र राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलकुद आयोजना गर्न चाहेमा साभेदारीमा खेल सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> |
| २.४ स्थानीय स्तरमा गर्न सकिने मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापको अध्ययन गरी व्यवस्थित गर्ने | <p>स्थानीय जातजाति, धर्म, सम्प्रदायहरूमा प्रचलित कला, कौशल, गायन, नृत्य आदिको पूर्ण विवरण तयार गरी तिनीहरूको जगेर्ना र सान्दर्भिकता बारे अध्ययन गरिने छ ।</p> <p>ठूलो संख्याका मानिसहरूलाई सामूहिक रूपमा मनोरञ्जन प्रदान गर्ने प्रकारका स्थानीय जात्रा, मेला, हाट, नौटङ्गी, नाटक, गीत, वाद्यवादन, नृत्य, जादु, कला, कौशल, आदिलाई संस्थागत गर्न सम्भावना अध्ययन गरिने छ ।</p> <p>वनभोज स्थलहरूलाई व्यवस्थित गर्न वडास्तरीय रूपमा रहेका पार्क तथा मनोरञ्जन स्थलहरूको स्तरोन्नती गरिनेछ ।</p> <p>एक वडा एक पार्क अभियान सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा सघन बस्तीलाई पायक पर्ने स्थानमा मनोरञ्जन पार्कको स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिन्छ ।</p> |

युवा तथा खेलकुदको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | युवा स्थिति पत्रत यार पार्ने | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार पार्ने | १२ | १३ | १५ | १६ | १८ | |
| | रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमुखीकरण तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | युवा कलाकारीता तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | प्रधानमन्त्री रोजगार विशेष तालिम | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | गाउँपालिका स्तरिय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ । | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसंग साक्षात्कार गर्ने | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोचाउन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनिहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वेरोजगार तथा अर्ध वेरोजगार युवाहरूलाई माथी उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान तथा सवलिकरण कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| २. | विद्यालय स्तरीय खेल मैदान मर्मत सम्भार | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विद्यालय खेल सामग्रीखरिद | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | वडास्तरीय खेल मैदान निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति निर्माण | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | “समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद”कार्यक्रम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन | ० | १५ | ० | ० | ० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| | विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | खेलाडीको व्यक्तिगत विवरण तयारी | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | खेलाडी प्रशिक्षण वडास्तरीय (नियमित) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खेलाडी प्रशिक्षण (राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतियोगितामा सहभागी हुन) | ६० | ६६ | ७३ | ८० | ८८ | |
| | खेलाडी प्रशिक्षण (प्रादेशिक र स्थानीय तह) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | अन्तरविद्यालय वार्षिक खेलकुद Tournament | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | खेलकुदसंग सम्बन्धित संघसंस्थासँग साभेदारीमा गाउँपालिका भित्र राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलकुद आयोजना | ७० | ७७ | ८५ | ९३ | १०२ | |
| | स्थानीय स्तरमा हुने मनोरञ्जनात्मक गतिविधिको विवरण तयारी | १५ | ० | ० | ० | ० | |
| | परम्परागत मनोरञ्जनात्मक कृयाकलाप संस्थागत गर्ने कृयाकलाप | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बनभोजस्थल व्यवस्थापन गर्न वडास्तरीय पार्क सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | २५ | ० | ० | |
| | एक वडा एक मनोरञ्जन पार्क सम्भाव्यता अध्ययन | १० | ११ | ० | ० | ० | |
| | जम्मा | ८६२ | ९२५ | १०१४ | १०८७ | ११९६ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम खेलकुद पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ खेलाडीहरू पहिचान भई क्षमता विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ स्थानीय स्तरमा प्रचलनमा रहेका मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापहरू संस्थागत हुनेछन् ।
- ✓ प्रदेश, राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरका खेलाडीहरूको संख्यामा वृद्धि भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|-----------------|--|--------|-----------|------------|
| १ | युवा तथा खेलकुद | | | | |
| | प्रतिफल | व्यायामशालाको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सुविधा सम्पन्न खेलकुद रंगशालाको संख्या | संख्या | १ | |
| | प्रतिफल | खेल मैदानको संख्या | संख्या | ५ | |
| | प्रतिफल | थिएटर वा सिनेमा घरको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | बल उद्यानको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | पार्क तथा हरित उद्यानको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यवस्थित पिकनिक स्थलको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | व्यवस्थित पौडी पोखरीको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जेष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सांस्कृतिक तथा कला केन्द्रको संख्या | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

५.६ शान्ति सुरक्षा

पृष्ठभूमि

गरिबी, सामाजिक विसंगति र अपराध मनोविज्ञानका कारण समाजमा विविध किसिमका अपराधिक घटनाहरू घट्ने गर्दछन्। यस्ता घटनाहरू न्यूनीकरण गर्न शान्ति, सुरक्षा र अमनचयनको प्रबन्ध राज्यले मिलाउने दायित्व हुन आउँछ। यसर्थ गाउँपालिकाले गाउँमा शान्ति सुरक्षा कायम गर्न प्रत्येक वडामा प्रहरी चौकीहरूको प्रबन्ध गर्नुपर्ने र आवश्यक सङ्ख्यामा दरबन्दी कायम गरी शान्ति सुव्यवस्था कायम गर्नु आवश्यक छ। सुनकोशी गाउँपालिकाको शान्ति सुरक्षा तथा व्यवस्थापनका लागि वडा नं. ५ मूलखर्कमा प्रहरी चौकी रहेको छ भने वडा नं. ३ सिस्नेरीमा प्रहरी चौकी खाखनको लागि पहल भईरहेको छ। शान्ति सुरक्षाको लागि गाउँपालिकामा तीन जना नगर प्रहरीको समेत व्यवस्था गरिएको छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा छिटफुट रुपमा चोरी, भैँभगडा, डकैती, हत्या, घरेलु हिंसा तथा बलात्कारका घटना हुने गरेका।
- प्रविधिको अभाव तथा सूचना प्रवाह कठिनाइका कारण अपराधका घटनाहरूको यथार्थ लगत राख्न कठिन भएको।
- गाउँपालिकाको सीमित बजेटका कारण सुरक्षा निकायको उपस्थिति सबै वडामा पुऱ्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण।
- अपराधलाई लोकलाज अथवा डर त्रासका कारण लुकाई अपराधीलाई थप प्रोत्साहित हुने सम्भावना रहेको।
- आत्महत्या नियन्त्रणका लागि मनोसामाजिक परामर्शदाता व्यवस्था गर्न तथा मनोरोगीको पहिचान र उपचार गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।
- लागुऔषध नियन्त्रण चुनौतीपूर्ण रहेको।
- निमुखा तथा सोभासाभा नागरिकको सुरक्षा प्रत्याभूत गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- आम नागरिकलाई स्वतन्त्रता पूर्वक हिंडुल गर्न तथा दैनिककार्य सञ्चालन गर्न सुरक्षा चुनौती नभएको।
- कुनै पनि बेला हुन सक्ने दुर्घटनाको तत्काल सम्बोधन गर्न सकिने।
- घटना वा दुर्घटनाका बेला उद्धार सामाग्रीको पर्याप्त आपूर्ति गर्न सकिने।
- अमनचयन तथा शान्ति सुरक्षाको अवस्थालाई जुभारु राख्न उपयुक्त कदमहरू चाल्न सकिने।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- शान्ति सुरक्षाका हिसाबले सुरक्षित गाउँपालिका

लक्ष्य

- गाउँपालिकावासिलाई शान्ति सुव्यवस्थाका हिसाबले पूर्ण सुरक्षित महसुस गराउने

उद्देश्यहरू

- ✓ समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु

उद्देश्य १. समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ सुरक्षा पूर्वाधारको विकास गर्ने | सुरक्षाका लागि प्रहरी चौकि स्थापना गर्नुपर्ने आवश्यकता भएका स्थानहरूको अध्ययन गरी सुरक्षा निकायसँग समन्वय गरिने छ । |
| | आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरी विस्तार गरिने छ । |
| | सुरक्षा गस्तीलाई आवश्यकता अनुरूप नियमित र अपराध संवेदनशील क्षेत्रमा सघन बनाइने छ । |
| | Hot Line सेवाको प्रवन्ध गरी तत्काल परिचालन हुने stand by force तयार पारिने छ । |
| | विशेष उद्धार टोली निर्माण गरी तयारी अवस्थामा राखिनेछ । |
| | व्यक्तिगत सुरक्षा र सूचना दिन प्रोत्साहन गर्ने हिसाबले विद्यार्थीसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | सघन बस्ती रहेका बजार क्षेत्रहरूमा आवश्यकताका आधारमा cctv जडान गरिने छ । |
| | अपराध नियन्त्रण तथा सम्भावित अपराधिक क्रियाकलाप न्यूनीकरण गर्न समुदायसँग प्रहरी विशेष अभियान अन्तर्गत व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.२ संस्थागत क्षमता विकासका कृयाकलाप सञ्चालन गर्ने | अपराध हुनु अगावै सूचना प्राप्त गर्न सक्ने गुप्तचर सेवालाई प्रभावकारी बनाउन तालिम र कार्य योजना निर्माण गरिने छ । |
| | नगर प्रहरीलाई संवेदनशीलताका आधारमा क्षमता विकास तालिम प्रदानगरिने छ । |

शान्ति सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | प्रहरी चौकी विस्तार गर्न आवश्यक स्थानको विवरण तयार पार्ने | २० | ० | ० | ० | ० | |
| | आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरीको दरवन्दी तय गर्ने | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | सुरक्षा गस्तीको आवश्यक रुट र स्थानबारे अध्ययन गर्ने | ० | १५ | ० | ० | ० | |
| | Hot Line सेवा सञ्चालन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | उद्धार संयन्त्र निर्माण | ३५ | ३९ | ४२ | ४७ | ५१ | |
| | विद्यार्थीसँग प्रहरी विशेष कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सघन बजार र बस्ती क्षेत्रमा CCTV जडान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | समुदायसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गुप्तचर सेवा तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | नगर प्रहरीहरुको लागि आवश्यक तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | ५१५ | ५६० | ५९९ | ६५९ | ७२५ | |

अपेक्षितउपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिका बासिन्दाहरू सुरक्षाका हिसाबले हुक्क छु भन्ने वातावरण श्रृजना भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------|---|---------|-----------|------------|
| १. | शान्ति सुरक्षा | | | | |
| | प्रतिफल | प्रहरी बिटको संख्या | संख्या | १ | |
| | असर | प्रतिवर्ष हुने अपराधिक क्रियाकलापका घटनाहरू (घटाउँदै लाने) | प्रतिशत | | |
| | असर | हत्या संख्या (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | प्रति सुरक्षाकर्मी जनसंख्या अनुपात | प्रतिशत | | |
| | असर | दर्ता गरिएका यौनजन्य हिंसा | संख्या | | |
| | असर | विगत १२ महिनामा शसस्त्र वा अन्य हिंसात्मक द्वन्दबाट भएको मृत्यु संख्या (१६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | नेपाल प्रहरी | संख्या | ५ | |
| | प्रतिफल | नेपाली सेना | संख्या | | |
| | प्रतिफल | शसस्त्र प्रहरी | संख्या | | |
| | प्रतिफल | नगर प्रहरी | संख्या | ३ | |
| | असर | मनव बेचबिखन संख्या | संख्या | | |
| | असर | आफू बसेको क्षेत्र वरिपरि एकलै हिंडडुल गर्ने आफूलाई सुरक्षित ठान्ने जनसंख्या प्रतिशत (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | सिसिटिभी जडान संख्या | संख्या | | |

५.७ शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन

पृष्ठभूमि

हरेक क्षेत्र तथा समुदायको आ-आफ्नो धर्म र संस्कृति अनुसार शवदाहस्थल र चिहान व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण र संवेदनशील विषय र आवश्यकता पनि हो । भावनात्मक अर्थ समेत बोकेको यो विषयलाई कुनै पनि योजनाले समयमै सम्बोधन गर्नुपर्दछ । परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र चिहानलाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउनु पर्दछ । अन्यथा अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिन्छ । परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र चिहानलाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउँदै लैजानु पर्दछ । गाउँपालिका भित्र जातिय तथा धार्मिक विविधता भएसँगै प्राकृतिक स्रोतका कारण शवदहन गर्न वडाहरूमा जाती तथा धर्म अनुसार शवदहन क्षेत्र रहेको छ ।

गाउँपालिकाको जाती धर्म तथा परम्परा तल्लो तथा माथिल्लो सालघारी, पञ्चकन्या, पानी खहरे, ठेवुवाघाट, मोलुङ दोभान, चिहान डाडाँ (टोङ्के), टाँकी, लुकुवा, च्यान डाडाँ (रमाई), उदाउने डाडाँ, धनविरे डाडाँ, वलिमान डाडाँ, जौवारी डाडाँ, चोक्टी माने डाडाँ, साँवा वोटे, कात्तिके खोला, दोभान, कालो आँप डाडाँ, साने पोखरी डडुवा पाखो, नागी डाडाँ, चित्रे डाडाँ, पाखे डाडाँ, चाहाले डाडाँ, माने डाडाँ, डाडाँखर्क डाडाँ, डुम्रे, आँपस्वारा आदि स्थानहरूमा शवदाहस्थलहरू रहेका छन् । यी स्थलहरू मध्ये मोलुङ खोला, जरुवा डाडाँमा, रमाइ डाडाँहरूमा प्रतिक्षालय निर्माण भएको छन् भने चिहान डाडाँ (टोङ्के), टाँकीमा चिता निर्माण भएको छ । यी शवदाहस्थल तथा चिहानको व्यवस्थापनका लागि आश्रय स्थल बनाउने, खानेपानी तथा काठ दाउराको व्यवस्थापन, मृत्यु संस्कारका लागि आवश्यक सामग्रीहरू उपलब्ध हुने गरी पूजापसल व्यवस्थापन आदिको व्यवस्था मिलाउनु पर्ने अवस्था देखिन्छ ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा व्यवस्थित तवरले शवदाहस्थल तथा चिहानहरूको व्यवस्थापन गर्न ठूलो आकारको बजेट चाहिने ।
- अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिएको ।
- गाडिएका शवहरूलाई जंगली जनावरहरूले खोस्ने यत्रतत्र छरिदिने अवस्था रहेको ।
- शवदाहस्थल तथा चिहान व्यवस्थापनका लागि सर्वस्वीकृत स्थलहरू किटान गर्ने चुनौती रहेको ।
- अन्तिम संस्कारका लागि सडक, विद्युत, बाटोघाटो, सञ्चार लगायतका पूर्वाधार विकास गर्न ठूलो आकारको बजेट चाहिने ।
- छरिएर रहेका बस्तीहरूका कारण शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापनमा कठिनाइ तथा खर्चिलो हुने ।
- वातावरण मैत्री विद्युतीय शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन गर्न संस्कारगत तथा बजेटका हिसाबले चुनौतीपूर्ण ।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न समुदायका आ-आफ्ना धर्म संस्कृति अनुरूपका शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन प्रतिगाउँपालिका संवेदनशील भएको ।

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले एकीकृत रूपमा भएका शवदाह स्थल एवमं चिहानलाई व्यवस्थित गर्ने तथा नभएका स्थानहरूमा उपयुक्त स्थलहरू पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने कार्यक्रम ल्याउन सक्ने ।
- शवदाहस्थल, चिहान तथा किरियापुत्री भवनको लागि आवश्यक सडक, विद्युत, सञ्चार लगायतका पूर्वाधारहरूको विकास गर्न सक्ने ।
- परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा आएका शवदाह स्थल तथा चिहानको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न सक्ने
- वातावरण मैत्री विद्युतीय शवदाहस्थलको निर्माण गर्न सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- शवदाह स्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्ने

लक्ष्य

- भविष्यमा शवदाह तथा चिहान व्यवस्थापनको समस्यालाई पूर्णत सम्बोधन गर्ने र उचित प्रबन्ध गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ शवदाह स्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्नु

उद्देश्य १. शवदाह स्थल तथा चिहानको उचित व्यवस्थापन गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१ सम्पूर्ण वडालाई समेटेर व्यवस्थित शवदाह स्थल र चिहानको पूर्वाधार तयार गर्ने | परम्परागत हिसाबले चलिआएका शवदाहस्थल र चिहानक्षेत्रको व्यवस्थित नक्साङ्कन गरिने छ । |
| | जनसंख्याको चापको आधारमा क्रमश शवदाह स्थललाई व्यवस्थित गर्न डि.पि.आर तयार पारिने छ । |
| | शवदाहस्थल, शवदहन गर्न जाने व्यक्तिहरूको लागि प्रतिक्षालय तथा किरियापुत्री घर निर्माण र चिहान क्षेत्र तारबारको कार्य क्रमश अगाडि बढाइने छ । |
| | अतिविपन्न नागरिकहरूलाई किरिया खर्च प्रदान गरिने छ । |
| | महामारीका बेला हुने मृत्यु र शव व्यवस्थापना योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिने छ । |
| | प्रत्येक वडालाई समेट्ने गरी आवश्यकताका आधारमा शववाहन सेवा सञ्चालन गरिने छ । |

शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | शवदाह स्थल तथा चिहानहरूको नक्साङ्कन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | शवदाहस्थल डि.पि.आर | ० | ० | २०० | ० | ० | |
| | शवदाह स्थल तथा किरियापुत्रि घर निर्माण र चिहान क्षेत्र तारवार | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | किरिया खर्च व्यवस्थापन (अतिविपन्न) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | माहामारी शव व्यवस्थापन योजना निर्माण | ० | ५० | ० | ० | ० | |
| | शववाहन खरिद | ० | ० | ० | ० | २५०० | |
| | जम्मा | ३७५ | ४६३ | ६५४ | ४९९ | ३०४९ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा शवदाह स्थल तथा चिहानको उचित प्रबन्ध भएको हुने छ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|---------------------------------|------------------------------------|--------|-----------|------------|
| १ | शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन | | | | |
| | प्रतिफल | व्यवस्थितशवदाह स्थल/चिहानको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | शववाहनको संख्या | संख्या | | |

५.८ गरीबी निवारण

पृष्ठभूमि

वि.स. २०१३ को प्रथम आवधिक योजना देखि हालको पन्ध्रौं योजना सम्मका हरेक विकास योजनाहरूमा सबैभन्दा बढी देखापर्ने पेचिलो मुद्दाको रूपमा गरीबी निवारण रहेको छ। जति विकासका योजनाहरू बनेपनि गरीबी निवारण गर्न सकिएको छैन। दिगो विकास लक्ष्यको पहिलो लक्ष्य नै सन् २०३० सम्म सबै प्रकारको गरीबीको अन्त्य गर्ने भन्ने छ भने राष्ट्रिय लक्ष्य शून्यमा भार्न नसकिए पनि कुल जनसंख्याको ५ प्रतिशतमा सीमित गर्ने रहेको छ। नेपाल सरकारले गरीबी निवारण गर्न लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरूप गाउँपालिकामा कृषि आधुनिकिकरण कार्यक्रम, प्रधानमन्त्री स्वरोजगार कार्यक्रम संचालन गरिएको छ। यस कार्यक्रमहरूमा सहभागि गराउनका लागि गाउँपालिकाले लक्षित वर्ग छनौट गरी बेरोजगार तथा युवाहरूको वास्तविक बस्तु स्थिति अद्यावधिक गरी कार्ययोजना बनाएर बेरोजगार तथा युवाहरूलाई रोजगारमूलक कार्यक्रममा समावेश गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|--|
| ■ वास्तविक गरीबको पहिचान हुन नसकेको। |
| ■ सरकारको मूल कार्यक्रमहरूमा गरीब परिवारको वास्तविक पहुँच पुग्न नसकेको। |
| ■ कृषि उद्योग, पर्यटन र अन्य व्यवसाय प्रायः निर्वाहमुखि हुने गरेको। |
| ■ शिक्षा र जनचेतनामा कमी रहेकोले गरीबी घटाउन कठिन र चुनौतीपूर्ण रहेको। |
| ■ युवाहरू अवसर नपाएर विदेश पलायन हुनु परेको। |
| ■ विगतका गरिबी निवारणका कार्यक्रमहरू वास्तविक रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेको। |
| ■ श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास हुन नसकेको। |
| ■ रोजगारमूलक शिक्षाको उचित प्रबन्ध हुन नसकेको। |

सम्भावना तथा अवसर

| सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू |
|---|
| ■ गरीबी निवारणका कार्यक्रम तथा योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार स्थानीय तहको सरकारलाई प्राप्त भएकोले वास्तविक गरीब पहिचान गरी त्यसको निराकरण गर्न सहज हुने। |
| ■ विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी सीप मुलक तालिम संचालन गरेको। |
| ■ बेरोजगारहरूलाई रोजगार दिनको लागि प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम संचालन गरेको। |
| ■ खेतीयोग्य उर्वर जमिन पर्याप्त नभएता पनि, पर्यटन तथा उद्योगहरूको सम्भावना रहेकोले गरीबी निवारणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने अवसरहरू रहेको। |
| ■ स्थानीय तहमै रोजगार केन्द्रको प्रबन्ध गरिएको। |
| ■ गाउँपालिकाले गरीबी निवारणलाई प्राथमिकता दिएको। |
| ■ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम जस्ता राष्ट्रिय नीतिहरू कार्यान्वयनमा आएको। |
| ■ युवा उमेरको जनसंख्या रहेको। |

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरूको सीपलाई गरीबी निवारणमा सदुपयोग गर्न सकिने ।
- रोजगारी श्रृजना, सिपमूलक तालिम आदिमा गाउँपालिकाले प्रत्यक्ष सहयोग गर्न सक्ने वैधानिक र नीतिगत आधार तयार भएको ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- ज्ञान,सिप र उच्चमशिलताको विकास गरी शुन्यमा झार्ने गरीबी

लक्ष्य

- आगामी पाँचवर्षमा हालको गरीबीलाई पचास प्रतिशत कम गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- ✓ निरपेक्ष र बहुआयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबीनिवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहु आयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ गरीबी सम्बन्धी सूचना र तथ्याङ्क चुस्त दुरुस्त राख्ने | गाउँपालिकाभर गरीबीको परिभाषा भित्र पर्ने परिवार वाव्यक्तिको वास्तविक सूचना संकलन र अद्यावधिक गरिने छ । |
| | गरीबीका प्रमुख कारण र गरीबीको सघनता भएका क्षेत्रहरूको पहिचान गरिने छ । |
| | बहु आयामिक गरिबीको सूचकाङ्कमा परेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ । |
| | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको सबै महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ । |
| १.२ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | निरपेक्ष गरीबीमा रहेको जनसंख्या लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चितताका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गाउँपालिकाको अनुदानमा लक्षित गरीब घरपरिवारको स्वास्थ्य विमा लगायत सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | विपन्न तथा सिमान्तकृत वर्गका लागि गरिब आवास कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । |
| | गाउँपालिकाभर रहेका अशक्त, असहाय, फकिर तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका सम्पूर्ण घरपरिवार तथा सडक मानवहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिने छ । |
| | अशक्त, असहाय तथा बेसहाराहरूलाई आश्रय स्थल तथा पोषणको प्रवन्ध गरिने छ । |
| | बाढी, पहिरो, महामारी, प्रकोप लगायत विविध कारणबाट कुनै परिवारको आयआर्जन गर्ने मुख्य व्यक्तिको मृत्यु भएको र परिवारका अन्य सदस्यहरूको आयआर्जन गर्ने क्षमता नभएमा निजको परिवारलाई मासिक रूपमा निर्वाहको लागि अनुदान दिइनेछ । |

उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहु आयमिक गरीबीमा रहेको जनताको गरीबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| | “कोहि भोको पढैन, भोकले कोहि मर्दैन” भन्ने प्रतिबद्धताका साथ गाउँपालिका क्षेत्रलाई खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ । |
| १.३ विपन्न लक्षित सीपमूलक तथा रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | रोजगार केन्द्रलाई सक्रिय बनाई गाउँपालिकामा निरन्तर श्रृजना हुन सक्ने रोजगारका क्षेत्रकाबारे सम्भाव्यता अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिने छ । |
| | कृषि क्षेत्रको विकास मार्फत रोजगारी श्रृजना गर्न दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना गरिने छ । |
| | कृषि श्रमिकहरूलाई सिपमूलक तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | बेरोजगार युवाहरूको लगत संकलन गरी उनीहरूको रुची र क्षमता पहिचान गरी सोही अनुसार तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | रोजगार केन्द्रको अगुवाइमा Job bank को स्थापना गर्न नियमित अध्ययन र अनुसन्धान गरिने छ । |
| | रोजगारी सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्तहुने सूचना प्रविधि संयन्त्रको निर्माण गरिने छ । |
| | अतिविपन्न परिवारका सदस्यहरूलाई घरेलु तथा कुटिर उद्योग सञ्चालन गर्न शुन्य प्रतिशत ब्याजमा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गर्न विपन्न लक्षित अनुदान कोषको निर्माण गरिनेछ । |

गरिबी निवारणको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष | |
| १. | गरिब परिवार पहिचान सूचना संकलन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बेरोजगारहरूको सूचना तथा तथ्याङ्क संकलन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गरिबीका प्रमुख विशिष्टकृत कारणहरूको अध्ययन गर्ने | १५ | ० | ० | ० | ० | |
| | बहुआयामिक गरिबी सूचकाङ्क भित्र रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन | ० | २० | २२ | २४ | २७ | |
| | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | गरिब लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | विपन्न परिवार स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम तथा सामाजिक सुरक्षा अनुदान | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | विपन्न नागरिक आवास कार्यक्रम | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | अशक्त, असहाय, बेसहारा सडक मानव तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | बेसहारा आश्रय स्थल निर्माण | ० | ० | ० | ० | १०० | |
| | निर्वाहमुखी अनुदान कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | “कोहि भोको पर्देन, भोकले कोहि मर्देन”कार्यक्रम | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | रोजगार केन्द्रद्वारा रोजगारीका क्षेत्र पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन | | ५० | ० | ० | ० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष | |
| | दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना | ० | ० | १०० | ० | ० | |
| | कृषि श्रमिक सिप मूलक तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बेरोजगारलाई रुची अनुसार तालिम सञ्चालन | ८० | ८८ | ९७ | १०६ | ११७ | |
| | Job Bank को स्थापना गर्न अध्ययन | ० | २५ | ० | ० | ० | |
| | Job Information Software निर्माण | ० | ० | ३० | ० | ० | |
| | अति विपन्न परिवार लक्षित उद्यमी अनुदान | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | जम्मा | २३० | २७८ | ४०८ | ३०६ | ३३७ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आफ्नो आमदानीले बाह्र महिना खान नपुग्ने परिवार संख्या हालको बाट ५० प्रतिशत कम हुने छ ।
- ✓ रोजगारीका अवसरहरू श्रृजना हुने छन् ।
- ✓ गरिब घरपरिवारको जीवनस्तर सुधार हुने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|--------------|---|---------|-----------|------------|
| १ | गरिबी निवारण | | | | |
| | प्रभाव | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको परिवार (१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | बहुआयामिकगरिबीको दर (१.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेको ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रभाव | बेरोजगारी दर (८.५.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | गरिब लक्षित कार्यक्रमबाट प्रत्यक्ष लाभ लिने घरपरिवार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | भूमिहिन तर करार खेतीबाट लाभान्वित घरपरिवार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सामाजिक सुरक्षण प्रणालीमा समेटिएको जनसंख्या (१.३.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | आयमूलक सिपविकास तालिमद्वारा लाभान्वित घरपरिवार | संख्या | | |
| | असर | अशक्त, असहाय, बेसहारा आश्रयस्थलमा समेटिने | संख्या | | |
| | प्रतिफल | स्वास्थ्य बिमाबाट सुरक्षित गरिएका विपन्न परिवार | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गरिबीको रेखामुनि रहेका महिला (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | गरिबीको रेखामुनि रहेका ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | कूल बजेटमा सामाजिक सुरक्षा खर्च (१.३.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | आफ्नै नाममा अचल सम्पत्ति भएका महिला (१.४.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | कूल बजेटमा गरिबी निवारणका लागि प्रत्यक्ष रुपमा छुट्याइएको बजेट (१.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |

परिच्छेद- ६ : पूर्वाधार विकास

६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

पृष्ठभूमि

मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकताहरू मध्ये आवास पनि एक हो र नेपालको संविधानले पनि सुरक्षित तथा वातावरण मैत्री आवासको हकलाई प्रत्याभूति गरेको छ। सुनकोशी गाउँपालिकाको भू वनावट पहाडी भूभाग भएको कारणले यहाँ एकिकृत बस्ती नभई छरिएर रहेका बस्तीहरू छन्। यहाँ निर्माण भएका आवास तथा भवनहरूको संरचना प्रायः ढुंगा माटोको जोडाईले बनेका छन्। २०७२ सालको महा भूकम्पले आवास तथा सार्वजनिक भवनहरूलाई क्षति पुऱ्याएको हुनाले त्यस पश्चात निर्मित भवनहरू भूकम्प प्रतिरोधी बनेका छन्। गाउँपालिकामा जनता आवास कार्यक्रम पनि संचालन भएको छ। जसबाट भूकम्प प्रतिरोधात्मक १२० घरहरू बनेका छन्। यहाँ रहेका सामुदायिक भवनहरूमा जोरभारा समाजसेवी भवन, भिमसेन स्थान टोलको भवन, आमा समुह सञ्जाल भवन, मुलखर्क सामुदायिक भवन, कोषहाट बजार सामुदायिक भवन, युवा क्लवहरूको भवन, विभिन्न मन्दिरहरूमा धार्मिक पार्टी पौवाका भवन लगायत विभिन्न सामुदायिक वनका भवनहरू रहेका छन्। अव्यवस्थित, असुरक्षित तथा जोखिम युक्त अवस्थामा रहेका घरपरिवारलाई व्यवस्थित, सुविधा सम्पन्न, वातावरण मैत्री तथा सुरक्षित आवास सुनिश्चित गर्नका लागि सुरक्षित आवासका दीर्घकालीन योजना निर्माण गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- ठूलो संख्यामा घरहरू कच्ची रूपमा रहेकाले सुरक्षित नभएका।
- घर निर्माण गर्दा प्राविधिकहरूको अनुगमन न्यून रहेको।
- छरिएर रहेका बस्तीहरूलाई एकीकृत गर्न तथा आवास क्षेत्रमा वृद्धाश्रम, धर्मशाला, सामुदायिक भवन आदि निर्माण गर्न प्रशस्त मात्रामा बजेटको आवश्यकता पर्ने।
- सार्वजनिक भवन निर्माणको लागि सार्वजनिक जग्गाको अभाव।
- मौलिक संस्कृति र वास्तुकलाको लोप हुँदै जाने अवस्था रहेको।
- भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयनमा आउन नसकेको।
- सुकुम्बासी, विपन्न, तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका निम्ति आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति आवश्यक रहेको।
- भवन तथा सुरक्षित आवास निर्माणका लागि स्थानीय स्तरमा प्राविधिक र दक्ष जनशक्तिको अभाव भएको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष:मुख्य संभावना र अवसरहरू

- २०७२ सालको भूकम्प पश्चात भूकम्प प्रतिरोधात्मक भवनहरूको निर्माण हुनु पर्ने ज्ञानमा वृद्धि भएको।
- प्रत्येक वडामा रहेका खुला क्षेत्रलाई सम्भाव्यता अध्ययन गरी एकीकृत बस्ती विकास गर्न सहज रहेको।
- गाउँपालिकाले पहिरोको जोखिम भएको भनी पहिचान भएका, दीर्घकालिन रूपले सुरक्षित स्थानमा

सबलपक्ष:मुख्य संभावना र अवसरहरू

पूर्णवासको व्यवस्था मिलाउनु पर्ने परिवारलाई तत्काल सुरक्षित स्थानमा पुर्नवास गर्ने तथा तत्काल पूर्नवास गर्न नसकिने तर जोखिममा भएका परिवारलाई आवश्यक उपयुक्त वीमा कार्यक्रम लागु गर्न सकिने ।

- गाउँपालिकाले पहिरोको जोखिमयुक्त बस्ती भनेर पहिचा नभएका बस्तीमा पूर्व सूचना प्रणाली जडान गर्ने र उक्त सूचना प्रभावित परिवारको मोवाइलफोनमा SMS को रुपमा प्रवाह हुने व्यवस्था मिलाउने र आपतकालिन कार्य संचालन केन्द्रको स्थापना र संचालन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले निजी आवास तथा भवन निर्माण गर्दा राष्ट्रिय भवन संहिता र भवन निर्माण मापदण्डको प्रभावकारी कार्यान्वयनलाई संस्थागत गर्नका साथै घर नक्सा तथा सडक बाटो सम्बन्धी मापदण्ड जारी गरी कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले स्थानीय स्तरमा आवास निर्माण सामग्रीहरू जस्तै- गिट्टी, बालुवा तथा खानीजन्य उद्योगहरूलाई स्थानीय बस्ती,वनजंगल, र सार्वजनिक स्थलहरूलाई असर नपर्ने गरी मात्र संचालन गर्न सकिने ।
- व्यवस्थित र वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- भूकम्प प्रतिरोधी वातावरण मैत्री सुविधा सम्पन्न तथा सुरक्षित भवन निर्माणमा जनचासो बढ्दै गएको ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- सबैलाई पूर्ण सुरक्षित तथा आधारभूत सुविधा सम्पन्न आवासको प्रत्याभूति

लक्ष्य

- सुरक्षित र न्यूनतम सुविधा युक्त आवास तथा बस्ती विकास गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु
- ✓ सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने

उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूलाई एकीकृत बस्तीको निर्माण गरी स्थानान्तरण गर्दै लैजाने । | बस्ती विकास योजना निर्माण गरिने छ । |
| | विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरू पहिचान तथा नक्साङ्कन गरिनेछ । |
| | एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा उपयुक्त स्थानहरू पहिचान गरी आवास क्षेत्र विकास गरिनेछ । |
| | छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका घरपरिवारका लागि सुरक्षित, व्यवस्थित, आधारभूत सुविधा युक्त तथा वातावरण मैत्री एकीकृत बस्ती निर्माण गरिनेछ । |
| | सुकुम्बासी, विपन्न, जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका लागि आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति बनाइने छ । |
| | विपद्को उच्च जोखिममा रहेका स्थानमा हुन सक्ने थप बस्ती विस्तारलाई |

उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| | निरुत्साहित गरिनेछ । |
| | समग्र एकीकृत ग्रामीण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । |
| | अव्यवस्थित बसोबास कार्यलाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । |
| १.२. घना बस्ती रहेको स्थानमा बस्ती व्यवस्थित गर्ने । | भू-उपयोग नीति अनुरूप बस्ती विकास तथा योजनानिर्माण गरिनेछ । |
| | हाल घना बस्ती रहेका स्थानमा भौतिक पूर्वाधार विकास गरी बस्ती वरपर थप आवास विस्तार कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
| | अनाधिकृत रूपले बसोबास गरिरहेका घरपरिवार पहिचान गरी सो स्थानबाट हटाउने कार्यलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ । |

उद्देश्य २: सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| २.१. एकीकृत सेवा प्रदायक बहुउपयोगी तथा बहुउद्देश्यीय भवन निर्माण गर्ने । | सरकारी भवनहरू निर्माण गर्दा सकेसम्म एकै स्थानमा र एकरूपता ल्याउन एकै किसिमका भवनहरूको डिजाइन र निर्माण गरी एकीकृत जनसेवा प्रदान गरिनेछ । |
| | सरकारी तथा सार्वजनिक भवनहरू अपाङ्ग मैत्री बनाइने छ । |
| | दलित एवम् सीमान्तकृत अतिविपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण गरिनेछ । |
| २.२ आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग गर्ने । | आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्तरमा उपलब्धता भएका निर्माण सामग्रीको उच्चतम प्रयोग गरिने छ । |
| | आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग हुने प्रविधि विकास गर्न विज्ञहरूको सहयोग लिई निर्माण मजदुरहरूका लागि नियमित तालिम संचालन गरिने छ । |
| | स्थानिय मौलिकताको जर्गेना गर्ने, वास्तुकला तथा सौन्दर्य कायम हुने संरचना निर्माण गर्दा गाउँपालिकाले प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ । |
| | समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन गरिनेछ । |
| | सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन गरिनेछ । |

बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माणको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १ | बस्ती विकास गुरुयोजना तयार गर्ने | ० | ३०० | ० | ० | ० | |
| | विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूको पहिचान गरी नक्सांकन गर्ने | ० | ० | ५० | ५५ | ६१ | |
| | एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा सम्भावित स्थान पहिचान गर्ने | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | स्थानीयतह, निजी क्षेत्र तथा लक्षितवर्गको सहकार्यमा एकीकृत बस्ती निर्माण | ० | ० | २०० | ० | ० | |
| | आर्थिक रूपले पिछ्छडिएका वर्गको लागि जनता आवास कार्यक्रम | ३०० | ३३० | ३६३ | ३९९ | ४३९ | |
| | भवननिर्माण संहिता कार्यान्वयन गर्न जोखिम क्षेत्र पहिचान | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | एकीकृत ग्रामिण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन | ० | ० | ० | ० | ३०० | |
| | अव्यविस्थित बसोबास कार्यलाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयन | ५० | ० | ० | ० | ० | |
| | बस्ती विकास कार्यक्रम सम्भाव्यता अध्ययन | ० | ० | २० | ० | ० | |
| | अनुगमन संयन्त्र निर्माण/मापदण्ड निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | भवन आचार संहिता तर्जुमा तथा लागू | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | बजार क्षेत्रमा निर्माण भएका घरहरूको नक्शा पास तथा नक्सापास विपरित संरचनाहरूको व्यवस्थापन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सामूहिक सार्वजनिक तथा सरकारी भवन निर्माण | ० | ० | ० | २०० | २२० | |
| | अपाङ्ग मैत्री भवन निर्माणका लागि समन्वय | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | दलित एवम् सीमान्तकृत अतिविपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | सुरक्षित आवास निर्माणका लागि क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | स्थानिय मौलिकताको जर्गेनाको लागि नीति निर्माण | ० | २० | ० | ० | ० | |
| | समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जम्मा | ७५० | १०९० | १११७ | १२३७ | १६६० | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम सुविधायुक्त एकीकृत बस्तीहरूको विकास भएको हुने
- ✓ भवन आचार संहिता निर्माण भई कार्यान्वयन भएको हुने
- ✓ विपन्नवर्गको लागि आवास योजना कार्यान्वयनमा आएको हुने
- ✓ गाउँपालिकाका भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त सम्पूर्ण घर तथा सार्वजनिक भवनहरूको पुनर्निर्माण भएको हुने ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------------------------|---|---------|-----------|------------|
| १. | भवन, आवास तथा बस्ती विकास | | | | |
| | असर | भुपडी तथा अवैध जमिनमा बसोबास गर्ने परिवार (११.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | खर/पराल/पातले छाएको घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ३ | |
| | असर | वाढी, डुवान तथा भूकम्पबाट सुरक्षित र सुविधायुक्त घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ६३ | |
| | असर | पाँच जना र सो भन्दा बढी व्यक्तिहरु एउटै छानो मुनी बसोबास गर्ने परिवार (११.३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | भूमिहीन तथा सुकुम्बासीको संख्या | प्रतिशत | ०.०१ | |
| | असर | एकीकृत आवासमा छुट्टाछुट्टै घरमा बस्ने परिवार संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | बहुतले आवास (अपार्टमेन्ट) मा बस्ने परिवार संख्या | प्रतिशत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवीविपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

६.२ सडक, पुल तथा यातायात

पृष्ठभूमि

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ । गाउँपालिकावासीको सडक तथा यातायातको पहुँचको अवस्थालाई हेर्दा यस क्षेत्रमा व्यापक सुधार गर्नु पर्ने अवस्था रहेको छ । यस गाउँपालिकालाई मुख्य सडकले छोएको छैन । यहाँको सडकहरुमा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमबाट केहि स्थानहरुमा ढुंगाको सोलिड गर्ने कार्यहरु भईरहेको छ । गाउँपालिकाको सडकको जम्मा लम्वाई ३०१.८ कि.मी रहेको छ भने कृषि सडकको लम्वाई २०८ कि.मी रहेको छ । यी सडकहरुमा व्यवस्थित नालाको लम्वाई हालसम्म ५० मिटर रहेको छ । गाउँपालिकाले सडकहरुको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ । तथापि यातायातका साधनहरुको अपर्याप्तता तथा रुटहरु वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ । यस पालिका भित्र हालसम्म कुनै पनि व्यवस्थित बसपार्कहरु बनेका छैनन । सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरुलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरुमा यात्रु प्रतिक्षालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ ।

यातायातलाई सहज बनाउनका लागि पुलपुलसाहरुको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ । ठूला तथा साना नदीहरु भएको स्थानहरुमा सहज रुपमा यातायात संचालन गर्न गराउनका लागि मोटरेवल पुलको आवश्यकता पर्दछ भने ग्रामीण स्थानहरुमा भोलुङ्गे पुलहरुले काम गरिरहेका हुन्छन् । यस गाउँपालिका भित्र साना ठूला गरी २० वटा विभिन्न प्रकारका पुलहरु रहेको देखिन्छ । जसमध्ये मान्द्रे, मोलुङ्ग दोभान, अँधेरी मोलुङ्ग खोलामा पक्की मोटरेवल पुलहरु रहेका छन् भने बाँकी विभिन्न स्थानको खोला तथा नदीहरुमा भोलुङ्गे पुलहरु रहेका छन् ।

सडक तथा यातायातको विकासले उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवामा पहुँच पुऱ्याउने, रोजगारी श्रृजना गर्ने, गरिबी न्यूनीकरण गर्ने तथा आर्थिक, सामाजिक विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ । तसर्थ यस गाउँपालिकामा सडक तथायातायात गुरुयोजना निर्माण गरी व्यवस्थित तवरले सडक सञ्जालको विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै सार्वजनिक यातायात संचालन हुने रुट तय गरी आवश्यक संख्यामा बसपार्कहरुको निर्माण साथै सवारी यातायात नियमित रुपमा संचालन गर्न पनि आवश्यक छ ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरु र चुनौतीहरु

- योजनाबद्ध तथा दिगो विकास लक्ष्यका मापदण्ड मुताविक सडक सञ्जाल विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्न ठूलो आकारको बजेट आवश्यक पर्ने ।
- कच्ची सडक वर्षातको समयमा हिलाम्मे हुने र अन्य समयमा धुलाम्मे हुने हुँदा आवागमन जोखिमपूर्ण र कष्टप्रद हुने गरेको ।
- गाउँपालिकाका सडकहरु गुणस्तरयुक्त नभएको जनगुनासो ।
- गाउँपालिकामा पर्याप्त पुल नभएको र भएका पुलहरु पनि साना तथा स्तरोन्नति गर्नुपर्ने ।
- गाउँपालिका भित्र दैनिक आवतजावतका लागि आवश्यक भरपर्दो यातायातको सुविधा भए पनि सडकको कारणले सार्वजनिक यातायात सेवा संचालन कठिनाई भएको ।
- वर्षातको समयमा सडकहरुमा बाढी पहिरोको अत्यन्त जोखिम हुने गरेको ।
- सडकको स्थिति कमजोर हुँदा उद्योगधन्दा, कलकारखाना, व्यापार व्यवसाय, कृषि, पर्यटन जस्ता क्षेत्रहरु चलायमान हुन नसकेको ।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरु

- प्रत्येक वडालाई सडक सञ्जालले जोडेको ।
- गाउँपालिकाको सडक संजाल मार्फत कृषि, पर्यटन तथा उद्योगको विकासको राम्रो सम्भावना रहेको ।
- गाउँपालिकाले सडकको नियमित आवधिक र आकस्मिक मर्मत संभार कार्यलाई योजनाबद्ध ढंगबाट कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- पालिकाले आफ्नो क्षेत्रबाट अन्य गाउँपालिका सदरमुकामसम्म जोड्ने सडक निर्माण तथा स्तरोन्नतका साथै वडा नं. १० को वडा कार्यालय हुँदै मोलुङ्ग गाउँपालिका, फलाटे भन्ज्याङ, मोलुङ्ग दोभान, डाडाँजेरु, सिस्नेरी भन्ज्याङ, माथिल्लो ढाँडखोला, दुले हुँदै गाउँपालिका जोड्ने सडक स्तरोन्नती गर्ने नीति अगाडी सारेको ।
- सडकमा बत्तीहरु जडान गरी सडक यातायातलाई व्यवस्थित बनाउन सकिने ।
- वर्षातको समयमा यातायात निरन्तर रुपमा संचालन गर्नका लागि सडक हेरालुको व्यवस्था गरिएको ।

दीर्घकालीन सोच

- सहज, सुरक्षित र भरपर्दो सडक तथा यातायात सेवाको सुनिश्चितता

लक्ष्य

- गाउँपालिका भित्रको सडक सञ्जाल स्तरोन्नति गरी यातायातलाई सुरक्षित, सहज र भरपर्दो बनाउने

उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिका वासीमा गुणस्तरीय य सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु
- ✓ गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

उद्देश्य १: गाउँपालिका वासीमा गुणस्तरीय य सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१. गाउँपालिका केन्द्रबाट सबै वडा केन्द्र र महत्वपूर्ण स्थानमा सडक सञ्जाल विस्तार गर्ने । | सम्पूर्ण वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य-मुख्य सडकहरूलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी शीघ्र स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गरिनेछ । |
| | निर्माण योजनामा रहेका सडकको यथाशीघ्र निर्माण सम्पन्न गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ । |
| | सडक विस्तार सँगसँगै बसपार्क तथा प्रतिक्षालयहरू निर्माण गरिने छ । |
| | पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँग विशेष पहल गरिनेछ । |
| १.२. विद्यमान सडक पूर्वाधारको स्तरोन्नति तथा विस्तार गर्ने । | हाल सञ्चालनमा रहेका प्रमुख बस्ती र बजार केन्द्र जोड्ने प्रमुख सडकहरूको पहिलो प्राथमिकता तोक्यो स्तरोन्नति, विस्तार र कालोपत्रे वा पक्की गरिनेछ । |
| | पहिचान भएका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति र विस्तार गरी गाउँपालिकाका सडकसँग आवद्ध कृषि सडक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ । |
| | प्रस्तावित औद्योगिक व्यावसायिक तथा कृषिपकेट क्षेत्रहरूको यकिन गरी ती स्थानहरूलाई जोड्ने सडक क्रमिक रूपमा निर्माण गरिनेछ । |
| | सघन यातायात सञ्चालन हुने सडकहरूमा आवश्यकता अनुसारको रोड फर्निचर (Road Furniture) को व्यवस्था गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाभर अति आवश्यक स्थानहरूमा पुल निर्माणका लागि अध्ययन गरिनेछ । |
| | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डि पि आर सम्पन्न गरिनेछ । |
| | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग बजेटका लागि समन्वय गरिनेछ । |
| | शान्ति सुरक्षालाई कायम गर्न गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिस्सि क्यामरा जडान गरिनेछ । |
| | मुख्य बजार क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण गरिनेछ । |
| | साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार गरिनेछ । |
| १.३. सार्वजनिक यातायात प्रणालीको विकास गर्ने । | झातायात व्यवसायी तथा सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया गरी सार्वजनिक सवारी साधनचल्ने रूटहरू तय गरिनेछ । |

उद्देश्य १: गाउँपालिका बासीमा गुणस्तरीय य सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------------------------------|---|
| | रूटमा चल्ने सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार (जस्तै बस, मिनिबस, टाटासुमो/बोलेरो आदि) आवश्यकता अनुसार तय गरिनेछ । |
| | रूटको बीच-बीचमा बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय, प्रतीक्षालयहरू स्थानीय आवश्यकता अनुसार निर्धारण गरी निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाका सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य रूटहरूमा आवश्यकताको आधारमा ट्राफिक युनिट स्थापना गरिनेछ । |
| १.४. हेलिप्याड निर्माण गर्ने । | आपतकालिन सेवा प्रदान गर्नका लागि गाउँपालिकाका प्रत्येक वडामा कम्तिमा एउटा हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ । |

उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| २.१. सडक तथा यातायात गुरुयोजना अनुरूप योजनावद्ध एवं व्यवस्थित तवरले सडक संजातको विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने । | <p>सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।</p> <p>सडक तथा यातायात गुरुयोजनामा आधारित सडक सञ्जातको विकास तथा यातायात रुटहरूको तय गरिनेछ ।</p> <p>रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार गरी प्राथमिकताका आधारमा निर्माण गरिनेछ ।</p> <p>गाउँपालिकाको ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङ्गको व्यवस्थापन गरिनेछ ।</p> |
| २.२. सडकको न्यूनतम मापदण्ड कार्यान्वयनमा ल्याइने । | सडकको न्यूनतम मापदण्डलाई कार्यान्वयनमा ल्याइने छ, तथा सडक अतिक्रमण गर्ने कार्यलाई पूर्ण रुपमा निरुत्साहित गरिनेछ । |
| २.३. दिगो तथावातावरण मैत्रीप्रविधिमा जोड दिने । | <p>सडकको नियमित मर्मत सम्भारका लागि आधुनिक प्रविधिको उपयोग तथा यान्त्रीकरणमा जोड दिइनेछ ।</p> <p>प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु परिवर्तनले सडक तथा यातायातमा हुन सक्ने असर तथा नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।</p> <p>विद्युतीय सवारी साधन संचालन गर्नका लागि सङ्घीय तथा प्रादेशिक सरकारसँग समन्वय गरी प्रोत्साहन गर्न निजी क्षेत्रलाई आर्थिक सहूलियत दिने र चार्जिङ स्टेशनको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।</p> |
| | <p>गाउँपालिकामा निर्माण हुने सडकहरू मध्ये २० प्रतिशत सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन गरिनेछ ।</p> <p>गाउँपालिकाको तीनवटा रुटमा विद्युति ययातायात सेवा संचालन गरिनेछ ।</p> <p>सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान गरिनेछ ।</p> <p>नेपाल विद्युत प्राधिकरणको सहकार्यमा बस पार्क तथा अन्य आशयक स्थानहरूमा विद्युतिय चार्जिङ स्टेशन निर्माण कार्य गरिनेछ ।</p> |

सडक, पुल तथा यातायातको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १ | वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य सडकको स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे | ९०००० | ९९००० | १०८९०० | ११९७९० | १३१७६९ | |
| | हाल निर्माणाधिन सडक निर्माण तथा संचालन | ५००० | ५५०० | ६०५० | ६६५५ | ७३२१ | |
| | बसपार्क निर्माण | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न पहल | ५००० | ५५०० | ६०५० | ६६५५ | ७३२१ | |
| | प्रमुख सडकहरूको स्तरोन्नति | ३०००० | ३३००० | ३६३०० | ३९९३० | ४३९२३ | |
| | कृषि सडकहरूको विस्तार तथा स्तरोन्नति | १०००० | ११००० | १२१०० | १३३१० | १४६४१ | |
| | औद्योगिक, व्यावसायिक तथा कृषि क्षेत्र जोड्ने सडक निर्माण | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | पक्की पुल तथा भो.पु निर्माण | २००००० | २२०००० | २४२००० | २६६२०० | २९२८२० | |
| | मुख्य सडकहरूमा रोड फर्निचरको व्यवस्था | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको सर्वेक्षण अध्ययन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर निर्माण | ० | २५ | २८ | ३० | ३३ | |
| | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलनिर्माणका लागि सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिसि क्यामरा जडान | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | मुख्य बजार क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण | ८००० | ८८०० | ९६८० | १०६४८ | ११७१३ | |
| | साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सडक अधिकार क्षेत्र भन्दा बढी कायमगरि हरियाली प्रवर्द्धन सहित फुटपाथ, निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सार्वजनिक सवारीसाध चल्ने रुटहरू तय | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | रुट अनुसार सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार निर्धारण | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय तथा प्रतिक्षालय निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | ट्राफिक युनिट स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | प्रत्येक वडाका सम्भाव्य स्थलमा हेली प्याड निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| २ | सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण | ० | ० | ० | ४०० | ० | |
| | गुरुयोजना अनुरूप सडक संजातको विस्तार तथा स्तरोन्नति | ० | ० | ० | ० | १००० | |
| | ट्राफिक व्यवस्थापन कार्य योजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन | ० | ० | ० | ५० | ५५ | |
| | अनुगमनको व्यवस्था | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | आधुनिक उपकरण खरिद | १००० | ११०० | १२१० | १३३१ | १४६४ | |
| | Bio-engineering प्रविधि अवलम्बन गर्ने | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिड प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन | २० | २२ | ० | ० | ० | |
| | तीनवटा रुटमा विद्युतिय यातायात सेवा संचालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | जम्मा | ३५१५१५ | ३८६६९२ | ४२५३३६ | ४६८३२० | ५१५७१२ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सडक यातायातको सहजपहुँच स्थापित भएको हुनेछ ।
- ✓ गाउँपालिका केन्द्रलाई प्रत्येक वडा केन्द्र जोड्ने सडकहरू स्तरोन्नति भएका हुनेछन् ।
- ✓ सार्वजनिक यातायातका वैज्ञानिक रुटहरू तय भइ सार्वजनिक परिवहन सहजभएको हुनेछ ।
- ✓ सडक जोखिम तथा दुर्घटना न्यूनीकरण हुनेछन ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|----------------|---|---------------------|-----------|------------|
| १. | सडक तथायातायात | | | | |
| | असर | बाह्रै महिना सवारी साधन सञ्चालन योग्य सडकको २ कि.मि. दूरी भित्रबसोबास गर्ने घरपरिवार (९.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ३१ | |
| | असर | घरबाट ३० मिनेटको पैदलयात्रामा सडकमा पहुँचभएका जनसंख्या (११.२.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ६० | |
| | असर | सार्वजनिक यातायातमा सुविधाजनक पहुँच भएको जनसंख्या (११.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | सडक घनत्व (९.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | कि.मि. /वर्ग कि.मी. | | |
| | असर | पक्की कालोपत्रे सडकको कि.मी. /वर्ग कि.मी. (९.१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | कि.मी /वर्ग कि.मी. | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिका केन्द्रबाट वडा केन्द्र जोड्ने कालोपत्रे सडकको लम्बाई | कि.मि | | |
| | असर | हवाई यातायात प्रयोगकर्ता यात्रु (प्रतिवर्ष) (९.१.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकाको सडकको जम्मा लम्बाई | कि.मि | ३०१.८ | |
| | प्रतिफल | गाउँपालिकाको कालोपत्रे सडकको जम्मा लम्बाई | कि.मि | | |
| | प्रतिफल | कृषि सडकको लम्बाई | कि.मि | २०८ | |
| | प्रतिफल | सडकहरूमा व्यावस्थित नाला निर्माण | कि.मि | ५० | |
| | प्रतिफल | पुलतथा कल्भर्ट निर्माण | संख्या | | |
| | असर | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये साइकल भएको घरधुरी संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये मोटरसाइकल भएको घरधुरी संख्या | प्रतिशत | २२ | |
| | असर | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये कार, जिप, भ्यान भएको घरधुरी संख्या | प्रतिशत | ११ | |

अनुमान तथा जोखिमपक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइलाग्ने छैन ।

६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

पृष्ठभूमि

कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउन साथै आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा ऊर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। गाउँपालिकाका अधिकांश घरहरूमा खाना पकाउनको लागि काठ दाउराको प्रयोग गर्दछन्। काठदाउराको श्रोत पालिका भित्र रहेका विभिन्न किसिमको सामुदायिक बनहरू रहेका छन्। काठदाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरूमध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन्। यहाँको खोला तथा नदिहरूबाट विद्युत उत्पादन गर्न सकिरहेको छैन भने यस गाउँपालिका वडा नं. ९ ककनी भने सौर्य मिनिग्रैटवाट ७० कि.वा. प्लान्टवाट विद्युत उत्पादन गरी विद्युतिकरणको व्यवस्था गरेको छ। यस पालिका भित्र विद्युत सुविधा नपुगेका केहि स्थानहरू छन्। जसमा वडा नं. ८ साविक गा.वि.स.को वडा नं. ४ र ५, वडा नं. ७ को सबै टोलहरू, वडा नं. ४ को सुन्डिस, कुपुड, वडा नं ९ को ढेवुवा न्युरेनी पर्दछ। यी स्थानहरूमा विद्युत प्रसारणको लागि पहल भईरहेको अवस्था छ।

गाउँपालिकामा विद्युत प्रसारण लाईन विस्तार तथा सुधार गर्नुपर्ने साथै कम भोल्टेज (Low voltage) हुने स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको स्तरोन्नती तथा नयाँ ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ। यसको साथै हालप्रयोग भएको नाङ्गो तारलाई विस्थापित गरी कालो तारको व्यवस्था गर्नु पर्ने र काठको पोलहरूलाई हटाई फलामपोलको व्यवस्था गर्नु पर्ने भएको छ। विद्युतऊर्जा साथसाथै सौर्य उर्जा जस्ता अन्य वैकल्पिक ऊर्जाबाट विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय, सिँचाई आयोजना, खानेपानी आयोजना समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- घरायसी इन्धनको रूपमा अझै पनि मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल हुने तथा वनजंगल विनासको कारक तत्वको रूपमा रहेको काठदाउराको प्रयोग उच्च रहेको।
- विभिन्न स्थानमा ट्रान्सफर्मरहरूको अभाव रहेको।
- सार्वजनिक सडक बत्तिहरूको पर्याप्त प्रबन्ध नभएको।
- गुणस्तरीय य विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था नभएको।
- विद्युतवाट संचालन हुने यातायात साधनहरूको लागिचार्जिड स्टेशनको व्यवस्था नभएको।
- पारा खोलावाट संचालित माइक्रोहाइड्रो बन्द अवस्थामा रहेको।
- गाउँपालिकाको केहि वस्तीहरूमा विद्युतको सुविधावाट वन्चित रहनु।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको कार्यालय तथा वडा कार्यालयहरूमा विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधा भएको।
- जलस्रोत प्रसस्त भएको गाँउपालिका।
- वडा नं. ९ को ककनीमा सौर्य मिनिग्रैटवाट ७० कि.वा विद्युत उत्पादन गरी समुदायमा वितरण गरिएको।
- गाउँपालिकाले सुधारिएको चुलो, वायोग्याँस तथा विद्युतिय प्रयोगलाई प्राथमिकता दिई खाना पकाउनको लागि दाउराको प्रयोगको अभ्यासलाई न्यूनिकरण गरिने र धुवाँ मुक्त भान्साको प्रयोगवाट धुवाँजन्य रोग न्यूनिकरण गर्दै जाने नीति लिएको।
- नवीकरणीय उर्जा तथा वैकल्पिक उर्जालाई उचित व्यवस्थापन गरी सदुपयोग गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाबासीलाई विद्युतीय उपकरणको उपयोगमा प्रोत्साहन गरी काठ दाउरा र ग्याँसको खपत न्यूनिकरण गर्न सकिने।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- ऊर्जामा पूर्ण पूर्वाधार युक्त गाउँपालिका

लक्ष्य

- गाउँपालिका बासीहरुमा दिगो, वातावरण मैत्री ऊर्जामा पूर्ण पहुँच स्थापित गर्ने

उद्देश्यहरु

- ✓ ऊर्जामा सबै गाउँपालिका बासीको पहुँच पुऱ्याउनु
- ✓ ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु

उद्देश्य १. ऊर्जामा सबै गाउँपालिका बासीको पहुँच पुऱ्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १.१. विद्युतीकरण नभएका स्थानहरुमा विद्युत् सेवा विस्तार गर्ने । | विद्युत् सेवा नपुगेका बस्तीहरुमा विद्युतीकरणका लागि थप कार्य अगाडि बढाइने छ । तत्काल विद्युतीकरण उपलब्ध हुन नसक्ने घरधुरी र काठ दाउराको प्रयोगलाई पूर्णरूपले विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै सौर्य ऊर्जा तथा बायो ग्याँस प्रयोग गर्न प्रोत्साहन स्वरूप अनुदान प्रदान गरिनेछ । मूख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान गरिनेछ । गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुललाइन र इन्टरनेटका तारलाई भूमिगत गर्दै लगिनेछ । |

उद्देश्य २. ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| २.१. विद्युत क्षमता वृद्धि गर्ने । | मग अनुसार आवश्यक voltage परिपूर्ति गर्न ट्रान्सफर्मर जडान तथा क्षमता वृद्धि गरिनेछ । विद्युत प्रसारण लाइन सुधार गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ । |
| २.२. विद्युत उपयोग बढाउने । | घरायसी खाना पकाउन विद्युतीय उपकरणको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । विद्युतिय सवारी साधनको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| २.३. वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने । | गाउँपालिकामा वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनको सम्भाव्यता हेरी निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ । उज्यालो गाउँपालिका अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकाका सडकहरुमा स्मार्ट लाइट एवं हाई मास्ट बत्ती तथा सार्वजनिक स्थानहरुमा बत्ति जडान गरिनेछ । खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठ दाउरा प्रयोग गर्ने घरधुरीहरुलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
| २.४. विद्युत चुहावट नियन्त्रण गर्ने । | गाउँपालिकामा हुनसक्ने विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था गरिनेछ । |
| २.५. जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | दाउराको प्रयोगलाई पूर्णरूपमा वैकल्पिक ऊर्जा तथा विद्युतीय ऊर्जाको प्रयोगले विस्थापित गर्न दाउराको प्रयोगका नकारात्मक असरबारे जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाको सघन बस्ती क्षेत्र वरपर विद्युतिय सवारी साधन चार्जिङ स्टेशन स्थापना गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ । |

जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १ | विद्युतका प्रसारण लाइन विस्तार | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्न अनुदान | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | मूख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| २ | आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मर जडान | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी विद्युत प्रसारणलाई सुधार गर्ने | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | विद्युतीय उपकरण खरिदमा निश्चित मापदण्डका आधारमा छुटको व्यवस्था | ० | ० | ० | ० | ० | |
| | वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्न अन्तरक्रिया | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सडक तथा सार्वजनिक स्थानमा बत्ति जडान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | विद्युत ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्नका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | १६२० | १७८२ | १९६० | २१५६ | २३७२ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ उर्जाका आधारभुत पूर्वाधारहरूको विकास भइ हरेक घरधुरीमा न्युनतम उर्जाको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।
- ✓ उर्जाको मुलप्रवाहमा नसमेटिएका घरधुरीहरूमा वैकल्पिक उर्जाको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | उर्जा | | | | |
| | असर | विद्युतमा पहुँच भएका जनसंख्या (७.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ९५ | |
| | असर | वैकल्पिक तथा नविकरणीय उर्जा जस्तै सोलार प्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | ९० | |
| | असर | जीवाश्म इन्धनको प्रयोग (कूलउर्जा खपतमा) (१२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | विद्युतबाट चल्ने सवारी साधन (प्रतिशत) (७.३.१.४) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | चार्जिङ स्टेशन | संख्या | | |
| | असर | खना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा कोइला, दाउरा, गुइँठा लगायतका ठोस इन्धनप्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | खानापकाउन र कोठा तातो राख्न एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ६० | |
| | असर | खना पकाउन विद्युतीय चुलो प्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | २५ | |
| | असर | खना पकाउन बैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | ६० | |
| | असर | विद्युतीय सामग्रीमा हिटर, पंखा, एयर कन्डिसनर, वासिङ मेसिनप्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- सवै घरधुरीहरुमा विद्युत तथा वैल्पिक उर्जाको सुविधा पुगेको हुनेछ ।
- विद्युत चुहावतमा कमी आउनेछ ।
- विद्युत लाइनहरु व्यवस्थित भएको हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धीहकलाई मौलिकहकको रूपमा उल्लेख गरेको छ। गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा टेलिफोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा उपलब्ध हुनुका साथै नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइल फोन सेवाप्रदान गरेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवाप्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भएतापनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। साथै सबै वडाहरूमा स्तरीय इन्टरनेट सेवा उपलब्ध हुन सकेको छैन। यहाँ डीसहोम मार्फत टेलिभिजन प्रसारण हुँदै आएकोले गाउँपालिकावासीले विभिन्न किसिमका समाचारका साथै मनोरञ्जनात्मक कार्यक्रम हेर्ने मौका पाएका छन्। आर्थिक विकासका लागि सूचना तथा संचारको विकास अत्यावश्यक भएका कारण यस गाउँपालिकामा सूचना तथा संचारको विकासका लागि प्रविधिमैत्री कार्यक्रमहरू गर्नुपर्ने आवश्यकता छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- ल्याण्डलाईन टेलिफोन सेवा तथा इन्टरनेट सेवाविस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता।
- पर्याप्त मात्रामा टेलिफोन तथा मोबाइल टावरहरू नभएकाले Network Coverage प्रभावकारिता मा ल्याउन टावरहरू विस्तार गर्नुपर्ने।
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा इन्टरनेट सुविधा विस्तार गरी निःशुल्क वाईफाईको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- सञ्चार क्षेत्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।
- गाउँपालिका वासीमा सञ्चारका सबै प्रविधिसँगको पहुँच स्थापना गरी साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- मोबाइल डाटाको प्रयोगबाट भएपनि गाउँपालिकावासीहरूमा Facebook, Youtube जस्ता सामाजिक सञ्जातको प्रयोगमा वृद्धि हुँदै गएको।
- गाउँपालिकाको सबै वडा कार्यालयहरूमा टेलिफोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा पुगेको।
- गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायकले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका।
- रेडियो नेपालको प्रसारण साथै स्थानीय एफ एम सुन्न तथा डिजिटल प्रविधिबाट टेलिभिजन हेर्न सकिने।
- इच्छा तथा आवश्यकता अनुसार विभिन्न राष्ट्रिय दैनिकहरू गोरखापत्र, कान्तिपुर जस्ता पत्रपत्रिकाको पहुँच भएको।
- उपभोक्ताको माग राम्रो भएको खण्डमा निजी सञ्चार सेवा प्रदायक मोबाइल तथा इन्टरनेट कम्पनीहरूलाई सेवा विस्तारमा आकर्षण गर्न सकिने।

दीर्घकालीन सोच

- सूचना तथा सञ्चारमा पूर्ण पूर्वाधार युक्त गाउँपालिका

लक्ष्य

- गाउँपालिकावासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

उद्देश्यहरू

- गाउँपालिका वासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

| उद्देश्य १. गाउँपालिका वासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने | |
|--|---|
| रणनीति | कार्यनीति |
| १.१. सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरूको निर्माण गर्ने । | मोबाइल नेटवर्क कभरेज प्रभावकारितामा ल्याउन आवश्यकतानुसार मोबाइल टावरहरूको थप र विस्तार तथा गुणस्तर सुधार गर्न नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग पहलग रिनेछ । |
| | इन्टरनेट प्रदायक निजी कम्पनीहरूलाई आकर्षण गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ । |
| | स्थानीय एफएम रेडियो सञ्चालन गर्न र स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्न निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| | मोबाइल टावरहरूमा विद्युतको नियमित रुपमा आपूर्ति गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ । |
| | गाउँपालिकाको सूचना प्रवाहमा सरलताको लागि डिजिटल बोर्ड साथै डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था गरिनेछ । |
| १.२. गाउँपालिका वासीमा आमसञ्चारको पहुँच विस्तार गर्ने । | गाउँपालिकाको वेबसाइट मार्फत सूचना सम्प्रेषण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका केन्द्र, वडा कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा फ्री वाइफाईको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | वडा कार्यालयहरू सूचना प्रविधि मैत्री बनाइनेछ । |
| | गाउँपालिका स्तरीय सूचना केन्द्रको साथै e-library को स्थापना गरिनेछ । |
| | एफएम रेडियोसँग सहकार्य गरी स्थानीय भाषामा सूचना तथा समाचार तयार गरेर बजाइनेछ । |
| गाउँपालिका भित्रका स्थानीय खबर तथा देश र विदेशका खबरबाट सुसूचित गर्नका लागि अति विपन्नवर्गलाई मापदण्डका आधारमा मोबाइल वितरण गरिनेछ । | |
| १.३. क्षमता अभिवृद्धि मूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । | सूचना प्रविधिसँग सम्बन्धित प्राविधिक जनशक्तिलाई विभिन्न किसिमका तालिम मार्फत उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका वासीमा साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ । |
| | डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ । |

सूचना, संचार तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

| क्र.सं. | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|---------|---|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १ | नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग समन्वय गरी आवश्यक स्थानमा टावरहरू निर्माण गर्ने तथा गुणस्तर सुधार | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा आम सञ्चार पूर्वाधार निर्माण | २५० | २७५ | ३०३ | ३३३ | ३६६ | |
| | सामुदायिक एफएम र स्थानीय पत्रिका प्रकाशनमा सहजीकरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विद्युत प्राधिकरणसँग सहकार्य | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | गाउँपालिकाको वेबसाइट नियमित रुपमा अपडेट | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | सञ्चारसँग सम्बन्धित निजी क्षेत्रसँग सहकार्य | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | विद्युतीय सूचना पूर्वाधार निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | e-library स्थापना | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | स्थानीय स्तरमा सूचना तथा समाचार उत्पादन तथा प्रसारण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | सूचना प्रविधि तालिम संचालन | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई अगाडी बढाइने | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जम्मा | ९७० | १०६७ | ११७४ | १२९१ | १४२० | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ गाउँपालिका तथा वडाहरूमा सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुने छ ।
- ✓ गाउँपालिका वासीमा आमसञ्चारको गुणस्तरीय य सेवामा पहुँच पुगेको हुने छ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|-----------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | सूचनातथा सञ्चार | | | | |
| | असर | टेलिफोन तथा मोबाइल सेवामा पहुँच पुगेको घरपरिवार संख्या | प्रतिशत | ९८ | |
| | असर | इन्टरनेट प्रयोगकर्ता घरपरिवारको संख्या (१७.६.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ९८ | |
| | असर | रेडियोको पहुँचपुगेका घरपरिवार संख्या | प्रतिशत | ९९ | |
| | असर | टेलिभिजनको पहुँचपुगेका घरपरिवार संख्या | प्रतिशत | ५ | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- सम्पूर्ण गाउँपालिका वासीहरूमा सूचना तथा संचारमा पहुँच पुगेको हुनेछ ।
- विभिन्न किसिमका सूचनाहरू डिजिटल प्रविधि मार्फत प्रसारण हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमित ताहुनेछ ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।

परिच्छेद - ७ : वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

७.१ वन तथा जैविक विविधता

पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको कूल क्षेत्रफल मध्ये ३२.९८ प्रतिशत भू-भाग वन जंगलले ओगटेको छ। विशेष गरी यहाँ पाईने वनस्पतीहरूमा सल्लो, चिलाउने, उतिस, मलेतो, कटुस, बाँफ, बाँस, टुनी, गुराँस खन्यु, कुमेरो, वडहर, आदि हुन भने जडीबुटीहरूमा लौठसल्ला, सुगन्धवाल, चिराईतो, जटामसी, कटुकी, पाखनवेद, कुरिलो, सतिवयर, भ्याउ, अमला, बेल, लप्सी पाइन्छ। त्यस्तै पशुपन्छीहरूमा सालक, चितुवा, बँदेल, दुम्सी, खरायो, बाँदर, काग, परेवा, चिवे, कालिज, लाटोकोसेरा, भंगेरा, मैना सुगा, वाज, ठेउवा, जुरेली, फिस्टा, तित्रा, चिल, गिद्ध, वनकुखुरख, ढुकुर आदि पाइन्छ।

दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भू-क्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ। तसर्थ पर्यावरणीय सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको वासस्थान कायम राख्न वनजंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ। यस गाउँपालिकामा रहेका पाखो जमिनमा व्यापक जन परिचालन गरी वृक्षारोपण गर्नुपर्ने देखिन्छ जसले गर्दा गाउँपालिकालाई एक प्रकारको हरित बगैँचाको रूपमा विकास गरी सीमित मात्रामै भएपनि वनलाई आय आर्जनसँग जोड्न सकिन्छ। त्यसैगरी गाउँपालिकाको अधिकांश क्षेत्र भिरालो क्षेत्र भएकाले अधिकांश क्षेत्रमा वर्षातको समयमा निरन्तर बाढी पहिरो जाने, सडक अवरुद्ध हुनुका साथै ठूलो मात्रामा धनजनको क्षतिहुने हुनाले भू-संरक्षणका हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्रहरूमा वृक्षारोपण, ढल तथा नालानिर्माण, तारजाली, परम्परागत बाढी पहिरो नियन्त्रण र भू-संरक्षणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ। साथै भू-संरक्षणको प्रभावकारी उपाय वृक्षारोपण भएकोले सो कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु अति आवश्यक छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वनजंगल क्षेत्रमा डढेलो समस्या हुने गरेको।
- विभिन्न जंगली जनावरको प्रकोप बढ्ने क्रममा रहेको।
- वन क्षेत्रमा रहेका मिचाहा प्रजातिका वनस्पति नियमित रूपमा गोडमेल गरी नियन्त्रण गर्नुपर्ने।
- दिगो वन व्यवस्थापन तथा भू-संरक्षणका लागि प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्नुपर्ने।
- लोपोन्मुख वनस्पति र वन्यजन्तुको संरक्षणका लागि विशेष कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।
- गैह्र काष्ठ वन पैदावरको निकासीले वन जंगल छिटो विनास हुन सक्ने संभावना रहेको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको कुल भू-भाग मध्ये वनजंगलले ३२.९८ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको ।
- गाउँपालिकाले भूक्षय बाढी पहिरो नियन्त्रणका लागि छिटो बढ्ने बाँस तथा पाउलोनियाको विरुवा खरिद गरी बृक्षारोपण गर्ने र जथाभावी रुख कटानको कार्यलाई निरुत्साहित गर्नका लागि दण्ड जरिवानाको व्यवस्था गर्न सकिने ।
- पालिकाले हाम्रो जंगल हाम्रो धन, फलफूल खेती प्रवर्धन कार्यक्रम संचालन गरी वन्यजन्तुको, संरक्षण तथा वनजंगलको महत्व बढाउन वनजंगलमा फलफूल विरुवा रोप्ने र वाँझो वाखाहरुमा बृक्षारोपण कार्यलाई प्राप्तिहित गर्ने नीति लिएको ।
- खेर गएका तथा खाली रहेका सार्वजनिक जग्गा पाखो पखेराहरुलाई सामुदायिक वनको रुपमा विस्तार गरी आयआर्जनका विशेष कार्यक्रममा आवद्ध गरी गरिवी निवारणमा जोड्न सकिने ।
- स्थानीय समुदायको सहयोगमा सामुदायिक वन संरक्षण गर्न सकिने ।
- पर्यापर्यटनको विकास गर्न सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- जल, जमिन, जंगल र जडीबुटीको दिगो संरक्षण तथा सदुपयोग मार्फत दिगो विकास हासिल गर्ने

लक्ष्य

- गाउँपालिकालाई वातावरण सन्तुलित हरित क्षेत्रको रुपमा विकास गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु
- ✓ वन तथा हरित क्षेत्रको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु
- ✓ कटान ग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।

उद्देश्य १ : वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१. वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गर्ने । | वन क्षेत्रको विकासलाई वैज्ञानिकी करण गर्न विज्ञ समूहको सहयोगमा दिगो वन व्यवस्थापन बारे सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.२. वनलाई आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउने । | खाली रहेका सार्वजनिक जग्गा, नदी उकासको क्षेत्र, खेर गैरहेको जमिन र बगर क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रुपमा विकास गरी आय आर्जनसँग आवद्ध गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । निजी तथा सामुदायिक स्तरमा निजी जमिन तथा वन जंगलमा फलफूलको व्यावसायिक उत्पादन सुरु गरिनेछ । |

उद्देश्य १ : वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|---|
| | चिराइतो, कटुकी, लौठसल्ला, सुगन्धवाल, जटामसी, पदमचाल इत्यादि जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरी वृक्षारोपण गरिनेछ । |
| | कृषिवन (Agro forestry) को नीति अवलम्बन गरी हरित क्षेत्रलाई पूर्ण प्रतिफलमुखी बनाइने । |

उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| २.१. खेर गइरहेको भाडी वुट्यान क्षेत्रलाई सदुपयोग गरी वनको क्षेत्रफल बढाइने । | गाउँपालिकामा खेर गइरहेका स्थानको पहिचान गरी वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । प्रत्येक वन जंगल क्षेत्रलाई लक्षित गरी कम्तीमा “एकवन एक नर्सरी” को स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| २.२. वन संरक्षण कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने । | स्थानीय “वन ऐन” निर्माण तथा जारी गरी वनको प्रभावकारी संरक्षण गरिनेछ । स्थानीय वन संरक्षण समितिहरूलाई सक्षम बनाई प्रतिफलमुखी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । हरेक वडामा उपयुक्त सार्वजनिक तथा ऐलानी जग्गा रहेका स्थानहरूको पहिचान गरी निश्चित क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा घोषणा गरी हरित क्षेत्र कायम गर्न वृक्षारोपण, पार्क निर्माण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ । पानीको मुल सुकाउने प्रजातिका विरुवाहरूको पहिचान गरी तिनीहरूलाई उत्पादनशील फलफुल तथा पानीका मुहान संरक्षणमा सहायक बोटबिरुवाले प्रतिस्थापन गर्दै लगिनेछ । वन तथा भू-संरक्षणका हरेक कार्यक्रमहरूमा जनसहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ । वन डढेलो र वन्य जन्तु तथा वनस्पतिको चोरी निकासी प्रभावकारी रूपमा नियन्त्रण गरिनेछ । विकास निर्माण कार्य गर्दा वन तथा जलाधार क्षेत्रको सकेसम्म कम क्षतिहुने गरी protocol तयार गरिनेछ । सर्वोत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई मापदण्डका आधारमा वार्षिक रूपमा पुरस्कृत गरिनेछ । निजी तथा सामुदायिक वनमा सरोकारवालाहरूलाई एकीकृत वन व्यवस्थापन र संरक्षणका लागि क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन गरिनेछ । निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक वनमा रुख कटान पश्चात सो ठाउँमा |

उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| | कटान भएकै संख्यामा वृक्षारोपण गर्न लगाई “कटान पश्चातपुनः हरियो” कार्यक्रम संचालनमा ल्याई अनिवार्य वृक्षारोपण गरिनेछ । |
| | संकटापन्न वनस्पतिहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ । |
| | संकटापन्न वन्यजन्तु, जलचर, पन्छी तथा स्थलचरहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ । |
| | समुदाय स्तरमा चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाइको गठन गरिनेछ । |
| २.३ जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | हरित क्षेत्र विस्तार तथा भू-संरक्षण सचेतना कार्यक्रमहरू अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ । |

उद्देश्य ३ : पहिरो र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| ३.१. सम्पूर्ण कटानग्रस्त क्षेत्रको अभिलेख संकलन गर्ने | गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडामा कटान ग्रस्त क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन गरी विवरण संकलन गरिनेछ । |
| | अति जोखिमयुक्त क्षेत्रलाई वातावरणिय हिसाबले अति संवेदनशिल क्षेत्र घोषणा गरिनेछ । |
| ३.२. कटान नियन्त्रणका सफल अभ्यासहरूको अनुसरण गर्दै कटान नियन्त्रण गर्ने | कटानग्रस्त क्षेत्रमा हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ । |
| | कटानग्रस्त क्षेत्रहरूमा बायो इन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी नियन्त्रण गर्न विज्ञहरूको परामर्श लिनुका साथै त्यस्ता क्षेत्रहरूको अध्ययन अवलोकन भ्रमण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा एक नमुना भू-संरक्षण क्षेत्रको घोषणा गर्न कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | भू-संरक्षण तथा बाढी पहिरो नियन्त्रणका लागि आवश्यक पूर्वाधार जस्तै- तारजालीको उत्पादन गाउँपालिकामै गर्न निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरिनेछ । |
| | भू-संरक्षण तथा बाढी पहिरो नियन्त्रणका लागि तालिम प्राप्त जनशक्तिको प्रबन्ध गर्न तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |

वन तथा जैविक विविधता विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष | |
| १ | दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | हरित क्षेत्र सम्भाव्यता अध्ययन तथा नक्साङ्कन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वडा स्तरिय नर्सरी स्थापना गरि फलफुलका विरुवाहरू उत्पादन तथा वितरण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सामुहिक जडीबुटी खेती अन्तरक्रिया | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | Agro forestry को नीति अवलम्बन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| २ | खेर गईरहेको स्थान पहिचान गरी वृक्षारोपण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | एक वन एक नर्सरी कार्यक्रम | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | स्थानियवन ऐन निर्माण | १५ | ० | ० | ० | ० | |
| | वन उपभोक्ता समितिलाई तालिम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | हरित क्षेत्र तथा पार्क निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | पानीको मुहान संरक्षण गर्न सहयोगी विरुवा रोपण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वन तथा भू-संरक्षण कार्यक्रममा जनसहभागिता | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | वन डढेलो नियन्त्रण कार्ययोजना निर्माण | ० | ५० | ० | ० | ० | |
| | चोरी निकासी नियन्त्रण वन रक्षक तालिम तथा अभिमुखीकरण | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | विकास निर्माणका कार्य गर्दा जलाधार क्षेत्रको क्षतिन्युनीकरण protocol तयारी | ० | ० | २५ | ० | ० | |
| | उत्कृष्ट वनसंरक्षण समूहलाई पुरस्कारको व्यवस्था | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | वन व्यवस्थापन र संरक्षण क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|--------------|-------------|--------------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष | |
| | “कटान पश्चात पुनः हरियो”कार्यक्रम संचालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | संकटापन्न वनस्पति संरक्षण कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाई गठन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| ३ | बाढी तथा पहिरो संवेदनशील क्षेत्रको नक्शाङ्कन तथा विवरण संकलन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | वातावरणीय हिसाबले जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूलाई अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | कटान क्षेत्र विशेष हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बायो इन्जिनियरिङ परामर्श सेवा | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | बायो इन्जिनियरिङ नमुना क्षेत्र अध्ययन भ्रमण तथा नमुना बाढी पहिरो नियन्त्रण क्षेत्र निर्माण | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | वृक्षारोपण तथा पहिरो नियन्त्रण कार्यका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रण तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | ८०० | ९१४ | ९७५ | १०४५ | ११४९ | |

अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ दिगो वन व्यवस्थापन सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ जैविक विविधताको संरक्षण भएको हुनेछ ।
- ✓ भू संरक्षणका नमुना क्षेत्रहरूको संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ हरित क्षेत्रविस्तार हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | वनतथा भू-संरक्षण | | | | |
| | असर | वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | ३२.९८ | |
| | असर | सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.) | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/बेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | वनस्पति उद्यान | संख्या | | |
| | असर | दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | जडीबुटी तथाफल फूलखेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | मिचाहा प्रजातिका बिरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत) | प्रतिशत | | |
| | असर | संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रूपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू | प्रतिशत | | |
| | असर | अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्रमध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.१.१.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|---------|-----------|------------|
| | असर | बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | पहिरोकाहिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | River Training नगरिएको (लम्बाई) कि.मी. | कि.मी. | | |
| | असर | नमूनाबाढी पहिरो नियन्त्रण क्षेत्र | संख्या | | |
| | असर | हरित क्षेत्रविस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा बाढी पहिरो नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र | प्रतिशत | | |

अनुमानतथाजोखिमपक्ष

- बन जंगल अतिक्रमण न्यून हुनेछ ।
- पानीको मुहान तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण हुनेछ ।
- लोप हुन लागेका पशुपन्छी तथा वोट विरुवाहरूको संरक्षण हुने छ ।
- बाँझो रहेका जमीनहरूको उचित प्रयोगमा आउने छ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।

७.२ भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

(अ) भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)

पृष्ठभूमि

यो गाउँपालिका समुद्री सतहबाट ३५८ मिटर देखि २८२५ मिटरको उचाइमा फैलिएको छ। यस गाउँपालिकाको कुल भूभाग १४३.७५ वर्ग.कि.मी मध्ये २९.३८ वर्ग कि.मी कृषि भूमि, ३२.९८ प्रतिशत बनजंगल, २२.९७ प्रतिशत घाँसे भूमि, १०.८३ प्रतिशत भाडी जमीन, १.६७ प्रतिशत, जलाधार क्षेत्रले ओगटेका छन्। यहाँ भौगोलिक अवस्थितिका आधारमा चिम्ट्याइलो, दोमट, बलौटे, कालो, कमेरे लगायतको माटो पाईन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वस्तीहरू छरिएको अवस्थामा रहेका हुनाले दिगो विकास गर्नका लागि समस्या।
- जमिनको प्रकृति अनुसार त्यसको वर्गीकरण गरी सदुपयोग गर्न नसकिएको।
- यथेष्ट मात्रामा उपलब्ध कृषियोग्य क्षेत्रलाई वैज्ञानिक तवरले सदुपयोग गर्न नसकिएको।
- गाउँपालिकाको वन क्षेत्रलाई दिगो व्यवस्थापन र सदुपयोग गर्न नसकिएको।
- जमिन बाँझो हुने गरेको।
- जमिनको पूर्ण र वैज्ञानिक रूपमा सदुपयोग नभएको।
- जमिन बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्ने चुनौती रहेको।
- भूमिको वैज्ञानिक र व्यावसायिक ढङ्गले पूर्ण सदुपयोग गर्ने चुनौती रहेको।
- उर्वर भूमिको अभाव रहेको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले स्थानीयतहलाई भूमि व्यवस्थापन सम्बन्धी अधिकार प्रत्यायोजन गरेको।
- जडीवुटी उत्पादन, वन तथा वनजन्य उत्पादनबाट प्रशस्त आमदानी गर्न सकिने।
- वातावरण संरक्षण र हरियाली प्रवर्द्धन मार्फत पर्यटकको संख्या वृद्धि गर्न सकिने।
- भूमिको वैज्ञानिक र दिगो सदुपयोग मार्फत दीर्घकालिन समृद्धि हासिल गर्न सकिने।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- भू स्रोतको पूर्णत वैज्ञानिक सदुपयोग मार्फत आर्थिक समृद्धि

लक्ष्य

- वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना लागू गरी भूमिलाई आर्थिक विकासको आधार बनाउने।

उद्देश्य

- ✓ सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु।

उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेती योग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।

| रणनीति | कार्य नीति |
|---|---|
| १.१ राष्ट्रिय र प्रादेशिक भू-उपयोग नीति अनुरूप स्थानीय भू-उपयोग योजना र कृषि नीति निर्माण गर्ने । | गाउँपालिकाको जमिनलाई भू-उपयोग योजना अनुरूप वर्गीकरण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका भित्र रहेको सबै प्रकारको जग्गाको पूर्णरूपमा लगत संकलन गरी व्यक्तिगत, सरकारी, सार्वजनिक, सामुदायिक जग्गाको विस्तृत अभिलेख तयार पारि भूमिप्र शासन प्रणालीमा आबद्ध गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकामा उपलब्ध सिंचित र असिंचित जमिनको लगत तयार गरी कृषि योग्य जग्गाको सदुपयोग भए नभएको तथ्याङ्क अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । |
| | सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमणका विरुद्ध शुन्य सहनशिलताको अवलम्बन गरिनेछ । |
| | पूराना नक्सा डिजिटलाइज गर्ने प्रक्रिया आरम्भ गरिनेछ । |
| | नक्सा पास सम्बन्धी कागजहरुको Digitization गर्नुका साथै विद्युतीय नक्सापास कार्यलाई व्यवस्थित र सरल गरिनेछ । |
| १.२ खेती गर्न इच्छुक तर आफ्नो जमिन नभएका कृषकहरुको लगत संकलन गरी भूमिको व्यवस्था गर्ने । | भूमि बैङ्कको स्थापना गरिनेछ । |
| | करारमा खेती गर्न इच्छुक कृषकलाई आवश्यक जमिन उपलब्ध गराइनेछ । |
| | करार खेती क्षेत्र विस्तार गर्न विशेष कार्य योजना निर्माण गरिनेछ । |
| १.३ जग्गा बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्न खेतीयोग्य जमिनको दिगो प्रयोग विस्तार गर्ने । | नदीउकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्धन तथा सामुहिक खेती प्रोत्साहन गर्न संभाव्यता अध्ययन तथा कृषक अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | जग्गा बाँझो राख्न नपाउने नीति अवलम्बन गरी बाँझो जमिन राख्ने जग्गाधनीलाई भूमिकरमा निश्चित प्रतिशतले बढी लिने नियम लागू गरिनेछ । |
| १.४ जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने | गाउँपालिकामा जग्गा चक्लाबन्दी गर्न चाहने कृषकहरुको विवरण संकलन गरिनेछ । |
| | सामूहिक खेती र चक्लाबन्दीका फाइदाका बारेमा कृषक अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | जग्गा चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकहरु पहिचान गरी कृषक समूह गठन गरिनेछ । |
| | यस्ता सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई कृषि सहकारीसँग आबद्ध गरिनेछ । |
| | चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई मापदण्डका आधारमा मल, बीउ, ज्ञान, सिप, प्रविधि र अन्य कृषि सामाग्रीमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिई प्रोत्साहन गरिनेछ । |

भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग) को विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | गाउँपालिका भू-उपयोग योजना निर्माण | ० | ० | ३०० | ० | ० | |
| | भूमि अभिलेख प्रणाली निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सिंचित, असिंचित, बाँझो तथा खेती भएको जमिनको अद्यावधिक तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण | ० | ० | ५० | ५५ | ६१ | |
| | सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमण विरुद्ध शुन्य सहनशिलता | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | नक्सा डिजिटलाइजेसन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | नक्सापास सम्बन्धी कागजहरुको Digitization तथा विद्युतीय नक्सापास कार्यलाई व्यवस्थित | ० | २० | २२ | २४ | २७ | |
| | करार खेतीका लागि इच्छुक कृषक लगत संकलन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | करार खेती विस्तार कार्यक्रम अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | नदी उकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामुहिक खेती अभिमुखीकरण तथा तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | खेतीयोग्य क्षेत्र बाँझो रहन नदिन कार्ययोजना निर्माण | ० | १०० | ० | ० | ० | |
| | जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने कृषकको लगत संकलन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | जग्गाचक्लाबन्दी सम्बन्धी कृषक अभिमुखीकरण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने कृषक समूह गठन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | कृषक समूह तथा कृषि सहकारी विच अन्तरक्रिया | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | चक्लाबन्दी तथा सामूहिक खेती गर्ने कृषकलाई अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | जम्मा | ३१५ | ४६७ | ७५३ | ४९८ | ५४८ | |

अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा उपलब्ध खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक र पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | वनतथा भू-संरक्षण | | | | |
| | असर | वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.) | हेक्टर | | |
| | प्रतिफल | थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/बेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | वनस्पति उद्यान | संख्या | | |
| | असर | दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | जडीबुटी तथा फलफूलखेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत) | प्रतिशत | | |
| | असर | संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रुपमाप्रयोग हुने वनस्पतिहरू | प्रतिशत | | |
| | असर | अनुत्पादक भाडी, बुट्यानक्षेत्र मध्ये उत्पादन शीलवनमा परिणत भएको क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|---------|-----------|------------|
| | असर | संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | गैंडाको संख्या (१५.५.१.४) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या | प्रतिशत | | |
| | असर | पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र | प्रतिशत | | |
| | असर | River Training नगरिएको (लम्बाई) कि.मी. | कि.मी. | | |
| | असर | नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र | संख्या | | |
| | असर | हरित क्षेत्रविस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र | प्रतिशत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण जमीनको सदुपयोग भएको हुनेछ ।
- बाँझो जमीनहरूको उपयोग भएको हुनेछ ।
- कृषि मार्फत आयआर्जनमा वृद्धि भएको हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।

(आ) जलाधार संरक्षण

पृष्ठभूमि

नेपाल जलस्रोतको धनी राष्ट्रका रूपमा संसारमा परिचित छ। तथापि यस्ता जलाधार क्षेत्रहरूको ठोस योजना नहुँदा यसको पूर्ण सदुपयोग नभई जलस्रोत खेर गइरहेको अवस्था छ। समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो। यस गाउँपालिकामा मुख्य जलस्रोतको रूपमा सुनकोशी, मोलुङ नलि रहेका छन्। यस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ। वातावरण तथा हरियाली प्रवर्द्धन गरी वातावरणको सन्तुलन कायम राखी जलाधार संरक्षण गर्नका लागि गाउँपालिकाले सार्वजनिक जग्गाहरूमा वृक्षारोपण गर्ने कार्य सञ्चालन गर्न आवश्यक देखिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वर्षेनी बाढी र पहिरोको समस्या आउने गरेको साथै जलाधार क्षेत्र वरिपरिका मानव बस्ती उच्च जोखिममा रहेको।
- वन, जलाधार र भू-संरक्षणका लागि दिगो रूपमा दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने।
- जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व आम मानिसमा बुझाउन नसकिएको।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्न नसके भविष्यमा पानीको मुहानहरू सुक्न गई पिउने पानी तथा सिँचाइको चरम अभावहुन सक्ने।
- वैज्ञानिक जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।

संभावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य संभावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा हिमालबाट उत्पत्ति भई बग्दै आएका खोलाहरू महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरू रहेका।
- सुनकोशी मोलुङ जस्ता स्थाई रूपमा बग्ने नदीहरू रहेका।
- जलाधार क्षेत्रमा विभिन्न प्रकारका जलचरहरू पाइने।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उच्चतम प्रयोग गरी कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिको विकास गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सकिने।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- गाउँपालिकाको जल सम्पदालाई उच्चतम सदुपयोग गरी दिगो विकास हासिल गर्ने लक्ष्य

- गाउँपालिकाको जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण गरी जल सम्पदामा आत्मनिर्भर बन्ने उद्देश्यहरू

- ✓ जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने

उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी संरक्षण गर्ने । | गाउँपालिकामा भएका पानीका मुहानहरू, जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी नक्साङ्कन गरी विस्तृत विवरण तयार गरिनेछ । |
| | जलाधार क्षेत्रहरूको विनासमा सहयोग पुऱ्याउने क्रियाकलापहरू गर्न तत्काल रोक लगाई जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ । |
| १.२. जलाधार क्षेत्रको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने । | गाउँपालिकाका प्रमुख जलाधार क्षेत्रहरूलाई “विशेष जलाधार क्षेत्र” घोषणा गरी ती क्षेत्रहरूमा संरक्षणका कार्यक्रमहरू लागू गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडाका उपयुक्त स्थानहरूमा जल पर्यावरणीय प्रणाली अन्तर्गत जलचर, वनस्पति र भौतिक अवयवहरूको प्रवर्द्धन गर्नका लागि नमूना पोखरीहरू निर्माण गरिने छ । उक्तपोखरीहरूमा वर्षातको पानी संकलन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ । |
| | जलाधार संरक्षणमा सहायक प्रजातिका विरुवाहरूको वृक्षारोपण गरिनेछ । |
| | जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको प्रयोग गरी कृषि, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रको विकास गरिनेछ । |
| १.३. जलस्रोतको दिगो प्रयोग र जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व बुझाउनका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | उपलब्ध जलस्रोतको उच्चतम र दिगो सदुपयोग हुने गरी जलस्रोतमा आधारित उद्योग तथा व्यवसायको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| | वर्षातको पानी संकलन गरी भण्डारण प्रणाली निर्माण गर्न प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ । |

भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १ | जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको विस्तृत विवरण तयार | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | स्थानीय जलाधार क्षेत्र संरक्षण नियमावली तयार गर्ने | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | विशेष जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | पोखरीहरू निर्माण तथा पुनर्उत्थान कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | निजी क्षेत्रको संलग्नतामा जलाधार क्षेत्र उपयोग गरी आर्थिक दिगो पर्यटन, कृषि र उद्योग क्षेत्रका कार्यक्रम संचालन गर्न अन्तरक्रिया | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | दिगो जलस्रोत उपयोग सम्भाव्यता अध्ययन | ० | २० | ० | ० | ० | |
| | वर्षातको पानी संकलन प्राविधिक सहयोग | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जम्मा | २४० | २७३ | २७८ | ३०६ | ३३७ | |

अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

जलाधार क्षेत्रको पहिचान, नक्साङ्कन र दिगो संरक्षण भएको हुनेछ । जलाधार क्षेत्रमा आत्मनिर्भर भई दिगो सदुपयोग सुनिश्चित हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|--------------------------|--|---------|-----------|------------|
| १. | जलाधार व्यवस्थापन | | | | |
| | असर | ताल, सिमसार र तलाउ/पोखरीहरूको संख्या (१५.१.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | सामुदायिक वन भित्र निर्मित पोखरी संख्या | संख्या | | |
| | असर | संकटासन्न तालहरू/पोखरीहरू (१५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | संरक्षित सिमसार क्षेत्र | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वर्षातको पानी संकलन गर्न निर्माण गरिएका नमुना पोखरी संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | परम्परागत जैविक विधि अपनाई संरक्षण गरिएका पानीको मुहानहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | संकटमा परी पुनरुत्थान गरिएका पानीका मुहानको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वनजंगलभित्र रहेका पोखरीहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कूल जलश्रोतको अनुपातमा प्रयोग गरिएको जलश्रोत (१२.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका नदीहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका पानीका मुहानहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका सिमसार क्षेत्रको संख्या | संख्या | | |
| | असर | नयाँ निर्माण गरिएका पोखरी, ताल वा अन्यजल क्षेत्रले ओगटेको क्षेत्र | प्रतिशत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- जलाधार क्षेत्रको पहिचान तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्षजनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।

७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

पृष्ठभूमि

हाम्रो वरपर रहेका प्राकृतिक अवयवहरू जस्तै वायुमण्डल, भूमि, जल, वनजंगल, वनस्पति, जीवजन्तु र प्राकृतिक जीवनचक्र, जलवायु तथा मौसम आदिको अन्तरक्रिया र समग्रताले सिर्जना गरेका भौतिक अवस्थालाई वातावरण भनिन्छ। वातावरण संरक्षण भनेको सम्पूर्ण वातावरणीय अवयवहरूको एकीकृत संरक्षणको पाटो हो। यसमा समग्रमा जल, जमिन, जंगल, वायुमण्डल र हाम्रो वरपरको सेरोफेरोलाई स्वच्छ, सफा र सन्तुलित राख्ने विषय आउँछ। वातावरण प्रदुषणले मानिसमा विभिन्न किसिमका रोगहरू निम्त्याउँछ। नेपालको संविधानमा प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक हुनेछ, भनी मौलिकहकको रूपमा उल्लेख गरिएको छ। फोहोरमैला व्यवस्थापनमा यस गाउँपालिकामा कुनै नविन कार्यहरू गर्न नसकेको आस्था रहेको छ। यहाँ उत्पन्न हुने कुहिने प्रकारको फोहोरहरूलाई पुरानो प्रविधि मार्फत मल वनाउने गरेका छन् भने नकुहिने फोहोरहरूलाई उचित तवरले व्यवस्थापन गर्न सकिरहेको छैन। यहाँ फोहोर व्यवस्थापनको लागि डम्पिङ साइट तथा ल्याण्डफिल्ड साइटहरूको व्यवस्था छैन। त्यसकारण वातावरण स्वच्छ राख्नका लागि डम्पिङ साइट तथा ल्याण्डफिल्ड साइटहरूको व्यवस्था गर्न आवश्यक रहेको देखिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- प्राकृतिक सम्पदाहरूको पूर्ण संरक्षण र सदुपयोग हुन नसकेको।
- समयमै स्तरोन्नति नहुँदा तथा अनावश्यक मानवीय गतिविधि कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने खतरा रहेको।
- स्थानीय ल्याण्डफिल साइट निर्माण हुन नसकेको।
- हस्पिटलजन्य फोहोरको उचित व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- एकीकृत फोहोरमैला व्यवस्थापनको अवधारण लागू हुन नसकेको।
- स्थानीय बासीमा गाउँ/टोल सरसफाईको जिम्मेवारी हाम्रो पनि हो भन्ने भावनाको विकास गर्न नसकिएको।
- वातावरण संरक्षण र पूर्वाधार विकास बीच समाञ्जस्यता स्थापित हुन नसकेको।
- आम नागरिकमा वातावरण सचेतनाका कार्यक्रमहरू प्रभावकारी ढंगले ल्याउनुपर्ने।
- पर्यावरणीय असन्तुलन तथा प्रदुषणको नकारात्मक असरका कारण जीवन कष्टकर हुन सक्ने।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाका सार्वजनिक स्थल, नदीखोला किनार तथा अनुकूल स्थानमा वृक्षारोपण गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले प्लाष्टिक भोलाको प्रयोगलाई निरुत्साहित गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानमा व्यापक वृक्षारोपण गर्नुका साथै बगैँचा, पार्कहरू निर्माण गरी हरियाली प्रवर्द्धन गर्न सकिने।
- ल्याण्ड फिल्ड निर्माणको लागि व्यवस्थित स्थानको खोज गर्न सकिने।

दीर्घकालीन सोच

- स्वच्छ, सफा, हराभरा हाम्रो सुनकोशी

लक्ष्य

- गाउँपालिकालाई वातावरण मैत्री नमूना हरित क्षेत्रका रुपमा विकास गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्ने ।
- ✓ सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउने ।

उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १.१. प्रदूषण नियन्त्रणका लागि मापदण्ड बनाई लागू गर्ने । | प्रदूषण नियन्त्रण गर्न क्रमशः सबै सडकहरू कालोपत्र गर्दै लगिनेछ । |
| | प्लाष्टिक तथा टायर ट्युब जगाउने परिपाटीलाई पूर्णतः बन्देज गरिनेछ । |
| | पानीका मुहानहरू सफा राख्न त्यस्ता स्थानहरूमा मानवीय गतिविधि र छाडा पशुहरू नियन्त्रण गरिनेछ । |
| | मरेका पशु चौपायहरूको व्यवस्थापन गर्न वडास्तरमा स्थानहरू तोकिनेछ । |
| | प्रत्येक घरमा खाना पकाउन प्रयोग हुने मुख्य ईन्धन काठ, दाउरालाई विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै गोबरग्याँस, बायोग्याँस, सौर्य तथा वायु उर्जा, सुधारिएको चुलो आदिको व्यवस्था गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ । |
| | इट्टाभट्टा जस्ता प्रदूषण बढाउने उद्योगलाई घना मानव बस्ती भएको इलाकामा स्थापना गर्न निषेध गरिनेछ । यस्ता उद्योगलाई वातावरण प्रदूषण नियन्त्रणमा जिम्मेवार बनाई वातावरण संरक्षणका क्षेत्रमा सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत शोध भर्ना स्वरूप लगानी गर्नुपर्ने प्रावधान बनाइनेछ । |
| | गाउँपालिका भएर बस्ने खोलानालाको किनार लगायत भू-क्षय संवेदनशील क्षेत्रमा भू-क्षय, नदी कटान नियन्त्रण गर्ने योजना कार्यान्वयन गरिने छ । यसो गर्दा जैविक इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिलाई प्राथमिकता दिइनेछ । |
| | सडक निर्माण लगायतका भौतिक निर्माण कार्य सम्पन्न गर्दा वातावरणमा पर्ने क्षति न्यूनीकरण गर्न निर्माण लागतको कम्तिमा १ प्रतिशत रकम वातावरण संरक्षण कोषमा जम्मा हुने व्यवस्था मिलाइनेछ । |
| | गाउँपालिका क्षेत्रभित्र स्थापना हुने उद्योगहरू दर्ता गर्दा वातावरण प्रदूषण नहुने कार्य योजना पेश गरेमा राजश्व रकममा सहूलियत दिने व्यवस्था गरिनेछ । |
| | हरियाली प्रवर्द्धन गर्न ग्रीन सुनकोशी, क्लिन सुनकोशी नारालाई अभियानको |

उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदुषण नियन्त्रण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| | रुपमा बस्तीस्तरमा पुऱ्याइनेछ । |
| | स्वच्छ वातावरणका लागि गाउँपालिका भित्रका टोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.२. समुदाय वा टोल स्तरमा नियमित सरसफाई तथा शौचालय निर्माण अभियान सञ्चालन गर्ने । | घर आँगन, टोल र सडक सफा राख्ने र सामुदायिक वा टोल स्तरमा नियमित सरसफाई अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| | प्रत्येक वडाका मानवीय गतिविधिहरू बढी भइरहने क्षेत्रमा अनिवार्य सार्वजनिक शौचालयको निर्माण गरिनेछ । |
| | हरित टोलको रूपमा विकास गर्ने स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान गरिनेछ । |

उद्देश्य २. सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्रीबनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| २.१. विकास निर्माणका कार्यक्रमगर्दा IEE कार्यान्वयन गर्ने । | विकास निर्माणका ठूला कार्यक्रमहरू, खानी उत्खनन, ढुंगा, गिटी, बालुवा तथा माटो उत्खनन आदि कार्य गर्न प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण गरी सोको अक्षरश पालना गरिनेछ । |
| | प्रतिव्यक्ति काठको खपतलाई घटाउन काठको विकल्पमा पालिकामा भित्रने प्रविधि र वस्तुलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ । |
| | बायोग्याँस प्लान्ट निर्माण गरिनेछ । |
| २.२. ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलहरूको विकास र संरक्षण गर्ने । | ऐतिहासिक, धार्मिक र पुरातात्विक महत्वका स्थानहरूको एकीकृत संरक्षण योजना तयार गरी यस्ता क्षेत्रलाई सम्पदा क्षेत्र घोषणा गरी वातावरण अनुकूल दिगो विकास र संरक्षण गरिनेछ । |
| | संभावना अनुसारप्रत्येक वडामा एक एकवटा वडागत नमुना पार्कहरूको निर्माण गरिनेछ । |

वातावरण तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १ | प्राथमिकताका आधारमा सडकहरू कालोपत्र गर्ने | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | प्लाष्टिक तथा टायर, ट्यूब जलाउन निषेध | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | मरेका चौपायाहरू व्यवस्थापन गर्ने स्थान निर्माण | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन गर्न अनुदान | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | भूसंरक्षण योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन | ० | २०० | ० | ० | ० | |
| | वातावरण संरक्षण कोष निर्माण | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | ग्रीन सुनकोशी, क्लिन सुनकोशी नारा सहित अभियान संचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | टोलटोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सरसफाई अभियान सञ्चालन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| २ | अनुगमन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | काठको प्रयोग विस्थापन गर्ने वस्तु र प्रविधिमा विशेष प्रोत्साहन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | बायोग्याँस प्लान्ट निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | एकीकृत संरक्षण योजना निर्माण | ० | ० | १०० | ० | ० | |
| | एक वडा एक हरित पार्कहरूको निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | जम्मा | २६९५ | ३१६५ | ३३६१ | ३५८७ | ३९४६ | |

अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएका हुने ।
- ✓ एकीकृत वातावरण संरक्षण योजना तयार भएको हुने,
- ✓ वातावरण संरक्षण सम्बन्धि कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यले निरन्तरता पाएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|-------------|-----------|------------|
| | | वातावरण तथाफोहोरमैलाव्यवस्थाप | | | |
| | प्रतिफल | नव हरित क्षेत्रको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | वातावरणीय संवेदनशील क्षेत्रहरूको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सडक सौन्दर्यीकरण | कि.मि. | | |
| | असर | प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोग (क्यूबिक/मी.) (१२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | क्यूबिक/मी. | | |
| | असर | वायूमण्डलमा धुलोका कणहरूको गाढापन (२४ घण्टाको औषत) (पि.एम) (११.६.२.२) (प.दि.वि.ल.) | औसत | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- वातावरण सफा भएको हुनेछ ।
- रोग व्यधहरूको न्युनिकरण भएको हुनेछ ।
- डम्पिङ साइडको व्यवस्था भएको हुने छ ।
- फोहरमैलाहरूको व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।

७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

पृष्ठभूमि

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापककार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामी सामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्ष रूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकास सम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। विकास सम्बन्धी क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्दा वातावरण मैत्री प्रविधि अपनाउने र जलवायु परिवर्तन विरुद्ध अभियान सञ्चालन गरी कम भन्दा कम कार्बन उत्सर्जन गर्ने र बढी भन्दा बढी कार्बन उपभोग हुने वातावरण सिर्जना गरेर जलवायु समायोजन र सन्तुलन कायम हुने वैज्ञानिक विधि र प्रक्रिया अवलम्बन गर्न श्रेयस्कर हुन्छ।

भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा बर्सेनि प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। यस गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले अत्यन्त संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेष गरी बाढी, पहिरो, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो जस्ता प्राकृतिकप्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसके पनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा भएका बस्ती वर्षायाममा पहिरो, बाढीको जोखिममा रहेको।/यस गाउँपालिकाको बस्तीहरू मध्ये सुनकोशी, मोलुङ खोलाको किनारमा रहेका बस्तीहरू बाढी र कटान प्रभावित रहेको छ भने अन्य स्थानका बस्तीहरूमा पहिरो, डढेलो प्रभावित रहेका छन्।
- बर्सेनि वर्षातको समयमा पहिरो तथा भू-क्षयको समस्या हुने गरेको।
- जलवायु परिवर्तनले भएको अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आदिका कारण वार्षिक खेतीपाती क्यालेन्डर परिवर्तन हुन थालेको, बालीनालीमा रोग, किराको समस्या देखिनुका साथै उत्पादनमा नकारात्मक प्रभाव देखिन थालेको।
- प्राविधिक अध्ययन विना जथाभावी विकास संरचना निर्माणले (विशेष गरी सडक निर्माण) विपद् जोखिम बढ्दै गएको।
- जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर तथा विपद् न्यूनीकरणका लागि ठोस योजना बनाई लागू गर्नुपर्ने।
- हावाहुरीबाट रुखहरू ढली दुर्घटना हुने सक्ने।
- विपद् सम्बन्धी सूचना सम्प्रेषण संयन्त्र, पूर्व सूचना प्रविधि लगायत पर्याप्त स्वास्थ्य केन्द्रहरूको अभाव भएको।
- विपद्को समयमा सावधान अपनाउनका लागि विपद् पूर्व संकेतको अभाव।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- विपद्का बेलामा जम्मा हुने खुल्ला स्थान, सूचना दिने संयन्त्र, आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा आदिको व्यवस्था रहेको ।
- गाउँपालिकाले विपद् जोखिम न्यूनीकरण, प्रतिकार्य, पूर्व तयारीका लागि आवश्यक तालिम तथा क्षमता विकासको साथै विपद् व्यवस्थापन रणनीति र कार्ययोजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न विभिन्न संघसंस्थासँग सहकार्य गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले सम्भावित जोखिमयुक्त स्थानमा जोखिम नक्सांकन तथा विश्लेषण गरी जोखिमयुक्त बस्तीको सुरक्षित स्थानान्तरण तथा एकिकृत बस्ती विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले विपद् परेमा तत्काल उद्धार गरी प्रभावितहरूलाई सेल्टर दिन, राहत वितरण गर्न खाद्य डिपो तथा तयारी खाद्य तथा गैर खाद्य वस्तुको भण्डारणको व्यवस्थापन गर्न सकिने ।
- न्युन रूपमा भए पनि विपद्को समयमा बस्ने सेल्टरहरू निर्माण गर्न सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- विपद् व्यवस्थापनको प्रभावकारी संयन्त्र निर्माण गरी जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्ने

लक्ष्य

- विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रतिकार्य योजना लागू गरी पूर्णतः कार्यान्वयन गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्ने
- ✓ विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने

उद्देश्य १: प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१. विपद् जोखिम क्षेत्र नक्सांकन गर्ने । | गाउँपालिकाका उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन गरी खतरा संकेतहरू राखिनेछ । गाउँपालिकाका अति जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण गरिनेछ । |
| १.२. विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणाली प्रभावकारी बनाउने । | बाढी, मौसम लगायतको पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणालीको थप प्रभावकारी संचालन गरिनेछ । विपद् पूर्व संकेत दिने थप उपकरणहरू प्रकोप सम्भाव्य स्थलहरूमा क्रमशः जडान गरिनेछ । नियमित रूपमा भड्कने प्राकृतिक प्रकोपको अध्ययन गरी प्रकोप पात्रो तयार गरिनेछ । विपद् सम्बन्धी पूर्व सूचना रेडियो, एफएम तथा अन्य सञ्चार मार्फत सम्प्रेषण गरिनेछ । |
| १.३. बिमा योजना लागू गर्ने । | विपद् सम्भावित क्षेत्रका प्रत्येक नागरिकको अनिवार्य बिमा योजना लागू गरिनेछ र अतिविपन्न परिवारको बिमा गाउँपालिकाले गरिदिनेछ । |

उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| २.१ विपद् व्यवस्थापनमा सक्षम संयन्त्रको निर्माण गर्ने । | विपद्को बेला पिउने पानी, खाद्यान्न, औषधी उपचार आदिको पूर्वतयारी गर्न वडास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । |
| | आवश्यक स्थानहरूमा विपद्का बेला भेला हुने खुल्ला स्थानहरू तय गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ । |
| | स्वास्थ्य कर्मीहरू सम्मिलित गाउँपालिका स्तरीय संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन गरिनेछ । |
| | बेलाबेलामा उद्धार तथा विपद्बाट बच्ने उपायबारे पूर्व अभ्यासहरू संचालन गरिनेछ । |
| | वडास्तरमा युवाहरू सम्मिलित विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूह निर्माण गरी नियमित तालिम प्रदान गरिने छ । |
| | विपद् व्यवस्थापनमा संलग्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य गरिनेछ । |
| | विपद्का बेला आवश्यक पर्ने उपकरण, उद्धार सामग्री, एम्बुलेन्स, स्काभेटर, डोरी, पाल लगायतका सामग्रीहरूको जोहो गरिनेछ । |
| | विपद्को समयमा राहत तथा उद्धारलाई सहज बनाउन हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ । |
| २.२. जलवायु अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि क्षमता विकास गर्ने । | सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयम् सेवक परिचालन गर्नुका साथै अत्यावश्यक सामग्री भण्डारणको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | जलवायु परिवर्तनका प्रभावहरूको अध्ययन गरी सुभाब दिन विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ । |
| | जलवायु परिवर्तनले निम्त्याएका समस्याहरू सामना गर्न स्थानीय स्तरमा तालिम तथा सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ । |
| | स्थानीय स्तरमा तथा विद्यालयहरूमा जलवायु परिवर्तनका बारेमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
| | जलवायु अनुकूलन हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| जलवायु परिवर्तन अनुकूल बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन गर्न थालनी गरिनेछ । | |
| २.३. जनचेतना मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | विपद्बाट बच्ने उपायका बारेमा सचेतना कार्यक्रमलाई समुदायमा अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ । |

विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलताको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|--|--|--|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १ | उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | उच्च जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | विपद् पूर्वानुमान तथा चेतावनी सूचना प्रणालीको प्रभावकारी सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | विपद् पूर्व संकेत दिने उपकरण जडान | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | |
| | प्रकोपपात्रो तयार | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | विपद्सम्बन्धी पूर्व सूचना सम्प्रेषण | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | विमायोजनामा अनुदान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | २ | वडा स्तरीय विपद् व्यवस्थापन संयन्त्र निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ |
| खुल्ला स्थान तय गरी पूर्वाधार निर्माण | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | | |
| संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | | |
| माहामारीका लागि आइसोलेसन केन्द्र निर्माण | १५० | १६५ | १८२ | २०० | २२० | | |
| उद्धार सम्बन्धित पूर्वाभ्यास सञ्चालन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | | |
| विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूहलाई तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | | |
| विभिन्न संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | | |
| विपद् उद्धार सामग्री खरिद | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | | |
| सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयंसेवक परिचालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | | |
| विज्ञसँग परामर्श सेवालिन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | तल्लिम तथा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | जलवायु अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज सम्भाव्यता अध्ययन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | जलवायु अनुकूलन हुने बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन अनुदान कार्यक्रम | ४० | ४४ | ४८ | ५३ | ५९ | |
| | सचेतना अभियान सञ्चालन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | जम्मा | ११८५ | १२९३ | १४२२ | १५६४ | १७२० | |

अपेक्षित उपलब्धीहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ विपद् जोखिम नक्साङ्कन भएको हुने ।
- ✓ भौतिक संरचनाहरू मापदण्ड बमोजिम विपद् प्रतिरोधी भएको हुने,
- ✓ विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली प्रभावकारी भएको हुने,
- ✓ विपद् सम्बन्धी नीति तथा योजना बनेको हुने,
- ✓ विपद्बाट हुने क्षतिमा न्यूनीकरण भएको हुने,
- ✓ जलवायु परिवर्तनका असरहरूको अनुकूलन तथा न्यूनीकरण भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|---|---------|-----------|------------|
| | | विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता | | | |
| | प्रतिफल | विपद्को कारण ज्यान गुमाउनेको संख्या (११.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | विपद्को कारण हराइरहेको संख्या (१.५.१.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | विपद्को कारण घाइते हुनेको संख्या (११.५.१.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | असर | विपद्बाट प्रभावित घरपरिवार | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | विपद्को बेला भेलाहुने स्थानको | संख्या | | |
| | प्रतिफल | दमकल संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | एक्साभेटर संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | विपद् पूर्वसंकेत दिन जडित उपकरणहरूको संख्या | संख्या | | |
| | असर | भूकम्पप्रतिरोधी घरको प्रतिशत | | | |
| | प्रतिफल | जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजनाअन्तर्गत समुदायस्तरमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रमहरूको संख्या (१३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जलवायुको दृष्टिकोणले स्मार्ट भिलेज (१३.२.१. घ) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जलवायु अनुकूलनका वनस्पति तथा बालीनालीको संख्या | संख्या | | |
| | असर | जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी शिक्षा समावेश गरेका विद्यालयहरूको संख्या (१३.३.१.१)(प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | जलवायुका दृष्टिकोणले अनुकूलन हुने गरी अपनाइएका खेती प्रणाली (१३.२.१ ड) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जलवायुका असरलाई कम गर्ने कार्यमा तालिम प्राप्त व्यक्तिहरूको संख्या | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्षजनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।

परिच्छेद - ८ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन

(अ) सुशासन तथा सेवाप्रवाह

पृष्ठभूमि

वास्तविक रूपमा असलशासनको स्थापना गर्न जनस्तरमा सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता हुन जरुरी रहन्छ। राज्यले लिएको नीति अनुरूप असल शासन का प्रमुख आयामहरूमा सार्वजनिक प्रशासनमा पारदर्शिता, निष्पक्षता, भ्रष्टाचार मुक्त, जन उत्तरदायी शासन शुलभता र सहजता महत्वपूर्ण आयामहरू हुन्। यी आयामहरूको स्वस्थ विकास र सुनिश्चितता गर्न सकेको खण्डमा सङ्घीय संविधानको मर्म अनुरूप जनताको घरदैलोमा राज्यद्वारा प्रदानगरिने सेवा र सुविधा पुऱ्याउन सकिन्छ। गाउँपालिकाले कर्मचारी तथा जन प्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम, नागरिक भेला, सार्वजनिक सुनुवाइ, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा नियन्त्रण कार्य प्रणालीलाई चुस्त, व्यवस्थित तथा पारदर्शी बनाउनु आवश्यक छ।

समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- लामो राजनैतिक संक्रमणबाट स्थापित नयाँ सङ्घीय प्रणालीको स्थानीय सरकार भएका कारण सर्वाङ्गीण संस्थागत विकास भई नसकेको।
- सङ्घीयताको अभ्यास तथा अनुभव कमभएको मर्म अनुसार विकास निर्माणका गतिविधिहरूलाई तिब्रता दिन नसकेको।
- स्थानीय वासीको राजनैतिक चेतनाको स्तर माथि उठी नसकेको।
- संस्थागत तथा क्षमता अभिवृद्धिका नियमित कार्यक्रमहरूको व्यवस्था नभएको।
- गाउँपालिका केन्द्र/वडा केन्द्रमा पर्याप्त भौतिक सामग्री (भवन, फर्निचर, कम्प्युटर, ल्यापटप आदि) उपलब्ध नभएको
- जनचासो र जनगुनासोको समयमै सम्बोधन नहुँदा जनतामा निराशा उत्पन्नभई सङ्घीय व्यवस्थामा नै प्रश्न खडा हुन सक्ने।
- भ्रष्टाचार वृद्धि हुन सक्ने।
- पूर्वाग्रह र हित न्याय प्रणाली विकास गर्नुपर्ने।
- राजश्व अपचलन हुन सक्ने।
- जनप्रतिनिधि र कर्मचारीतन्त्रको समन्वयमा कठिनाइ हुन सक्ने।
- जन उत्तरदायी शासन प्रणालीको विकास गर्नुपर्ने।
- सबै कार्यालयलाई कर सूचना मैत्री तथा प्रविधि युक्त बनाउन ठूलो बजेटको आवश्यकता पर्ने।
- गुनासो पेटीकाको सहि परिचालन गर्न नसकिएको।

सम्भावना तथा अवसर

सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन स्थानीय सरकारमा सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त भएको ।
- जनादेश प्राप्त निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूले उत्साहका साथ काम गरिरहेको ।
- न्यायिक समितिको व्यवस्था भएको ।
- लेखा र प्रशासन सञ्चालनार्थ विभिन्न सफ्टवेयरहरूको विकास भएको ।
- गाउँपालिकाले नागरिक वडापत्रको प्रभावकारी कार्यान्वयन, सार्वजनिक सुनुवाई, सार्वजनिक परीक्षण जस्ता सुशासनका औजारहरूको नियमित प्रयोग गर्दै पारदर्शिता, उत्तरदायित्व र जनविश्वास आर्जन गर्ने कार्यगत व्यवस्था मिलाउ सकिने ।
- कर्मचारीको सेवाग्राहीसँगको व्यवहार सुमधुर रहेको ।
- कार्यपालिकाको निर्णय ४८ घण्टाभित्र सार्वजनिक गरी जनताप्रति उत्तरदायी हुने संस्कार विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा गाउँपालिकाको विपद् व्यवस्थापन कोष (सञ्चालन) कार्यविधि २०८१, सुनकोशी गाउँपालिकाको कर्मचारीहरूको तह बृद्धि गर्ने सम्बन्धी कार्यविधि २०८१, सुनकोशी गाउँपालिकाको कृषि व्यवसाय प्रवर्धन ऐन २०७५, गाउँपालिकाको गाउँ सभा सञ्चालन ऐन २०७५, गाउँपालिका कार्य विभाजन नियमावली २०७४, गाउँपालिका कार्य सम्पादन नियमावली २०७४, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको परिचय पत्र वितरण कार्य विधि २०७५, गाउँपालिका शिक्षा ऐन लगायत २० भन्दा बढि कानूनी दस्तावेज निर्माण भएको ।
- गाउँपालिका अन्तर्गतबाट प्रवाहगरिने सेवालाई प्रभावकारी, सर्वसुलभ सरलीकृत र उत्तरदायी बनाउँदै लैजान यसको प्रशासनिक संरचना, जनशक्ति, कार्यविधि र आधुनिक प्रविधिको प्रयोग बढाउँदै नागरिक पहुँच मैत्रीब नाउने लक्ष्यलिएको ।
- न्यायिक समितिलाई पूर्णता दिई आफ्नो अधिकार क्षेत्र भित्रका विवाद व्यवस्थापन गर्न सकिने ।
- स्थानीय सरकार स्वायत्त भएका कारण गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था हेरी आवश्यकता अनुसार असल शासन अभिवृद्धि, मानव संसाधन विकास, योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन र सेवा प्रवाहलाई जनमुखी र प्रभावकारी बनाउन सकिने ।
- विद्यमान सूचना प्रविधिको सदुपयोग गरी अन्य स्थानीय सरकारले गरेका उत्कृष्ट अभ्यासहरूको अनुशरण गर्न सकिने ।
- जनगुनासोलाई तत्काल सम्बोधन गरी जनताको मन जित्न सकिने ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- सुनकोशी गाउँपालिकाको सरोकार जनमुखी सरकार

लक्ष्य

- सेवा प्रवाहलाई छिटो, छरितो, सुलभ जनउत्तरदायी र प्रभावकारी बनाई जनचासोमा केन्द्रित हुने

उद्देश्यहरू

- ✓ भ्रष्टाचार मुक्त असलशासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखीबनाउनु

उद्देश्य १: भ्रष्टाचार मुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमुखि बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणाली प्रवर्द्धन गर्ने | नियमित रूपमा नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरी राज्यद्वारा प्रवाह हुने सेवामा रहेका जन गुनासो र चासोको अध्ययन गरिनेछ । |
| | राज्यको कानूनको परिधिमा रही सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त बनाउन नागरिक सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | वडास्तरमा आवश्यकता अनुसार “घुम्ती स्थानीय सरकार” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त राख्न विद्युतिय सूचना प्रणालीमा रुपान्तरण गर्न आवश्यक Software हरूको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | कर्मचारीहरूलाई सूचना प्रविधि मैत्री बनाउन आवश्यक तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | जनगुनासो व्यवस्थापन प्रणाली र कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ । |
| | सूचना प्रविधिमा वडाका कृयाकलापलाई समेट्न आवश्यक पूर्वाधार खरिद गरिनेछ । |
| | इन्टरनेट सुविधाको स्तर वृद्धि गरी प्रत्येक वडामा सुनिश्चित गरिनेछ । |
| | सार्वजनिक अभिलेख प्रणाली र पञ्जिकरणलाई प्रविधि मैत्री र पूर्ण अध्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । |
| | स्थानीय न्यायिक समितिलाई स्रोत साधन युक्त बनाइनेछ । |
| | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली तयार गरी लागू गरिनेछ । |
| | स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कारको प्रबन्ध गरिने छ । |
| | सार्वजनिक सूचना प्रणालीमा जनताको सहज पहुँच हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । |
| | विकासमा निजी क्षेत्रको सहयोग लिन नियमित अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ । |
| | संगठन व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ । |
| | जनप्रतिनिधि र कर्मचारी केन्द्रित क्षमता विकास सुशासन र सदाचार सम्बन्धी तालिम तथा अभिमुखीकरण गरिनेछ । |
| | पूँजीगत खर्चको पात्रो तयार गरी सार्वजनिक खर्च अन्तर्गत पूँजीगत खर्च क्षमता विकास गरिनेछ । |
| | विकास निर्माणमा प्रगति विवरणलाई जनता सामू नियमित सार्वजनिक गर्न सूचना प्रविधिको विकास गरी सहज र पहुँच योग्य बनाइने छ । |
| | आयोजना तथा निर्माण स्थलमा आयोजनाको विस्तृत विवरण सम्बन्धी बोर्ड अनिवार्य राखिनेछ । |
| सार्वजनिक सुनुवाइका कार्यक्रम नियमित गरिनेछ । | |
| गाउँपालिका बासीसँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने ‘हेलो जनता’कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । | |
| योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । | |
| प्रविधिको विकास गरि सेवालाई सहज, पारदर्शी र गुणस्तर बनाइनेछ । | |

उद्देश्य १: भ्रष्टाचार मुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमूखि बनाउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--------|--|
| | सदाचार नीति प्रभावकारी रूपमा कार्यन्वयन गरिनेछ । |
| | सर्व साधारणका गुनासो तथा समस्या हाल गर्नका लागि Rapid Response Team परिचालन गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाका सबै वडा एवं सार्वजनिक तथा संस्थागत कार्यालयहरुमा सूचना अधिकारि तोकिनेछ । |
| | अन्य पालिकाका सफल अभ्यास र अनुभवको आदानप्रदान परिपाटीको विकास गरिनेछ । |
| | सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरि पृष्ठपोषण लिने पद्धति अवलम्बन गर्दै प्रविधि मैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण गरिनेछ । |
| | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली सम्बन्धि निर्देशिका तयार गरि कार्यन्वयनमा ल्याइनेछ । |
| | कर्मचारीको तलब वृद्धि तथा भत्ता नियमानुसार कायम गरिनेछ । |
| | कर्मचारी कल्याण कोषको स्थापना गरिनेछ । |
| | वार्षिक खरिद योजना तयार गरि लागु गरिनेछ । |
| | आफ्नो भवन नभएका वडाहरुमा सुविधा सम्पन्न वडा कार्यालय भवन निर्माण गरिनेछ । |
| | गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयहरुमा नागरीक वडापत्र निर्माण |

सुशासन तथा सेवाप्रवाहको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--|------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँवर्ष | |
| १. | नियमित नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि अभिमुखीकरण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | घुम्ती स्थानीय सरकार कार्यक्रम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | Governance Software खरिद | १०० | ० | ० | ० | ० | |
| | IT तालिम (कर्मचारी) | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | गुनासो सम्बोधन पूर्वाधार खरिद | ० | १०० | ० | ० | ० | |
| | सूचना प्रविधि पूर्वाधार खरिद | ० | ० | १०० | ० | ० | |
| | इन्टरनेट स्तरवृद्धि र सेवा विस्तार | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | बडा भवन निर्माण | १०००० | ११००० | १२१०० | १३३१० | १४६४१ | |
| | सार्वजनिक अभिलेख र पञ्जिकरण डिजिटलाइजेसन | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | न्यायिक समिति क्षमता विकास | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली निर्माण | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | सार्वजनिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण | ० | ० | ५० | ० | ० | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|-----------|-----------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारी क्षमता विकास तालिम | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | पूँजीगत खर्च पात्रो निर्माण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | विकास निर्माण प्रगति विवरण Display Board निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | आयोजना स्थल विवरण प्रकाशन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सार्वजनिक सुनुवाइ संचालन तथा निरन्तरता | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | 'हेलो जनता' कार्यक्रम सञ्चालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्रनिर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | प्रविधिको विकास गरि सेवालाइ सहज, पारदर्शी र गुणस्तर | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | सदाचार नीति प्रभावकारी रुपमा कार्यन्वयन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सर्वसाधारणका गुनासो तथा समस्या हल गर्नका लागि Rapid Response Team परिचालन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | गाउँपालिकाका सबै वडा एवं सार्वजनिक तथा संस्थागत कार्यालयहरुमा सूचना अधिकारी | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | अन्य पालिकाका सफल अभ्यास र अनुभवको आदानप्रदान परिपाटीको विकास | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरि पृष्ठपोषण लिने पद्धति अवलम्बन गर्दै प्रविधि मैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली सम्बन्धि निर्देशिका तयार गरि कार्यन्वयन | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | कर्मचारीको तलबवृद्धि तथा भत्ता नियमानुसार कायम | ४००० | ४४०० | ४८४० | ५३२४ | ५८५६ | |
| | कर्मचारी कल्याण कोषको स्थापना | ५० | ५५ | ६१ | ६७ | ७३ | |
| | वार्षिक खरिद योजना तयार गरि लागु | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयहरूमा नागरीक वडापत्र निर्माण | २००० | २२०० | २४२० | २६६२ | २९२८ | |
| | जम्मा | १७४२० | १९१५२ | २११०७ | २३०५३ | २५३५८ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महसुस हुने सेवा प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------------------|---|--------|-----------|------------|
| १. | सुशासन तथा सेवा प्रवाह | | | | |
| | प्रतिफल | विगत १२ महिनाको अवधिमा सरकारी कर्मचारीसँगकम्तीमा १ पटक सम्पर्क भएका र उनीहरूलाई घुस दिएकावामागिएकाव्यक्ति (१६.५.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सेवाप्रवाह सन्तुष्टि सर्वेक्षण | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सार्वजनिक सुनुवाई | संख्या | | |
| | प्रतिफल | विगत १२ महिनामा सरकारी कर्मचारीलाई काम गराउँदा घुस वा उपहार दिन बाध्य | संख्या | | |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------|--|---------|-----------|------------|
| | | पारिएका व्यक्तिको संख्या (१६.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | | | |
| | प्रतिफल | अनुगमन | संख्या | | |
| | असर | पूँजीगत बजेट खर्च | प्रतिशत | | |
| | असर | लक्षित आयोजना सम्पन्न | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | न्यायिक समितिबाट फछ्यौट मुद्दा संख्या (वार्षिक) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | जनगुनासो संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | गुनासो सम्बोधन प्रणालीबाट सम्बोधन भएका गुनासा | संख्या | | |
| | प्रतिफल | कर्मचारी जनप्रतिनिधि तालिम अभिमुखीकरण | संख्या | | |
| | प्रतिफल | सूचना प्रविधिमा आवद्ध सूचना संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | स्थानीय रेडियो कार्यक्रम प्रसारण | संख्या | | |
| | प्रतिफल | निजीक्षेत्र अन्तरक्रिया | संख्या | | |

अनुमान तथा जोखिमपक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिकखरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

(आ) मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय

पृष्ठभूमि

मानवियता, मानव हित र सामाजिक न्यायका निमित्त आमनागरिकलाई मानव अधिकारको महत्व र आवश्यकता बारे ज्ञान हुनु पर्दछ। आधारभूत तहमा मौलिकहकको रूपमा नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेका मानव अधिकार उपभोगको सुनिश्चितता गर्ने राज्य र राज्यद्वारा परिचालित राज्यका यन्त्रहरू जस्तै प्रशासन, प्रहरी र राज्यका संवैधानिक अंगहरू जस्तै न्यायलय, मानव अधिकार आयोग, स्थानीय न्यायिक समिति आदि हुन्। स्थानीय सरकारको प्रमुख दायित्व अन्तर्गत मानव अधिकार प्रत्याभूत गर्नु र सामाजिक न्याय कायम गर्नुपर्ने भएकोले स्थानीय विकास योजनाका यी विषयको सम्बोधन गरिएको छ।

समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू |
|---|
| ■ समाजमा सामाजिक जागरणको अवस्था कमजोर भएको। |
| ■ परम्परागत रूपमा रहेका अन्धविश्वास, कुरीति, कुसंस्कार र भेदभावपूर्ण सामाजिक प्रणालीका कारण सामाजिक न्याय संकटमा परेको। |
| ■ अशिक्षा, अज्ञानता र पछौटेपन कायमै रहेको। |
| ■ गरीबी र विपन्नता कायमै रहेको। |
| ■ मानव अधिकार युक्त पूर्ण सामाजिक न्याय स्थापित गर्ने चुनौती भएको। |

सम्भावनातथाअवसर

| सबलपक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू |
|--|
| ■ मानव अधिकारको विश्वव्यापी घोषणापत्रका प्रमुख मूल्य र मान्यतालाई नेपालको संविधानले आत्मसाथ गरी मौलिक हकमा व्यवस्था गरेको। |
| ■ गाउँपालिकाले मेलमिलाप केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्य विधिनिर्माण गरेको। |
| ■ स्थानीय सरकारलाई मानव अधिकार रक्षा गर्ने अधिकार प्राप्त भएको। |
| ■ स्थानीय न्यायिक समितिको प्रबन्ध भएको। |
| ■ स्वतन्त्र न्यायपालिकाको परिकल्पना गरी न्याय सम्पादन संयन्त्र निर्माण भएको। |
| ■ स्थानीय स्तरमा मानव अधिकार र सामाजिक न्यायका पक्षमा जनचेतना वृद्धि हुँदै गएको। |

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- सामाजिक रूपले न्यायपूर्ण समाजको निर्माण

लक्ष्य

- मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरूमा उल्लेख्य कमी ल्याई मौलिक हक प्रत्याभूत गर्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु

उद्देश्य १: मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु ।

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.१ मानव बेचबिखन तथा शोषणका दृष्टिकोणले संवेदनशील व्यक्ति तथा समूह पहिचान गरी व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि र सशक्तिकरण गर्ने | मानव बेचबिखन र ओसारपसारका दृष्टिकोणले अत्यन्त जोखिममा रहेका वर्ग क्षेत्र र समुदायको शुष्म ढंगले अध्ययन गरी स्थितिपत्र तयार पारिने छ । |
| | मानव अधिकार उल्लङ्घन तथा मानव बेचबिखन र ओसार पसार विरुद्ध व्यापक रूपमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यम, सामाजिक सञ्जाल र पत्रकारहरूको सहयोग लिइनेछ । |
| | यौन हिंसा, यौन शोषण र बलात्कार जस्ता जघन्य अपराध न्यूनीकरण गर्न कानुनी उपचार खोज्न र दोषिलाई कानुनको दायरामा ल्याउन प्रत्येक वडामा महिला अधिकार कर्मी तथा समाजसेवी, राजनीतिक नेतृहरूको अगुवाइमा एक सशक्त मानव अधिकार सेलको गठन गरिनेछ । |
| | बेपत्ता पारिएका, द्वन्द्व पिडित, बेचबिखनमा परेका, शहिद परिवार, लक्षित परिवारको लगत संकलन गरी उनीहरूको सशक्तिकरणका तथा सामाजिक पुनः स्थापनाका लागि विशेष प्याकेज निर्माण गरी आय आर्जन र सामाजिक एकिकरणलाई सहज बनाइने छ । |
| | मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरू न्यायिक समितिमा दर्ता गर्न वडास्तरीय महिला सेललाई सक्रिय तुल्याउन सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| | माध्यमिक तहमा अध्ययनरत छात्र छात्रा केन्द्रित यौन हिंसा, यौन शोषण, बलात्कार दाइजो र बाल अधिकारका विषयमा हरेक महिनामा एक पटक हुनेगरी घुम्ती कक्षा सञ्चालनको व्यवस्था मिलाइने छ । |
| | न्यायमा पहुँच नभएका विपन्न वर्गहरूलाई निःशुल्क कानुनी परामर्श सेवादिन संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ । |
| | संविधान प्रदत्त सबै मौलिकहकहरूको कार्यान्वयन गराउन आवश्यक संयन्त्रको विकास गर्न एक अध्ययन गरी आवश्यक स्थानीय कानुन र राज्यका यन्त्रको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | न्यायिक समितिलाई थप पुर्वाधारयुक्त बनाई पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरिनेछ । |
| | वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापनलाई अभूक्त सक्रिय बनाइनेछ । |
| आम जनसमुदायलाई स्थानीय अदालतबाट दिइने सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुऱ्याउने तर्फ अगाडी बढ्ने नीति अख्तियारी गरिनेछ । | |

मानव अधिकार तथा सामाजिक न्यायको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष | |
| १. | जोखिम समूह र व्यक्तिको पहिचान गर्ने | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सामाजिक सञ्जाल तथा स्थानीय संचार माध्यम मार्फत जनचेतनामूलक कार्यक्रम | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | वडास्तरीय मानव अधिकार सेल गठन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तिकरणका लागि लक्षित समूह आयआर्जन कार्यक्रम | २०० | २२० | २४२ | २६६ | २९३ | |
| | न्यायिक समितिमा मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटना दर्ता गर्न महिला सेल अभिमुखीकरण | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | मानवअधिकार विद्यालय घुम्ती कक्षा संचालन | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | निःशुल्क कानुनी परामर्श सेवा सञ्चालन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | मौलिकहक कार्यान्वयन स्थिति बारे अध्ययन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | न्यायिक समितिमा पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापन | ३० | ३३ | ३६ | ४० | ४४ | |
| | आम जनसमुदायलाई सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुऱ्याउने नीति अख्तियारी | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | जम्मा | ३७० | ४०७ | ४४८ | ४९२ | ५४२ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ मानव अधिकार उल्लङ्घन, मानव बेचबिखन, यौन हिंसा र शोषण लगायतका सामाजिक अपराधका घटनाहरूमा महशुस हुनेगरी कमी आएका हुने छन् ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|-------------------------------|--|--------|-----------|------------|
| १. | मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय | | | | |
| | प्रतिफल | जोखिममा परेका व्यक्तिको संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | मानवअधिकार सेल संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | लक्षित समूहआयआर्जन कार्यक्रम संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | न्यायिक समितिमादर्ता भएका मानवअधिकार उल्लङ्घनका संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | मानवअधिकार घुम्ती कक्षा संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | निःशुल्ककानुनी परामर्शबाट दर्ता भएका मुद्दा संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | यौन हिंसाका घटना (दर्ता संख्या) | संख्या | | |
| | प्रतिफल | मानववेचविखनमा परेका संख्या | संख्या | | |

अनुमानतथाजोखिमपक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्तिआइलाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

(इ) तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन

पृष्ठभूमि

कुनै पनि विकास योजनालाई सफल रूपमा कार्यान्वयन गर्न वस्तुनिष्ठ सूचनाको अनिवार्यता हुन्छ। गाउँपालिकाले राजस्व प्रणालीमा कर नतिर्ने, कर वक्यौता राख्ने तथा पटक पटक सूचना प्रवाह गर्दा समेत अटेर गर्ने करदाताको एकीकृत विवरण राजस्व प्रणालीमा आवद्ध गरी त्यस्ता करदाताको लागि गाउँपालिका र मातहतका कार्यालयबाट सेवा सुविधा दिनु पूर्व अनिवार्य रूपमा बाँकी कर वक्यौता भुक्तानी गर्न लगाउने कार्यगत व्यवस्था कडाइका साथ लागू गर्ने लक्ष्य लिएको छ। गाउँपालिकामा गरिने हरेक विकासका क्रियाकलापहरू र समग्र वस्तुस्थितिलाई कतिपय अवस्थामा परिमाणमा प्रतिबिम्बित गर्न मिल्दछ। तसर्थ हरेक क्रियाकलापलाई परिमाणमा देखाउँदा विकास र समृद्धिको मापन गर्न सहज हुनुका साथै यथार्थमा गाउँपालिकाको स्थितिबारे थाहा पाउन सकिन्छ। यसका लागि हरेक सूचनालाई अद्यावधिक गर्ने सूचना तथा तथ्यांक प्रणालीको आवश्यकता रहन्छ। अर्कोतर्फ राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थापन नियमित र वैज्ञानिक नहुँदा राज्यको स्रोत र साधनको व्यापक दुरुपयोग हुन सक्ने जोखिम रहन्छ। यी पक्षहरूलाई ध्यानमा राखी तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थालाई सुदृढ गर्नुपर्ने भएकोले यो खण्ड तयार पारिएको छ।

उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

- चुस्त तथ्याङ्क तथा वित्तीय व्यवस्थापन

लक्ष्य

- सूचना प्रविधिको महत्तम प्रयोग मार्फत तथ्याङ्क र वित्तीय व्यवस्थापनलाई चुस्त र दुरुस्त राख्ने

उद्देश्यहरू

- ✓ स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु

उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १.१ सुदृढ अभिलेख प्रणालीको विकास गर्ने | सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी स्थानीय सरकारसँग सम्बद्ध सबै सूचना र तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्न एक साधन सम्पन्न तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई निर्माण गरिनेछ। |
| | सबै प्रकारका सूचनाहरू अद्यावधिक हुने स्वचालित अभिलेखाङ्कन प्रणाली तयार पार्न अध्ययन गरी software हरू खरिद गरिनेछ। |
| | अभिलेख इकाईमा आवश्यक दरबन्दीको प्रबन्ध गरिनेछ। |
| | सबै वडाहरूमा अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार गरिनेछ। |

उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| १.२ आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी संस्थागत संयन्त्र निर्माण गरी वित्तीय व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी तुल्याउने | सार्वजनिक खर्चका मापदण्ड र मितव्ययिता कायम हुने नीति निर्माण गरी लागू गरिनेछ । |
| | अनुगमन प्रणालीलाई दुरुस्त बनाउन वार्षिक कार्य योजना तयार पारिनेछ । |
| | राजश्व संकलनलाई करदाता मैत्री बनाउन आवश्यक अध्ययन गरी सोहि अनुसारको प्रणाली विकास गरिनेछ । |
| | सम्पूर्ण व्यवसायलाई दर्ता गरी करको दायरामा ल्याउन घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
| | राज्यलाई तिरेको कर कसरी जनताका लागि खर्च हुन्छ भन्ने स्थापित गर्न कर शिक्षा कार्यक्रम नियमित सञ्चालन गरिनेछ । |
| | राजश्वका स्रोतहरूको पहिचान गर्न राजश्व सुधार कार्य योजना तयार गरी लागू गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाका ठूला करदातालाई सार्वजनिक सम्मान गरिनेछ । |
| | सीमान्तकृत वर्ग र महिला उद्यमीलाई व्यवसाय सञ्चालन गर्न मापदण्डका आधारमा विशेष सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ । |
| | गाउँपालिकाको आयव्ययको विवरण नियमित रुपमा प्रकाशन गर्ने प्रबन्ध मिलाइनेछ । |
| | गाउँपालिका बासीलाई कर तिर्न प्रेरित गरिनेछ । |
| अधिकतम कर संकलनका लागि, कर तिर्नै लागि भन्ने अभियान संचालन गरिनेछ | |
| कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता कायम गरिनेछ | |

तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | कार्यक्रम | बजेट (रु.हजारमा) | | | | | जिम्मेवार निकाय |
|----------|---|------------------|-------------|-------------|------------|-------------|-----------------|
| | | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौवर्ष | |
| १. | तथ्याङ्क तथा सूचना इकाइ गठन | १० | ० | ० | ० | ० | |
| | सूचना अभिलेखाङ्कन Software खरिद तथा निरन्तर अद्यावधिक | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | |
| | अभिलेख इकाइमा दरबन्दी व्यवस्थापन | ५०० | ५५० | ६०५ | ६६६ | ७३२ | |
| | अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड निर्माण | ० | १० | ० | ० | ० | |
| | अनुगमन वार्षिक कार्य योजना तयारी | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | करदाता मैत्री राजश्व संकलन प्रणाली निर्माण अध्ययन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | करदाता शिक्षा कार्यक्रम | २० | २२ | २४ | २७ | २९ | |
| | राजश्व सुधार कार्ययोजना निर्माण | ० | ५०० | ० | ० | ० | |
| | ठूला करदाता सम्मान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | व्यवसाय दर्ता छुट (लक्षित समुदाय) तथा अनुदान | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | गाउँपालिकाको आयव्यय नियमित प्रकाशन प्रणाली निर्माण | २५ | २८ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | “कर तिरौं गाउँ विकासमा योगदान गरौं” कार्यक्रम सञ्चालन | १५ | १७ | १८ | २० | २२ | |
| | कर तिरौं आफ्नै लागि भन्ने अभियान संचालन | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता | २० | ० | ० | ० | ० | |
| | जम्मा | ७८० | १३३५ | ९०८ | ९९८ | १०९८ | |

अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ लक्षित समुदायलाई व्यवसाय दर्तामा छुट तथा अनुदान दिइएको हुने
- ✓ गाउँपालिकाको आय व्यय नियमित प्रकाशन गर्ने प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचकहरू

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | अन्तिमवर्ष |
|---------|------------------------------------|---|---------|-----------|------------|
| १. | तथ्याङ्क व्यवस्थापन राजश्व परिचालन | | | | |
| | प्रतिफल | तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणालीमा आबद्ध सूचना प्रणाली संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | करदाता शिक्षा कार्यक्रम संख्या | संख्या | | |
| | असर | कूल बजेटमा आन्तरिक राजश्व वा करको हिस्सा (प्रतिशत) (१७.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कूल स्वीकृत बजेटको खर्च प्रतिशत (वार्षिक) | प्रतिशत | | |
| | प्रतिफल | दर्ता भएका व्यवसाय संख्या | संख्या | | |
| | प्रतिफल | राजश्व संकलन हुने शिर्षक संख्या | संख्या | | |
| | असर | कूल बजेटको अनुपातमा संघीय र प्रादेशिक सरकारबाट प्राप्त अनुदान प्रतिशत (१७.३.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |
| | असर | कूल बजेटको अनुपातमा राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम प्रतिशत(१७.३.१.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत | | |

अनुमान तथाजोखिम पक्ष

- सूचना प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।
- कर प्रणालीमा सरलता आउनेछ ।
- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्थाहुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण भएको हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

परिच्छेद - ९ : कार्यान्वयन र व्यवस्थापन

९.१ पृष्ठभूमि

नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचा बमोजिम कुनै पनि स्थानीय सरकारले विकासका कार्यक्रमहरू तय गर्दा विशेषतः स्थानीय वस्तुगत अवस्थाको आधारमा स्थानीय बासीका आधारभूत आवश्यकताहरू जस्तै भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास, वातावरणीय सन्तुलन तथा संस्थागत सेवा प्रवाहमा प्रत्यक्ष रूपमा सहयोग पुऱ्याई समग्र विकासलाई सन्तुलित र नतिजामुखी ढङ्गले कार्यान्वयन गर्न प्रभावकारी सिद्ध हुनेगरी गर्नुपर्दछ ।

९.२ विषय क्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | शिर्षक | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को विनियोजन | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण |
|---------|---------------------------------------|-------------------------------|------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| १. | कूल बजेट | ६०७४४५१०० | ५६६१६५००० | ६२२७८१५०० | ६८५०५९६५० | ७५३५६५६१५ |
| | चालु खर्च | | | | | |
| | पूँजीगत खर्च | | | | | |
| २. | कूल खर्चको क्षेत्रगत बाँडफाँड | १८४१९०००० | १९७०००००० | २१६७००००० | २३८३७०००० | २६२२०७००० |
| २.१ | आर्थिक क्षेत्र | ६००००००० | ६५०००००० | ७५०००००० | ७८६५०००० | ८६५१५००० |
| २.२ | सामाजिक क्षेत्र | २२०९०००० | ३२०००००० | ३५२००००० | ३८७२०००० | ४२५९२००० |
| २.३ | पूर्वाधार विकास | ९५१००००० | ८५०००००० | ९३५००००० | १०२८५०००० | ११३१३५००० |
| २.४ | वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन | ५०००००० | ३०००००० | ३३००००० | ३६३०००० | ३९९३००० |
| २.५ | संस्थागत विकास सेवा प्रवाह तथा शुसासन | २०००००० | १२०००००० | १३२००००० | १४५२०००० | १५९७२००० |

९.३ स्रोत परिचालन रणनीति

स्थानीय सरकारका वित्तीय स्रोतहरू संघीय तथा प्रदेश सरकारबाट विभिन्न शिर्षकहरूमा प्राप्त हुने अनुदानहरू हुन् । यसका अलावा सहकारी, समुदाय र निजी क्षेत्रका साथै स्थानीय स्तरमा संकलन हुने राजश्व समेत वित्तीय स्रोतहरू हुन् । यसर्थ यी सम्पूर्ण स्रोतहरूको समुचित परिचालन मार्फत लक्ष्यहरू हासिल गर्न निम्न स्रोत परिचालन रणनीति तय गरिएको छ ।

१. सार्वजनिक, निजी, सहकारी साभेदारीको अवधारणा अवलम्बन गर्ने ।
२. वित्तीय संस्थाहरूसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने ।
३. उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
४. तीनै तहका सरकारहरू बीच सहकार्य गर्ने ।
५. निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्ने नीति तय गर्ने ।

६. गैर आवासिय नेपालीको लगानी संकलन गरी विप्रेषणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा केन्द्रित गर्ने ।
७. अनुत्पादक खर्चलाई कटौती गर्ने ।
८. तुलनात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी केन्द्रित गर्ने ।
९. पूर्ण रूपमापूर्व तयारी पश्चात मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट र बजेट विनियोजन गर्ने ।
१०. रकमान्तरलाई निरुत्साहित गर्ने ।
११. चालू खर्चको सिमा निर्धारण गरी पूँजीगत खर्च बृद्धि गर्ने ।
१२. स्थानीय गौरवका आयोजनाहरुको कार्यान्वयनलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्ने र सोका लागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने ।

सामान्यतया कुनै पनि कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको आधारमा चार तहमा राखेर मूल्याङ्कन गर्न सकिन्छ ।

१. “अतिउत्तम”- ३ अंक

“अतिउत्तम”तह अन्तर्गत कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्यप्राप्त गर्न **प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनै पनि स्थानमा आवागमनमा निकै कठिनता छ र सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्यक्रमले आवागमनलाई प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय प्रभाव पार्दछ भने सो कार्यक्रम कार्यान्वयनका हिसाबले पहिलो प्राथमिकता तथा अतिउत्तम वर्गमा पर्दछ । यस प्रकारका कार्यक्रममा सो शिर्षक अन्तर्गत विनियोजित बजेटको ५० प्रतिशतभन्दा बढी रकम पर्न आउँछ ।

२. “उत्तम”- २ अंक

“उत्तम”तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा धार्मिक तथा अन्धविश्वासले सामाजिक कुरीति र जटिलता सिर्जना गरेको छ भने विद्यालय खोली शिक्षाको विकास गर्दा सामाजिक जटिलता न्यून गर्न अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको हिसाबले दोस्रो प्राथमिकतामा पर्दछ भने यसलाई उत्तम मानी २ अंक प्रदान गर्नुपर्दछ । यस प्रकारको कार्यक्रममा समेत सम्बन्धित शिर्षक मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा बढी बजेट विनियोजन हुन्छ ।

३. “सामान्य”- १ अंक

“सामान्य”तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **सामान्य वा कम** मात्र योगदान दिन्छ भने सो कार्यक्रममा विनियोजित रकम मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा कम रकम मात्र छुट्याइन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको आधारमा तेस्रो तहमा पर्दछ भने त्यसलाई १ अंक दिनुपर्दछ ।

४. “न्यून”- ०अंक

“न्यून”तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्यप्राप्त गर्न **न्यून वा योगदान नै नपुऱ्याउने** हुन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकतामा पर्दैन तसर्थ यसलाई शुन्य अंक प्रदान गरिन्छ ।

यसरी कार्यक्रम प्राथमिककरण गर्दा विषय क्षेत्रगत विकास कार्यक्रम तथा उपक्षेत्रहरूका प्रत्येक कार्यक्रमहरूको मूल्याङ्कन गरी चार तहमा विभाजन गर्न सकिन्छ । अर्थात् उदाहरणको लागि भौतिक पूर्वाधार अन्तर्गत कुनै निश्चित स्थानदेखि अर्को स्थान जोड्न सडकको स्तरोन्नति गर्दा सो सडकले स्थानीय बासीको तत्कालीन वा दीर्घकालीन प्रमुख समस्या वा मागलाई कुन तहबाट सम्बोधन गर्न सक्छ भनी मूल्याङ्कन गर्नुपर्दछ । त्यसो गर्दा सो कार्यक्रम

अतिउत्तम भए→पहिलो प्राथमिकता

उत्तम भए→दोस्रो प्राथमिकता

सामान्य भए→ तेस्रो प्राथमिकता

न्यून भए→प्राथमिकतामा नपर्ने हुन्छ ।

एवम रीतले प्रत्येक विषयगत क्षेत्र र सो क्षेत्र अन्तर्गतका उपक्षेत्रका सम्पूर्ण कार्यक्रमहरूलाई तोकिएको लक्ष्य हासिल गर्न कस्तो प्रकारको योगदान पुऱ्याउँछ, भनी मूल्याङ्कन गर्दा माथि उल्लेखित तहहरूमा विभाजन गरेर प्राथमिकता निर्धारण गर्नुपर्दछ । यसकासाथै अन्य आधारमा :

- (१) चालु वार्षिक योजनाको फराकिलो आधारको समावेशी आर्थिक उद्देश्य वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (२) दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (३) जनसहभागिता सुनिश्चित गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (४) समावेशीकरणमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (५) यदि सञ्चालित आयोजनाहरू छुन् भन्ने पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारीको अवस्था हेरी कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?

यसरी यी प्रश्नहरूले गर्दा कस्तो उत्तर आउँछ, सोको आधारमा कार्यक्रमलाई माथि उल्लेखित

“अतिउत्तम”

“उत्तम”

“सामान्य” र

“न्यून”तहमा विभाजन गरी प्राथमिकता निर्धारण गर्न सकिन्छ, साथै स्थानीय विकास गुरुयोजनाको मूल लक्ष्य स्थानीय बासीका आधारभूत आवश्यकता सम्बोधन गरी क्रमशःउच्च विकास तर्फ लम्कनु पर्ने भएकाले कार्यक्रम तय गर्दा वडास्तरमा निम्नबमोजिम गर्नुपर्दछ ।

वडा तहका योजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण

बस्ती तथा टोल स्तरमा कार्यक्रम बारे छलफल गर्दा दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न मद्दत गर्ने कार्यक्रम बारे छलफल गर्नु पर्दछ । वडा तह अन्तर्गतका बस्ती र टोल स्तरको आयोजनाहरू छनौट गर्दा निम्न लिखित प्रक्रिया अवलम्बन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

- (क) वडा समितिले आफ्नो वडामा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्यहरूलाई विभिन्न बस्ती/टोलको योजना तर्जुमा गर्न सहजीकरण गर्नेगरी जिम्मेवारी प्रदान गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (ख) प्रत्येक वडाले वडा भित्रका बस्ती र टोलहरूमा योजना तर्जुमाको लागि बैठक हुने दिन, मिति र समय कम्तिमा तीन दिन अगावै सार्वजनिक सूचना मार्फत् जानकारी गराउनु पर्नेछ ।
- (ग) गाउँपालिका अन्तर्गतका वडा अन्तर्गत रहेका बस्ती/टोलको भेला मार्फत् बस्ती/टोलस्तरका आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्ने बस्ती तथा टोलस्तरमा आयोजना छनौट गर्दा समुदायको आवश्यकता पहिचान गरी आयोजना/कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (घ) बस्ती/टोल स्तरका योजना छनौट गर्दा सो बस्ती भित्रका सबै वर्ग र समुदाय, महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, मधेशी, थारु, मुस्लिम, उत्पीडित वर्ग, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत, युवा, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, पिछडिएको वर्ग आदि लगायत सबै समुदायको अर्थपूर्ण सहभागिताको सुनिश्चित गर्नुपर्ने हुन्छ।

(ड) बस्ती/टोल भित्रका क्रियाशील सामुदायिक सस्थाहरू (टोल विकास सस्था, महिला/आमा समुह, बालक्लव र सञ्जाल, युवाक्लव, स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरू, नागरिक सचेतना केन्द्र, विभिन्न सरकारी कार्यालयबाट गठन भएका समूह जस्ता समूहहरूलाई पनि सहभागी गराउनु पर्ने हुन्छ ।

माथि उल्लेख भए बमोजिमका सरोकारवालाहरूको अधिकतम सहभागिता हुने गरी वडा अध्यक्ष र सदस्यको संयोजनमा निर्धारित समय, मिति र स्थानमा उपस्थित भै आयोजना छनौटको सम्बन्धमा अन्तरक्रिया, छलफल, विमर्श गरी आयोजनाहरूको छनौट गर्नुपर्नेछ । यसरी बस्तीस्तरमा छनौट भएका आयोजना/कार्यक्रमहरूको सूची संयोजकले लिखित रूपमा तयार गरि वडा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

वडा समितिहरूले टोल/बस्तीस्तरबाट प्राप्त आयोजना र कार्यक्रमहरूलाई विषय क्षेत्र अनुसार समूहकृत गरिन्छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमानिर्धारण समितिबाट प्राप्त बजेट सीमा र मार्गदर्शनको आधारमा सम्बन्धित वडाहरूले बस्ती टोलबाट प्राप्त योजनाहरू मध्येबाट वडाको लागि प्राप्त बजेट सीमाको अधीनमा रही योजनाहरूको छनौट र प्राथमिकता निर्धारण समेत गरी अनुसूची ४ बमोजिमको ढाँचामा बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

बस्ती टोलबाट योजना मागगर्दा वडास्तरका महत्वपूर्ण योजनाहरू छुट भएको अवस्थामा वडा समितिले त्यस्ता योजनाहरू वडा समितिको बजेट सीमाभित्र रही औचित्यको आधारमा समावेश गर्न सक्नेछ । वडाको बजेट सीमा भित्र कार्यान्वयन हुन नसक्ने गाउँस्तरीय महत्वपूर्ण आयोजनाहरू भएमा वडा समितिले गाउँपालिकामा छुट्टै सूची पठाउन सक्नेछ ।

वडा समितिले आयोजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्दा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमानिर्धारण समितिले तोकेको आधारहरू र दिगो विकास लक्ष्यप्राप्त गर्ने कार्यक्रमलाई विशेष ध्यान दिनुपर्ने हुन्छ । यसरी छनौट भएका योजनाहरूको प्राथमिकीकरणका साथ गाउँपालिकामा पठाउनुपर्ने हुन्छ ।

९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

क) अनुगमन

विकास योजनाको कार्यान्वयन समयमै सम्पन्न गर्न र आयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य प्राप्त गर्न विकास आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन आवश्यक पर्दछ ।

योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा लगानी तथा साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ, छैन र कार्य तालिका अनुसार क्रियाकलापहरूको कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्त हुने स्थिति छ, छैन भनी विभिन्न तहमा व्यवस्थापन वा व्यवस्थापनले तोकेको व्यक्ति तथा निकायबाट निरन्तर र आवधिक रूपमा निगरानी राख्ने कार्य अनुगमन हो । कुनैपनि कार्यक्रम आयोजनाको पहिचानको चरण देखि कार्यान्वयन सम्पन्न भई सञ्चालन अवधिमा समेत अनुगमन गरिरहनु पर्छ । यसरी विभिन्न चरणमा गरिने अनुगमनबाट प्राप्त भएका नतिजा, सुझाव तथा सल्लाहलाई पृष्ठपोषणको रूपमा लिई आवश्यकता अनुरूप सुधार गर्दै जानुपर्ने हुन्छ ।

यसो भएमा मात्र विकास आयोजनाले गति लिई समयमै सम्पन्न गर्न मद्दत पुग्नजान्छ र विकासको लक्ष्य हासिल गर्न सकिने छ ।

अनुगमन २ प्रकारले गर्न सकिने छ :

१. आयोजना स्थलमै गएर योजनाको क्रियाकलाप बारेमा जानकारी लिने गरी गरिने अनुगमन ।

२. आयोजनाको क्रियाकलापको प्रगतिविवरण माग्ने र प्राप्त गरी गरिने अनुगमन ।

तर दुवै प्रकारका अनुगमनमा देखिएका समस्याको समाधान गर्न तत्कालै आवश्यक कदम चाल्नु पर्दछ नत्र अनुगमनको कुनै औचित्य रहदैन ।

अनुगमनका क्रममा योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा निम्न कुराहरूको विश्लेषण गरिन्छ ।

- स्रोत साधनको प्राप्त र प्रयोग स्वीकृत बजेट र समय तालिका अनुसार भए नभएको
- अपेक्षित प्रतिफलहरू समयमै र लागत प्रभावकारी रूपमा हाँसिल भए नभएको
- कार्यान्वयन क्षमता के कस्ता छन् ?
- के कस्ता समस्या र बाधा व्यवधानहरू देखिएका छन् र तिनको समाधानका निम्ति के-कस्ता उपायहरू अवलम्बन गर्नुपर्छ ?

अनुगमनका क्रममा उपर्युक्त पक्षहरूको बारेमा नियमित, व्यवस्थित तर समयबद्ध रूपमा तथ्याङ्क विवरणहरू सङ्कलन, प्रशोधन र प्रतिवेदन गर्ने कार्य गरिन्छ । यसबाट समयमै समस्या पहिचान गरी समाधान गर्न महत्वपूर्ण सहयोग पुग्दछ । अनुगमनका लागि कार्यान्वयन योजना, आयोजना विवरण तालिका, जिम्मेवारी तालिका आदि दस्तावेजको उपयोग गरिन्छ ।

अनुगमन प्रणालीको छनौट तथा निर्धारण

अनुगमन प्रणाली प्रचलित सोच तालिका(Log Frame)का आधारमा स्थापित गर्न सकिन्छ । स्थानीय तहले आफ्नो विशिष्टता र प्राविधिक क्षमताका आधारमा यस्तो विधिअ पनाउन सक्छन् । यस्तो विस्तृत विधि राष्ट्रिय योजना आयोगबाट प्रवर्द्धित राष्ट्रिय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनमा हेर्न सकिन्छ ।

स्थानीय तहले आफ्नो आवश्यकता र उपलब्ध वस्तुगत तथ्याङ्कको आधारमा मौलिक रूपमा अनुगमन प्रणाली अवलम्बन गर्न सक्दछन् । साथै स्थानीय तहको तथ्याङ्क व्यवस्थापन र प्रयोगका लागि राष्ट्रिय प्रणालीसँग आबद्ध हुने खालको अनुगमन सूचना प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने हुन्छ ।

अनुगमन योजनाब नाउँदा राष्ट्रिय सरोकारका विषय, मानवविकास सूचकाङ्क, दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरूलाई स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विषयमा योगदान गर्ने सूचकहरू स्थापित गरी अनुगमन गर्ने र सो को प्रतिवेदन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

स्थानीय तहको आफ्नो क्षेत्रभित्र क्रियाशील गैरसरकारी संघसंस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था लगायतका सामाजिक तथा सामुदायिक संघ संस्थाले स्थानीय तहसँगको समन्वयमा रही कार्य गर्नुपर्ने र स्थानीय तहको अनुगमन प्रणालीमा त्यस्ता कार्यहरूको पनि अनुगमन गर्ने व्यवस्था मिलाउनु गर्नुपर्ने हुन्छ ।

अनुगमन तह

आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य र कार्यक्रम तहमा गरिने अनुगमन पद्धति तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया

| कुन तहमा अनुगमन गर्ने | के अनुगमन गर्ने | कहिले र कसले अनुगमन गर्ने | कुन तहको सूचक राख्ने | मापन गर्ने आधार |
|-----------------------|--|---|--|--|
| लक्ष्य | परेको प्रभाव | <ul style="list-style-type: none"> कार्यपालिकाद्वारा नियुक्त स्वतन्त्र संस्था वा विज्ञले आवधिक योजनाको अन्त्यमा कार्यपालिकाद्वारा आवधिक योजनाको मध्यकालमा | <ul style="list-style-type: none"> प्रभावतहको असर तहको जनभावनामा परिवर्तन | <ul style="list-style-type: none"> संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको वार्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदनहरू स्थलगत अनुगमन वार्षिक कार्ययोजनाहरूको प्रगति |
| परिणाम | देखिने असर <ul style="list-style-type: none"> उत्पादकत्वमा परिवर्तन सडक पहुँचआदि | <ul style="list-style-type: none"> कार्यपालिका र गाउँ/नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति वार्षिक | <ul style="list-style-type: none"> परिणाम तहको प्रतिशतवृद्धि | <ul style="list-style-type: none"> सहभागितामूलक नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नमूना सर्वेक्षण गर्ने |
| योजना | निर्मित परिणामहरू <ul style="list-style-type: none"> कक्षा सञ्चालन उत्पादन परिमाण सडक विस्तार स्वास्थ्य केन्द्र भवननिर्माण | <ul style="list-style-type: none"> गाउँ र नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति, शाखा कार्यालयहरू र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत । चौमासिक/वार्षिक | <ul style="list-style-type: none"> परिणाम तहको सङ्ख्यात्मक वृद्धि | <ul style="list-style-type: none"> नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार स्थलगत अनुगमन सार्वजनिक परिक्षण, सामाजिक परीक्षण तथा सार्वजनिक सुनुवाइ |

लक्ष्य तह

| लक्ष्य | सूचक | आधार वर्ष | परिवर्तन |
|--|--|-----------|----------|
| <p>“शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाको समुचित विकास गरी समुदायको आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउने ।”</p> <p>“उद्योग र व्यापार फस्टाउन आवश्यक पूर्वाधारका लागि भूउपयोग योजना गर्दै समुदायको सहभागितामा गाउँ सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ बनाउने । ”</p> | <ul style="list-style-type: none"> स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा प्राथमिक स्वास्थ्यजन्य रोगीको सङ्ख्यामा कमी भूउपयोग योजना तयारी एवम् कार्यान्वयन आरम्भ लगानीका योजना संख्यामा आएको सकारात्मक परिवर्तन | | |

योजनातह

| परिणाम तह | सूचक | आधार वर्ष | परिवर्तन |
|------------------------------------|---|-----------|----------|
| सहरी शैक्षिक सुधार योजना | <ul style="list-style-type: none"> प्राथमिक तहमा भर्ना दरमा वृद्धि फोहरमैला वर्गीकरण लागु निर्वाचनमा बदर मतको सङ्ख्यामा कमी | | |
| मासुजन्य पदार्थ उपभोग वृद्धि योजना | <ul style="list-style-type: none"> तरकार, अन्डा र मासुको स्थानीय बजारमा बिक्री वृद्धि कखुरा व्यवसाय सङ्ख्या वृद्धि मासु जन्य जीव आयात वृद्धि | | |

ख) मूल्याङ्कन

योजनाको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य प्राप्त भयो भएन र योजनाको कार्यान्वयनबाट योजनाबाट फाइदा पाउने अपेक्षित जनताले उपर्युक्त रूपमा फाइदा पायो पाएन भनेर गरिने अध्ययन विश्लेषणलाई योजनाको मूल्याङ्कन भनिन्छ। आवधिक योजना विभिन्न आयोजनाहरूको समष्टि पनि हो त्यसैले यो आफैमा एक बृहद् कार्यक्रम समेत हो। यस मध्यम कालीन योजनाको मध्यावधि र पूर्ण अवधिको मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ। यसको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ९४ अनुसार गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजनाको मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गरेको छ।

योजनाको मध्यमकालीन अवधिमा मूल्याङ्कन गर्दा निम्न कुरालाई ध्यानमा राखी मूल्याङ्कन विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ:

- लक्ष्य र उद्देश्यहासिल गर्न उन्मुख रहे/नरहेको
- लगानी योजना अनुरूप वार्षिक लगानीहरू निर्देशित रहे/नरहेको
- उपलब्धिका लागि लक्ष्य लगायत कार्यक्रमहरूको परिमार्जन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहे, नरहेको आदि।

योजना अवधिको अन्त्यमा निर्धारित परिमाणात्मक तथा गुणात्मक लक्ष्य प्राप्तिको मूल्याङ्कन अन्तिम रूपमा तेश्रो पक्षबाट गर्नु/गराउनु पर्ने हुन्छ। अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र तर्क पूर्ण खाका सम्बन्धी विस्तृत व्यवस्थापनका लागि मार्गदर्शन राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी गरिएको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनलाई पनि उपयोग गर्न सकिने छ।

सन्दर्भ सामाग्रीहरू

- ✓ अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४, (परिच्छेद २: राजस्वको अधिकार; परिच्छेद ३: राजस्वको बाँडफाँट; परिच्छेद ४: अनुदानको अवस्था; परिच्छेद ५, वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण; परिच्छेद ६: सार्वजनिक खर्च व्यवस्था; परिच्छेद ७: राजस्व र व्ययको अनुमान; परिच्छेद ८: वित्तीय अनुशासन, श्रोत www.mof.gov.np
- ✓ आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा तत्सम्बन्धी नियमावली २०७७।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : प्रारम्भिक नतिजा। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्कविभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : एक परिचय। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्कविभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०७८। जनगणनाको ११० वर (१९६८-२०७८) राष्ट्रिय जनगणना २०७८ : लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशी सन्दर्भ पुस्तिका। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। नेपाल जीवन स्तर सर्भे। केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ सुनकोशी गाउँपालिकाले प्रकाशित गरेका वस्तुस्थिती विवरण,
- ✓ सुनकोशी गाउँपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८०/८१ को वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम
- ✓ गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको योजना तथा बजेट तर्जुमा हातेपुस्तिका (२०७७) संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय।
- ✓ दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिका, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, २०७७।
- ✓ नेपालको संविधान (भाग ३: मौलिकहक र कर्तव्य, धारा १८-४८; भाग ४: राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, धारा ४९, ५०, ५१ र ५२; भाग ५: राज्यको संरचना र राज्य शक्तिको बाँडफाँट; भाग १७: स्थानीय कार्यपालिका, धारा २१४-२२०; भाग १८: स्थानीय व्यवस्थापिका, धारा २२१-२२७; भाग १८: स्थानीयतहको आर्थिक कार्यविधि, धारा २२८-२३०; भाग २०: संघ, प्रदेश र स्थानीयतहको अन्तरसम्बन्ध, धारा २३१-२३७) श्रोत: www.lawcommission.gov.np
- ✓ नेपालको दीगो विकासको सोच, पन्ध्रौं योजना तथा दीगो विकासको लक्ष्य, श्रोत: www.npc.gov.np.
- ✓ नेपालमा दिगो विकासको लक्ष्यको अवस्था तथा मार्गचित्र : २०१६-२०३०, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजनाआयोग, ई.सं. २०१७।
- ✓ वातावरण मैत्री स्थानीय शासन प्रारूप, २०७८ नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल।
- ✓ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ (परिच्छेद ६ दफा २४ र २५, परिच्छेद ९ दफा ५४ देखि ६८ र परिच्छेद १० दफा ६९ देखि ८०)
श्रोत: www.mofaga.gov.np/www.lawcommission.gov.np.
- ✓ स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७४ (परिमार्जित), संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं।
- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७५ राष्ट्रिय योजना आयोग, श्रोत: www.npc.gov.np .
- ✓ स्थानीयतह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल।
- ✓ स्थानीय तह वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल।
- ✓ Census report- population monograph of Nepal _ Volume-I (page no. 282) [https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP_Indv_Table02-Page-no.-66\)](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Indv_Table02-Page-no.-66))
- ✓ [https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP_Hhld_Table10-pages-no.-11\)](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Hhld_Table10-pages-no.-11))

अनुसूचीहरू

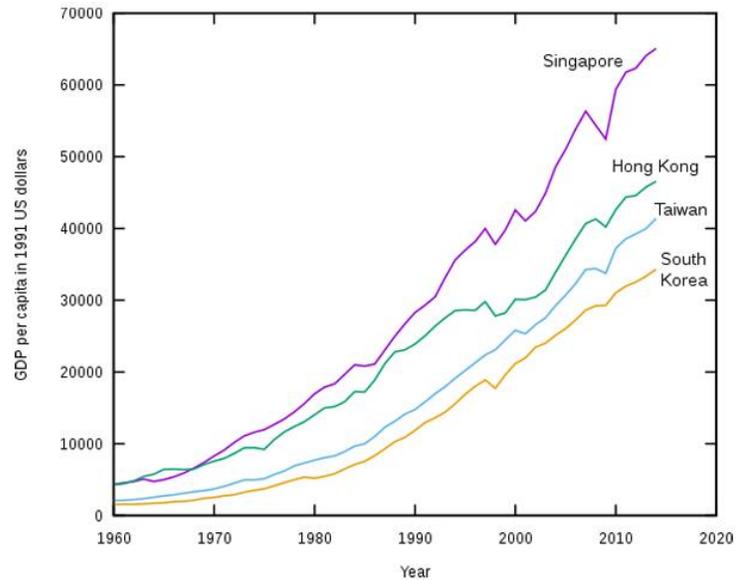
अनुसूची १: विश्वका केही विकास मोडेलहरूको तुलनात्मक अध्ययन

विश्वका विभिन्न राष्ट्रहरूको तुलनात्मक अध्ययन गर्दा दोस्रो विश्वयुद्धपछि मात्र धेरै देशले एउटै पुस्तामा नाटकीय आर्थिक उपलब्धि हासिल गरेको पाइन्छ। माइकल स्पेंस नामका नोबेल पुरस्कार विजेताको अध्यक्षतामा गठित एउटा चर्चित (Growth Commission Report) ग्रोथ कमिसन रिपोर्टमा १३ देशलाई उच्च सफलताको कोटीमा राखिएको छ। ती देशहरू – जापान, कोरिया, थाइल्यान्ड, मलेसिया, इन्डोनेसिया, सिंगापुर, ताइवान, चीन, हंगकंग, ब्राजिल, ओमान, माल्टा र बोस्टसवाना हुन्। यी मध्ये ९ देश एसियामै छन्। ती मुलुकले २५ वर्षसम्म ७ प्रतिशत भन्दा माथिको आर्थिक वृद्धि दर हासिल गरे। दिगो र उच्च आर्थिक वृद्धिदरले यी राष्ट्रहरूलाई आर्थिक रूपले निकै माथि उठायो। यी राष्ट्रहरूको अनुभवले के देखाउँछ भने, विकासको उच्च स्तर प्राप्तिका लागि ७ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरले करिब १० वर्षसम्म निरन्तरता पाउने हो भने जीडीपी दुई गुना हुन्छ र यो २५ वर्ष सम्म निरन्तर गर्यो भने एक पुस्तामै आर्थिक कायापलट हुन जान्छ। सफल यी १३ देशका पछाडि ५ साभ्ना कुरा छन् : त्यहाँको नेतृत्व र प्रशासन विकासप्रति प्रतिबद्ध थियो, निजी क्षेत्रलाई विश्व आर्थिक मञ्चमै व्यापार गर्न उतारियो, समस्तिगत आर्थिक स्थिरता कायम गरियो, उत्पादनशील साधन र स्रोतको बाँडफाँडको जिम्मा बजार अर्थतन्त्रलाई दिइयो र आन्तरिक लगानीका लागी नागरिक तहमा ठूलो बचत गराइयो (वाग्ले, २०१५)। संघीय शासन प्रणालीको शुरुआत पछि नेपालले द्रुततर आर्थिक विकासमा जोड दिएको छ। नेपालको नव निर्माण र द्रुततर विकासका लागि यी राष्ट्रहरूको अनुभव उपयोगि हुने भएकोले छोटो अवधिमा उच्चतम विकास हासिल गरेका केहि राष्ट्रको विकासको अनुभवलाई यहाँ उल्लेख गरिएको छ।

(क) एसियन टाइगर्स (Asian Tigers)

सन् १९६० को दशकको सुरुसम्म दक्षिण कोरिया, सिङ्गापुर, ताइवान र हङ्कङ अविक्सित क्षेत्रको रूपमा थिए। यी मध्ये दक्षिण कोरिया र सिङ्गापुर सार्वभौम राष्ट्र हुन्। हङ्कङ पहिले बेलायतको र हाल चीनको शासन अन्तर्गत रहेको छ तर यस भूभागलाई केही हदसम्म राजनीतिक स्वायत्तता प्राप्त छ। ताइवान भने चीनमा सन् १९४९ मा सकिएको कम्युनिस्ट र कोमिन्ताङ पार्टीबीचको गृहयुद्धमा पराजित भएर भागेको पक्षले शासन गर्न थालेपछि तत्कालीन चीनको नियन्त्रणबाट अलग भएको भूभाग हो।

बेइजिङ र ताइवानमा रहेका सरकार दुवैले आफूमा १९४९ अघिको चीनको स्वामित्व रहेको दावी गर्छन्। तर यी चार देशहरूले लगभग पचास वर्ष भित्र इतिहासमा कमै देखिने एकै पुस्तामा तेस्रो विश्ववाट पहिलो विश्वमा आर्थिक विकासको लामो फड्को मारेको इतिहास छ।



यी चार एसियाली टाइगर्सको विकासलाई बुझाउन माथिको चित्र उपयोगी हुन सक्छ जसले यो क्षेत्रको आर्थिक विकासको चरित्रलाई बुझ्न र यिनीहरूले अवलम्बन गरेको विकास मोडेलको सामान्य जानकारी लिन केही हदसम्म सघाउ पुऱ्याउँदछ । भनिन्छ, आर्थिक विकासको मोडेलका प्रकारहरू विकास अर्थशास्त्रीहरूको सङ्ख्या जति नै छन् तर पनि यसलाई मूलतः रूपमा निम्न तीन समुहमा वर्गीकरण गरि विभाजन गर्न सकिन्छ : बजार निर्देशित, हस्तक्षेपकारी र राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल । विभिन्न राष्ट्रहरूले यी तिन मोडेल वा आफ्नो देशको विशिष्ट परिस्थिति अनुकूल फरक प्रकारको विकास मोडेलको निर्माण गरि अघि बढिरहेका छन् ।

(ख) दक्षिण कोरिया

दोस्रो विश्व युद्ध पछि सन् १९४५ मा दक्षिण कोरिया जापानको शासनबाट स्वतन्त्र भयो । तर केही समयपछि नै ऊ अमेरिकाको नियन्त्रणमा आयो । त्यही समयमा भएको कोरियाली गृहयुद्धले यसको अवस्था अत्यन्त दयनीय अवस्थामा पुऱ्यायो । तीन वर्ष सम्म चलेको उक्त गृहयुद्धले दक्षिण कोरियाको तत्कालीन उत्पादन क्षेत्रको दुई तिहाइ हिस्सा नष्ट गराएको थियो । त्यो अवस्थादेखि हालको जी २० सम्मको दक्षिण कोरियाको उदय र विकासलाई मुख्यतः चार चरणमा वर्गीकरण गर्न सकिन्छ ।

दक्षिण कोरियाको विकासको सुरुवात त्यहाको प्रथम राष्ट्रपतिको कार्यकालबाट सुरु भएर पार्कको शासनको प्रारम्भसम्म भएको मान्न सकिन्छ । विकासको पहिलो चरणमा युद्धको विनासबाट उठ्नका लागि केहि विशेष कार्यक्रमहरूको छनौट गरिएको थियो । त्यो समयमा यहाको कुल राष्ट्रिय उत्पादनको १५.९५ प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी सहायताले ओगट्ने गर्दथ्यो । यो हिस्सा सबैभन्दा उच्च सन् १९५७ मा २२.९५ प्रतिशत सम्म पुगेको थियो । यो समयमा कोरियाको विकास एकदमै धेरै मात्रामा अमेरिकी सहायतामा निर्भर थियो । यो अवधिमा सरकारले मजदुर सङ्गठनमाथि निषेध गर्नुका साथै उग्र कम्युनिस्ट विरोधी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै मजदुरहरूको ज्यालादर सस्तो बनाउने निति अख्तियार गर्यो जसले औद्योगिक लगानीकर्तालाई प्रोत्साहित गर्‍यो र तिब्रतर आर्थिक वृद्धिमा सहयोग पुऱ्यायो ।

पार्क चुङ्ग हिले सन् १९६१ मा कू गरे पछिको अवधिलाई दोस्रो चरणको सीमा मान्न सकिन्छ । यो चरण सामान्य खालको उद्योगको विस्तार र निर्यात केन्द्रित उद्योगको विकासमा केन्द्रित थियो । युद्धबाट तडिग्रएको र अमेरिकी सहायता माथिको निर्भरता निककै कम भइसकेको यस अवस्थामा कोरियाली अर्थतन्त्रले आफ्नो सस्तो श्रमको उपभोग गरेर हल्का औद्योगिक सामग्री उत्पादन गर्न थाल्यो । यही अवधिमा दक्षिण कोरियाले बजार निर्देशित र अर्भ हस्तक्षेपकारी आर्थिक मोडेल छाडेर राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल प्रयोग गर्न थालेको थियो । सन् १९६२ मा कोरिया सरकारले पहिलो पञ्च वर्षिय आर्थिक विकास योजना अगाडि साऱ्यो जसले लगानी बढाउने, औद्योगिक संरचना निर्माण गर्ने र व्यापार सन्तुलन कायम गर्ने जस्ता स्पष्ट रूपमा बृहत् अर्थशास्त्रीय विकास लक्ष्यहरू अगाडि सारियो जसले त्यहाँको अर्थतन्त्रमा आमूल सुधार ल्याउनुका साथै विकास प्रक्रियामा तिब्रता लियो ।

राष्ट्रपति पार्कका विभिन्न आर्थिक रणनीतिहरू मध्ये 'सेमाउल उन्दोड' एक अत्यन्त सफल कार्यक्रम हो । गाउँको विकास भए मात्र देशको विकास हुन्छ भन्ने मान्यता राख्ने यो अभियानको मुख्य लक्ष्य गरिब जनतालाई धनी बनाउनु र गाउँको समग्र विकास गर्नु थियो । कोरियन भाषामा 'से' 'नयाँ', 'माउल' 'गाउँ' र 'उन्दोड' भन्नाले 'अभियान' भन्ने बुझिन्छ । अथवा 'सेमाउल उन्दोड' भन्नाले नयाँ सामुदायिक अभियान भन्ने बुझिन्छ । यो अभियानको प्रवर्तक समाज सुधारक किम योड की हुन् । उनले सन् १९६२ देखि यो अभियान संचालन गर्दै आएका थिए । किमले 'काम नगर्ने भए खाना नै नखाउ' भन्ने नाराका साथ यो अभियान सञ्चालन गरेका थिए । सेमाउल उन्दोड सुख एवम् समृद्धिका लागि

सञ्चालन गरिएको एक अभियान हो जसले गरिवी निवारण गर्ने, सबैले राम्रो शिक्षा, खाना र लुगा लगाउन पाउने र सुरक्षित तथा सुविधाजनक घरमा बस्न पाउन भन्ने उद्देश्य राखेको थियो ।

किमको यो अभियानले 'ग्रामीण जनतालाई आत्मनिर्भर बनाउने र देशको विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ' भन्ने बुझेका दूरदर्शी सैनिक शासक पार्कजुङ्ग हिले सबै जनतालाई यो अभियानमा सामेल हुन आह्वान गरे । उनले सन् १९७० अप्रिल २२ मा यो अभियानलाई सरकारी रणनीतिको रूपमा मान्यता दिए । सरकारी कार्यक्रमको मान्यता पाए पछि यो कार्यक्रमले नयाँ सामुदायिक अभियान सहित सहयोग र आत्मनिर्भरताको भावनाका साथ हाम्रो गाउँको सुधार र आधुनिकीकरण हामी आफैँ गर्न सक्छौं भन्ने भावनालाई आत्मसात गर्दछ । कोरियाली सरकारले अभियानलाई कार्यान्वयनमा ल्याउँदै उन्नत गाउँ निर्माणको निम्ति 'दश परियोजना' को कार्यसम्पादन निर्देशिका जारी गरेर ३३ हजार २ सय ६७ गाउँमा लागु गर्दै सामुदायिक विकासका लागि जिन्सी सहायता दिन शुरु गरेको थियो । जसअन्तर्गत, सरकारले हरेक गाउँमा ३ सय ५५ बोरा सिमेन्ट र ५ सय केजी रड बाँड्न शुरु गर्‍यो । अर्कोतिर सरकारी कर्मचारी, विचारक, सामुदायिक अभियानका र निजी क्षेत्रका अगुवालाई तालिमको व्यवस्था गर्‍यो । कर्मचारीलाई भ्रष्टाचारी भावनाबाट टाढा रहन 'सुनलाई ढुंगा जस्तै देख' लेखिएको 'हरियो टाई' वितरण गरिएको थियो । यो अभियानले नागरिकलाई समाजप्रति समर्पित हुने अगुवा नेतृत्व तयार पाऱ्यो । यसैको शिक्षाले सदस्यहरूलाई स्वतःस्फूर्त जग्गादान, श्रमदान, सामग्री दान गर्ने उत्प्रेरणा प्रदान गर्‍यो । नयाँ सामुदायिक अभियान लागु भएका गाउँले जनताको आय विस्तारै बढ्न थाल्यो । यो क्रम ४ वर्ष पुग्दा ग्रामीण जनताको आय बढेर शहरी परिवारको आयभन्दा बढी हुन पुग्यो । यो कार्यक्रमले गाउँको विकास र स्वाधिन अर्थतन्त्रको निर्माणमा कोशे ढुंगा सावित भयो (सम्बाहाम्फे, २०७४) ।

सन् १९७४ मा आइ पुग्दा शहरी भन्दा ग्रामीण जनाताको आय बढ्यो जसको कारण के थियो भने सेमाउल उन्दोड लागु भएको हरेक गाउँ वा इकाईमा कृषिमा आधारित एक सेमाउल उद्योग अनिवार्य खोल्नुपर्ने शर्त थियो । यस्ता उद्योगले गाउँको आय बढाउने काम गर्यो भने रोजगारीको अवसरहरूपनि प्रशस्तै सिर्जना गर्यो । उक्त अभियान शहरमा पनि लागु गरि औद्योगिक क्षेत्रहरूको विकास तीब्ररूपमा हुन गयो । शहर केन्द्रित उद्योगहरूको विकास हुँदा पनि सरकारले उद्योगको (Semi-product) सेमी प्रोडक्ट सम्बन्धी कम्पनीहरूबढी गाउँमै स्थापना गर्ने नीति लियो । यो नीतिले गाउँ र शहरलाई जोड्ने र गाउँको विकास र रोजगारीमा टेवा पुऱ्याउने काम गर्यो । सन् १९७० मा ८३ करोड डलर निर्यात गरेको कोरियाले यो अभियानको सफलताकै कारण सन् १९८० सम्म आइ पुग्दा कोरिया एक औद्योगिक राष्ट्रका रूपमा दर्ज हुन पुग्यो । त्यस्तै गरि १९८० मा १७ अर्ब डलरको उत्पादन निर्यात गर्यो । यो अभियान शतप्रतिशत सफल हुनको कारण, यसमा गाउँलाई ४० र ५० घरको सानो भन्दा सानो इकाईमा विभाजन गरियो र प्रत्येक निर्णायक कार्यक्रममा सबै घरका प्रतिनिधिलाई राय व्यक्त गर्ने सुविधा दिइयो । यो इकाइले जे चाहन्छ, त्यसैमा परियोजना सञ्चालन गर्ने गरियो । यस्तो इकाईले एकातिर समुदायमा भावनात्मक एकताको विकास गर्यो भने अर्कोतिर निर्णय गरिएका योजनाहरूमा असन्तुष्टि र असहमति भन्ने प्रश्न नै उठ्न पाएन । यो अभियान सफल हुँदै गएपछि गाउँ ईकाईहरूले तर्जुमा गरेका परियोजनामा सरकारले ५० प्रतिशत ऋण, ३० प्रतिशत अनुदान र २० प्रतिशत समुदायको लगानी हुने व्यवस्था गर्यो । यो मोडेललाई केही वर्षमै राष्ट्रव्यापी गरियो । त्यस्तै अर्को महत्वपूर्ण कुरा, सरकारले समय सापेक्ष कृषिमा आधुनिकीकरण गर्यो । यसका लागि कृषी विज्ञलाई देशभर परिचालन गरेर कृषी तालिम प्रदान गरियो । यसले कृषिमा व्यापक आधुनिकीकरण गर्‍यो जसको कारण अहिले कोरिया २ देखि ३ प्रतिशत कृषककै उत्पादनले खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनेको छ । यो अभियान कुनै समय भोक, रोग र बेरोजगारीले

तडिपएका कोरियाली किसानका लागि सफलताको मन्त्र बन्यो (सम्बाहाम्फे, २०७४)। यो अभियानवाट नेपालले प्रशस्त शिक्षा लिन जरुरी देखिन्छ।

त्यस्तै गरि उनले निर्यातवाट कमाइ भएको लगानी उच्च प्रविधिहरू र मेसिनहरूमा लगानी गरे। यी सामग्री अर्को चरणको विकासका लागि आवश्यक हुन्थ्यो। त्यस अतिरिक्त त्यो समयमा पार्कको सरकारले विदेशी सामग्रीहरूमा भन्सार कर बढाएर स्वदेशी उद्योगहरूलाई अनुदान दिएर ठूला उद्योग विकास गर्न सहयोग गरेको थियो। यसले दक्षिण कोरियालाई तेस्रो चरणमा ल्याइपुऱ्यायो। पार्कको दोस्रो पञ्च वर्षीय योजनामा यसको प्रत्यक्ष प्रभाव देख्न सकिन्छ। उनले ठूला र रासायनिक उद्योग खोलेलाई सहयोग गर्ने नीति लिए। यो चरण कोरियाको विकास चरणको सबैभन्दा लामो अवधि रह्यो। यो चरणमा वैदेशिक पूँजीमा नियन्त्रण भए पनि सरकारको निगरानीमा यसलाई भित्र्याइयो। यो अवधिमा निर्यात वार्षिक रूपमा ३५.२५ दरले वृद्धि भयो। सन् १९९० को दशकमा दक्षिण कोरियाली अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य परिवर्तनहरू देखिए। यही समयमा देशले विकासको चौथो चरणमा आइपुग्यो। यो अवधि उच्च प्रविधिको उद्योगको रह्यो। सन् १९८८ मा द. कोरियाले गर्ने निर्यातमा १५.५ प्रतिशत हिस्सा मात्र उच्च प्रविधिको सामग्री हुन्थ्यो। त्यसपछिको हरेक वर्ष यसमा लगभग शत प्रतिशतले वृद्धि भएको छ। कोरियाली सामग्रीको अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बढेको माग र घरेलु उपभोगमा भएको उच्च वृद्धिका कारणले कोरियाले परिपक्व र सम्पन्न राज्यका रूपमा स्थिरता प्राप्त गर्‍यो। यसले कोरियाली समाजको हरेक तप्काको जीवन स्तर बढायो। कोरियाली इतिहासमा दोस्रोदेखि चौथो चरणसम्म स्थिर रूपमा उच्च आर्थिक वृद्धि देखियो। सन् १९६२ देखि १९९५ सम्म दक्षिण कोरियाले औषतमा वार्षिक १०५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर हासिल गर्‍यो (उप्रेती, २०७५)। यसर्थ, कोरियाली विकास मोडल विश्वकै उत्कृष्ट आर्थिक विकास मोडलको रूपमा स्थापित हुन पुग्यो।

(ग) सिङ्गापुर

विश्वको प्रमुख औद्योगिक देश सिङ्गापुर, चार एसियाली टाइगर्समा सबैभन्दा प्रजातान्त्रिक मुलुक हो। एक बेलायतीको कूटनीतिक शब्दमा ली क्वान युको अद्भूद नेतृत्वमा यो राज्यमा 'राजनीति हराएर' पूरै राज्य नै एक 'प्रशासनिक एकाई'मा बदलिएको थियो। सन् १९६५ मा मलेसियाबाट मन नलागी नलागी स्वतन्त्रता स्वीकारेपछि लीले सन् २०११ मा सन्यास नलिएसम्म सिङ्गापुरको राजनीतिलाई 'नरम निरंकुशता' सहित नियन्त्रणमा राखे। यो अवधिमा सिङ्गापुरले अभूतपूर्व आर्थिक विकास गर्नुको साथै विश्व रंगमञ्चमा आफुलाई एक सम्बृद्धशाली राष्ट्रको रूपमा स्थापित गराउन सफलता हासिल गर्‍यो। सिङ्गापुरको विकासले दक्षिण कोरिया र ताइवानको भन्दा फरक बाटो लिएको छ। उसलाई युद्धवाट राज्यलाई पुनःनिर्माण गर्ने चुनौती थिएन तर यो सहरी राज्यले आफूसँग आफ्ना नागरिकलाई खुवाउन पुऱ्याउन सक्ने जमिनसमेत थिएन। राज्यका लागि आवश्यक खाद्यान्न र पानी समेत छिमेकी मुलुकवाट आयात गरेर आपूर्ती गर्ने सिङ्गापुरले यो अवस्थामा सुधार ल्याउनका लागि राज्यलाई निर्यात मुखी सामानय उद्योगहरूको विकासलाई जोड दिने नीति अख्तियार गर्‍यो। सिङ्गापुरले आफ्नो स्थानीय तहमा रहेको प्राविधिक र व्यवस्थापकीय ज्ञानको अभावलाई अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूलाई आकर्षित गरेर सरकारी अनुगमन सहित पूरा गर्‍यो। सन् १९७० को दशकसम्म सिङ्गापुरको अर्थतन्त्रको संरचनामा उल्लेख्य परिवर्तन आयो जस्तै निर्माण उद्योग र ठूला उद्योगहरूको स्थापनामा विशेष जोड दिएको थियो। कतिपय विद्वानहरूले यो परिवर्तनलाई चीनमा देडको सुधारपछि आएको परिवर्तनको विरुद्धमा चिनलाई चुनौती दिन थालिएको कदमको रूपमा उल्लेख गर्दछन।

सन् २००० मा ली क्वान युको किताब 'फ्रम थर्ड वर्ल्ड टु फर्स्ट : द सिङ्गापुर स्टोरी १९६५(२००० (From third world to first: The Singapore Story) प्रकाशित भयो। विश्व पुस्तक बजारमा 'वेष्टसेलर' रहँदै आएको यो किताबको प्रारम्भ गर्दै ली क्वान यु लेख्छन 'घर कसरी बनाउने, इन्जिन कसरी मर्मत गर्ने, किताब कसरी लेख्ने भनेर

तपाईं सिकाउने पुस्तकहरू पाइन्छन् । तर चाइना, ब्रिटिस इन्डिया र डच इस्ट इन्डिजवाट बाहिर छरिएर संकलित भएका आप्रवासीहरूले राष्ट्र कसरी निर्माण गर्ने, क्षेत्रीय व्यापारिक केन्द्रको पुरानो आर्थिक भूमिका गुमाएर मृतप्रायः बनिरहेका जनतालाई कसरी जिवन्त बनाउने भनेर सिकाउने पुस्तक मैले कतै देखिनँ ।' त्यसैले यो कितावको लेखने आवश्यकता रहेको हो ।

यो कितावले मुलत निम्न २ वटा तथ्यहरूमा जोड दिएको छ ।

१. कुनै पनि राष्ट्र निर्माणको बनिबनाउ मोडेल हुँदैन । त्यो अरु कसैले सिकाउन सक्दैन । स्वयं त्यो देशका जनता वा नीति निर्माताले आफै पत्ता लगाउन सक्नु पर्दछ ।
२. राष्ट्र निर्माणको मोडेल तयार गर्दा मुख्य ३ वटा तत्वहरूलाई हेर्नु पर्दछ : जनसंख्या संरचनाको ऐतिहासिकता, भूराजनीति र आर्थिक सम्भावना ।

पुस्तकको यो प्रारम्भिक वाक्यलाई उपसंहार खण्डको अर्को एक वाक्यसंग जोड्नु उचित हुन्छ । उनी लेख्छन् 'हामी कामबाट सिक्थ्यौं, छिट्टै सिक्थ्यौं । हाम्रो सफलताको एउटा मात्रै सुत्र थियो, कसरी चिजहरूलाई बढी कामकाजी बनाउने भनेर, तिनीहरूलाई अझ राम्रो कसरी बनाउने भनेर निरन्तर अध्ययन गर्थ्यौं । म कहिल्यै कुनै सिद्धान्तको बन्दी बनिनँ । मलाई कारण र यथार्थहरूले मात्र मार्गदर्शन गर्न सके, सिद्धान्तले हैन । कुनै पनि सिद्धान्त, योजना वा सोचले राम्रो काम गर्छ, गर्दैन भन्ने 'एसिड टेष्ट' (दूत जाँच) गर्थे । यदि कुनै चिजले राम्रो काम गर्दैनथ्यो वा कमजोर परिणाम दिन्थ्यो भने त्यस्तो चिजमा म थप समय र स्रोत खर्चिन्नथेँ ।' (खतिवडा, २०७६)

सिङ्गापुरको आर्थिक समृद्धिमा निम्न सिद्धान्तहरूको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको पाइन्छ ।

क. खुला बजार सिद्धान्त (Free Market Principles) : सिङ्गापुरले पूँजिवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई आफ्नो विकासको मुख्य सिद्धान्तको रूपमा अवलम्बन गरिरहेको छ । जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- श्रम बजारको व्यवस्थापन (Labor Market)
- उत्तरदायी कर्मचारीतन्त्र (Accountable Bureaucracy)
- न्युन कर दर (Low Tax Rates)
- न्युन सरकारी खर्च (Government Expenditure)

ख. समाजवादी सिद्धान्त (Socialistic Principles) : सिङ्गापुरले समाजवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई पनि त्यत्तिकै जोड दिएको छ जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- सार्वजनिक घरहरूको निर्माण (Public Housing)
- सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा (Public Healthcare)

यी दुई सिद्धान्तहरूलाई अवलम्बन गर्दै सिङ्गापुरले विकासमा उच्च सफलता प्राप्त गरेको थियो । विकासको अन्तिम चरण उच्च प्रविधिको उद्योगको स्थापना सँगै अन्त्य भएको थिएन । बरु सिङ्गापुरलाई दक्षिणपूर्वी एसियाको आर्थिक र वित्तीय केन्द्रका रूपमा विकास गरेर अगाडि बढेको थियो । उच्च प्रविधिको उद्योगमा भैँ व्यापार, आयात सुधार र वित्त सबैमा सीपयुक्त श्रमिकको आवश्यकता पर्छ । सिङ्गापुरको अवस्थिति र पछिल्लो समयको आर्थिक उदारीकरणले यी उच्च स्तरका उद्योगलाई निकै सहयोग गर्‍यो । यसले सिङ्गापुरलाई अन्ततः ताइवान र दक्षिण कोरियाजस्ता उच्च प्राविधिक राष्ट्रको समकक्षमा राखिदियो । राज्यको केन्द्रीय कोषले ठूलो उद्योगका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माणमा

गरेको सहयोग र ली क्वान युको आर्थिक र राजनीतिक दुवै क्षेत्रमा प्रभुत्वले गर्दा सिङ्गापुरको विकासमा सरकारको भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण देखिन्छ जसलाई नेपाल लगायत अन्य राष्ट्रहरूले पनि प्रेरक उदाहरणको रूपमा लिन सक्दछन् ।

(घ) ताइवान र हङ्कङ

हाल चिनको स्वशासित क्षेत्रको रूपमा रहेको ताइवानको कथा पनि कोरियाको जस्तै छ । ताइवानको प्रारम्भ दक्षिण कोरियाको अवस्थाभन्दा दयनीय थियो । ताइवानको कथा पनि युद्धको समाप्तीबाटै सुरु हुन्छ । तर ताइवान आफै भने सो युद्धबाट त्यति प्रभावित भएको थिएन । चिनियाँ गृहयुद्ध मुख्य त मूलभूमि चीनमा लडिएको थियो । तथापि दोस्रो विश्वयुद्धसम्म यो पनि जापानको अधीनमा थियो । त्यो अवधिमा त्यहाँ कृषिमा केही सुधारका काम भएका थिए । त्यतिवेला सम्म यो टापु विशेष धान, उखु र भुइँकटर र केही कपडा उद्योगको अवस्थामा मात्र सिमित थियो । यसको साथै कृषि र माछापालनले यो भूगोलको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको एक तिहाइ भाग ओगटने गर्दथ्यो ।

प्रारम्भमा च्याङ काइ सेकको सरकारले राज्यलाई अनुदानमा चलाउने खालको नीति लिएपछि सन् १९५० को दशकमा अमेरिकाले ताइवानलाई दिइरहेको अनुदान रोक्ने चेतावनी दियो । त्यसपछि राष्ट्रपति चियाङ र उनको कोमिन्ताङ पार्टीले कोरियाले लिएको जस्तो औद्योगिकीकरणको योजनाहरू अधि सारे । औद्योगिकीकरणले कृषिको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा रहेको योगदानलाई ७५ प्रतिशतमा मा झार्‍यो । कोरियामा जस्तै ताइवानले पनि प्रारम्भमा सामान्य खालको उद्योगमा विकास गर्‍यो । तर यहाँ भने कोरियामा भन्दा अलि लामो समय सन् १९८० को दशकसम्म यी सामान्य खाले उद्योगहरूको अर्थतन्त्रमा महत्वपूर्ण भूमिका रह‍यो । त्यसपछि यहाँ ठूला उद्योगहरूको स्थापनाको सुरवात भयो । सुरुमा विशेषतः स्टिल, विद्युतीय र पेट्रोलियम उत्पादनसम्बन्धी उद्योग खोलिए । ताइवानले वैदेशिक लगानी आकर्षणका लागि केही सरकारी उद्योगहरू निजीकरण गरेको भए पनि अधिकांश ठूला उद्योगहरू सरकारको नियन्त्रणमै राख्यो । च्याङले यिनै उद्योगहरूको बलमा चिनियाँ मूलभूमि पुनः कब्जा गर्ने सोचेका थिए ।

राज्यले अर्थतन्त्रमाथिको नियन्त्रण बलियो बनाउने नीति लिएको थियो । वैदेशिक विनिमयमा नियन्त्रण, आयातमुखी उद्यमलाई सरकारी प्रोत्साहन गर्ने नीति, राज्य नियन्त्रित संस्थामार्फत नै कच्चा पदार्थको माग पुऱ्याउने जस्ता कदममार्फत सरकारले अर्थतन्त्रमा नियन्त्रण कायम गरिरहेको थियो । ताइवानले आफ्नो अर्थतन्त्रको परिपक्वता कोरियालेभन्दा उच्च प्राविधिक विकासमा पुगेर सम्पन्न गर्‍यो । सन् १९७० को दशकमा उच्च शिक्षित जनशक्तिको विकासको कारणले ताइवानको श्रमिकको ज्याला बढेको थियो । त्यसै अवधिमा चीनमा भएको आर्थिक विकास र त्यहाँको सस्तो श्रमको कारणले भएको उत्पादन सँग ताइवानले प्रतिस्पर्धा गर्न नसक्ने अवस्थाको सिर्जना भयो । त्यसपछि ताइवानले उच्च मूल्यका वस्तुको उत्पादन र सेवामा ध्यान स्थानान्तरण गर्‍यो । सरकारले मुख्यतः निर्यातमुखी आर्थिक संरचना, उच्च प्रविधि र उच्च सीपका उद्योगमा स्तरोन्नति गर्ने निर्णय गर्‍यो । त्यसपछि ताइवानको पहिचान बनेको सूचना प्रविधि र सेमी कन्डक्टर जस्ता अन्य महत्वपूर्ण प्राविधिक उद्योगको विकासमा राज्यको भूमिका महत्वपूर्ण रह‍यो । ताइवानले दुई विषय बाहेक लगभग कोरियाको विकास परिपथ नै पछ्याएको देखिन्छ । दक्षिण कोरियासँगको उसको पहिलो फरक सन् १९८० को दशकसम्म ताइवानको अर्थतन्त्रमा कपडा उद्योगजस्तो हलुका उद्योगको महत्वपूर्ण भूमिका देखिन्छ जुन कोरियाली अर्थतन्त्रमा छोटो समय मात्र रहेको थियो । त्यसै ताइवानको सन्दर्भमा अनुदान रोक्ने धम्की नआएसम्म नेतृत्व पहिलो चरणमा रमाइरहेको थियो जबकी द. कोरियामा नेतृत्व आफैले आत्मनिर्भर हुने रणनीति लिएको थियो । (उप्रेती, २०७५)

हङ्कङको विकास धेरै अर्थमा ताइवानको जस्तै रह्यो । बेलायतको अधिनमा रहेको हङ्कङ चीनको मातहतमा गएपनि हङ्कङको अर्थतन्त्र पुँजिवादी चरित्रको नै रहेको छ । त्यसो हुनुको पछाडि हङ्कङ अगाडि देखि नै औद्योगिकीकरणको चरणमा गएको थियो । अन्य तीन राष्ट्रहरूले सन् ६० को दशकमा विकास सुरु गरेका हुन् भने हङ्कङमा सन् १९५० को दशकमै विकास प्रारम्भ भइसकेको थियो । सिङ्गापुरसँगको अन्य समानतामा हङ्कङले पनि जग्गा अभावका कारण अन्न आयात गर्नुपर्थ्यो । उसलाई यसबाट भएको व्यापार असन्तुलनलाई सन्तुलनमा ल्याउनु थियो । त्यसका साथै अन्य राष्ट्रहरू जस्तै हङ्कङ पनि औद्योगिकीकरणको चरणपछि उच्च प्राविधिक विकास भन्दा व्यवसायिक केन्द्रका रूपमा विकास भयो (उप्रेती, २०७५) । हाल सम्म पनि हङ्कङ चिनको मातहतमा रहेको एक विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र र अन्तर्राष्ट्रिय बजारको रूपमा विश्व प्रसिद्ध रहेको छ ।

(ड) मलेसिया

उपनिवेश हुँदै स्वतन्त्रताको लडाईं जितेर विकासको पथमा लम्किएको मलेसिया आजसम्म आइपुग्दा विश्वको ध्यान आकर्षित गर्ने देश बन्न सफल भएको छ । विदेशी लगानी भित्र्याएर बनेको मलेसियाले हालका दिनमा लाखौं विदेशी कामदारलाई रोजगारी दिएको छ र आर्थिक विकासमा थप सशक्त ढंगले लागिपरेको छ । व्यवस्थित सहरीकरण र सडक सञ्जाल, गगन चुम्बी भवन, स्वस्थ र हराभरा वातावरणका साथै राज्य सञ्चालनमा अपनाइएको 'सिस्टम'ले विश्वको ध्यान मलेसियातर्फ तानिएको छ । ४० वर्षको मेहनत र योजनाबद्ध सक्रियतामा तत्कालीन मलेसियन प्रधानमन्त्री महाथीर महम्मदले जसरी मलेसिया बनाउने काम गरे नेपालजस्ता विकासशिल मुलुकमा पनि राजनीतिक इच्छाशक्ति हुने हो भने विकास गर्न कुनै कठिन हुने रहेनछ, भन्ने बुझ्न सकिन्छ । आफ्नै विकासको मोडल, सभ्यता, इतिहास, सँस्कृति, रहनसहन बोकेको मलेसियामा पर्याप्त पर्यटकीय स्थल रहेकै कारणले गर्दा बर्सेनी २५ मिलियनबढी पर्यटक मलेसिया पुग्ने गर्छन् । पर्यटकहरूको ओइरो लाग्ने मलेसियाको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको महत्वपूर्ण हिस्सा पर्यटन क्षेत्रले ओगटेको छ । मलेसियाको विकास, तिब्रतम प्रगति र पर्यटन लोभ्याउने गन्तव्यले होटल व्यवसाय, स्थानीय उत्पादन र स्थानीय बजार निकै फस्टाएका छन् । (सिग्देल, २०१९)

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासङ्घको आयोजना तथा नेपाल सरकारको सहआयोजनामा भर्खरै नेपाल बिजनेस कन्क्लेभ (Business conclave) सम्पन्न भएको छ । यस कन्क्लेभको विशेषता भूतपूर्व मलेसियाली प्रधानमन्त्री महाथीरको सहभागिता एवं सम्मेलनमा उहाँले प्रस्तुत गर्नुभएको विकासको मोडेल नै रह्यो । आफ्नो प्रस्तुतिमा उहाँले दोस्रो विश्वयुद्धपछि उहाँको सरकारले सर्वप्रथम गरिब र धनीबिचको खाडल घटाउने योजना बनाएर भूमिहीनहरूको लागि भूमि वितरण कार्यक्रम अगाडि सारेको बताउँदै खेतीयोग्य जग्गाको कमीले यो कार्यक्रमले पूर्ण लक्ष्य प्राप्त गर्न नसकेकोले पुन सरकारले औद्योगिकीकरणको नीति अख्तियार गरेको खुलासा गर्नुभएको थियो । त्यस बेला मलेसियासँग औद्योगिकीकरणको लागि अनुभव नभएकाले विदेशी लगानीकर्ताहरूलाई रोजगारी सिर्जना गर्ने खालको उद्योगहरूमा लगानी गर्न निम्त्याएको स्मरण गर्दै यसबाट रोजगारीमा आमजनताको पहुँच बढ्नुको साथै शिक्षित श्रमिक उत्पादन गर्न शिक्षामा लगानी बढाउनु परेको थियो, जसबाट शिक्षित बेरोजगारीको समस्या समेत हल हुन पुगेको थियो । उहाँले आफ्नो सरकारले राजस्वभन्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्रमुख लक्ष्य बनाई हिँडेकाले आज मलेसिया औद्योगिक मुलुकको पडिँतमा उभिएको मन्तव्य व्यक्त गर्नुभएको थियो ।

तानाशाहको नाम दिइएका उनले मलेसियामा १९८१ देखि २००३ सम्म अर्थात् २२ वर्ष शासन गरे र यस अवधिमा मलेसियाको आर्थिक वृद्धिदर औसत १० प्रतिशत रह्यो भने जीवनस्तरमा २० गुणाले सुधार भयो । यस्तो कसरी भयो भन्नेबारे आफ्नो अनुभव सुनाउँदै उहाँले भन्नुभयो-मलेसियामा पनि १४ वटा पार्टी थिए । तर विकासको लागि राजनीतिक स्थिरता र व्यापार अनुकूल नीति नियमको आवश्यकता पर्दछ । हामीले यसलाई पूरा गर्दै गयौं र अन्तत

देशको राजस्व बढ्न थाल्यो जसबाट हामीले आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्दै सबै जनताको जीवनस्तर उकास्न सक्यौं। मलेसियाका डा. महाथिर मोहम्मदको योगदानलाई उच्च मूल्याङ्कन गर्दै मलेसियाली जनताले हालै ९५ वर्षको उमेरमा विश्वकै सबैभन्दा जेष्ठ प्रधानमन्त्रीमा निर्वाचित गराएका छन्। अन्तराष्ट्रिय जगतमा थुप्रै युग नायक छन् जसले विकास, समृद्धि र सुशासनमा कोशेढुंगाका रूपमा आफूलाई स्थापित गराएर जनताको मानसपटलमा चिरस्थायी बास बस्न सफल भए। महाथिर मोहम्मदको लोकप्रियता कुनै वाद र सिद्धान्तको उपज होइन, गरिबी कायापलट गरेर विकसित मलेसिया बनाउन उनले खेलेको योगदानको परिणाम हो (गुप्ता, २०१४)।

मलेसियाको हाल संचालित ११ औं पञ्च वर्षिय योजनाले (२०१६-२०२०) समावेशिकरण, जनजिवनमा व्यापक सुधारको कार्यक्रम, आय र भौतिक पूर्वाधारमा जोड दिने र धनी गरिव बिचको भिन्नता कम गर्ने निति अगडि सारेको छ। मलेसियाले वैदेशिक लगानी भित्र्याउने निति, प्रविधि र सुचना प्रसार गर्ने र मानविय पूँजीको अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरूमाफत द्रुततर विकास गर्ने लक्ष्यलाई प्राथमिकता साथ अघि सारेको छ। नेपालको लागि पनि यो मोडेल अत्यन्त उपयोगी हुन सक्ने सन्देश दिँदै नेपालले विकासको लक्ष्य निर्धारण गर्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्राथमिकता दिएर उपयुक्त र स्थायी वातावरण दिन सकेमा नेपालले पनि विकास गर्ने प्रचुर सम्भावना रहेको धारणा राख्नुभएको थियो। मलेसियाको यो उदाहरणबाट एक व्यक्तिको दुरदर्शि नितिले राष्ट्रको मुहार फेरिन सक्छ भन्ने शिक्षा लिन सकिन्छ।

(च) स्विजरल्याण्ड

जनसंख्या र क्षेत्रफलको आधारमा स्विजरल्याण्ड नेपाल भन्दा साँढे तिन गुणाले सानो देश हो। जन घनत्वको हिसाबले नेपाल र स्विजरल्याण्ड उस्तै देश हुन्। दुवै देशमा १ बर्ग किलोमिटरमा १९८ जना बसोबास गर्दछन्। स्विजरल्याण्डमा ८४० मिटर देखि ४,६३४ मिटर मात्र अग्ला ४५१ साना हिमालहरू छन्। प्रत्येक साना हिमालको पनि नामकरण गरिएको छ। यी सबै हिमालमा पर्यटकलाई खुल्ला गरिएको छ। हिमालमा धुवाँ रहित रेल र केबलकार संजालले सबै प्रकारका मानिसलाई भ्रमण गर्न सम्भव बनाएको छ। स्विजरल्याण्डमा बाषिक पर्यटकको संख्या २ करोड छ र पर्यटनबाट मात्र रु. ४० खर्ब भन्दा बढी आमदानी हुने गरेको छ। नेपालमा पनि सबै चुचुरालाई नामाकरण गर्नु, पर्यटनका लागि खुला गर्नु, हिमालका निश्चित उचाई सम्म पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्न जरुरी छ, सयौं हिमाल हामी सँग छन् तर हालसम्म सम्पूर्ण हिम चुचुराहरूको नामाकरण गरिएको छैन र पर्यटनका लागि खुल्ला समेत गरिएको छैन।

स्विजरल्याण्डको संघीय प्रणालीमा १३ वटा क्यान्टोन वा प्रदेशहरू छन्। असंलग्न परराष्ट्र नीति, कडा कानून, द्रुत विकास, राष्ट्रिय सुरक्षा र राष्ट्रिय अर्थतन्त्र चाही स्विसहरूको राजनीतिक प्राथमिकतामा पर्दछन्। स्विजरल्याण्डको सफल संघीय प्रयोगले के देखाउँछ भने राज्य बलियो हुनको निमित्त त्यस राज्यका जनता बलियो हुनुपर्ने रहेछ। जनता बलियो हुन तीनवटा कुरामा राज्यले जनतालाई हेरेको हुनुपर्छ : **जनताको स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा र शिक्षा।** स्विजरल्याण्डले यी तिनै कुराहरूमा जोड दिने गरेको छ र यी तिनै कुरामा जनतालाई सुविधा दिने राष्ट्रहरूको अग्र पङ्तीमा पर्दछ। स्विसहरू आफुले गरेको काममा कर तिर्छन्। आफुले बनाएको नियमलाई कडाईका साथ पालन गर्छन्।

स्विजरल्याण्ड नेपाल जस्तै भू-परिवेष्ठित मुलुक हो। मुख्य आयस्रोत पर्यटन र कृषि नै हो। उन्नत कृषिबाट उत्पादित वस्तु र गाईको दुध यहाँको आमदानीको मुख्य मेरुदण्ड हो। हुनत यहाँको बैकिङ्ग कारोबार अर्थतन्त्रको अर्को महत्वपूर्ण पाटो हो तर सन १८४८मा संघीय संविधान बने देखिको इतिहासको अध्ययनबाट के देखिन्छ भने संघीयताको सफल प्रयोगले स्विजरल्याण्ड यत्तिको बलियो भएको हो। स्विजरल्याण्डको शासन प्रणाली विश्वमा अनौठो मानिन्छ जहाँ ७

वटा संघका प्रमुखहरूले आलोपालो सरकार चलाउँछन् । विभिन्न देशहरूको औपचारिक प्रतिनिधित्वमा भने उनीहरू राज्यको प्रतिनिधिको रूपमा गएका हुन्छन् । कुनै पनि निर्णय लिँदा जनताको मतको कदर हुन्छ । ५० हजार हस्ताक्षर लिएर कुनै नागरिकले संविधानमा भएका कुरा फेर्न चाट्यो भने चुनाव गरिन्छ । हरेक संघको आफ्नै संसद, न्यायपालिका र प्रणाली छ । सम्प्रभुता सबैको सहमतिको बिन्दु हो । जर्मन, इटालीयन, फ्रेन्च र अल्पसंख्यक रोमन भाषा भाषीलाई राज्यले मान्यता दिएको छ । संघीय प्रदेशहरूमा आफ्नै भाषा चल्छन् । यसर्थ, स्वजरल्याण्डलाई सबै हिसाबले अनुकरणीय राष्ट्र मानिन्छ । (इनेप्लिज, २०७३)

स्वजरल्याण्डलाई विश्वको नमुना राष्ट्र बन्न सघाउ पुऱ्याउने केहि मुख्य कारकतत्वहरूलाई निम्न बुँदाहरूमा उल्लेख गरिएको छ ।

१. क्षेत्रफलमा सानो आकार (Small Size)
२. वास्तविक प्रजातन्त्र (Genuine Democracy)
३. विकेन्द्रीकरणको राम्रो अभ्यास (Decentralization)
४. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विशेष सहूलियत दिने नितिहरू (Subsidiary Principle)
५. गैर व्यावसायिक नेताहरू (Non-Professional Politicians)
६. पुँजि र बौद्धिक क्षेत्रका लागि सुरक्षित स्थान (Safe Haven for Capital and Brainpower)
७. मध्यम वर्गिय मानसिकता (Middle-Class Mentality)
८. शिक्षामा विशेष जोड (Educational Priority)

यी विभिन्न कारकतत्वहरूले स्वजरल्याण्डको विकास प्रक्रियामा निकै सघाउ पुऱ्याएका छन् जुन नेपाल जस्तो भर्खर विकास पथमा अघि बढिरहेको राष्ट्रका लागि अनुकरणीय हुन सक्दछ ।

(छ) चीनको विकास मोडेल

सन् १९७८ मा देड सियाओपिड नेतृत्वमा आएपछिका चार दशकयता चीनले आफूलाई विश्व आर्थिक शक्ती (Power house) को रूपमा विकसित गरेको छ । साथै यसले विश्वव्यापी अर्थतन्त्र र भू-राजनीतिमा समेत महत्वपूर्ण परिवर्तन ल्याएको छ । चीनमा आर्थिक सुधार गर्ने कामको सुरुआत कृषि क्षेत्रबाट गरियो । राज्यको नियन्त्रण केही खुकुलो बनाइयो र दोहोरो ट्रयाक मूल्य संयन्त्रको माध्यमबाट किसानहरूलाई बजार सहूलियत प्रदान गरियो । किसानहरूले आफ्नो प्रभावकारिता र उत्पादकत्व बढाएर यस सुधारप्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिए । त्यसपछि अन्य क्षेत्रमा पनि थप सुधारका कार्य विस्तार हुँदै गयो । (Township and Village Enterprises) टाउनसिप एन्ड भिलेज इन्टरप्राइजेज (टिभइएस) भनिने हाइब्रिड खालको स्वामित्वको माध्यमबाट गैरकृषि क्षेत्रमा सहूलियत प्रदान गरियो । सहरतिर सुधार फैलिएसँगै राज्यका उद्योगहरूले थप एकाधिकार प्राप्त गरे र यसले उनीहरूलाई उद्यमी बन्न थप प्रेरित बनायो । लगानी गर्न र आर्थिक वृद्धि बढाउन प्रान्त तथा स्थानीय निकायहरूका लागि विभिन्न सहूलियतहरूको व्यवस्था गरिएको थियो । सन् १९९० को दशकताका स्पेसल आर्थिक जोन (एसइजेडएस) को वृद्धिले चीनलाई विश्व अर्थतन्त्रमा समायोजन हुन निर्णायक भूमिका निर्वाह गर्‍यो । (रोड्रिक, २०७५)

देड सिआओपिडले चीनमा आर्थिक क्रान्ति शुरू गरेको सन् २०१८ मा ४० वर्ष पूरा भएको छ । त्यसलाई उनले चीनको दोस्रो क्रान्ति भन्ने गर्दथे उक्त आर्थिक सुधारपछि चीन विश्व अर्थतन्त्रमा दह्रो रूपमा प्रवेश गर्‍यो । आजको मितिमा चीन विश्वको त्यस्तो देश भएको छ जोसँग सबैभन्दा बढी विदेशी मुद्रा सञ्चिति अर्थात् ३.१२ खर्ब डलर छ । चीनको हालको आर्थिक विकासको गतिलाई निम्न तथ्यहरूले पुष्टि गर्दछ ।

- कुल गार्हस्थ उत्पादन (११ खर्ब डलर) को मामिलामा चीन विश्वको दोस्रो ठूलो देश हो ।
- प्रत्यक्ष विदेशी लगानी आकर्षित गर्ने चीन विश्वको तेस्रो ठूलो देश हो ।
- देङ सिआओपिङले सन् १९७८ मा आर्थिक सुधारका कदम चाल्दा विश्व अर्थतन्त्रमा चीनको हिस्सा जम्मा १.८ प्रतिशत थियो जुन सन् २०१७ मा आएर त्यो हिस्सा १८.२ प्रतिशत पुगेको छ ।
- चीन अब केवल एउटा उदीयमान अर्थतन्त्र मात्रै रहेन, बरू १५ औं र १६ औं शताब्दीताका विश्व अर्थतन्त्रमा करिब ३० प्रतिशत आफ्नो हिस्सा भएको अवस्थातर्फ उन्मुख भइरहेको राष्ट्र हो ।

चीनलाई शक्तिशाली बनाउने नेताहरूमा माओत्से तुङ, देङ सिआओपिङ र वर्तमान राष्ट्रपति सी जिनपिङको नाम आउँछ । देङ सिआओपिङ नेतृत्वमा भएको आर्थिक क्रान्तिको ४० वर्षपछि चीन एक पटक फेरि एउटा द्रष्टो नेतृत्व पाएर अघि बढिरहेको छ । सी जिनपिङ देशको अर्थतन्त्रलाई अझ प्रभावशाली बनाउन उत्पादनको क्षेत्रमा चीनलाई 'महाशक्ति' बनाउन चाहन्छन् । सी जिनपिङले देङ सिआओपिङका उदारीकरणका नीतिहरूलाई अगाडि बढाइरहेका छन् जसमा आर्थिक सुधार लगायतका कदम समेटिएका छन् । चिनियाँ सफलताको कथा दोस्रो विश्व युद्धपछिको एउटा देशको विकासको कथामा मात्रै सीमित छैन । बरू त्यो एउटा नियन्त्रित अर्थतन्त्रबाट मुक्त र उदारीकरणमा आएको परिवर्तनको पनि कथा हो । विश्वका कैयौँ देशले पनि चीनले अवलम्बन गरेको परिवर्तनलाई अपनाए । तर लोभलाग्दो सफलता चीनले मात्रै हासिल गर्‍यो । चीनले घरेलु अर्थतन्त्रमा क्रमिक सुधारको प्रक्रिया थाल्यो न कि बजारलाई आफ्नो अर्थतन्त्र सुम्पिदियो । सुधार ल्याउने क्रममा उसले कहाँ विदेशी लगानी गर्ने र कहाँ नगर्ने कुराको निकर्षण गर्‍यो जसका लागि उसले विशेष आर्थिक क्षेत्रहरूको निर्माण गर्‍यो र त्यसका लागि उसले दक्षिणी तटीय प्रान्तहरूलाई रोज्यो । देङ सिआओपिङले कम्युनिष्ट समाजवादी राजनीतिक माहोलमा ठोस परिवर्तनको जग बसाले जसले विश्वमा समाजवादी अर्थतन्त्रको साख जोगाउन सघाउ पुऱ्यायो ।

चिनियाँ लेखक युकोन ख्वाङ आफ्नो पुस्तक 'क्याकिङ द चाइना कन्न्ड्रम: ह्वाइ कन्भेन्सनल इकोनोमिक विज्डम इज रंग' मा लेखेका छन् (देङ सिआओपिङ एक महान् सुधारक मात्रै थिएनन धैर्य नभएका व्यक्ति पनि थिए । देङ सिआओपिङले शुरू गरेको सामाजिक आर्थिक सुधारको दृष्टान्त मानव इतिहासमा अन्यत्र भेटिँदैन । यसले चिनको आर्थिक जिवनमा निम्न परिवर्तन ल्यायो ।

- सन् १९७८ देखि २०१६ को बिचमा चीनको जीडीपीमा ३,२३० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ ।
- यसबीचमा ७० करोड मानिसहरू गरिबीको रेखाबाट माथि उठे भने ३८.५ करोड मानिसहरू मध्य वर्गका रूपमा उकासिए ।
- चीनको वैदेशिक व्यापार साढे १७ हजार प्रतिशतले बढ्यो भने सन् २०१५ सम्म चीन विदेशी व्यापारमा अगुवाको रूपमा उदायो ।
- सन् १९७८ मा चीनले वर्षभरि गर्ने व्यापार अहिले दुई दिनमै गर्छ ।
- देङ सिआओपिङले चिनियाँ कम्युनिष्ट पार्टीलाई सामूहिक नेतृत्वमा लगेर चीनमा सामाजिक (आर्थिक परिवर्तनको प्रक्रियामा तीव्रता दिए । (बि.बि.सी. २०१८)

अर्थतन्त्रको बजार नेतृत्व स्थापित गराउनु र बाहिरी स्वतन्त्रता बढाउनु नै चीनको यस्ता सुधार पछ्याडिका प्रमुख कारणहरूहुन । तर, अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार र निजी लगानीमा चीनको हिस्सा बढे पनि यसमा राज्य क्षेत्रको हिस्सा भने तुलनात्मक रूपले खुम्चियो । यसका लागि आर्थिक विविधीकरण र पुनर्गठन शृंखलाबद्ध औद्योगिक नीतिका माध्यमबाट

प्रवर्द्धन गरियो । विदेशी लगानीकर्तालाई घरेलु कम्पनीसँग संयुक्त उद्यममा आबद्ध हुन लगाइयो र स्थानीय योगदान (Input) को प्रयोग बढाउन लगाइयो । यसबाट विनिमय दर र अन्तराष्ट्रिय वित्तीय प्रवाह केही हदसम्म नियन्त्रित रह्यो । (रोड्रिग, २०७५)

यी सबैको माध्यमबाट चिनियाँ नेतृत्वले कुनै पनि सिद्धान्तको पालना गरेन र आफ्नै विशिष्टताबाट चलाइरह्यो । चिनियाँ आर्थिक सुधार न कम्प्युनिस्ट शिक्षा न त कुनै स्वतन्त्र बजार विश्वासबाट निर्देशित थियो । यदि नीति निर्माताहरूले कुनै एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त अपनाउँछन् भने त्यसलाई पक्कै पनि 'व्यावहारिक प्रयोगात्मकता' भन्न सकिन्छ । यो देडको लोकप्रिय भनाई हो । उनले भनेका छन् 'बिरालोको रङले कुनै पनि फरक पाउँदैन, फरक उसले मुसो समात्न सक्थो कि सकेन भन्ने कुराले पार्छ ।' चिनियाँ अनुभवको विलक्षणतालाई हेर्ने हो भने यस्तो विकसित र विकासोन्मुख दुवै राष्ट्रहरूलाई आर्थिक विकासका लागि महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान गर्दछ । अधिकांश पश्चिमा राष्ट्रमा बजारमाथिको निर्भरता र आर्थिक उदारीकरणका फाइदाहरू प्रस्तुत गर्न चीन सफल बनेको छ । सैद्धान्तिक रूपले चीनले राज्य नेतृत्ववाला आर्थिक मोडलको अर्न्तनिहित श्रेष्ठतालाई पुष्टि मात्र होइन स्थापित समेत गरेको छ । बजार केन्द्रित पश्चिमा सिद्धान्तको रडाकोलाइ चुनौती दिइरहेको छ । नेपाल जस्तो समाजवाद उन्मुख राष्ट्रका लागि चिनको आर्थिक विकास अनुकरणिय मात्र होइन चिनको आर्थिक र प्राविधिक विकासको प्रभावबाट पनि नेपालले प्रशस्त फाइदा लिन सक्नु पर्दछ जुन अहिले नेपालमा चलेको बहस पनि हो ।

(ज) विकासको भारतीय मोडेल (केरला र गुजरात)

कुनै पनि राष्ट्रलाई समृद्ध बनाउन राज्यले आर्थिक वृद्धि (Economic growth) र कल्याणकारी राज्यका अवधारणालाई आत्मसात गर्नुपर्दछ । यी दुवै मोडललाई एकीकृत र सन्तुलित ढंगले प्रयोग गरेमा सफलता हासिल गर्न सकिन्छ, भन्ने दृष्टान्त भारतका केरला र गुजरात विकास मोडलबाट स्पष्ट हुन्छ । सन् १९७० को दशकमा केरला राज्यमा अभ्यास भएको विकास मोडेललाई केरला विकास मोडेल भनिन्छ । यो मोडेलले अराजक आर्थिक वृद्धि विकास मोडल विपरीत आम जनताको शिक्षा, जनस्वास्थ्य र सेवाका न्यायोचित वितरणमा जोड दिन्छ । यही विकास मोडेलको कारण केरलामा छोटो अवधिमा तीव्र रूपमा सामाजिक विकास भयो । त्यसबाट त्यहाँका अधिक निम्न र मध्यम वर्गीय जनता लाभान्वित भएको तर्क दिगो विकासका अध्येताहरू दावी गर्छन् ।

हाल प्रधानमन्त्रीका रूपमा भारतलाई नेतृत्व दिइरहेका मोदीले गुजरातमा लागु गरेको विकासको मोडेलका आधारमा 'मोदिनोमिक्स' शब्द नै निर्माण भएको छ । भारतीय जनता पार्टीको वेवसाइटमा लेखिएको छ - 'गुजरात मोडलको भिजन भनेको पूर्ण रोजगारी, कम महंगाई, ज्यादा कमाई, तीव्र गतिको आर्थिक विकास, गुणस्तरीय शिक्षा, सुरक्षा र उत्कृष्ट जीवनस्तर हो ।' प्रधानमन्त्री मोदी सन् २००१ देखि २०१४ सम्म गुजरातका मुख्यमन्त्री थिए । मोदीले गुजरातमा सडक, उर्जा र पानी आपूर्ति जस्ता आधारभूत सुविधाहरूमा धेरै नै लगानी गरे । भारतको ग्रामीण विकास मन्त्रालयका अनुसार सन् २००० देखि २०१२ सम्ममा गुजरातमा झण्डै तीन हजार ग्रामीण सडक परियोजनाहरू पूरा भएको थियो ।

यसबाहेक सन् २००४ र २००५ तथा सन् २०१३ र २०१४ को विचको अवधिमा प्रतिव्यक्ति उपलब्ध विजुलीमा ४१ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । गुजरातले सन् २०१२ देखि अतिरिक्त विजुली उत्पादन गरिरहेको छ । १८ हजार गाउँहरू ग्रिडसँग जोडिएका छन् । यस बखत गुजरातको औसत जिडिपी (सन् २००० देखि २०१० सम्म) ९.८ प्रतिशत रह्यो जसबेला पूरै भारतको औसत विकास दर ७.७ प्रतिशत मात्र थियो । गुजरातमा मोदीले इ-गवर्नेन्सलाई प्रभावकारी बनाए जसबाट प्रदेशमा भ्रष्टाचारमा कमी आयो । गुजरात मोडलले सुशासनका पक्षमा रहेको एक 'तटस्थ विचार' का

रूपमा ख्याती कमाएको छ । गुजरात सरकारले सुशासन कायम गरेकोमा धेरै पटक अवार्ड समेत जितिसकेको छ । अक्सफोर्डबाट प्रकाशित किताब 'ग्रोथ अर डेवलपमेन्ट ट्विच वे इज गुजरात गोइड'मा उल्लेख भएअनुसार गुजरातले आर्थिक विकासका लागि यस्तो नीति बनाएको छ कि अब जुनसुकै सरकार आए पनि गुजरातको सम्बृद्धिमा असर पर्दैन ।

लगानीका लागि गुजरातमा परमिट लाइसेन्स तथा पर्यावरणसँग जोडिएका औपचारिकताहरू पूरा गर्न कानुनी अड्चनहरू राखिंदैन । लगानीकर्ताहरूलाई आकर्षित गर्ने र मनोबल बढाउने कुरामा मोदीले कुनै कसर बाँकी राखेनन् । पश्चिम बंगालमा लामो समयदेखि विवादका विच संचालनमा रहेको टाटा मोटर्सको नानो कार प्लान्ट सन् २००८ मा पश्चिम बंगालबाट गुजरातको साणन्दमा सारियो । पश्चिम बंगालको सरकारले जग्गाको मामिला सुल्झाउन नसक्दा जनताको विरोध थपेर नसकेर प्लान्ट नै बन्द गर्नुपर्ने तर गुजरातमा अहिले फोर्डले पनि प्लान्ट सुरु गरिसकेको छ । मोदीले फोर्ड, सुजुकी तथा टाटा जस्ता ठूला कम्पनीहरूलाई गुजरातमा प्लान्ट लगाउने अनुमति दिएर अटो म्यानुफ्याक्चरिङ इन्डस्ट्रीमार्फत गुजरातमा पर्याप्त अवसर भित्र्याएका छन् ।

हालसम्म पनि गुजरात भारतको सबैभन्दा औद्योगिकृत राज्य हो । पश्चिमी तटमा रहेको फाईदा पनि यसले उठाइरहेको छ । भारतको जनसंख्याको ५ प्रतिशत आवादी रहेको गुजरातमा देशको कुल क्षेत्रफलको ६ प्रतिशत जमीन छ । पानी नपर्ने समस्या भोग्ने गुजरातमा खेती गर्न त्यति सहज छैन तर पनि भारतको कुल निर्यातको २२ प्रतिशत गुजरातबाटै हुन्छ । हाल गुजरातको जिडिपी ७.६ प्रतिशत छ । लामो तटक्षेत्रका कारण अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार धेरै नै सुगम छ । भारतको एक तिहाई समुद्री जहाज गुजरातकै तट भएर जाने गर्छ । सन् २०१० देखि नै गुजरातले ४३ हजार ८४८ मिलियन युनिट बिजुली उत्पादन गर्न थालेको हो । गुजरातमा ४० हजार ७९३ मिलियन युनिट माग रहेकोमा बाँकी रहेको बिजुली उसले अन्य १२ राज्यहरूलाई बेच्न थालेको छ । त्यस्तै भारतमा कुल ३.८ प्रतिशत बेरोजगारी दर रहेकोमा गुजरात राज्यमा सबैभन्दा न्यून १ प्रतिशत मात्र बेरोजगारी दर रहेको श्रम ब्यूरोको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ (Bizmandu, 2018) । भारतको गुजरात र केरला मोडलले पूँजीवादी र समाजवादी चरित्रलाई अवलम्बन गरेको छ जुन नेपाल लगायत अरु देश र राज्यका लागि पनि अनुकरणीय रहेको छ ।

(भ्र) रुवान्डाली मोडेल

हरियो जंगल र पहाडले घेरिएको पूर्वी मध्यअफ्रिकी मुलुक रुवान्डा सन् १९९० तिर तत्कालीन सरकारद्वारा 'प्रायोजित' जनसंहारका कारण जातीय द्वन्द्वबाट ग्रस्थ थियो जुन विस्तारै पुर्नस्थापनातर्फ अधि बढिरहेको छ । सन् १९९० देखि उसले आर्थिक विकासमा ठुलो फड्को मारेको छ । त्यहाँ जातीय टुत्सीहरू र हुटुहरूच दंगा हुँदा सय दिनमै आठ लाखभन्दा बढीको हुटु समुदायको वर्चस्व रहेको सुरक्षा निकायद्वारा हत्या गरिएको विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ । जातीय द्वन्द्व र तनावको प्रमुख कारण अल्पसंख्यक टुत्सी र बहुसंख्यक हुटुविच जारी परम्परागत असमानतालाई मानिएको छ । आज त्यहाँ सबैखाले द्वन्द्वको समाधान भई विकास निर्माण र आर्थिक क्षेत्रमा ऐतिहासिक प्रगति भइरहेका छन् । त्यसैले द्वन्द्वमा फसेका र द्वन्द्वपछिका राज्य र सरकारले गर्नुपर्ने कामका लागि रुवान्डालाई उदाहरणका रूपमा लिने गरिएको छ । रुवान्डाले वषौदेखिको द्वन्द्वमा मलहम लगाउन आफ्नै स्रोत र साधनको पहिचान मात्रै गरेन, त्यसको उपयोग गरी मुलुकलाई समृद्ध बनाउने उत्कृष्ट चाहनाका साथ अधि बढिरहेको छ । त्यसै क्रममा उसले कफी र चिया उत्पादन गरी आफ्नो अर्थव्यवस्थाको पुर्ननिर्माणमा जुटेको छ । यी दुई उत्पादनहरू त्यहाँका प्रमुख निर्यात वस्तुमा दरिएका छन् । रुवान्डाको ऐतिहासिक विकासको सफलता यसले अख्तियार गरेको विकास र सकारात्मक आर्थिक नीति नै हो जसले त्यहाँ गरिबी र असमानता घटाउन सहयोग पुगेको छ ।

२३ वर्षअघि त्यहाँको अर्थव्यवस्था तहसनहस थियो । खासगरी, सन् १९९४ मा टुत्सीविरुद्ध मच्चाइएको नरसंहारपछि अधिकांश सेवा र सुविधाहरू ठप्प थिए । करिब १० लाख मानिसको ज्यान र हजारौंलाई विस्थापित हुने गरी भएको जनसंहार अघि र पछि रुवान्डाको वृद्धिदर ऋणात्मक अवस्थामा पुगेको थियो । तर, आज विश्वका तीव्र गतिमा बढ्दो अर्थतन्त्र भएको मुलुकमा रुवान्डाले आफूलाई उभ्याउन सफल भएको छ । सन् १९९४ मा मुलुकको वृद्धिदर ऋणात्मक (-११.४ प्रतिशत) रहेकोमा सन् २०१४ मा ७ प्रतिशत र सन् २०१५ मा ६.९ प्रतिशतमा पुगेको थियो । यो वृद्धिदर र आर्थिक छलाङको कारण पुनर्निर्माण, निर्यात प्रवर्द्धन, ऊर्जा विकास र समावेशी वित्त हुन् । यिनै विषयलाई आफ्नो विकासको मोडल बनाएर रुवान्डा छोटो समयमै अन्य मुलुकका लागि नमुना बनेको हो । खासगरी नरसंहारको समाप्तिसँगै मुलुकले सुरु गरेको पुनर्जागरण र रूपान्तरणको अभियानले उसलाई ऐतिहासिक सफलताको शिखरमा पुऱ्यायो । यसले सन् २०१२ को अन्त्यसम्मको एक दशकमा आफ्नो वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर ८ प्रतिशतमा पुऱ्यायो । यो दर विश्वव्यापी र अफ्रिका महादेशभरिकै सबैभन्दा उच्च रह्यो । यसमा उसको बलियो आर्थिक आधार, नीति तथा कार्यक्रमहरूको कारणले नै हो । विशेषगरी 'ग्रासरूट' स्तरमा सवावेशी विकासको नितिले रुवान्डालाई आफ्नो लक्ष्यमा पुग्न सफल बनायो । मुलुकले आर्थिक विकास र गरिबी निवारण रणनीतिका साथ अघि बढ्दै सन् २०१८ सम्ममा वार्षिक रूपमा कृषि क्षेत्रमा दुई लाख रोजगारी सिर्जना गर्ने जनाएको छ । अनाज उत्पादनमा वृद्धि गर्नेलगायतका पहल उसले धेरै पहिले सुरु गरिसकेको थियो । फलस्वरूप दुई दशकमै विकासलाई उत्कर्षमा पुऱ्याउन ऊ सफल भयो । सन् २०१३ मा प्रतिव्यक्ति आय ६४४ अमेरिकी डलर रहेकोमा सन् २०१८ सम्ममा १२ सय अमेरिकी डलर पुऱ्याउने लक्ष्य रहेको छ । यसैगरी, निजी क्षेत्रको लगानी जीडीपीको १५.४ पुऱ्याउने लक्ष्य पनि उसले लिएको छ । उसले वार्षिक वृद्धिदर ११.५ हासिल गरेको छ । सेवा क्षेत्र, उद्योग र कृषिलगायत अन्य क्षेत्रमा पनि राम्रो प्रगति गरेको छ । यसैगरी रुवान्डाले आफ्नो निर्यात प्रवर्द्धन गर्दै सन् २०१८ सम्ममा २८ प्रतिशत निर्यात बढाउने र थप ५६३ मेगावाट विद्युत् उत्पादन गरी ७० प्रतिशत घरधुरीलाई विद्युत् सेवा दिने अठोटका साथ अघि बढेको छ । वित्त विकास र वित्तीय सेवामा सुधारले वित्तीय क्षेत्रमा द्रुतगतिमा वृद्धि भइरहेको छ । फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धिका बावजुद मुलुकमा गरिबी न्यूनीकरण भैरहेको अवस्थामा छ । बैकिङ क्षेत्र स्थिर र राम्ररी पूँजीकृत भएको स्थितिमा छ (यादव, २०७३) । रुवान्डाको यो तरक्कीले नेपाल जस्तो विकासोन्मुख राष्ट्रका लागि उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ जसलाई नेपालले शिक्षाको रूपमा लिनु पर्दछ ।

(ज) इथियोपियाली मोडेल

विश्वकै सबैभन्दा बढी जनसंख्या भएको भूपरिवेष्टित मुलुक इथियोपिया अफ्रिका महादेशमा नाइजेरिया पछिको दोस्रो ठुलो जनसंख्या भएको देश हो । ८० भन्दा बढी भाषा बोलिने र सँस्कृतिको धनी इथियोपियाको अवस्था रुवान्डाबाट अलि फरक भए पनि विभिन्न संकटक बावजुद विकासमा यसले फड्को मारेको छ । पूँजीगत परियोजनामा पनि खासगरी आधारभूत संरचनामा रकम खर्चिरहेको रुवान्डाले निकै छोटो अवधिमा 'डाइभर अफ बुम' को अवस्थामा ऊ पुगेको छ । यसको मुख्य कारण त्यहाँको सरकार आफैँ होइन, सरकारद्वारा सञ्चालित कम्पनी मार्फत विकास, निर्माण र संरचनामा खर्च गरिएकोले हो । सरकारले औद्योगिक पार्कदेखि चिनी कारखाना र पावर लाइन तिनै संस्थामार्फत बनाउने गरेको छ । खासगरी कमर्सियल बैंक अफ इथियोपिया, इथियो टेलिकम र इथियोपिया इलेक्ट्रिक पावरले त्यहाँको पूँजीगत लगानीमा ७० प्रतिशत योगदान पुऱ्याएका छन् । विश्व बैंकद्वारा सन् २०१६ मा प्रकाशित 'इथियोपियाज ग्रेट रन, दि ग्रेट एसिलेरेसन एन्ड हाउ टु पेस इट' (Ethiopia's great run the growth acceleration and how to pace it) ले उल्लेख गरेअनुसार, इथियोपिया सन् २००० यता विश्वको सातौँ तीव्र आर्थिक वृद्धिदर भएको मुलुक हो । सन् १९८१ देखि १९९२ सम्म उसको जीडीपी जम्मा ०.५ प्रतिशत रहेकोमा सन्

१९९३-२००४ सम्मको अवधिमा यो ११ प्रतिशतमा पुग्यो, जुन चीन अथवा भारतभन्दा धेरै राम्रो हो । सन् २००० मा इथियोपिया विश्वकै सबैभन्दा दोस्रो गरिब राष्ट्र थियो तर आज उसलाई विश्वकै दोस्रो अर्थतन्त्र भएको मुलुक चीनसँग तुलना गर्न थालिएको छ । यसप्रकारको उपलब्धि प्राप्त गर्नुमा आधारभूत संरचनामा उसको ठूलो लगानी प्रमुख कारण हो ।

इथियोपियाको विद्युत् विकास, रेल कनेक्टिभिटी र अन्तरप्रदेशीय राजमार्ग संधीय सरकारले बनाइरहेको छ, जसले कृषि र अन्य विकास निर्माणका साथै हलुका वस्तु उत्पादनतिर पनि त्यतिकै जोड दिएको छ । चीन या पूर्वी एसियाली मोडेलविपरीत इथियोपिया आफ्नो अत्यन्तै बलियो पूँजी नियन्त्रणमार्फत 'ओभरभ्यालु' मुद्रा कायम राख्न सफल छ । यसका लागि उसले प्रिमियम डलरमा ग्रहण गर्छ । जसले गर्दा कम्पनीहरूलाई स्थानीय इथियोपियाली मूल्य कम भए पनि सामान निर्यात गर्न सजिलो छ । आयातकर्ता जोसुकै भए पनि उनीहरूका लागि सजिलो वातावरण छ, त्यहाँ । उदाहरणका लागि फूल निर्यातकर्ताले पनि उपभोग्य वस्तु आयात गर्न डलरसम्म आफ्नो पहुँचको उपयोग गर्न पाउँछन् । यो उसको प्रबन्धकीय या प्रविधि क्षेत्रको पहिलो विशेषज्ञता हुन सक्छ । त्यहाँका बैंकहरूलाई मुद्रास्फीतिको दरभन्दा तल भर्दा पनि ऋण निकासी गर्न त्यहाँ निर्देशन दिने गरिन्छ । आश्चर्यको कुरा त के छ भने धनको भुक्तानी गर्न त्यहाँ ऋणको माग बढ्दो छ । पोर्टफोलियो लगानीकर्ता (पूँजी बजारमा गर्ने लगानीकर्ता) हरू र विदेशी बैंकहरूप्रति त्यहाँको सरकारको एक खालको वैचारिक भिन्नता छ । विदेशी 'पोर्टफोलियो लगानी' भन्दा आन्तरिक स्रोत र साधनको प्रयोग रकम जुटाउनका लागि उसले गर्ने गरेको छ । त्यसैले त उसले केन्याको 'आईपीओ टेलिकम' को लगानी मुलुकमा भित्र्याउनुको साटो सरकारी स्वामित्वमा रहेको दूरसञ्चारको एकाधिकारबाटै लाभ लिन उद्यत देखिन्छ ।

राज्यको स्पष्ट दिशा, एकाधिकार, विनिमय र मूल्य नियन्त्रणमा केन्द्रित इथियोपियाले जमिन, श्रम, लजिस्टिक, ऋण र विद्युत्माथि केन्द्रित भएर अघि बढ्न पाँच वर्षे योजना निर्माण गरि विकास प्रक्रियालाई निरन्तरता दिइरहेको छ । इथियोपिया विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मा छैन र आईएमएफको सहयोग पनि उसले लिएको छैन । अफ्रिकाको सिंह (दी हर्न अफ अफ्रिका) भनेर समेत चिनिने इथियोपिया ५० वर्षयताकै सबैभन्दा ठूलो खडेरीको चपेटामा पर्यो तर त्यसलाई कुशलता पूर्वक समाधान गर्न खाद्यान्न जम्मा गर्ने राष्ट्रिय नीति अघि सारियो । एक अर्ब अमेरिकी डलर सहयोगमा ७ सय ३५ मिलियन अमेरिकी डलर उसले आफ्नै लगानी गर्यो, जुन रकम उसको कुल जीडीपीको ६१.६४ अर्ब अमेरिकी डलरको १० प्रतिशत हो । इथियोपियाले गरेको यो प्रगतीलाई आत्मसात गरेको भए भूकम्प पीडितहरूको पुर्नस्थापना गर्न र द्रुततर आर्थिक विकास गर्न नेपाललाई सजिलो हुने देखिन्छ (यादव, २०७३) ।

माथि उल्लेखित विश्वका केहि देशहरूको विकास मोडलहरूको अलावा चिली, क्युवा, दक्षिण अफ्रीका, भुटान लगायतका अन्य देशहरूको मोडल पनि अनुकरणिय रहेका छन् । यी विभिन्न विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययनले के देखाउछ भने विश्वका विभिन्न राष्ट्रका आफ्नै मौलिक विकासका ढाँचाहरू रहेका छन् जसलाई ति राष्ट्रहरूले आफ्नो विशिष्ट परिवेशमा निर्माण गरेका थिए । नेपालको सन्दर्भमा विकास मोडलको निर्माण गर्दा भारत र चिनको सन्निकटता, भुपरिवेष्टित परिवेश, प्राकृतिक साधनको दोहन निति, भौतिक पुर्वाधारको आवश्यकता, जलस्रोतको पर्याप्तता, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास आदिमा ध्यान दिन जरुरि देखिन्छ । विकासको मार्गमा अग्रसर हुदै गरेको वर्तमान अवस्थामा नेपालले यी राष्ट्रहरूबाट शिक्षा लिन जरुरी रहेको छ । केन्द्र देखि स्थानीय तह सम्मका निकायहरूले यी मोडलहरूको अध्ययन गरि आफ्नो लागि उपयुक्त मोडल कुन हो पहिचान गरि भावी नीति र कार्यक्रम निर्माण गर्ने र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

अनुसुची २ : वडागत रुपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू

(क) आर्थिक क्षेत्र

१. कृषि तथा पशुपालन

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरू |
|------------------|---|
| वडा नं. १ | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय य बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्यजन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरूले उत्पादन गरेको फसलहरूलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउँदो खेती बाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भईसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरूलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | बाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | वेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरूको उन्नत जातका नश्लहरूको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरूलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरूलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरूलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरू हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १५ | उत्पादित कृषि फसलहरूको लागि बजार व्यवस्था |
| वडा नं. २ | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय य बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्यजन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरूले उत्पादन गरेको फसलहरूलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउँदो खेती बाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरूलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| ७ | अगुवा कृषकहरूलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरू हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| ८ | पशुपन्छीहरूको उन्नत जातका नश्लहरूको व्यवस्था |
| ९ | अगुवा कृषकहरूलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरनरी तालिम संचालन |
| १० | उत्पादित कृषि फसलहरूको लागि बजार व्यवस्था |
| वडा नं. ३ | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरूले उत्पादन गरेको फसलहरूलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-----------------|---|
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउदो खेती वाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | वाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १५ | उत्पादित कृषि फसलहरुको लागि बजार व्यवस्था |
| १६ | सिस्नेरीमा हाट बजार संचालनको व्यवस्था |
| १७ | तरकारी खेतीको लागि थोपा सिंचाईको व्यवस्था |
| १८ | Dipping Tank, Traloies निर्माण |
| १९ | Vaccination Program संचालन |
| २० | Veterinary Lab निर्माण |
| २१ | पशु शिविर संचालन |
| वडा नं.४ | |
| १ | वाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय य बीउविजन सहित मलखादको व्यवस्था |
| २ | वालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउदो खेती वाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | वाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १५ | उत्पादित कृषि फसलहरुको लागि बजार व्यवस्था |
| वडा नं.५ | |
| १ | वाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मलखादको व्यवस्था |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|---|
| २ | बालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउदो खेती बाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | बाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १५ | कालीजपालनको लागि तालिम सहितको व्यवस्था |
| वडा नं. ६ | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउदो खेती बाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | बाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १५ | उत्पादित कृषि फसलहरुको लागि बजार व्यवस्था |
| १६ | तरकारी खेतीको लागि थोपा सिंचाईको व्यवस्था |
| वडा नं. ७ | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|---|
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउँदो खेती वाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | वाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | वेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १६ | अमिलो जातका फलफूलहरुको लागि नर्सरी व्यवस्थापन |
| वडा नं. ८ | |
| १ | वाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | वालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउँदो खेती वाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | वाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | वेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १६ | अमिलो जातका फलफूलहरुको लागि नर्सरी व्यवस्थापन |
| वडा नं. ९ | |
| १ | वाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | वालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | माटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउँदो खेती वाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | वाली घुम्ती शिविर संचालन |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-------------------|---|
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १६ | अमिलो जातका फलफूलहरुको लागि नर्सरी व्यवस्थापन |
| वडा नं. १० | |
| १ | बाली लगाउने चक्र अनुसार समयमा गुणस्तरीय बीउविजन सहित मल खादको व्यवस्था |
| २ | बालीनालीलाई वन्य जन्तुले पारेको असर रोक्नका लागि वन्यजन्तु नियन्त्रण |
| ३ | कृषकहरुले उत्पादन गरेको फसलहरुलाई संकलन तथा भण्डारण गर्नका लागि कोल्ड स्टोर निर्माण |
| ४ | दूध संकलन तथा भण्डारणका लागि दूध चिस्यान केन्द्र निर्माण |
| ५ | मटो परीक्षण गरी गुणस्तर सुहाउदो खेती बाली लगाउन प्रोत्साहन |
| ६ | आँप खेती ब्लकको रुपमा विकास भइसकेको र यसलाई जोनको रुपमा अगाडी वढाउनको लागि पहल |
| ७ | कृषकहरुलाई नयाँ प्रविधि सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ८ | बाली घुम्ती शिविर संचालन |
| ९ | बेमौसमी तरकारी खेतीको लागि तालिम सहित ग्रीन हाउसको व्यवस्था |
| १० | पशु गोठ सुधार कार्यक्रम संचालन |
| ११ | पशुपन्छीहरुको उन्नत जातका नश्लहरुको व्यवस्था |
| १२ | अगुवा कृषकहरुलाई प्राथमिक उपचार सम्बन्धी भेटेरेनरी तालिम संचालन |
| १३ | नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन गरी सफल कृषकहरुलाई पुरस्कारको व्यवस्था |
| १४ | अगुवा कृषकहरुलाई सक्रिय रुपमा संचालन भएका फर्महरु हेर्नका लागि भ्रमणको व्यवस्था |
| १६ | अमिलो जातका फलफूलहरुको लागि नर्सरी व्यवस्थापन |

२. सिँचाई

| सि.नं. | कार्यक्रम |
|-----------------|--|
| वडा नं.१ | |
| १ | सिमलचौर सिँचाई कुलोको बाँध निर्माण सहित आवश्यक ठाउँहरुमा पुन निर्माण |
| २ | मभुवा खोला मुहान गरी बलखु सिँचाई कुलो पुन निर्माण |
| ३ | न्युरीनी सिँचाई कुलो पुन निर्माण |
| ४ | खानीखोला मुहान गरी न्युरीनी हुदै थुम्की सिँचाई कुलो पुन निर्माण |
| ५ | पहाडी टोल पाइप सिँचाई योजनाको अपुग पाइपको व्यवस्था |
| वडा नं.२ | |
| १ | आँपटार पिपल डाडाँ सिँचाई कुलो कार्य सम्पन्न |
| २ | छयाड खोला हुदै टारखण्ड टोड्के डाडाँ सिँचाई कुलो पुन निर्माण |
| ३ | प्राडचे मुहान हुदै मोहन टार टोक्सेल सिँचाई कुलो पुन निर्माण |
| ४ | छाड खोला मुहान गैरी सिँचाई योजना पुन निर्माण |

| सि.नं. | कार्यक्रम |
|-----------------|---|
| ५ | मगर खोला थुम्की डाडाँ सिंचाई कुलो पुन निर्माण |
| ६ | मगर खोला मुहान गैरी सिंचाई कुलो पुन निर्माण |
| ८ | मभुवा खोला मोहन गैरी भदौरे ठूलो ढंगा सिंचाई कुलो पुन निर्माण |
| ९ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| १० | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.३ | |
| १ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| २ | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.४ | |
| १ | नार्सिङ ग्याल्मु सिंचाई कुलो पुन निर्माण |
| २ | टिपटार सिंचाई कुलो मर्मत |
| ३ | मोलुङ दोभान जेरुङ सिंचाई कुलो मर्मत |
| ४ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| ५ | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.५ | |
| १ | रावडाडाँ निर्माणाधिन कार्य सम्पन्न |
| २ | दोभान खोला सिंचाई कुलो मर्मत/पुन निर्माण |
| ३ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| ४ | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.६ | |
| १ | कात्तिके मोलुङ खोला सिंचाई योजनाको कार्य सम्पन्न |
| २ | काराङगरा सिंचाई योजनाको कार्य सम्पन्न |
| ३ | मोलुङ खोलावाट कार्की टार नौला गाउँ वरेडाडाँ, काफल बोट, आले गाउँमा पोखरी सहित लिफ्टीड सिंचाई योजना |
| ४ | मोलुङ खोलावाट भुल्केटार, आँपवोटे ताप्के डाडाँ आत्मारा पोखरी सहित लिफ्टीड सिंचाई योजना |
| ५ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| ६ | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.७ | |
| १ | नाइटे सिंचाई कुलो मर्मत/पुन निर्माण |
| २ | सिस्नेखोला भाँगेटार सिंचाई कुलो मर्मत/पुन निर्माण |
| ३ | हयाकुले खड्केली सिंचाई कुलो मर्मत/पुन निर्माण |
| ४ | भडारै खोला हुदै रयले गोगुने सिंचाई कुलो मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | थोपा सिंचाई योजना संचालन |
| ६ | आवश्यक स्थानहरुमा Water Harvest Tank निर्माण |
| वडा नं.८ | |
| १ | बलौटे अम्बोटे सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| २ | मुडेको कुलो मर्मत/निर्माण |
| ३ | बलौटे मभिर सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ४ | गंग्रेको कुलो मर्मत/निर्माण |
| ५ | बलौटे तिल्केटार सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ६ | चिसापानी एक्ले पिपल सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ७ | भालुखोला आँपस्वारा सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |

| सि.नं. | कार्यक्रम |
|-------------------|---|
| ८ | मोलरड खोला जोरधारा सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ९ | पडारे सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १० | सिरिसे पिप्ले सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ११ | विरौटा सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १२ | जोरधारा सन्तेवारी सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १३ | मोलुड खोला वेठीटार सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १४ | मोलुड खोला कात्तिके सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १५ | जल्किनी महभिर सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १६ | जोरधारा माहिला मुखिया खेत सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १७ | भालुखोला चनौटे सिंचाई पोखरी घेरवार |
| १८ | सिरिसे खोला हुदै जल्किनी सिंचाई टंकी निर्माण |
| वडा नं. १० | |
| १ | माथिल्लो खोला च्यानम वाविया सिंचाई कुलो कार्य सम्पन्न |
| २ | लप्सेखोला तिलवारी आँपडाडाँ सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ३ | आरुवोटे भैसे सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ४ | कोप्चे लहरेनी सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ५ | कोप्चे खोला पैयावोट सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ६ | लप्से भदौरे सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| ७ | लप्से खोला काल्ले जामुने सिंचाई कुलो कार्य सम्पन्न |
| ८ | लप्से खोला सिमखोल्सी पोखरी निर्माण सहित कुलो निर्माण |
| ९ | लप्सेखोला भट्टेवारी सिंचाई कुलो निर्माण |
| १० | पाखे रिमाले हुदै चोरपुर सिंचाई कुलो निर्माण |
| ११ | पैयावोट गोपे खोल्सा (साविक वडा नं.९) पोखरी सहित कुलो निर्माण |
| १२ | लप्से खोला लोकनाथ गिरीको घरसम्म कुलो निर्माण |
| १३ | लप्से खोला मुहान गरी तिलडाडाँ हुदै निवुवा वोट सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १५ | सुख्खा पाखो भोटेवारी सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १७ | धुपाउरे सोलुड खोला सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १८ | वैरागी तितेभित्ता सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |
| १९ | जोगेसिंगे घडेरी सिंचाई कुलो मर्मत/निर्माण |

३. पर्यटन क्षेत्र

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|--|
| वडा नं. १ | |
| १ | भिरगाउँ थामडाडाँ, न्युरेनी, चिहान डाडाँमा पार्क सहित पर्यटकीय प्रवर्धनका लागि पिकनिक स्पार्ट निर्माण |
| २ | काली गुफालाई विभिन्न संचार माध्यमबाट प्रभार प्रसार गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा परिचित गराउने |
| ३ | सुनकोशी नदीमा पर्यटकीय प्रवर्धनका लागि च्याफ्टिड संचालन |
| वडा नं. २ | |
| १ | टाँकी गुम्वाको प्रचार प्रसार गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास |
| २ | छुयाडखोला भरनालाई पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास |
| ३ | स्वर्गवास डाडाँलाई धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा परिचित |
| वडा नं. ३ | |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-------------------|--|
| १ | कालिकादेवी मन्दिरलाई भार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| २ | टोड्के डाडाँवाट सगरमाथा हिमालको दृष्य अवलोकन गर्नका साथैतराईका फाँटहरु देख्न सकिने भएकोले प्रचार प्रसार गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| ३ | टोपा गुफाको प्रचार प्रसार गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| वडा नं. ४ | |
| १ | थमडाडाँ, भुक्तीथान, घोम्पा डाडालाई पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| २ | घोम्पा डाडाँवाट च्युरीवोटसम्म प्याराग्लाइडिङ संचालन |
| वडा नं. ५ | |
| १ | कोषहाटवाट सगरमाथा लगायत अन्य हिमालहरुको दृष्यावलोकन गर्न सकिने हुदाँ पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| २ | विभिन्न जातजातीहरुको कला संस्कृतिको जगेर्ना गरी प्रदर्शन |
| वडा नं. ६ | |
| १ | ओख्लेछागाँ र शितली डाडाँलाई पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| वडा नं. ७ | |
| १ | रातमाटो, चन्चलादेवी मन्दिर हुदै पाटी डाडाँ, जागी थुम्का, कोषहाटसम्म पर्यटकीय पथमार्ग निर्माण |
| २ | चन्चलादेवी मन्दिरलाई धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| ३ | जोरआलदेखि प्रबुद्ध मा.वि. सम्म प्याराग्लाइडिङ संचालन |
| ४ | लवडाडाँ, गुराँसे चौरमा पार्कसहित पिकनिक स्पार्ट निर्माण |
| वडा नं. ८ | |
| १ | सोह्र छाङ्गे भरना र त्वाड दुलोको प्रचार प्रसार गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| २ | बाबाजी थानको प्रचार प्रसार गरी धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास |
| वडा नं. ९ | |
| १ | वडा स्तरीय पर्यटन गुरु योजना निर्माण |
| २ | पर्यटकीय पथमार्ग निर्माण |
| ३ | पर्यटकीय स्थलहरुको प्रचार प्रसारका लागि सूचना तथा संचारमा पहल |
| ४ | होमस्टे स्थापना |
| ५ | स्थानीय संस्कृति तथा पर्यटकीय स्थलहरुको डकुमेन्टरी निर्माण तथा प्रचार प्रसार |
| ६ | स्थानीय कला संस्कृतिहरुको मेला तथा महोत्सव संचालन |
| वडा नं. १० | |
| १ | वडा भित्र रहेका पर्यटकीय स्थलहरुको प्रचार प्रसार |
| २ | होमस्टे स्थापना |
| ३ | स्थानीय कला संस्कृतिहरुको मेला तथा महोत्सव संचालन |

४. उद्योग, व्यापार, व्यावसाय, वाणिज्य तथा ज्ञापूर्ति

| क्र.सं. | माग |
|-----------------|---|
| वडा नं.१ | |
| १ | फलफूलको जुस उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| २ | अमला, अकवरे खुर्सानी, आँप, लप्सीको अचार बनाउने तालिम संचालन |
| ३ | स्थानीय स्तरमा उपलब्धहुने बाँस, निगालोवाट बन्ने सामग्री निर्माण |
| वडा नं.२ | |

| क्र.सं. | माग |
|------------------|---|
| १ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| वडा नं.३ | |
| १ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| २ | फलफूलको जुस तथा अचार उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| वडा नं.५ | |
| १ | फलफूलको जुस तथा अचार उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| २ | जडीबुटी संकलन तथा प्रशोधन केन्द्र निर्माण |
| ३ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| वडा नं.६ | |
| १ | बाँसपानी सामुदायिक बनको मातहतमा फर्निचर उद्योग स्थापना |
| २ | फलफूलको जुस तथा अचार उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| वडा नं.७ | |
| १ | फलफूलको जुस तथा अचार उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| २ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| वडा नं.८ | |
| १ | फलफूलको जुस तथा अचार उत्पादन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| २ | कुटानी पिसानी मिलहरु स्थापना गरी साना उद्योगको रुपमा संचालन |
| वडा नं.९ | |
| १ | लाली गुराँस मच्छिनो उद्योगलाई स्तरोन्नत |
| २ | जडीबुटीको नर्सरी स्थापना, संकलन तथा प्रशोधन केन्द्र स्थापना |
| ३ | कम्प्युटर तालिम संचालन तथा सीप परिक्षण |
| ४ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| वडा नं.१० | |
| १ | जडीबुटीको नर्सरी स्थापना, संकलन तथा प्रशोधन केन्द्र स्थापना |
| २ | स्थानीय स्तरमा पाइने कच्चा पदार्थबाट उद्योग संचालका लागि सीपमुलक तालिम संचालन |
| ३ | कम्प्युटर इलेक्ट्रिक सम्बन्धी तालिम संचालन तथा सीप परिक्षण |

५. युवा, मानव संसाधन, श्रम तथा रोजगार

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-----------------------|--|
| वडा नं. १ - १० | |
| १ | बैदेशीक रोजगारबाट फर्केका युवाहरुलाई कृषि, पशुपन्छि पालन, माछापालन बन, तथा पर्यटनमा आधारित उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्यमशिलता सीप विकास तालिम |
| ३ | तालिममा समावेश भएका युवाहरुलाई न्युन व्याजमा ऋणलगानी |
| ३ | निरन्तर अनुगमन तथा मुल्यांकन गरी सफल रुपमा व्यवसाय संचालन गरेका युवाहरुलाई प्रोत्साहन |

| क्र.स. | कार्यक्रमहरु |
|---------------------------------|--|
| ४ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमबाट संचालित कार्यक्रमहरुलाई प्रभावकारी र निरन्तरता |
| ५ | विभिन्न निकायहरूसंग युवाहरुलाई समन्वय गराई युवाहरुलाई रोजगार सृजना |
| ६. बैंक, वित्तिय संस्था, सहकारी | |
| क्र.स. | कार्यक्रम |
| वडा नं. १ - १० | |
| १ | प्रभावकारी रुपमा संचालन भएका सहकारी संस्थाहरुको लागि भवन निर्माण |
| २ | सहकारी संचालन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम संचालन |
| ३ | अपाङ्ग तथा असाहाय्य व्यक्तिहरुलाई सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरणका लागि बैंकसंग समन्वय गरी स्थानीय स्तरमा सेवा प्रदान |
| ४ | सहकारीहरुको अनुगमन तथा मुल्यांकन गरी प्रोत्साहन तथा कारवाहीको व्यवस्था |
| ५ | प्रभावकारी रुपमा व्यवसाय संचादन गर्न चाहने युवाहरुलाई सहूलियत व्याजमा बैंकबाट ऋण उपलब्ध गराउने व्यवस्था |

(ख) सामाजिक क्षेत्र

१. स्वास्थ्य

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|----------|---|
| वडा नं.१ | |
| १ | स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्य संस्थाको भवन निर्माण |
| २ | स्वास्थ्य संस्थामा दक्ष जनशक्ति सहित ल्यावको व्यवस्था |
| ३ | स्वास्थ्य संस्थामा बर्थिङ सेन्टरको व्यवस्था |
| ४ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरुलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| वडा नं.२ | |
| १ | आरुभन्ज्याङ र पिपल डाडाँमा रहेको स्वास्थ्य इकाई भवन निर्माण |
| २ | स्वास्थ्य इकाईहरुका दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था |
| ३ | स्वास्थ्य संस्थाका दक्ष जनशक्तिहरुले जेष्ठ नागरीकहरुको स्वास्थ्य परीक्षणका लागि घरभेट कार्यक्रम |
| ४ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरुलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| वडा नं.३ | |
| १ | बच्चाहरुको औषत तौल पुऱ्याउनका लागि तौल मेशिन सहित घरभेट कार्यक्रम |
| २ | स्वास्थ्य संस्थामा ल्याव निर्माण सहित दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था |
| ३ | स्वास्थ्य संस्थामा तालिमहल निर्माण |
| ४ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरुलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| वडा नं.४ | |
| १ | सुरक्षित सुत्केरी गराउनका लागि स्वास्थ्य संस्थामा बर्थिङ सेन्टर निर्माण |
| २ | स्वास्थ्य संस्थामा खानेपानी, फर्निचरको व्यवस्था |

| क.सं. | कार्यक्रम |
|------------------|---|
| ३ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| वडा नं.५ | |
| १ | महिलाहरूलाई स्वास्थ्य सुरक्षित मातृशिशु सम्बन्धी तालिम संचालन |
| २ | सुत्केरी भेटघाट कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाउने |
| ३ | स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका खाद्य वस्तुहरूबाट सन्तुलित भोजन बनाउने तालिम संचालन |
| ४ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| वडा नं.६ | |
| १ | स्वास्थ्य संस्थामा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था |
| २ | स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका खाद्य वस्तुहरूबाट सन्तुलित भोजन बनाउने तालिम संचालन |
| ३ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |
| ४ | स्वास्थ्य संस्थाको लागि आवश्यक सामग्रीहरूको व्यवस्था |
| वडा नं.७ | |
| १ | कुपोषित बालबालिकाको दर शून्यमा झार्नका लागि आवश्यक कार्यक्रम संचालन |
| २ | पाक शिक्षा सम्बन्धी जनचेतना तथा अभिमुखीकरण |
| ३ | एजथकअर्वाँप्लभकक केन्द्र स्थापना |
| ४ | नसर्ने रोगहरूलाई १० प्रतिशतमा झार्नका लागि आवश्यक पहल |
| ५ | स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार भवन निर्माण |
| ६ | स्वास्थ्य संस्थामा आधुनिक उपकरणहरूको व्यवस्था |
| ७ | स्वास्थ्य कर्मिहरूलाई सुरक्षाका लागि आवश्यक सामग्रीहरूको व्यवस्था |
| वडा नं.८ | |
| १ | कुपोषित बच्चाका आमाहरूसंग घरभेट कार्यक्रम |
| २ | स्वास्थ्य संस्थामा ल्यावको व्यवस्था |
| ३ | स्वास्थ्य संस्थामा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था |
| वडा नं.९ | |
| १ | स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम |
| २ | मातृशिशु तथा गर्भवती स्याहार कार्यक्रम |
| ३ | विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम |
| ४ | सार्वजनीक कार्यालयमा निशुल्क सेनेटरी प्याडको व्यवस्था |
| ५ | विशेष स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम |
| वडा नं.१० | |
| १ | स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम |
| २ | मातृशिशु तथा गर्भवती स्याहार कार्यक्रम |
| ३ | विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम |
| ४ | सार्वजनीक कार्यालयमा निशुल्क सेनेटरी प्याडको व्यवस्था |
| ५ | विशेष स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम |
| ६ | स्वास्थ्य संस्थाका कर्मचारीहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम |

२. शिक्षा

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरू |
|------------------|--|
| वडा नं. १ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरूमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरूलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरूलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरू स्थापना |
| १० | विद्यालयहरूमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी प्रविधिको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरूलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रूपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरूमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्बन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | बलखु मा.वि मा १२ कोठे भवन निर्माण |
| १५ | जनज्योति आ.वि. (१-३), महाकाली आ.वि.(१-३), जयश्वरी आ.वि. (१-३), योगिस्थान आ.वि. (१-८), सोह्राडना आ.वि.(१-५) शिक्षकको व्यवस्था |
| १६ | योगिस्थान आ.वि. (१-८) मा ६ कोठे भवन निर्माण |
| १७ | मा.वि. विद्यालयमा खेलकुद शिक्षकको व्यवस्था |
| १८ | विद्यालयहरूमा स्मार्ट बोर्ड, विज्ञान तथा गणित ल्याव र कम्प्युटरहरूको व्यवस्था |
| १९ | स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण |
| वडा नं. २ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरूमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरूलाई प्रोत्साहन |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|--|
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्वन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्वन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरु स्थापना |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी शिक्षाको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रुपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्वन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | आरुभन्ज्याङ मा.वि. मा १२ कोठे भवन सहित शौचालय निर्माण, घेरवार र पहिरो नियन्त्रणको व्यवस्था |
| १५ | कालिका आ वि मा शौचालय, खानेपानी, पहिरो नियन्त्रणको व्यवस्था |
| १६ | सेती देवी आ वि मा खानेपानीको व्यवस्था |
| १५ | जनजाग्रीती आ वि मा खानेपानी फर्निचरको व्यवस्था |
| १६ | सुनकोशी आ वि मा खानेपानीको व्यवस्था |
| वडा नं. ३ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्वन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्वन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरु स्थापना |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी प्रविधिको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रुपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्वन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | विद्यालयहरुमा स्वच्छ पिउने पानीको व्यवस्था |
| १५ | जाल्पा आ वि. र सरस्वती आ.वि. मा ४, ४ कोठे भवन निर्माण |
| १६ | जलकन्या आ.वि. माथिल्लो सल्लेरीमा विद्यालय घेरवारको व्यवस्था |
| १७ | कालीका मा.वि. मा छात्रवास र खेल मैदान निर्माण |
| १८ | पञ्चकन्या मा.वि.मा खेलमैदान निर्माण |
| १९ | मा.वि. विद्यालयहरुमा विज्ञान तथा गणित ल्यावको व्यवस्था |
| २० | आ.वि.हरुमा ICT कार्यक्रम संचालन |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|--|
| २१ | कालिका मा.वि. को सिविल इन्जिनियरिङ प्राविधिक धारलाई सूचिकृत |
| २२ | विद्यालयहरुमा नर्सिङकार्यक्रम संचालन |
| २४ | ६-८ कक्षाको लागि कम्प्युटरक शिक्षकको व्यवस्था |
| २५ | म.वि. तहमा कम्प्युटरक शिक्षकका, खेल शिक्षाक, अतिरिक्त क्रियाकलापहरुको लागि सामग्रीको व्यवस्था |
| २६ | विद्यालयहरुमा इन्टरनेट तथा विद्युतिकरणको व्यवस्था |
| २७ | विद्यालयहरुमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था |
| वडा नं. ४ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरुको शैक्षिक ज्ञानको साथसाथै प्रयोगात्मक ज्ञानको विकास |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी शिक्षाको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रूपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्बन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | थानी मा वि मा खानेपानी, शौचालय, घेरवार, खेलमैदानको व्यवस्था |
| १५ | थानी मा वि मा आवश्यक कक्षाकोठा निर्माण |
| १६ | विद्यालयहरुमा इन्टरनेट तथा विद्युतिकरणको व्यवस्था |
| १७ | विद्यालयहरुमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था |
| वडा नं. ५ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|--|
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्याब स्थापना |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी शिक्षाको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रूपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्बन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | विद्यालयहरुमा इन्टरनेट तथा विद्युतिकरणको व्यवस्था |
| १५ | विद्यालयहरुमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था |
| वडा नं. ६ | |
| १ | दामती मा.वि.मा १२ कोठे भवन निर्माण |
| २ | पाटनदेवी आ.वि. (१-८) मा १२ कोठे भवन निर्माण |
| ३ | महाकाली आ.वि (१-५) मा ३ कोठे भवन निर्माण |
| ४ | दामती मा वि. मा छात्र/छात्राको शौचालय सहित खाने पानी व्यवस्थाको लागि वरेक डाडाँको टंकीवाट विद्यालयको लागि छुट्टै RVT को प्रयोग खाने पानीको व्यवस्था |
| ५ | पाटन देवी आ.वि. मा खानेपानीको पाइप तथा धारा मर्मत गरी पानीको व्यवस्था |
| ६ | दामती मा.वि.र पाटनदेवी आ.वि मा खेल मैदान तथा घेरवारको व्यवस्था |
| ७ | दामती मा.वि. मा अपाङ्ग, बाल मैत्री फर्निचरको व्यवस्था |
| ८ | दामती मा.वि.र पाटनदेवी आ.वि.मा फर्निचर सहित ल्याब तथा पुस्तकालयको व्यवस्था |
| ९ | मांकाल आ.वि. मा बुक कर्नरको व्यवस्था |
| १० | मन्टेश्वरी विधिवाट बाल कक्षा संचालनको लागि आवश्यक पूर्वाधारको व्यवस्था |
| ११ | तहगत रूपमा विषय शिक्षकको दरवन्दीको व्यवस्था |
| १३ | पाठ्यक्रमले निर्दिष्ट गरे वमोजिम न्यूनतम प्यानल वार्ड, स्मार्ट बोर्ड जस्ता शैक्षिक सामग्रीहरुको व्यवस्था |
| १४ | विद्यालय र अभिभावक विच सम्बन्ध सुदृढ गर्नका लागि आवश्यक अभिमुखिकरण |
| १५ | विद्यालय व्यवस्थापन समिति, शिक्षक अभिभावक संघ लाई विद्यालय व्यवस्थापन समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी तालिम तथा गोष्ठी |
| १६ | शिक्षकहरुलाई प्रविधि मैत्री तालिम |
| १७ | दामती मा.वि.को हाता भित्र सरस्वती मन्दिर निर्माण |
| १८ | शैक्षिक गुणस्तर बृद्धिको लागि नमूना विद्यालयहरुमा भ्रमण तथा अवलोकन |
| १९ | श्रोत व्यवस्थापन गरी अतिरिक्त कक्षा संचालन |
| वडा नं. ७ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|------------------|--|
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरुको शैक्षिक ज्ञानको साथसाथै प्रयोगात्मक ज्ञानको विकास |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी विधिको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रुपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्बन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | विद्यालयहरुमा इन्टरनेट तथा विद्युतिकरणको व्यवस्था |
| १५ | विद्यालयहरुमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था |
| १६ | विद्यालयमा सांस्कृतिक संग्राहलयको व्यवस्था |
| १७ | प्रबुद्ध मा.वि. मा उच्चस्तरीय खेल मैदानको व्यवस्था |
| वडा नं. ८ | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ९ | गणित, विज्ञान विषयका ल्यावहरुको शैक्षिक ज्ञानको साथसाथै प्रयोगात्मक ज्ञानको विकास |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| ११ | विद्यालयमा मन्टेश्वरी विधिको विकास |
| १२ | विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरुलाई शैक्षिक सुधारको सम्वाहकको रुपमा विकास गर्न अभिमुखिकरण |
| १३ | विद्यालयहरुमा सुशासन र अभिलेखिकरण सम्बन्धी प्रचार प्रसार |
| १४ | कालिका आ.वि. मा आवश्यक फर्निचर सहित घेरवारको व्यवस्था |
| १५ | जगत जननी मा वि मा ४ कोठे भवन सहित घेरवारको व्यवस्था |
| १६ | सन्तमाला आ.वि. मा फर्निचर तथा घेरवारको व्यवस्था |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-------------------|--|
| वडा नं. ९ | |
| १ | विद्यालय पूर्वाधार निर्माण कार्यक्रम |
| २ | छात्रा मैत्री शौचालय निर्माण |
| ३ | पूर्ण विद्यार्थी विद्यालय भर्ना |
| ४ | प्रारम्भिक बाल विकास कार्यक्रम |
| ५ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ६ | विद्यालय जनशक्ति व्यवस्थापन |
| ७ | कक्षा १-५ फूलवारी कक्षा ६-१० करेसा वारी कार्यक्रम |
| ८ | विज्ञान, गणित तथा प्राविधिक ल्याब स्थापना |
| ९ | खेलकुद तथा सामग्री व्यवस्थापन |
| १० | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| ११ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| १२ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| १३ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| १४ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| १५ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| १६ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| १७ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| १८ | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |
| वडा नं. १० | |
| १ | विद्यालय नक्शांकन गरी शिक्षक विद्यार्थी अनुपातमा दरवन्दी मिलान |
| २ | जन्मदरको अन्तर र सुविधा सम्पन्न विद्यालयमा जाने प्रविधिले विद्यालयहरुमा विद्यार्थी संख्या घट्दै गएको परिप्रेक्षमा विद्यार्थी संख्या र भौगोलिक अवस्थालाई मध्यनजर गरी विद्यालय मिलान |
| ३ | परम्परागत शिक्षण क्रियाकलापलाई सुधार गर्न सूचाना प्रविधिसंग आवद्ध गरी शिक्षकको पेशागत कार्यक्रम संचालन |
| ४ | कार्यक्रम विवरण निर्माण गर्दा विद्यालयको हालको अवस्था अनुसार सुधार गर्नु पर्ने जस्तै ICT प्रत्यक्ष सुपरिवेक्षक कक्षा कोठामा रहनेगरी कक्षा अवलोकन |
| ५ | नमूना पाठ शिक्षण सिकाइ गर्दा पाठ्यक्रमले तोकिएको विषय वस्तुको प्रयोगात्मक विधिलाई प्रोत्साहन गर्ने |
| ६ | शिक्षण छनौट प्रक्रियामा योग्यता प्रणालीलाई प्रोत्साहन सहित विषय विज्ञको आपूर्ती |
| ७ | उत्कृष्ट विद्यालयका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन |
| ८ | वि.व्य.स., शि. अ. सं.हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| १० | विद्यालयहरुमा भित्ता लेखन, चित्र लेखन |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|---------|---|
| ११ | विद्यालय पूर्वाधार निर्माण कार्यक्रम |
| १२ | छात्रा मैत्री शौचालय निर्माण |
| १३ | पूर्ण विद्यार्थी विद्यालय भर्ना |
| १४ | प्रारम्भिक बाल विकास कार्यक्रम |
| १५ | वि.व्य.स., शि. अ. सं. हरुलाई विद्यालय व्यवस्थापन सम्बन्धी काम, कर्तव्य र अधिकार सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| १६ | विद्यालय जनशक्ति व्यवस्थापन |
| १७ | कक्षा १-५ फूलवारी कक्षा ६-१० करेसा वारी कार्यक्रम |
| १८ | विज्ञान, गणित तथा प्राविधिक ल्याव स्थापना |
| १९ | खेलकुद तथा सामग्री व्यवस्थापन |

३. खानेपानी तथा सरसफाई

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|------------------|---|
| वडा नं. १ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| ८ | खानेपानीको सुविधा नपुगेका घरधुरीहरुमा खोपानीको व्यवस्था |
| वडा नं. २ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| वडा नं. ३ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|------------------|---|
| वडा नं. ४ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| वडा नं. ५ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| वडा नं. ६ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| वडा नं. ७ | |
| १ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| २ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ३ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ४ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ५ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ६ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| ७ | मोलुङ खोला र पारा खोलाबाट लिफ्टिङ खानेपानी योजना संचालन |
| वडा नं. ८ | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|-------------------|---|
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| वडा नं. ९ | |
| १ | खानीखोला बृहत खानेपानी योजना |
| २ | दुले ओडार खानेपानी योजना |
| ३ | छाँगै, चित्रेटार, औअलेचौर, ठूलागाउँ खानेपानी योजना |
| ४ | केर्पेटार दोभान खानेपानी योजना |
| ५ | प्युरेपानी मुहान, तीनकटेरी, ओदाले, बुलडाडाँ खानेपानी योजना |
| ६ | खसेनी बुलडाडाँ रचने खानेपानी योजना |
| ७ | खनेपानी योजनाहरुको मर्मत संभार तथा दिगोपन योजना |
| ८ | दयाराम टोल पसलटोल खानेपानी योजना विस्तार |
| ९ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| १० | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |
| वडा नं. १० | |
| १ | खानेपानी मुहान संरक्षण |
| २ | समुदाय सरसफाई तथा अभिमुखिकरण |
| ३ | स्वच्छ पिउने पानीको लागि शुद्धता परिक्षण |
| ४ | वडामा संचालनमा रहेका खानेपानी योजनाहरुको मर्मत/पुन निर्माण |
| ५ | वडामा संचालित खानेपानी योजनाहरुको कार्य सम्पन्न |
| ६ | दिगो रुपमा खानेपानी योजना संचालनको लागि मर्मत संभार कोष स्थापना |
| ७ | एक घर एक धारा कार्यक्रम संचालन |

४. लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|--------------------|---|
| वडा नं.१-१० | |
| १ | विद्यालयमा युवती छात्राहरुलाई सेनेटरी प्याड व्यवस्थापन कार्यक्रम |
| २ | बाल विवाहा, घरेलु तथा लैङ्गिक हिंसा सम्बन्धी अभिमुखिकरण |
| ३ | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुका लागि स्वरोगार तथा आत्मनिर्भर कार्यक्रम |
| ४ | महिला पुरुष समविकास कार्यक्रम |
| ५ | महिलाहरुलाई क्षमता विकास कार्यक्रम |
| ६ | जेष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम |
| ७ | जेष्ठ नागरिक भेटघाट केन्द्र निर्माण |
| ८ | महिला हिंसा विरुद्ध कार्यक्रम |
| ९ | लैङ्गिक समानता तथा समावेशीकरण कार्यक्रम |

५. शवदाह स्थल तथा चिहान व्यवस्थापन

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|--------------|---|
| वडा नं. १-१० | |
| १ | शवदाहस्थल तथा चिहान क्षेत्रमा प्रतिक्षालय, विद्युत, खानेपानी तथा शौचालय तथा घेरवारको व्यवस्था |
| २ | शवदहन गर्नका लागि चिता निर्माण |
| ३ | शवदाहस्थल तथा चिहान क्षेत्रमा जाने बाटो नभएका स्थानहरुमा बाटो निर्माण |
| ४ | जातजाति तथा धर्म संस्कृति अनुसार किरियापुत्रीहरु वस्नको लागि किरियापुत्री भवन निर्माण |
| ५ | शवदहन गर्ने जाती धर्म अनुसारका लागि दाउराको व्यवस्था |
| ६ | शववहानको व्यवस्था |
| ७ | विभिन्न वडाहरुको विच केन्द्र पर्ने स्थानमा विद्युतिय शवदहन घर निर्माण |

(ग) पूर्वाधार विकास

१. बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|--------------|--|
| वडा नं. १-१० | |
| १ | विपन्न आवास कार्यक्रम संचालन तथा अभिवृद्धि |
| २ | असुरक्षित बस्तीहरुको संरक्षणको लागि प्रकृति अनुसार रिटेनिड बाल, ग्याविन बाल तथा बाँध निर्माण |
| ३ | साप्ताहिक मेला लाग्ने स्थानहरुमा भवन निर्माण तथा जीर्ण रहेका भवनहरुको पुर्ननिर्माण |
| ४ | आवश्यकताको आधारमा सामुदायिक भवन निर्माण |
| ५ | पाटी पौवा चौताराहरुको संरक्षण तथा पुर्ननिर्माण |

२. सडक तथा पुल पूर्वाधार

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|----------|---|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| वडा नं.१ | | | | | | | |
| १ | थुल्मेघाट-बलखु - सिस्नेरी सडक खण्ड स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | मोलुङ दोभान - साँधी - बलखु सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | थुल्मेघाट - थुम्की - सापकोटा टोल - पिपल डाडाँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | सिस्नेरी - भिर गाउँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | थुम्की - सिमलचौर सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | बलखु भन्ज्याङ - न्युरेनी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|------------------|---|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| ७ | थुल्मेघाट पक्की पुल निर्माण | | | | | | |
| ८ | ढेवुवा भोलुङ्गे पुल निर्माण | | | | | | |
| ९ | ढेवुवाघाट - साँधी - बलखु नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | | | | | |
| वडा नं. २ | | | | | | | |
| १ | पञ्चकन्या - पिपल डाडाँ - देउराली सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | पुनाटार - लुकुवा भन्ज्याङ - आरुभन्ज्याङ - दिप्सीङ - सल्लेरी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | गोठचौर - दिप्सीङ - टोङ्के डाडाँ - प्राङ्चे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | माथिल्लो सल्लेरी - भदौरे - बल्लुडाडाँ - आरुभन्ज्याङ नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | | | | | |
| ५ | देउराली - रचने भन्ज्याङ जोड्न नयाँ सडक खन्ने | | | | | | |
| ६ | लुकुवा - घैया डाडाँ - भेडीखोर सिता पोखरी - रचने जोड्न नयाँ सडक खोल्ने | | | | | | |
| ७ | ठाडोवारी - माथिल्लो टोङ्के - कटुस घारी - देउराली जोड्न नयाँ सडक खोल्ने | | | | | | |
| ८ | टोङ्के खडका टोल - आरु भन्ज्याङ मा.वि. जोड्ने नयाँ सडक खोल्ने | | | | | | |
| ९ | आँपटार - बलखु खोला हुदै १ नं. वडा जोड्न नयाँ सडक खोल्ने | | | | | | |
| १० | जनजाग्रिती आ वि - रोका टोल - अँधेरीसम्म नयाँ सडक खोल्ने | | | | | | |
| ११ | फिक्कल गा.पा ५ - सुनकोशी गा.पा २ को गोठेचौर जोड्ने पक्की पुल निर्माण (डि पी आर तयार भएको) | | | | | | |
| १२ | बलखु बेशी वडा नं. १ र २ जोड्ने बलखु खोलामा भोलुङ्गे पुल निर्माण | | | | | | |
| १३ | जुके दोभान वडा नं. १ र २ जोड्ने भोलुङ्गे पुल निर्माण | | | | | | |
| १४ | गोठचौर र पञ्चकन्याको भोलुङ्गे परल पुन निर्माण | | | | | | |
| वडा नं. ३ | | | | | | | |
| १ | हाल वडाभित्र निर्माण भएका सडकहरुको स्तरोन्नतका साथै कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | अस्तानी टोल - ओखेनी टोलसम्म नयाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| ३ | हावाघर हुदै माथिल्लो सल्लेरी - रचनेसम्म नयाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| ४ | देवीटार टोङ्के मालिङ्गे सडक निर्माण | | | | | | |
| ५ | अर्चले हुदै साकिनेसम्म सडक निर्माण | | | | | | |

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|------------------|---|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| ६ | मोचाप हुदै साकिने वडारेसम्म नयाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| ७ | जुके - ककनी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | पण्डीत टोल हुदै आँपवोटे - डाँफेसम्म सडक निर्माण | | | | | | |
| ९ | खानीगाउँ सुनारटोल सडक निर्माण | | | | | | |
| १० | डाडाँदेवु हुदै घ्याम्पा डाडाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| ११ | पोलुड हुदै जुके दोभान बलखु सिमानासम्म सडक निर्माण | | | | | | |
| १४ | सरस्वती प्रा.वि हुदै घ्याम्पा डाडाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| १५ | पर्यापर्यटनका लागि खानी गाउँ देखि माटे भोलुङ्गे पुल निर्माण | | | | | | |
| १६ | डौंठे डोडेनी भो.पु. निर्माण | | | | | | |
| १७ | सिमपानी - धमलागाउँ भो.पु. निर्माण | | | | | | |
| १८ | सिसनेरी भन्ज्याङ, मुखिया टोल, नेवार टोल, थामडाडाँ सिढी निर्माण सहित हाइकिङ्गको व्यवस्था | | | | | | |
| वडा नं ४ | | | | | | | |
| १ | मोलुङ दोभान, जेरुङ, डाडाँगाउँ, च्युरीवोट, तुमुक, माथिल्लो विनासे, तल्लो विनासे, ढाड खोला कल्लेरी सडक स्तरोन्नती तथा कालोपत्रे | | | | | | |
| २ | संसाक, विन्दुक, सार दुम्की सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | मोलुङ दोभान, गैरी जेरुङ, साँधी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | च्युरीवोट, वुलुङ खोला सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | जेरुङ, साँधी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | जेरुङ, माथिल्लो विनासे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | जेरुङ, घोम्पा, थालडाडाँ, डाडाँगाउँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | मोलुङ दोभान, जेरुङघाट, ढेवुवा सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| वडा नं. ५ | | | | | | | |
| १ | रइले फलाते सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | स्वास्थ्य चौकी, ठेउ, दुले, ऐसेलु खर्क फलाते सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | दुले ढाडखोला सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | फलाते, बान्द्रे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|------------------|--|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| ६ | डाडाँखर्क, चाहाले सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | कोषहाट, पात्ले, रइले सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | खेलमैदान मूलखर्क सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ९ | धारागहिरो, नागी डाडाँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| १० | वैंक छेउ, आहाल डाडाँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ११ | चहाले भडार, ओख्रे, पात्ले सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| १२ | दोभान, चित्रे, जोरचौर, नारा सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| वडा नं. ६ | | | | | | | |
| १ | गाउँपालिका, दामती हुदै मोलुङ खोला सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | नेप्टे, ढाडखोला देखि नेप्टे भन्ज्याङ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | दामती, ताप्के, ढाड खोला सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | वडा कार्यालय, खानीगाउँ, नेप्टे सडक निर्माण कार्य सम्पन्न | | | | | | |
| ५ | पुलामी टोल हुदै आलेगाउँ सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | थापागाउँ हुदै आँपडाडाँ कार्की टार सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | मोलुङ एक्वायर राष्ट्रिय सडकको कार्य सम्पन्न | | | | | | |
| वडा नं.७ | | | | | | | |
| १ | आँपस्वारा पोखरी हुदै फलाते सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | अमलाको फेद, गैरीवारी, पोखरी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | अमलाको फेद, जम्दारटोल, कोटघर सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | पोखरी, केयरेनी, कटुञ्जे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | पाटी डाडा, जोगी थुम्का, कोषहाट सडकसडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | वडा कार्यालय, सानो पोखरी, रयले, मुलखर्क नयाँ सडक निर्माण | | | | | | |

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|------------------|--|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| वडा नं. ८ | | | | | | | |
| १ | अधेरी, फलाते भन्ज्याङ मूल सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | माथिल्लो भालित, तल्लो भालित सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | सिम्पानी, अम्बोटे, डुम्रे, माने डाडा सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | सल्लाघारी, अग्राखे, पोखरे, अम्बोटे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | अग्राखे, बावीया सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | वनघर जाने सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | खाल्डे डाडा, चिसापानी, विर्ता, भ्यागुरे, रातमाटे सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | साविक ४ हुदै केउरेनी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| वडा नं. ९ | | | | | | | |
| १ | जोरआल केर्पेटार सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | दोभान तीन छागे भरना सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | रचने केर्पेटार सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | डाडाटोल क्लव सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | क्लव भैसेगौडा सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | रोकाटोल, स्वास्थ्य चौकी सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | ठुलागाउ डडुवा सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | डाडाटोल जाँते कोषहाट सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ९ | मसार पक्की पुल निर्माण | | | | | | |
| १० | केर्पेटार पक्की पुल निर्माण | | | | | | |
| ११ | लहरेनी भो.पु. निर्माण | | | | | | |
| १२ | केरावारी भो.पु. निर्माण | | | | | | |
| १३ | तीनछागे भरना भो.पु. निर्माण | | | | | | |
| १४ | काँडेखोला सडक | | | | | | |
| १५ | खोलाको डाडा, दोभान गुम्वा, चम्पादेवी मन्दिर नयाँ सडक निर्माण | | | | | | |
| १६ | चित्रेटार डाडाँखर्क सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| १७ | फलाते भन्ज्याङ, कोषहाटसडक स्तरोन्नती तथा कालो | | | | | | |

| क्र.सं. | राजमार्ग तथा सडकको नाम (शुरु र अन्तिम बिन्दु) | नयाँ ट्रयाक खोल्ने | | ग्रावेल गर्ने | | कालो पत्रे गर्ने | |
|-------------------|--|--------------------|------|---------------|------|------------------|------|
| | | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर | लम्बाइ कि.मि. | मिटर |
| | पत्रे | | | | | | |
| १८ | मान्द्रेदोभान कोषहाट, साँघुटार सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| १९ | चित्रेटार डाडाँखर्क सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| वडा नं. १० | | | | | | | |
| १ | मान्द्रे दोभान, कटुञ्जे मा वि मूल सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| २ | लप्से मन्दिर हुदै गंगाला मोड सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ३ | कुसादेवी, माथिल्लो वाविया हुदै च्यानम सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ४ | आँपको ढाड हुदै जामुने मोड सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ५ | श्रीकृष्ण प्रणामी मन्दिर देखि कोप्चे खोला सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ६ | कटुञ्जे मा वि हुदै पैया वोट सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ७ | तिते भित्ता, तल्लो वाविया, गंगा हुदै माथिल्लो वाविया सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ८ | कोप्चे खोला हुदै ह्याकुलेसम्म जाने सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |
| ९ | पिड डाडाँ हुदै शिव मन्दिर सडक स्तरोन्नती | | | | | | |
| १० | मोलुड खोला देखि लप्से मन्दिर सडक स्तरोन्नती तथा कालो पत्रे | | | | | | |

४. विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|----------------------|---|
| वडा नं.१ - १० | |
| १ | विद्युत नपुगेको ठाउँहरुमा विद्युतिय लाईन विस्तार |
| २ | पावर व्याकअप प्रणाली जडान तथा मर्मत संभार |
| ३ | विद्युतको क्षमता विस्तारको लागि सब स्टेशन निर्माण |
| ४ | विद्युतको नाङ्गो तारलाई विस्थापित गरी कालो तारको व्यवस्था |

५. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|----------------|---|
| वडा नं. १ - १० | |
| १ | गाउँपालिकाको कार्यालय, वडा कार्यालयहरु, विद्यालयहरु तथा सार्वजनिक स्थलहरुमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको स्तरोन्नती तथा विस्तार |
| २ | पर्यटकीय क्षेत्रहरुको प्रचार प्रसार |
| ३ | वडा कार्यालयहरुमा स्वयेतपत्र प्रकाशन |
| ५ | कम क्षमता भएका टेलिफोन टावरहरुको क्षमता अभिवृद्धि साथै थप टावर निर्माण |
| ५ | विभिन्न कार्यालयहरुबाट संचालित कार्यक्रमहरुको सफलताको कथा (Case Study) प्रकाशन |
| ६ | विभिन्न सरकारी तथा गैह्र सरकारी कार्यालयहरुमा सूचना/तथ्यांकको अध्यावधिक |

(घ) वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

१. वन तथा जैविक विविधता

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|--------------|---|
| वडा नं. १-१० | |
| १ | वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम |
| २ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरुको क्षमता विकास |
| ३ | वायो इन्जिनियरिङको व्यवस्था |

२. भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-----------|--|
| वडा नं. १ | |
| १ | काउलेको वाढी, पहिरो, कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्धन को व्यवस्था |
| २ | आम्बोटेको पहिरो नियन्त्रणको लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| ३ | बाह्रविसेको वाढी पहिरो कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्ध तथा बृक्षारोपण |
| ४ | न्युरेनीको वाढी पहिरो कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्ध तथा बृक्षारोपण |
| वडा नं. २ | |
| १ | सुनकोशी किनार क्षेत्रमा बाढी तथा कटान प्रभावित क्षेत्रमा तटवन्धनको व्यवस्था |
| २ | साँखे पहिरो नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| ३ | लुकुवा सिङ्घनटोलको सुख्खा पहिरो नियन्त्रणका लागि बृक्षारोपण |
| ४ | आरुभन्ज्याङ मा.वि. क्षेत्रको पहिरो नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| ५ | दिप्सिङ टार कुना क्षेत्रको भासिने तथा ढब्लेवाट नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| ६ | सामुदायिक वनहरुका डडेलो नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| वडा नं. ३ | |
| १ | खानीगाउँ, जुके, तल्लो सल्लेरीको पहिरो नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरु |
|-------------------|---|
| २ | ढाड खोला, कालो ढुंगा, आपवोटे, सिमपानी, पोलुडको कटान क्षेत्र नियन्त्रणका लागि तटवन्धन |
| ३ | सामुदायिक तथा कवुलियती वनहरुमा लाग्ने डडेलो नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| वडा नं. ४ | |
| १ | मोलुड खोला र सुनकोशी नदीको किनारमा हुने कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्धनको व्यवस्था |
| २ | विनासे, गैरी जेरुड, जेरुड घाट, खर्कुने, नयाँवस्ती, घ्याम्पा डाडाँको पहिरो नियन्त्रणका लागि ढल, ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| ३ | सामुदायिक तथा कवुलियती वनहरुमा लाग्ने डडेलो नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| वडा नं. ५ | |
| १ | वान्द्रे,पहिरो नियन्त्रणको लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपणको व्यवस्था |
| २ | दोभान खोला कटान क्षेत्र नियन्त्रणका लागि तटवन्धन |
| ३ | सामुदायिक तथा कवुलियती वनहरुमा लाग्ने डडेलो नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| वडा नं. ६ | |
| १ | दामती मा.वि. र नागी वासपानी क्षेत्रमा डडेलो प्रभाव नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| २ | ढाड खोला, भुल्के खोला, मोलुड खोला, पारा खोला, कात्तिके खोला क्षेत्रहरुमा वाढी तथा कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्धन |
| ३ | भुल्के खोला, रातो चौतारा, मानेडाडा, ठूलो पहिरो आसपास क्षेत्रको पहिरो नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| वडा नं. ७ | |
| १ | रयले वस्ती, माथिल्लो केउरेनी, तल्लो केउरेनी, राय गाउँ, सुवेदार टोल क्षेत्रको वाढी तथा पहिरो नियन्त्रणका लागि तटवन्धन, ग्याविन वाल तथा बृक्षारोपण |
| २ | सामुदायिक तथा कवुलियती वनहरुमा लाग्ने डडेलो नियन्त्रणका लागि जनचेतना कार्यक्रम |
| ३ | नाइटे, खर्क, ठूलीखेत क्षेत्रहरुको कटान नियन्त्रणका लागि तटवन्धनको व्यवस्था |
| वडा नं. ८ | |
| १ | भलदिप, कात्तिके, आँपस्वारा, पाडारे, कर्मरे, अग्राखे पुछार, दलित टोल, जोरधारा, सन्तटोल, विर्ता सल्लेरी, भालदिप नेवार वस्ती, रावतवेशी क्षेत्रहरुको पहिरो नियन्त्रणका लागि ग्याविन वाल, ढल व्यवस्थापन तथा बृक्षारोपण कार्यक्रम |
| वडा नं. ९ | |
| १ | ककनी खोला क्षेत्र तटवन्धन |
| २ | लहरनी खोला तटवन्धन |
| ३ | पहिरो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन |
| ४ | संरक्षण पोखरी निर्माण तथा मर्मत |
| वडा नं. १० | |
| १ | पैयावोट, साउने पाखा, जोगी डाडा वाट सोलुड, वेटी स्वाँरा दाहाल थुम्का, भट्टराई टोल, तिते भित्ता, विरपानी, काँडे खोल्सा क्षेत्रहरुको पहिरो नियन्त्रणको व्यवस्था |

३. वातावरण संरक्षण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरू |
|--------------|---|
| वडा नं. १-१० | |
| १ | समुदायमा आधारित स्वच्छ, प्रतिस्पर्धात्मक वडा तथा टोल सरसफाई कार्यक्रम |
| २ | फोहरमैला व्यवस्थापन कार्यक्रम |
| ३ | वातावरण मैत्री स्थानीय शासन कार्यक्रम |
| ४ | फोहरमैला व्यवस्थापनको लागि आवश्यक स्थानहरूमा डस्टवीनहरूको व्यवस्था |
| ५ | फोहरमैला संकलन तथा डम्पीड साइटको व्यवस्था |

४. महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

| क्र.सं. | कार्यक्रमहरू |
|-------------|--|
| वडा नं १-१० | |
| १ | विपद् व्यवस्थापन संस्थागत तथा क्षमता विकास |
| २ | आपतकालिन आश्रयस्थल निर्माण |
| ३ | बन्य जन्तु (बाँदर, दुम्सी) वाट संरक्षण कार्यक्रम |
| ४ | आपतकालिन कोषको व्यवस्था |
| ५ | आपतकालिन अवस्थामा उद्धार सामग्रीहरूको व्यवस्था |
| ७ | आपतकालिन उद्धारका लागि हेली प्याड निर्माण |
| ८ | विपद् व्यवस्थापनका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम |
| ७ | विपद् व्यवस्थापनका लागि टोलीहरू निर्माण |

(ड) संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

१. सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|-------------|--|
| वडा नं.१-१० | |
| क | संगठन तथा क्षमता विकास |
| १ | सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्धन कार्यक्रम |
| २ | सूचना प्रविधि मैत्री शासन |
| ३ | घुम्ती सेवा प्रवाह |
| ४ | उपभोक्ता समितिहरूलाई अभिमुखिकरण |
| ५ | सार्वजनिक सम्पतीहरूको अभिलेखिकरण |
| ख | कानून नीति तथा सुशासन |
| १ | कार्यालय व्यवस्थापन तथा भौतिक सुधार |
| २ | जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, नागरीक संस्थाहरूको क्षमता विकास |

| क्र.सं. | कार्यक्रम |
|---------|---|
| ३ | कर्मचारी प्रोत्साहन |
| ४ | सामुदायिक संस्था परिचालन |
| ५ | अन्तर निकाय समन्वय तथा अन्तरक्रिया |
| ६ | अर्धवार्षिक, बार्षिक समिक्षा तथा सार्वजनिक सुनुवाई |
| ७ | सेवा प्रवाह गर्दा हुने अतिरिक्त खर्च व्यवस्थापन |
| ८ | नागरीक वडा पत्र निर्माण |
| ग | विकास व्यवस्थापन |
| १ | योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्यांकनलाई सूचनामा आधारित, सहभागितामुलक र नतीजा मुलक बनाउने |
| २ | सम्पन्न भएका योजनाहरुको मापदण्ड नागरीकसम्म पुऱ्याउन विभिन्न सूचना प्रविधिहरुको प्रयोग |
| ३ | योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनसम्म उपभोक्ता तथा ठेकेदारहरुले गर्नु पर्ने कार्यको लिफलेटको तयार |
| ४ | आफ्नो पक्की भवन नभएका वडा कार्यालयहरुको भवन निर्माण |

अनुसुची ३ : वडागतरुपमा बैठकका उपस्थितिहरु

आजमिति २०७७ साल फौष २१ गतेका दिन यस सुनकोशी गाउँपालिका वडा नं.१ को आवधिक योजना निर्माणका लागि का.वा.वडा अध्यक्ष श्री भिमभाया वि.क. को अध्यक्षतामा तपशिलको उपस्थितिमा हुलफल गरी योजना संकलन गरियो।

उपस्थिति

| | | |
|--------------------------|--------------------------------|--|
| १. भिमभाया वि.क. | का.वा.वडा अध्यक्ष | |
| २. कुण्डेराज पहाडी | वडा सदस्य | |
| ३. तिलक लुइटेल् | ने.का.सभापती | |
| ४. पशुपती गिरी | नेकपा एमाले अध्यक्ष | |
| ५. नवराज लुइटेल् | समाजसेवी | |
| ६. शङ्कर गिरी | नेकपा एमाले जिल्ला कमिटी सदस्य | |
| ७. यदु गिरी | समाजसेवी | |
| ८. शान्ती प्रसाद पराजुली | प्रधानाध्यापक कलासु मान्नि. | |
| ९. भोजराज पहाडी | शिक्षक | |
| १०. पेशाल कुमाँर अधिकारी | सब. इन्जिनियर | |
| ११. आस्तिक अधिकारी | वडा सचिव | |
| १२. कुशल पहाडी | कृषि प्राविधिक | |
| १३. नारकमणी पहाडी | समाजसेवी | |
| १४. चक्रवर्तु र छिन्द्रे | - " " | |
| १५. दीप नारायण जाखी | - Consultant | |
| १६. केशव महादुर ठगुन्ना | - " " | |

आज मिति २०८१/०९/२० गते यस सुनकोशी गा.पा वडा नं. २ को आविधक योजना निर्माणका लागि वडा अध्यक्ष श्री खिला बहादुर तामाङको अध्यक्षतामा तपशिल अनुसारको उपस्तितीमा छलफल गरी योजना संकलन गरियो ।

तपशिल

१. श्री खिल बहादुर तामाङ
२. श्री डम्बर बहादुर तामाङ
३. श्री राम बहादुर तामाङ
४. श्री रुपशिला तामाङ
५. श्री सरस्वती लगुन
६. श्री ज्योत्सना तामाङ
७. श्री. किशोरा तामाङ
८. श्री. केदार बहादुर तामाङ
९. श्री. नितलक्ष्मी बुढटेल्
१०. श्री. नितला राम बुढटेल्
११. श्री. प्रेमक प्रसाद तामाङ
१२. श्री. महेश्वर प्रसाद तामाङ
१३. श्री. प्रकाश तामाङ
१४. श्री. रामश्री तामाङ
१५. श्री. गणेश तामाङ

आज मिति २०८१ साल पौष १९ गतेका दिन यस खुनकोशी गाउँपालिका वडा नं. ३को आवधिक योजना निर्माणका लागि यस वडाका वडा अध्यक्ष श्री. गिर्वराज थापा मगरको अध्यक्षतामा तपत्रोलमा उपस्थित सरपचागीहरू विच छलफल गरी योजना संकलन गरियो ।

उपस्थित

१. गिर्वराज थापा मगर वडा अध्यक्ष *गिर्वराज*
२. भोलाराम पण्डित वडा सहाय *भोलाराम*
३. खड्ग वडाडुर थापा क्षेत्री " " "
४. खरिता थापा वडा सहाय
५. लिलामाया कामी वडा " " लिलामा
६. वीर वडाडुर थापा क्षेत्री " लक्ष्मण
७. निर्मला परिवार पशु सेवा प्रविधि *निर्मला*
८. वेदुव लुहरेल लामाजिष्ठ पाचाल *वेदुव*
९. दिप नारायण जोशी
१०. केशव वर लुहरेल *केशव*
११. पद्म वर लुहरेल स्वा. चौकी इन्चार्ज *पद्म*
१२. शान्तीमान राई प्र.अ. प.मा. *शान्तीमान*
१३. जगत वर लुहरेल प्र.अ. जो.मा. *जगत*
१४. हरिवंश पराजुली प्र.अ. लु.मा. *हरिवंश*
१५. विजय कुमार साह प्र.अ. जलकला *विजय*
१६. सुष्मा राई वि.व्य. ल.अ. *सुष्मा*
१७. प्रशान्त थापा मगर का.ज. हे.स. *प्रशान्त*
१८. चन्द्र वर थापा वि.व्य. ल.अ. *चन्द्र*
१९. लालुमाया श्रेष्ठ मेलमिलाप कर्ता *लालुमाया*
२०. गजेन्द्र पुसाके पण्डित खुनकोशी-३ *गजेन्द्र*
२१. राम वर मगर " " *राम*
२२. धन कुमार मगर " " *धन*
२३. पवित्राया वि.व. " " पवित्राया
२४. चन्द्र वर थापा " " *चन्द्र*
२५. नन्द कुमार ताम्राड नै.का. *नन्द*

आज मिति २०७९ साल पौष १८ गतेका दिन यस युवोशी गाँउ पालिका वडा नं. ४ को अतिरिक्त योजना निर्माणको लागि यस वडाको वडा अध्यक्ष श्री राधकृष्ण शर्माको अध्यक्षतामा एक बैठकको अख्तियारित हुनेगरेको छ। यस बैठकमा उपरोक्त योजना अंतिम गरियो।

उपस्थित

- | | |
|--|---------|
| १) श्री राधकृष्ण शर्मा (वडा अध्यक्ष) | जयशंकर |
| २) श्री अवराम श्रेष्ठ (वडा सदस्य) | श्री |
| ३) श्री निर्मला श्रेष्ठ (वडा सदस्य) | निर्मला |
| ४) श्री कविता श्रेष्ठ (वडा सदस्य) | केस |
| ५) श्री दिप नारायण जोशी | दिप |
| ६) श्री केशव नारायण ठकुरा | |
| ७) श्री उर्मिला कुमारी खत्री (वडा सदस्य) | खत्री |
| ८) श्री रामकाजी श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| ९) श्री शंकर नारायण श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| १०) श्री शंकर नारायण श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| ११) श्री मिन वहादुर शर्मा | वहादुर |
| १२) श्री अंग वहादुर शर्मा | वहादुर |
| १३) श्री मोहन शर्मा | मोहन |
| १४) श्री सुन्दर काजी श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| १५) श्री नवराज श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| १६) श्री हाकिम कुमाल श्रेष्ठ | हाकिम |
| १७) श्री मनामान श्रेष्ठ | मनामान |
| १८) श्री राम सागर थापा | सागर |
| १९) श्री रमेश वहादुर शाही | वहादुर |
| २०) श्री कृष्ण श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| २१) श्री उर्मिला कुमारी | कुमारी |
| २२) श्री विना शर्मा | विना |
| २३) श्री रघुका श्रेष्ठ | श्रेष्ठ |
| २४) श्री विर वहादुर श्रेष्ठ | वहादुर |
| २५) | |

आज मिति २० वर्षाल पाँच वर्षाको दिन सुनसरी
गा.पा. वडा नं. २ मुलखुम्बा आन्वेषिक योजना निर्माणको
लागे तथा सङ्गलन तथा छलफल कार्यक्रम वडाध्यक्ष
श्री गोकुलराम तामाङको अध्यक्षतामा तैयार गरियो। जसमा
उपस्थिति र हस्ताक्षर निम्नप्रकार गर्ियो।

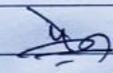
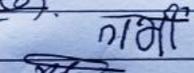
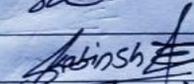
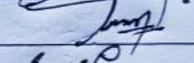
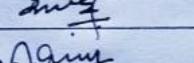
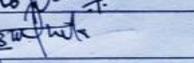
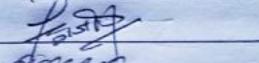
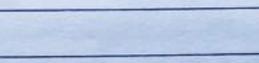
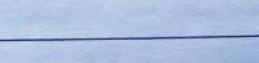
तपश्चिन्ता

- | | | |
|-----|-------------------------------|---------|
| १. | वडाध्यक्ष श्री गोकुलराम तामाङ | नाम |
| २. | श्री पंचकहाल तामाङ | अध्यक्ष |
| ३. | श्री गणेश कहाल तामाङ | सदस्य |
| ४. | श्री निरमाया तामाङ | |
| ५. | श्री दिलकुमार तामाङ | |
| ६. | श्री सन्त वरवाल | |
| ७. | श्री सुमा तामाङ | सदस्य |
| ८. | श्री सुभाष कहाल तामाङ | सदस्य |
| ९. | श्री दिपक तामाङ | सदस्य |
| १०. | श्री हिममाया तामाङ | |
| ११. | श्री इन्द्र कहाल तामाङ | |
| १२. | श्री सन्तोष खत्री | |
| १३. | श्री दीप नारायण जोशी | |
| १४. | श्री केशव कहाल रकुना | |
| १५. | श्री कुमार कहाल तामाङ | |

आज मिति २०७१/०९/१६ गते यसू सुदौमो गाउँपालिका वडा नं. ६ का कार्यवाहक वडा अध्यक्ष प्रेम बहादुर तामाङको अध्यक्षतामा आवधिक योजना निर्माणका लागि बृहत् बैठकको उपस्थिति हस्ताक्षर तपाशिल वमोजिम रह्यो ।

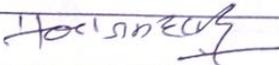
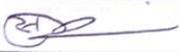
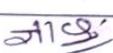
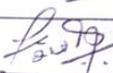
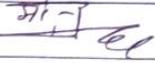
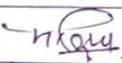
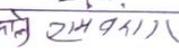
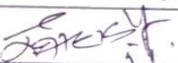
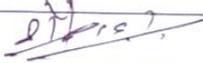
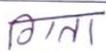
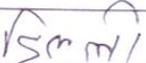
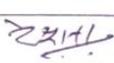
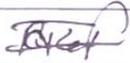
तपाशिल

हस्ताक्षर

- | | | |
|--|--------------------|---|
| १. का.बि.अध्यक्ष : | प्रेम बहादुर तामाङ |  |
| २. वडा अध्यक्ष : | गर्भि माया आले मगर |  |
| ३. वडा अध्यक्ष : | मन कुमार पौडेल |  |
| ४. वडा सचिव : | रविन्द्र शर्मा |  |
| ५. सामाजिक परिचालक : | पद्म प्रसाद शर्मा |  |
| ६. प्र.अ. दामती मा.वि. उत्तम कुमार खत्री | |  |
| ७. प्र.अ. पाटकी आ.वि. कर्णिक गौतम | |  |
| ८. के.रा.ब. बहादुर कुडुलीना | |  |
| ९. नमस्कार प्र. नारायण जोशी | |  |
| १०. श्री रमेश नारायण थापा मगर | |  |

आज मिति २०८१ साल पौष १५ गते आइतबारका दिन युवाकोशी गाउँपालिका वडा नं ८ को वडा कार्यालयमा युवाकोशी गाउँपालिकाको आबधिके योजना निर्माणका लागि तथ्याङ्क सङ्कलन तथा हनफल कार्यक्रमको उपाध्यक्षी देहाय बमोजिम रहेका हुन्।

तपश्चिन्त

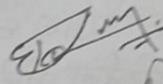
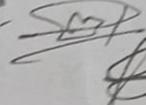
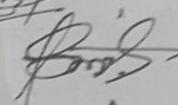
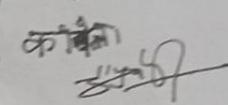
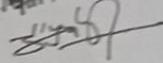
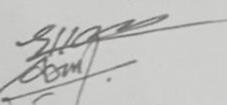
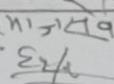
१. गुणराज भट्टराई- वडा अध्यक्ष 
२. युशीला श्रेष्ठ - वडा सदस्य 
३. ढाल बहादुर बुढथोडी- वडा सदस्य 
४. ज्ञान कुमारी श्रेष्ठ - वडा सदस्य 
५. दिप नारायण जोशी - परामर्शदाता 
६. मान बहादुर थापा - पार्टी प्रतिनिधी (समले) 
७. निर बहादुर श्रेष्ठ - " " नेपाली काँग्रेस 
८. मोहन कुमार थापा - पूर्व शिक्षक 
९. राम बहादुर नरनेत - प्रतिनिधी (ने.व.प.स.म.ने. २५११११) 
१०. भीम बहादुर कुवाल - पार्टी प्र. (स.प्र.पा.) 
११. रमेश बहादुर कुवाल - शिक्षक 
१२. शीर बहादुर कुवाल - समाजसेवी 
१३. बाल कुमारी परियार - आमा समूह अध्यक्ष 
१४. गिता श्रेष्ठ - " " सचिव 
१५. रेश प्रसाद भट्टराई - स्थानीय 
१६. दिल्ली प्रसाद भट्टराई - स्थानीय समाजसेवी 
१७. नृप कुवाल - स्थानीय 
१८. ललिता राध भट्टराई - स्थानीय 
१९. सन्तोष लुडेले - स्थानीय 
२०. टेक बहादुर राणा - पार्टी प्रतिनिधी (समाजवादी) 
२१. वृष भहादुर मगर - स्थानीय 

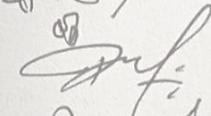
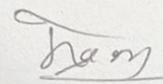
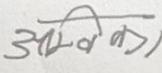
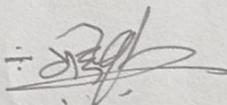
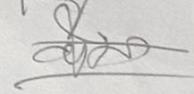
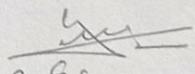
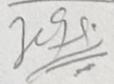
आज्ञा क्रि.सं. २०७१.०९/१२ गतेका दिन यस सुनकोशी गाउँपालिकाको आवान्धिक योजना निर्माणकालागि सर्वोप कर्मचारीको आ.वि.का.मा.को प्राविधिक सहयोगमा यस तर्फ पालिकाको वडा नं. ९ मा चर्ल वडाको वडा अध्यक्ष जी हितराज काकीको अध्यक्षतामा तयारित वडासभको उपनिर्वाहमा इलकल गरी योजना संकलन गरीयो।

तयारित

| क्र.सं. | नाममात्र | ठेगाना | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------------|----------------------------|-----------|
| १. | हित राज काकी | वडा अध्यक्ष सुनकोशी-९ | |
| १. | एन बे. तामाङ | " सहाय " " | |
| २. | जुमारी साकी | " " " | |
| ४. | जेट प्रसाद अधिकारी | सुनकोशी-१० | |
| ५. | नर बहादुर रापचा | सुनकोशी-९ | |
| ३. | पैरालकुमार ठाकी | प्र.अ.ब.प्रा.देवी आ.वि.ठकी | |
| ६. | लिलक तामाङ | शिक्षक " " | |
| ७. | मान बहादुर तामाङ (पतेर) | श.क. कालिका मा.वि. सुनकोशी | |
| ९. | रमेश विश्वकर्मा | शिक्षक | |
| १०. | सुमिता कटवाल | कालिका मा.वि. | |
| ११. | निर्मला लुइरेल | सुमिता आ.वि. सुनकोशी | |
| १२. | मिना कुमारी तामाङ | चम्पादेवी आ.वि. सुनकोशी | |
| १३. | वि.रा. बस्नेत | सुनकोशी | |
| १४. | राजवीर राई | चम्पादेवी आ.वि. सुनकोशी | |
| १५. | गोमा देवी रात्री | सुनकोशी-९ काँ | गोमा |
| १६. | दल बहादुर रापचा | कटुवाँडा गा.वि.सुनकोशी | |
| १६. | फत्त बहादुर रापचा | सुनकोशी ९ भाँ | |
| १७. | मान बहादुर नेपाली | सुनकोशी ९ भाँ | मान |
| १८. | लोकनाथ अधिकारी | " ९ भाँ | |
| १९. | इन्धु पहाडुरी पौडेल | " ९ | |
| १९. | सुकु वं. काकी - | " ९ भाँ | |
| २०. | देविष्ठा नेपाली | " ९ भाँ | |
| २१. | कर्मा तामाङ | " ९ भाँ | |
| २२. | चम वं. रात्री | " ९ भाँ | |
| २३. | चैत वं. रात्री | " ९ भाँ | |
| २४. | दिप नारायण जोशी | consultant | |

आज त्रिते २०१७ साल पौष १२ जतेक दिन यस सुनकोशी जाँझलिकले
 आवादेक योजना निर्माणका लागि प्राविधिक सहयोग गर्ने सहकार्य कस्यल
 टेन्सी प्राणलेकर यस पत्रिकाको कानं १०ला वडा अध्यक्ष की छले
 रणण धमलाके अध्यक्षतामा तपत्रिल कागेजितको उपरिस्थितता
 यस वडाको पञ्च वर्षको लागि योजना छर्नाट जरी स्थलगत गरिये
 उपस्थिति

- १- छविप्रमण धमला - अध्यक्ष 
२. खिर्ना पौडेल - वडा सहकार्य 
३. दत्त बहादुर कटवाल - वडा सहकार्य 
४. विलयज पराजुली - वडा सहकार्य 
५. कौपिला खाडि - वडा सहकार्य 
६. ज्ञान कुमारी युक्ती - वडा सहकार्य 
७. दिप नायण जोशी - नि. अर्द्ध २ रिपलिडर 
८. केशव बहादुर कुकुल्ला - नि. आई इन्जिनियर 
९. रमेश कुमार अधिकारी - खाजखेवी बुझिजिमी 
१०. प्रकाश खिरी - शिक्षक (प्र.अ.) 
११. युडामोषि अधिकारी - शिक्षक (प्र.अ. प्रतिनिधि) 
१२. कपल अरुवाडि - शिक्षक (प्र.अ.) 
१३. तारा नाथ पराजुली - खाजखेवी बुझिजिमी 
१४. गंगा लाल गिरी - " " 
१५. विष्णु प्रसाद खनाल - " " 
१६. जमुना अधिकारी - स्वास्थ्य कार्ड प्रमुख 
१७. शान्ति नाथ अधिकारी - वडा कार्याचारी 
१८. भोजराज पराजुली - को.स. 
१९. सरकाज धमला - खाजखेवी 

20. कुल प्रसाद धमला - स्वामाजयेवी बुद्धिजीवी 
21. राध प्रसाद वास्तोला " " 
22. ब्रजश्याम धमला - स्वामाजयेवी बुद्धिजीवी - 
23. परम कुमार सुनुवार - " " - परम
24. मेनुका श्रेष्ठ (मनमाया) - शिक्षक द.श. 
25. आश्विनी दाहाल - स्वामाजयेवी बुद्धिजीवी - 
26. विमला पराजुली - विमला -
27. धनश्याम धमला -
28. मधेश्वर वास्तोला - स्वामाजयेवी बुद्धिजीवी - 
29. सुरेश्वरी आधिकारी - " " 
30. वैम प्रसाद लायाल " " 
31. सुकुण्ड शिरेठ " " 
32. लुकेश प्रधान " " 

अनुसुची ४ : आवाधिक योजनाको प्रारम्भिक छलफलको माइन्सूट

यस सुनकोशी गाउँपालिका गाउँकार्यपालिकाको बैठक नं.... मिति २०८१।०९।१० गते गाउँपालिकाका अध्यक्ष, श्री कमल तामाङको अध्यक्षतामा बसी तपशिल बमोजिमका प्रस्तावहरु उपर तपशिल बमोजिमका निर्णयहरु गरियो ।

| क्र.स. | नाम | ठेगाना | पद | दस्तखत |
|--------|-------------------------|---------------|-------------------------|--------|
| १ | कमल तामाङ | सुनकोशी ५ | अध्यक्ष | |
| २ | सुनिता अधिकारी | सुनकोशी ८ | उपाध्यक्ष | |
| ३ | प्रकाश सापकोटा | सुनकोशी १ | वडा अध्यक्ष | |
| ४ | खिलबहादुर तामाङ | सुनकोशी २ | वडा अध्यक्ष | |
| ५ | गिर्वराज थापा मगर | सुनकोशी ३ | वडा अध्यक्ष | |
| ६ | टायन्द्र राई | सुनकोशी ४ | वडा अध्यक्ष | |
| ७ | गोविन्द राम तामाङ | सुनकोशी ५ | वडा अध्यक्ष | |
| ८ | विश्वणु आले मगर | सुनकोशी ६ | वडा अध्यक्ष | |
| ९ | चेत बहादुर कटवाल | सुनकोशी ७ | वडा अध्यक्ष | |
| १० | गुणराज भट्टराई | सुनकोशी ८ | वडा अध्यक्ष | |
| ११ | हितराज कार्की | सुनकोशी ९ | वडा अध्यक्ष | |
| १२ | छबीरमण धमला | सुनकोशी १० | वडा अध्यक्ष | |
| १३ | जमुना घिमिरे | सुनकोशी १ | महिला सदस्य | |
| १४ | लक्ष्मि बानियाँ (खत्री) | सुनकोशी ५ | महिला सदस्य | |
| १५ | सिर्जना पौडेल (दाहाल) | सुनकोशी १० | महिला सदस्य | |
| १६ | सुशिलाश्रेष्ठ | सुनकोशी ८ | महिला सदस्य | |
| १७ | होम बहादुर वि.क. | सुनकोशी ८ | दलित सदस्य | |
| १८ | रामकुमार कार्की | सुनकोशीगा.पा. | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | |

आमन्त्रित

| | | | | |
|----|-------------------|----------------|-------------------|--|
| १९ | सुवाश धमला | सुनकोशी गा.पा. | लेखा अधिकृत सातौँ | |
| २० | डा. रामादेव शर्मा | | कंसल्टेन्ट रिज | |
| २१ | पद्मेश शर्मा | | सि.एम. रिज | |
| २२ | दिप तामाङ | | | |

सुनकोशी गाउँपालिका
 गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
 मन्थली, ओखलढुंगा
 कोशी प्रदेश, नेपाल
 स्या. २०७३

प्रस्तावका विषयहरूः

- १) अधिल्लो कार्यपालिका बैठकको समिक्षा सम्बन्धमा ।
- २) गाउँपालिका प्रशासकीय भवनमा फर्निचरको लागि दररेट स्वीकृत गर्ने सम्बन्धमा ।
- ३) करार कर्मचारीहरूको करार म्याद थप गर्ने सम्बन्धमा ।
- ४) विपद् व्यावस्थापन कोष (सञ्चालन) कार्यविधि, २०८१ पास गर्ने सम्बन्धमा ।
- ५) राष्ट्रपति रनिङ्गशिल्ड प्रतियोगिताको लागि पेशकी उपलब्ध गराउने सम्बन्धमा ।
- ६) संघीय संचितकोषमा बेरुजु दाखिला गर्ने सम्बन्धमा ।
- ७) सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरणको लागि बैंक संग सम्झौता गर्ने सम्बन्धमा ।
- ८) सुनकोशी गाउँपालिका गाउँ प्रहरी व्यवस्थापन कार्यविधि, २०८१ संसोधन सम्बन्धमा ।
- ९) खानेपानीको ^{पुनः} D.P.R. गर्ने सम्बन्धमा
- १०) आवधिक योजना निर्माणको लागि सुझाव संकलन सम्बन्धमा ।
- ११) गाउँपालिका प्रशासकीय भवनको भुक्तानी बाँकी रकम सम्बन्धमा ।
- १२) गाउँपालिका ५ बेड हस्पिटलको लागि रकम माग गर्ने सम्बन्धमा ।
- १३) विशेष र समपुरक अनुदान सम्बन्धमा ।
- १४) LISA सम्बन्धमा ।
- १५) विपद् प्रभावित अस्थायी आवासको घरधनीको सूची पास गर्ने सम्बन्धमा ।
- १६) प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमको रकम बाँडफाँड सम्बन्धमा ।
- १७) कर्मचारी सरुवा सहमति सम्बन्धमा ।
- १८) राष्ट्रपति रनिङ्गशिल प्रतियोगिताको लोगो पास गर्ने सम्बन्धमा ।
- १९) सडक निर्माणको रकम भुक्तानी गर्ने सम्बन्धमा ।
- २०) प्रधानमन्त्री रोजगार शाखामा रोजगार सहायक राख्ने सम्बन्धमा ।
- २१) योजना तथा कार्यक्रम माग गर्ने सम्बन्धमा ।
- २२) बजेट निरन्तरताको लागि अनुरोध गर्ने सम्बन्धमा ।
- २३) आर्थिक सहायता सम्बन्धमा ।
- २४) विविध सम्बन्धमा ।



Handwritten signatures and initials are present at the bottom of the page, including a large signature in the center and several smaller ones on the left and right.

मुलखर्क खानेपानी योजना सुनकोशी ५ को लागि श्री homeplans Consultancy pvt.ltd.धरान १२ सुनसरीले तयार पारेको D.P.R रिपोर्ट सर्वसहमतिले पारित गर्ने र सम्झौता बमोजिमको रकम भुक्तानीको लागि कार्यालयलाई निर्देशन दिने निर्णय सर्वसहमतिले पारित गरियो ।

निर्णय नं.-१०,प्रस्ताव नं.-१० माथि विस्तृतरूपमा छलफल गर्दा सुनकोशी गाउँपालिकाको आवधिक योजना निर्माणको लागि Sahakarya consult pvt.ltd संग भएको सम्झौता अनुसार काम अगाडी बढाउँने निर्णय सर्वसहमतिले पारित गरियो ।

निर्णय नं.-११,प्रस्ताव नं.-११ माथि विस्तृतरूपमा छलफल गर्दा सुनकोशी गाउँपालिकाको प्रशासकीय भवनको भुक्तानी गर्न बाँकी रकम गाउँपालिका समपूरक कोष बाट भुक्तानी दिन कार्यालयलाई निर्देशन गर्ने र समपूरक कोषमा अपुग हुने रकम आगामि गाउँसभाबाट थप गर्ने निर्णय सर्वसहमतिले पारित गरियो ।

निर्णय नं.-१२,प्रस्ताव नं.-१२ माथि विस्तृतरूपमा छलफल गर्दा सुनकोशी गाउँपालिकामा निर्माणाधिन गाउँपालिका ५ बेड हस्पिटलको कार्यप्रगतिको आधारमा श्री स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय समक्ष रकम माग गर्ने निर्णय सर्वसहमतिले पारित गरियो ।

निर्णय नं.-१३,प्रस्ताव नं.-१३ माथि विस्तृतरूपमा छलफल गर्दा आ.ब.२०८२/०८३ का लागि तपसिल बमोजिम विशेष र समपूरक अनुदान नेपाल सरकारलाई माग गर्ने निर्णय सर्वसहमतिले पारित गरियो ।

तपसिल:

| क्र.सं. | आयोजनाको नाम | अनुदानको प्रकार | म गरिएको रकम | कैफिय |
|---------|---|-----------------|------------------|---|
| १ | सुनकोशी गाउँपालिकाको शैक्षिक विकास तथा साक्षरता सुधार कार्यक्रम | विशेष अनुदान | रु ३ करोड ५० लाख | बहुवर्षिय योजना (कुमागत) विगत १ आ.ब. देखि संचालित |

सुनकोशी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
मुलखर्क, ओखलढुंगा
कोशी प्रदेश, नेपाल
स्था: २०७३

(Handwritten signatures and marks)

| | | | | | |
|-----|-----------|--------|-----------|-------------|-------------|
| 25) | बुधकुमारी | दासल | सुनकोशी-९ | | ७१२ |
| 26) | चन्द्रकला | श्रीवन | शा.पा.सदर | येजातअद्यया | — |
| 27) | सपना | बवना | " ६ | | <u>२१</u> |
| ३९ | कमला | गोतम | " ६ | " | <u>कमला</u> |

अनुसुची ६ : कार्यक्रमका केही फोटोहरु







अनुसुची ७ : अन्तिम मस्यौदा प्रतिवेदनको छलफलका भलकहरु



